





STORIES OF THE HINDU GODS;
EARLY EIGHTEENTH CENTURY SANSKRIT MANUSCRIPT.
(Ca. 1720, ~~####~~ A.D.)

The MS. is probably of INDIAN origin, although the unusually well-painted illustrations (eight in number) show decided Persian influence.

There ~~####~~ is the usual literary arrangement or sequence of the text, the history and picture of GANESH - the elephant-headed ~~####~~ deity and God of Good Luck - having first place in the volume. (Note. ** Sanskrit, like most European and unlike most Oriental ~~##~~ script, is written from left to right, and books are paged as in English, but generally by leaves.) ** Several leaves and pages are incomplete, missing or poorly mended. The old stamped cotton cover is probably not original, but ~~is~~ over 100 years old.

DR. CASEY WOOD

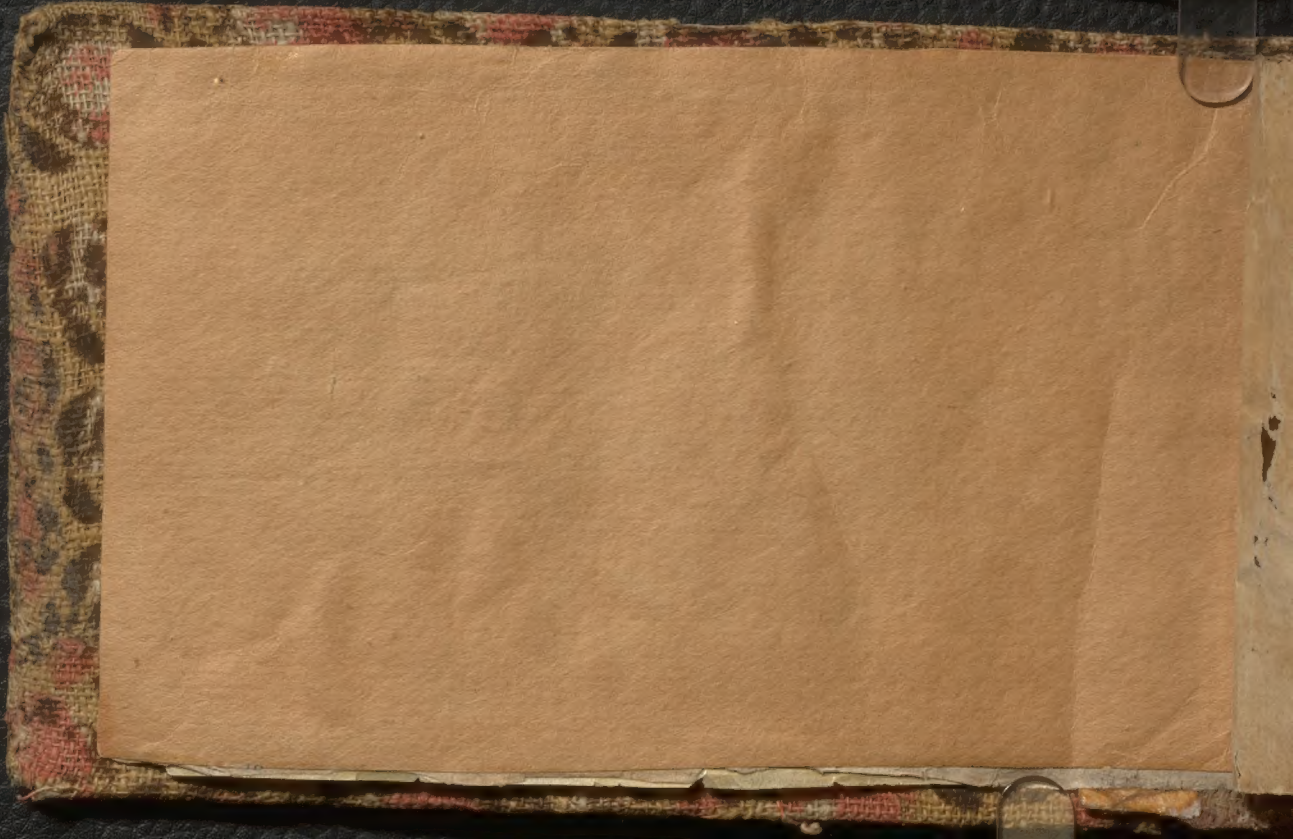
HOUSE-BOAT "SARVAKR" modern

BRINDAVAN

maybe

Book box - Chenar design.

May 1st 1926.



ॐ भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः
 पूज्यं भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः
 वदन्तं भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः
 भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः
 पूज्यं भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः
 वदन्तं भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः
 भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः
 पूज्यं भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः
 वदन्तं भगवन्तं देवकं पुरुषं रागेभ्यः

II.

(1) गल्लममुवशाल
 (2) ठवनीनममदमा
 गल्लमुवा उरुकी
 (5) गल्लकवम
 (6) हलमुश
 (7) पासुमुवा

मेरुदलदगी
 रुमभु
 मिवनिराल
 भदिमन
 गीमिश
 रुमकन
 मिवकवम

मपणमभर
 रममुपुक
 रुयमुइ मिव
 मुइ उ ठेरावा
 नवण्डा मुदि
 हुरुया

विष्णुभक्तनमः

भक्तभक्त

रंकीविष्ट

मदभक्त

लक्ष्मी

ठगवन्तो

नगय

उपनिषद्

(34)

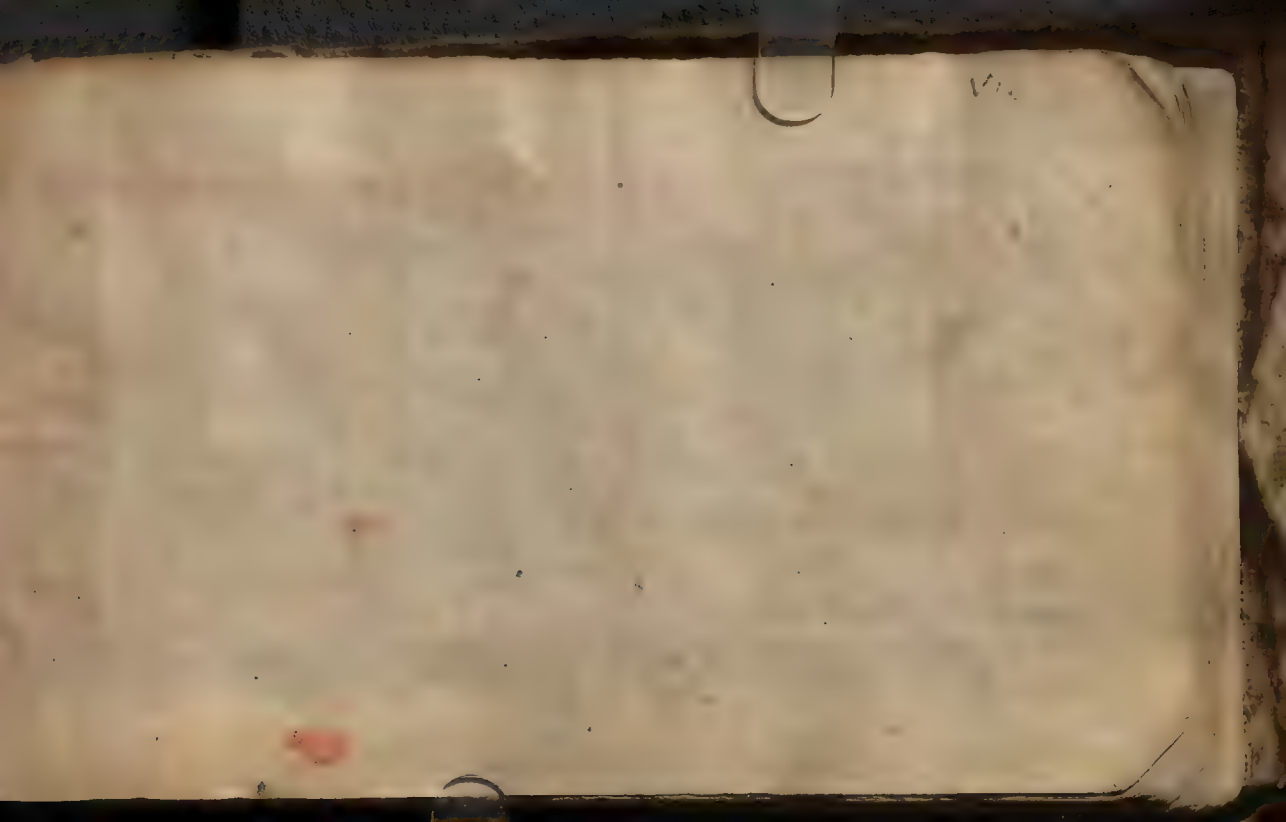
(35)

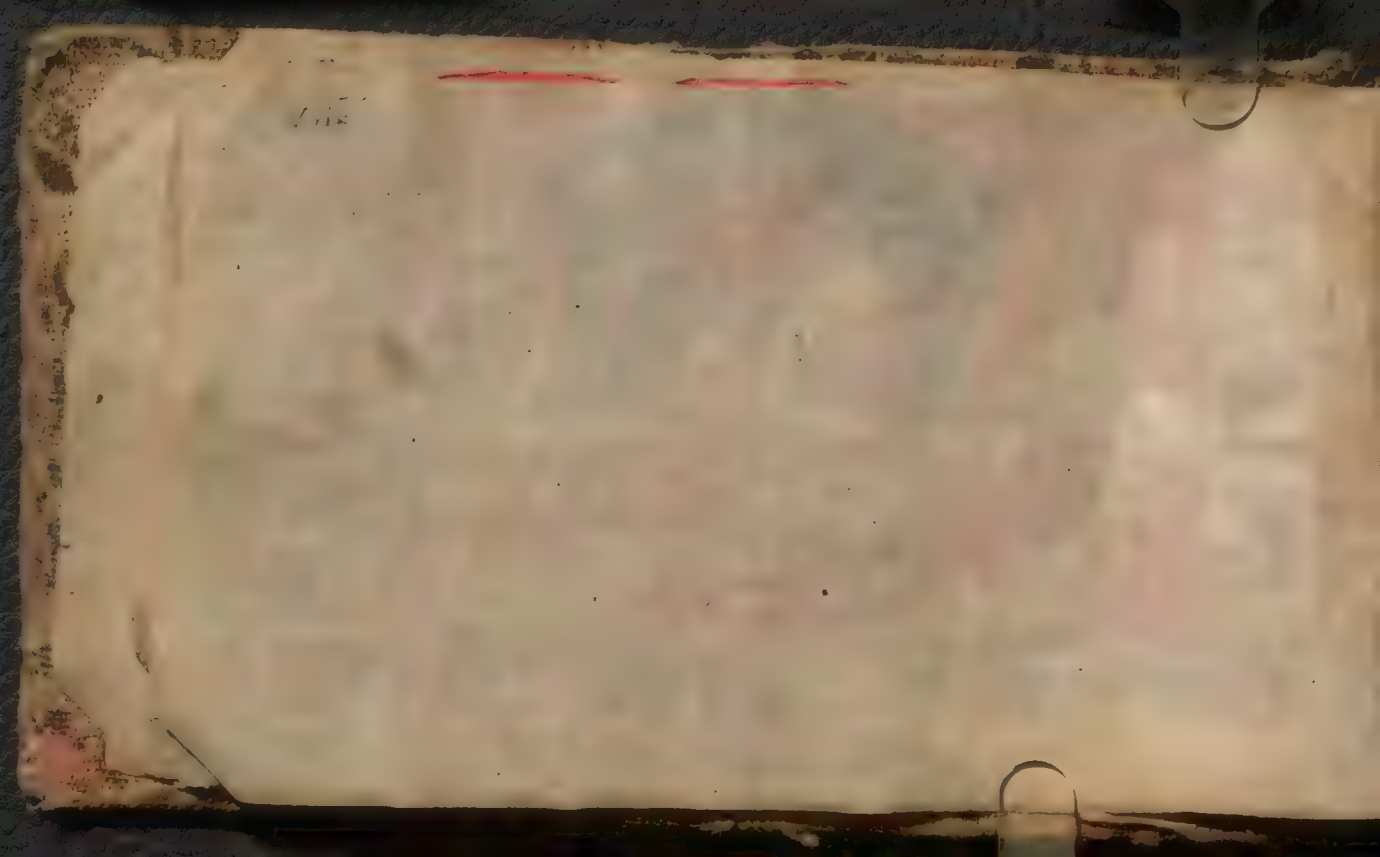
(36)

36











[illegible]

ग.

भवतु पापि तमे विप्र रिउ नमः ॥ मन्त्र म्भुपु
उयती लकुपे लतिपु उ ॥ ए इ उ पु ल म य ग ल
पि प उ ये नमः ॥ ग ल म य नमः पू रु व रि उ पु
ल न वे ॥ मि उ म्भु रु म्भु उ वि प्रे प्प ति मि रु वे
पु ल म्भु ल म्भु म न ये ग म्भु वि म रु म्भु ॥ नि
स्त्रे ध ग ल व रु म्भु रु य कं म्भु वि रु य क म्भु ॥ उ रु व

ग.
सु.
३

॥ ठ ग व ङ्गि उ भि सु भि वि भु र ॥ य ष य ष मा भु
वर ॥ सु भ ङ्गु सु ङ्गु पं ग वि मे ष डः ॥ न ङ्गि कि
॥ सु व र ॥ सु भ ङ्गु सु भु व ह भि म भ म
डः ॥ म ङ्गु सु व रि उ ङ्गु म च भि ङ्गि क रं प र मा क
म ॥ भ न म व ङ्गु ये भु प व वि न य क मा ॥ उ ङ्गि
म ङ्गु ये रं मं म रं क भ व लि डः ॥ म ङ्गु सु ॥ भु भु

वरलभुतमंतरहमेपठवप सपाह्लगभा विभृ
उमंभातिमगरवरेविह्रतिमप्रेतिभुरैभृरुल
ठभा ॥ यहलंलठउं पू सुठपंमपियामम
यधैउरुतिउेविह्रवृह्रैवपिभृरुउके ॥ विभृवै
यनकलेवपृह्रवममयाउरे ॥ भवमव
पाह्लतुःभुवरलंलपेउमभा ॥ यहलंलठउंम

ग.
मु.
३

इमम् ॥ प्रमत्तमायं गङ्गा प्रवृत्तवत्प्रवृत्ति
विष्णु भुते ॥ चारु मति ममेव कृत्वा पराक्रम मम
य ॥ उल्लभ मति मम मेव न वेत्त ममेव न ये ॥
न मेव ममेव ये मिव न मेव मय ममः ॥ पूजयेव
क्रिम ममः पूजयेव ममि नः ममः ॥ चलन मम
उल्लेखवत् वृत्तवत्तमे ॥ मचउत्तु विष्णु न मय

पिममडावुल्लेडा तवमेड्डुमहुंवेल्पमुवमरा
डुममा॥ मचाक्कमत्रः पूष्टुक्कुठेगाट्टवेप्पि
डना॥ ममरीरम्मेमुष्टुपमंविट्टुमुष्टुचनि॥ पूष्टु
पुगुल्लमेसुदंक्कुठेगाक्कुपुल्लना॥ मकयेवी
डमेकसुनिरडुक्केनिरमयः॥ ल्लमरल्लविट्टु
ऊवेरुमाम्मुक्केविरुः॥ मिट्टुमारल्लगट्टुचमेव

गु.
मु.
र

विहृपरकिठिः मंभुयभनेमनिठिमुंभुमनेकि
नेकिने विमरटपिलंलेकवृवृचनेभ्रमंनरः । सु
मिरयनिचट्टमेवभ्रवमगेठवेडा । भुवरां
पिहृयेभानंगसुडिभानवः । नएउरयउउभ्र
मैरहृपूकिठिठयभा । भुवरांमदुपूभ्र
मुउमचकिलिषैः मचमिस्त्रिभवप्रेडिभनहम

पुमंजलमा॥ नमयेद्विप्रमस्तुतं नवेनयकं भूत
मा॥ सुवर्गं भवभूतपद्मयगुविलिप
द्य० त्रिपि॥ सुभगभूतमिदं सारल्लिपुनिधिः पूर
कमेव प्रष्टुते॥ उरतिमठवगं भवमेकं त्रिद्वि
किपतिमपरिवरं भवतुतेवद्वेनैः॥ नपिलभापि
सलेकं केभता भवुनीद्व॥ वृक्षतियतिरिरीकुंम

ग.
मु.
५

सुतं गममहः ॥ येन पतिमुवरा ॥ भूमिकः कमउमं
परमेतिभरपुः ॥ सग ॥ मिह भूगैरठिवहूयति
परंपरमं मविभक्तः ॥ ॥ पेह भुवराणाष्टमिमं
भूउभुवेउमं ॥ उभू पगं कभउमचमैवविन
यकः ॥ मच विरुति वैविष् विपरु मभउतः
ममैषठिन ॥ एक भुभुठिरठि धिहति ॥

[illegible]

गं
मुं
७

उषा भुवेवरिष्ठेयं भुवनं सभुनिमिदः ॥ चवडीले
यममेवेविप्रगले विनायकः ॥ उरुलेके पकारं
धेजेयं सभुना भुवः ॥ वैनायकधियकरे मेव भुष्ट
रुयज्ञमः ॥ ५५ भुमेयं यज्ञेन ण्मक भगुभक्त
ये ॥ चभुमीगल पतिभुवग ५५ भुना न यड नि
सुमभि ॥ रे सुगठपिः ॥ श्रीविनायके मेव उ ॥ ण्मज

कमभैकज्ज प० विनियोगः ॥ श्रीविष्णु उवाच ॥ ॥
विक्रमं ममां वृक्षसिवभकरमहयं यमभनत्रिवे
रुपुं प्रपुष्टे विनायकभा यतः पूषाडिलगडं यः
भकील्लयमिडः ॥ सुगण्डं विष्णुमुं प्रपुष्टे वि
नायकभा ॥ यष्टुप्रभारुसुहृः पूषाडिलगडं
यत्रिग ॥ पूषाडिलगडं विनायकभा

ग.
मु.
१

मिणगेरु सुगम सुलेभि उं सुक उं विठ्ठमा ॥ य
ल्लुडियं मरी सुहृ सुं नम भिग ॥ पिपमा ॥ लील
य लेकर का उं द्विण उं मरु सुगः ॥ य सुय ॥ ग
उं म की उं नम भिग ॥ पिपमा ॥ विप्र सुगं विण
उं रं उं रं ॥ ग उं म पि ॥ पू ॥ म भिग ॥ उं कं पू
॥ उं वि वि न म न मा ॥ उं सु सु उं ल्य ये रं वृ ठ वृ

श्रीगणेशाय नमः ॥ चलेन मनसुष्टं सुखं पश्येति नय
 कभा विणयद्वयं लल्लितं चैव मकदमं नैव मभा ॥ यं
 लक्ष्मणं पश्यतीमानीं सुखं पश्येत् ॥ १ ॥ पिपभा ॥ लीला
 ययभा ॥ लंलं कंठिचपिभद्रमुद्रः ॥ मंश्रीगुडे
 भद्रमद्रमुद्रं नैव भिगारननभा ॥ भिद्रुगिडमद्रमुद्रं
 भद्रमुद्रमुद्रं भद्रमुद्रं ॥ ठिनडिमेष्टकगि ॥ मुने

ग.
मु.
३

मिद्धिगमनमा॥ यष्टुप्रतिरु॥ दृष्टुममममममनि
यष्टि॥॥ इममभीष्टमंगवमंनममिबिनयक
मा॥ गभीरगीमनिनमंमूदयष्टिदिउंक॥॥॥
पडदृष्टुमगमममंमवकृष्टिगमनमा॥ वेचिनडि
गिगीकृचकृष्टिगिउउठैगै॥॥ गैःमममममम
नैःममिउंष्टिगमनमा॥ लीलयापूरुडय

नपादुं गगलिः क०७३॥ मंसीदउमसेलोपा
उंवरेग० विरुमभा॥ यङ्गरउरुनेठिउमभुः म
उमरुभूपा विमदउमभु०७३ उंउंउंमिग०७
पिपभा विभापयइम॥ सुउंइ० सुवीदपैरुसुउंः
निष्क० विरुग० मरु० सु० पू० प० ह० विरयकभा॥ य०
पू० लि० डि० ल० क० ल० ठ० उ० व० भ० व० रु० यः॥ सुउंउंम॥

ग.
मु.
७

कंनेडंविप्ररांनमभिडभा यद्यरुपंभुविशयं
विहंभुमलिमेलिपु नभारवक्रमवृतेनमभि
गंपिपभा वेरुतुगीतंपुरुषंवरंभठयप
रुभा किरुयंपरातुमुंभभिदसरलंगडः मि
मरुनरुमंप्रलंपरातुमुंभभिदसरलंगडः मि
निम्लंमकदिनयकभपैभिडभा ननयय

[illegible]

पदल

कीरमंरु/साकरंभूलभमिगरननभा॥ चनणरंन
वणरंभनतुणरंभिकुतभा॥ णडरंमविणडरंउभ
भिमसरंलगडः॥ चनतुम्भिल्लेकहृभनतुंविहूम
पूरुभा॥ चपूउहूमनिकेष्टेउभभिमसरंलगडः॥ भू
भाल्लपूहयतीउंरुंमभहृलकल्लभा॥ चनविल
भनकरंउभभिमसरंलगडः॥ कुडलयेंगहेनि

ग.
मु.
०।

भववमं गङ्गा म॥ सुमंवेहं ममंवेहं वेहवे
हृनमं प्रदमा॥ विष्णु कर मन करं विष्णु व मम
नमयमा॥ सकल निधुलं निहं विष्णु वेहं नमं प्रद
मा॥ मंमंवेहं मवळ मवळ पक्ष ठे पक्षमा॥
सुमंवेहं ममंवेहं ममंवेहं ममंवेहं ममंवेहं
ममंवेहं ममंवेहं ममंवेहं ममंवेहं ममंवेहं

ग.
मु.
००

वमंभं वके भवभूमिगमा ॥ रुद्राङ्गीकनिलयंभ
दमङ्गलनिष्ठितमा ॥ उरकतुरभंभुनें उरकं उं न
मभुदमा ॥ १२५ भिनं विकतु रंभचकर ॥ क १ ॥
भा ॥ रुद्रिगभूमं वके पू ॥ वपुतिप मिउभा ॥ चउ
देगैरडेदुके कलिउ भुभिकभनेः ॥ वंरुद्रुलि
कभष्टेष्टनगभंभमभुदमा ॥ भुद्रुपियंभुद्रु

कंभुक्रुष्टा गृहमेवस ॥ भुक्तेन भद्रिउं मृश्वरभूमि
 भुक्तेन भद्रिउं मृश्वरभूमि ॥ नभमेविप्ररासयठऊविप्रविन
 मिने ॥ विप्रएकयविप्रनं निरुद्विप्रमकाये ॥
 विप्ररुदेष्टुऊनं ठऊनं विप्ररुगिले ॥ विप्रसुग
 यवीरायविप्रयनमेनमः ॥ जलरूमेरुकेलम
 मिपरा ॥ पुठमिने ॥ रुठुठिवरुमलयकरिर

ग
मु
०३

स्यउत्तमः॥ किरीटिनेऊल्लिनेभलिनेदुगि
ल्लउषा॥ नभेभोग्लीभनषयल्लिनेवूळमरि
ल्ल॥ मिश्रिभल्लयमल्लयकभल्ललपरायम
मल्लिनेसैवमल्लयनभेष्टेयनमीलिने॥ वेरु
ष्टयनयऊयमभगानपरायम॥ हूकयमवरि
धूयनभस्त्रिश्मिपल्लिने॥ कपडिनेकरलय

मङ्गरप्रियभुवनवे॥ सुतायदेभवत्सुदुर्गम्भगवि
स्त्रिधामा॥ तिरव॥ मिठिदिहैदिग्गेः मंमुता
यम्॥ स्वान्दिउपरिइमुत्रममेभक्तिदेउवे॥ ऊफ
नग॥ न'सायग॥ न'पउयेनमः॥ वक्षि॥ उर
पितायेववक्षिवक्षुनिवारल॥ प्रष्टेउउठिरेर
भाक'मुरुडंठीप॥ यम्॥ इक्षा॥ सुमिरेरुडे

ग.
मु.
०३

विबभ्रुवृत्तयम ॥ नयेस्त्रैवसैभगसुष्टुमृष्टमृष्ट
लम्बिमे ॥ हैरवयभठीभयठयनकरवयम वि
ठीष ॥ यठीभयनगठर ॥ पारिलि ॥ पूमडा
यपूम ॥ यववृत्त ॥ यउनेमः ॥ देरभयनममुष्ट
पूलभ ॥ ०१ यम ॥ प्रापवृत्तयमेवयष्टकम
उयउनेमः ॥ सुष्टकल्यसुष्टयपरसुष्टय

म॥ अलिङ्गमुयणीरयनमः॥ प॥ म॥ मि॥ प॥ ल॥ ये ।
ण॥ ल॥ यनममुहंण॥ ल॥ ठि॥ र॥ ड॥ यम॥ ॥ ण॥ ल॥ ह॥
भय॥ क॥ नं॥ प॥ म॥ मं॥ मि॥ ड॥ यम॥ ॥ पू॥ ह॥ क॥ र॥ य॥ वै॥ उ॥ हं॥
पू॥ ह॥ क॥ र॥ ड॥ यम॥ ॥ पू॥ ह॥ क॥ र॥ ड॥ ने॥ उ॥ पू॥ ह॥ क॥ र॥ मि॥
ड॥ म॥ ने॥ वि॥ प्र॥ एक॥ य॥ म॥ क॥ य॥ ये॥ ग॥ एक॥ य॥ णी॥ भ॥ उ॥
क॥ ड॥ एक॥ य॥ ठ॥ ह॥ य॥ ग॥ ल॥ एक॥ य॥ उ॥ न॥ मः॥ ॥ ये॥ ग॥ पी॥

ग.
म.
०२

ऊभूपीठयममप्येषपायम॥ हृदिमङ्गलपञ्च
यहमयालनकयम॥ एतत्तुवदुपायप्र
पेरलपारिल॥ मेमकुविभुष्यङ्गयमिक्करी
कुविरेपिने॥ पुकममममेमप्रेहीङ्गगदुनमी
लिनी॥ ममेरुमउकेमयप्यिषीभुलगायम
मप्येषयमठीमयमरङ्गाङ्गरठमिने॥ देम

ग.
मु.
७५

दिक्कण्ठेस्मै हृदयमभक्तिने ॥ गरुडाय नमः ॥
गरुडाय नमः ॥ वृक्षलवणाय नमः ॥
पुष्ट्याय नमः ॥ वृक्षप्रद्वयै नमः ॥
वृक्षे ॥ यल्लययल्लगे पुष्ट्याय नमः ॥
यल्लद्वयै नमः ॥ कश्चिन्मययल्लभययन ॥
इति वामाय नमः ॥ सुदपूरुयय ॥ गुडमयया

गुरुययेगिनेयेगणिल्ल ॥ सिद्धमधयविष्णु
दे ॥ वरुड ॥ यणीभदि ॥ उवैरुत्तीपूमेरुयडा ॥
सककारपरयेवभयिनेरुद्रमणिल्ल ॥ रुद्रने
रुवनेमानं पडयेपापदुगिल्ल ॥ भवारभुनिद
रुमविभापनं निरुत्तने ॥ नमेनमेगल्लमाय
विष्णुमायनमेनमः ॥ दिभंगंरुद्रकमेनप्रणिड

ग-
मु.
००

यद्विभुलिङ्गं विनयकयवेतुहं विदुः यनभेनमः
नमभुहं गङ्गादेनमभुहं नियोमिने ॥ नमभुहं वि
नेहयदिनेशपूयभनवे ॥ मप्रकेहिमरुभुहं मद्रिड
वयवयड ॥ भवयभद्रिल्लनिहं भव ॥ ७८ लम
यिने ॥ लीलयालेकगङ्गां विरुक्तनिहं भुडये ॥ भ
यंमिवयमेवययेगकेभानपलिने ॥ नभेनमः

कमठेनमः केमउमायम ॥ मयभययमेव
यमचक्रउमयलवे ॥ मयकरयमेवयमयउप
यउनमः ॥ मचकडेमयकडेमयभुउनमेभुउ ॥ नमे
नमभुग ॥ नयकयमनयकयपिलनयकय
विनयकयठयमयकयनमः सुठनभपन
यकय ॥ ग ॥ गिरलयग ॥ नमभुगरपि

ग
मु
०।

ररयगरननय॥ मडननय भिउमननय न
मेनमेरेइविनमनय॥ ननभययभलणीभा
ययभभययविषुगनयय॥ नमेयभय
विकमनययनमेनभमुमुभनेभयय॥ नभमुभ
भमुपिनवयकडुनभमुभभमुनविमुगठ
नभमुभभमुपिकयडिडुप्रेनभमुभनवृभवि

वृमुणमे॥ पइभर॥ पुमवेसुग॥ ममुनममु
ममगमभु॥ नेइपूनेइममीरठ॥ रंरुइवर॥
ठवउनभेमु॥ नभेमुउविप्रविनामकयनभेमुउ
ठऊठयापडय॥ नभेमुउभऊभनःमिऊयनभ
सुऊयेगलनयकय॥ मणिपलकुवनठइमभ
ठभेकमइ॥ निणिपलडिभिरठइनिधुलयायय

ग.
मु.
०३

भूतभवनं गेपुपुमिचं इत्यकत्रे ॥ भकलविपु
मभुविपुनरेनभेभु ॥ मभनकुलिमठिचैत्रितरैमि
मरणं विलभित्तुठमं भेजिकैसुसुगैरः ठव
नभपभरुं प्रेष्टगैरीठवतं भुम्भमभकाहं सि
प्रतिप्रभनत्र ॥ मभुनिललिउमीउउल्यग्नैठव
टसुठविलभित्तुठवं चउलीलं विणय ॥ मभ

लरुदिउरुहृममहंविमद्यिउरुपदगमिहं
उरुहृपदगमा ॥ कुलगावलयिउरुपममदलि
नहंमरुममभवकैरुगलेनिवेसु ॥ कलमपुग
मगीउंचउमलेकयंसु ॥ कलमविकलउलंसु
उरुमुपम ॥ कुवलयमउमीउरुगिकलुगलुहृमु
वमरुगपिगइमचनेममूरुहृग ॥ किपडिम

ग.
मु.
००

भुविमलेभ्रकमष्टेठवतुं उवमरुतरागदुविशि
भ्रमरुमः॥ वलेवलपरुभमरुगलभ्रपुष्टमे
रुविमं गयकिंपरुषान्नविगमिडैः मुष्टेगठिभ्र
यमे रुद्रद्रुद्रकुडभ्रपुष्टगठिभ्रपुष्टीयमेनरा
रुमुष्टेगठिभ्रपुष्टीयमेनरा रुमुष्टेगठिभ्रपुष्टीयमेनरा
नमतिभ्रमिष्टगारुमुष्टेगठिभ्रपुष्टीयमेनरा

उयः ॥ ५० ॥ तिभनयः पुरा विरुभुं भूरति यउयभुन
उनः ॥ परंपरा ॥ गुलि नंभदु तंदिग ॥ यंपरु पंये
गगभृभा ॥ यभभनं दृदु वंमनी धि ॥ विपस्तिउं क
विमभृकरं ॥ ग ॥ न ॥ दू ॥ ग ॥ पतिं भरे कं क विद्ववी
नभति मेठ विगदभा ॥ ६ ॥ पुरा ॥ भा ॥ पठ केउ मेका
भनः ॥ ७ ॥ ३ ॥ तिठि सीरुमसुडा ॥ नभे नभे ॥ क ॥ ग ॥

गु. ३-

नवे ॥ वेनयकंभवंभृष्टंमचपापपू०मनमा ॥ मि
उमेकभूमभनमायारैष्टवचनमा ॥ चपा ०भ
उउंरुक्षिरनंमविमेषतः ॥ यपै० सु ॥ यय
पिमचपापैःभूमष्टु ॥ रुपंवीदंवलंभूयुयमःभ
यभमभित्तमा ॥ पनीपमिद्धिभरैष्टंमियमभृ
कयिष्टुतामा ॥ भवलेकपियष्टंमभवरेवकिरा

ग.
मु.
३०

मचक्रुडिउरतः ॥ सुवरां ॥ पञ्चदशः भद्रादि
भद्रमेव ॥ सुवरां ॥ पञ्चदशः भद्रादि
भद्रः ॥ मन्त्रादिगण्येष्टमिनामप्येवमस्तु ॥ उ
भद्रवपुत्रेन सुवरां ॥ पञ्चदशः ॥ भद्रादि
लठमन्त्रेष्टमिनामप्येवमस्तु ॥ भद्रादि
मन्त्रेष्टमिनामप्येवमस्तु ॥ भद्रादि

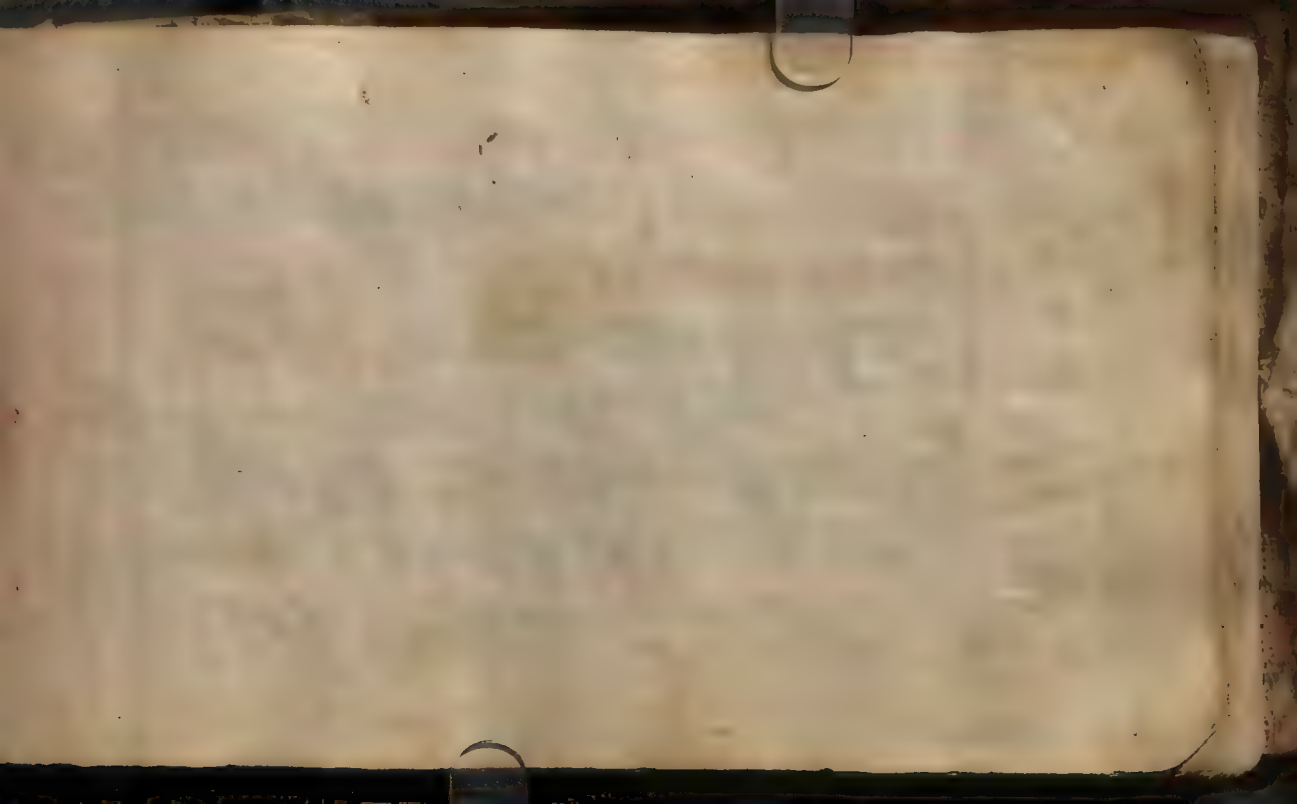
ग.
म.
३३

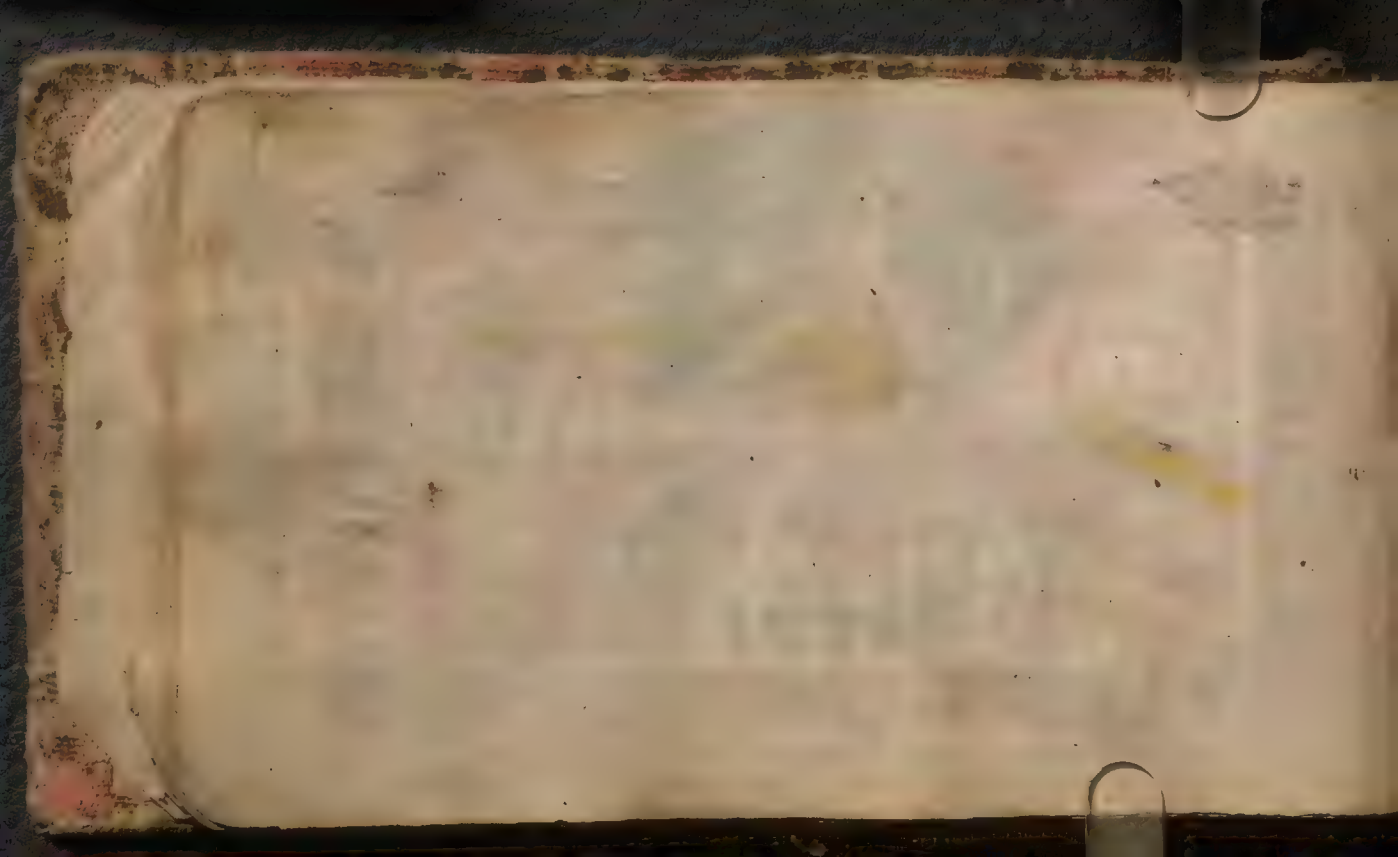
य॥ सुवरा॥ मिमंभुवेडुमंभु॥ पंञ्चवप० म्भुवपि
ऊरुतेसुठकमभानवः सुठमहेडसुठनिरा सुते ।
वरुनइकिभुतेनसुवरा॥ मिमं॥ पना॥ मंचउडु
मभप्रेडियहृमिमुडिस सुउभा॥ सुवरा॥ मभुमेध
॥ वरिषुयंयउभुवः॥ सुवरा॥ डडिगडिंमचले
केधयभुडि॥ नैवदिदेवउतना॥ डकुमेधभु

वः पूजः प्रममुञ्जमुनभयभा उम्भरुनेनमुनेनमुव
रलेनरुववग ॥ सुतिं ५ पंभुतिं मेवजुवविच ॥
भासुति ॥ एवं उकषितं रुद्रमे ॥ परिपासुतः विरा
यकष्टभादुं प्रुतिप्रु नयेविधिः ॥ प्रमंभा वृक्रग
यहृकल्पमुष्टुमुमेठनः ॥ भवग ५ प्रुभादुं प्रु
दुपंमविमेधतः ॥ उक्तमेतद्वरं वृक्रुद्धिद्वयः मेउभिमु









पावककं विप्रकं नमः ॥ १ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ २ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ ३ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ ४ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ ५ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ ६ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ ७ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ ८ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ ९ ॥ विप्रकं नमः ॥
 विप्रकं नमः ॥ १० ॥ विप्रकं नमः ॥

८.
मं.
३२

ऐझुरती ॥ मपरमपपिवती क'क'क'क'यती ॥ क
रिउमपकुरती ॥ म'क'क'क'यती ॥ ५५ यति ५५ ग
तिरेवी श्रीमन्मगीरीरुयती ॥ म'क'क'क'यती ॥
क'पुलेक'व'म'न'प'क'मा ॥ य'क'म'ति'प'ग'रे'वी'व
र'क'य'प'क'मा ॥ य'उ'म'म'म'क'रे'मी'क'र
ग'ने'प'दी'ति'नी'मा ॥ क'द'नी'क'ल'म'क'र'व'क'म'क'

विष्णुपिडभा ॥ गङ्गादिकं गीर्वाणविष्णुमूर्तिः
भूयैः सुतं परमेश्वरीनेभुर्दुविष्णुगिरिणीभा
जिनमहेश्वरः ॥ कैलभमिपरीश्वरेवमेवंभुर्दुश्वर
भा हनैपरडभाभीनेभुमत्रभापयक ॥ भा भू
श्वरमिरेरदुगलिङ्गद्वियगंभुर्दुभा भूभूमिरभा
नमीवकुगल्लिरठपड ॥ मीवकिर्केश्वरउवाच ॥

देवदेवः गङ्गाधरः सयैश्वर्यमयः ॥ गङ्गाधरः
 भिक्षुः भिक्षुः भिक्षुः भिक्षुः भिक्षुः ॥ देवः यः भूयः कः
 भूः भूः भूः भूः भूः भूः भूः भूः भूः ॥ पृथुः विरः उः नः
 किमपरः परमा ॥ उडिपः भूभूमः देवैः नदिकेनः
 गङ्गाधरः ॥ भूवः गङ्गाधरः नदिकेनः भूवः पृथुः
 नदी गङ्गाधरः ॥ भूवः भूवः भूवः भूवः भूवः

नमिभंमयग ॥ सुकृष्टपिमयज्ञेष्टंरुष्टंकषय
भिउग ॥ परकल्पकयेलेकमिमाकमुद्रमेउनः ।
गु ॥ इयमयीमक्तिमुलपुदतिमंलिउ ॥ उष्टुभदं
ममद्यउमुदंमुद्रकमकिठिः ॥ मेउनेतिउउःमक्तिमं
कष्टलिहृउष्टुपी ॥ देउःमकल्पसलमुभनेपिभु
यिनीसुठ ॥ ७ सुतिपरममक्तिममिभीलउउःभ

रभा ॥ उडेवमिडिविष्टाडमजिः मरुमयीपरा ॥ ५
 मरामील्लगमडवेरुभाडमरभुडी ॥ इकीमवेसु
 वीरेकीकेमरीपचडीमिद ॥ मिडिमुदुडिमुम
 कुमचमल्ललरुयिनी ॥ उयेउम ॥ उविमुभनण
 रंमणदरे ॥ उयेउम ॥ लुडेमचंडु ॥ मेवपुलीयडे ॥ ७
 मिडपु ॥ उएडमचठवविनिस्त्रिडेः ॥ ८ ॥ पुरपिड

८
 ३

भुम्भैवमचमिद्धिपूरयिनी । उष्ट्राचनगुरुमेव
उमेवभुम्भैवमचमिद्धिपूरयिनी ॥ मरुभूतमहिमिद्धिमेले
हृष्टप्रसिद्धिः ॥ भुम्भैवमचमिद्धिपूरयिनी ॥ मरुभूतमहिमिद्धिमेले
विवेकम ॥ उष्ट्राचनगुरुमेवभुम्भैवमचमिद्धिपूरयिनी ॥ मरुभूतमहिमिद्धिमेले
भ ॥ उष्ट्राचनगुरुमेवभुम्भैवमचमिद्धिपूरयिनी ॥ मरुभूतमहिमिद्धिमेले
भुम्भैवमचमिद्धिपूरयिनी ॥ मरुभूतमहिमिद्धिमेले

६.
अ.
३७

भमं भमं लवन कनका ॥ भमं भमं लवन कनका ॥
पद्मं पद्मं लवन कनका ॥ नमो नमो भमं भमं लवन कनका ॥
वेन वेन भवम् ॥ भुवे परं परं मज्जिं भमं नगुरु
करिणीमा ॥ ५६ ॥ परं परं मज्जिं भमं नगुरु
मा ॥ भुवे परं परं मज्जिं भमं नगुरु
मा ॥ भुवे परं परं मज्जिं भमं नगुरु

नवगद्यते ॥ ठजेभिउवममेभिप्रभमःकि
यडंभयि ॥ म्हाःभुवमिभेपुष्टंरुलठंमभुरे
पि ॥ मेउमिस्तुष्टंमेवपूठवमपिमस्तु ॥ श्री
हाराप्रवम ॥ म्हा ॥ नकिम्यठगभुवम
मिभेमुठमा ॥ मद्यभुनमठिदिहैःमिदिमंभुप
मेकममा ॥ सुमिदिःपूउरुगुयपठिउहंमभदि

ॐ॥ पञ्चैश्वर्यं लिख्यते भवति वस्तु भवति
॥ यममया विष्णु कपालदम्भा ॥ रक्तगङ्गा
वभक्तं रक्तं विनिर्दिष्टं यच्चैव वस्तु विनिर्दिष्टं भवति
कलङ्गीभा ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ विष्णु विष्णु
कृतं भवति कलङ्गी विनिर्दिष्टं ॥ विष्णु भवति कलङ्गी
विनिर्दिष्टं भवति कलङ्गी ॥ कलङ्गी विनिर्दिष्टं

८.
३७

पचडीमवमङ्गल ॥ दिङ्गुलमङ्गिकमङ्ग
पङ्गुलङ्गीङ्गिपिया ॥ दिङ्गुलमङ्गिकमङ्ग
नङ्गुलमङ्गिकमङ्ग ॥ यङ्गुलमङ्गिकमङ्ग
उमङ्गुलमङ्गिकमङ्ग ॥ यङ्गुलमङ्गिकमङ्ग
हङ्गुलमङ्गिकमङ्ग ॥ यङ्गुलमङ्गिकमङ्ग
मङ्गुलमङ्गिकमङ्ग ॥ यङ्गुलमङ्गिकमङ्ग

न॥ प्रह्लादिनी भद्र भद्र रुत रुत तिन मिनी ॥ इ
 ल भापी भगो इ स ह्ये तिः ऊ भद्र रुत मिनी ॥ रुत
 भद्र रुत विद्रु सुत तिः पर व मिनी ॥ नय ल र्म
 भूरी भय भद्र भद्र रुत मिनी ॥ ऊ ल व गी सु
 री निद्र निद्र लित्र रु मे री ॥ क भे सु री म नी ल
 म ठी रु रु व द्रि व मिनी ॥ ल भे रु री भद्र क ली

ठ.
मं.
उ.

विष्टविष्टसुगीउषा॥ नगीसुगीसमष्टसमवमं
ठयुवविनी॥ मकुषलीनगभिंदीवैपुदीसमा
देरुगी॥ कष्टयनीसमभ्यसमवमभ्यडिकरि
ली॥ नरयलीमकुनिरुयेगनिरुपुठवडी॥
पुष्टपगभिडापुष्टडरमपुमडीमपः॥ कीरल
वमुष्टडरकलिकभिंदवडर॥ विकरमा

अण्कारमेतन्केपनदुतिः॥ चतुर्विंशत्परणी
रविस्वभउकलवती॥ पद्मवतीभुवभूमपुव
हूमभरभुती॥ ऊर्ध्वभनल्लगहृशीवहृभउ
स्त्रीनीसुती॥ स्त्रीनभउस्त्रीनेहूमसारमहं
भदलन॥ गहृलङ्गीचषहृगहृणकारभु
ण्डिक॥ गहृनीतिभुयीवहृमहृनीतिः॥

४.
५.
३०

यवती ॥ मङ्गुतिभुगिणी मङ्गु मङ्गुतिः मङ्गु
य ॥ भिबुदक किनीगङ्गयभनमममभुती
गेमवरीविधममकवेरीममउरुम ॥ मयुष
मृगमकमिकीगङ्गकीभुमिः ॥ नममकम
नमममिरवहपमविक ॥ विश्वतीविउभुमवी
रुनरवकनः ॥ मतीपतिइडममीममङ्गः ॥

अवमिनी ॥ एकमकः मरुभूकी ममैलि हगम
लिनी ॥ मेनमैलिः पडकममवुदयवुककि
ली ॥ पडकिनीमयारभ विपाह्वा पाह्वाभापुय
परपरकलरुतुहिमात्रिकेकमयिनी ॥ तिजी
मयेसुरीइलीके मगीकुलवमिनी ॥ उमुहग
वडीमक्तिः कभपेनः रुपवडी ॥ वइयणवइ

८.
अ.
३३

रुभुमक्षीमक्षपररुभु॥ गेरीभवलवलम
भ्रुतिमंरकरिनी॥ एकनेकभदेष्टममउव
रुमरुदुस॥ दुष्टरुदुध॥ उष्ट्रुधदुष्टरुभव
भिनी॥ धदुष्टरुकिनीसुरकयभुकयवलित
भुम्भितभभापीकभभुलपूदुतिरीसुरी॥ नए
मवदुवलमपुरुधरुपुवतिनी॥ रक्तनीलभि

उष्टुभनपुपीउमकनुग॥ कणमपुल्लरवाङ्क
उमलीकुम्भलय॥ कलकपुमकुतामनिमेध
कलकपिली॥ भकलरभननममकुःभ्यचवडी
म्भ॥ गङ्गपुयमगङ्गमभ्यचमभनेगडिः॥ १
भगनरिभगवीमकदरमेरुगरिली॥ यम्भ
येनिःभकेमीमभलिङ्गठगङ्गपिली॥ येनिभम्भ

543

भद्रभद्रापसरीपगगभिनी ॥ भद्रभद्रापवीव
 लीभद्रभद्रभद्रभद्र ॥ भद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्र
 वल्लभभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्र
 भिनी ॥ भद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्र
 वैष्णवः पद्मभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्र
 भद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्रभद्र

कमुमकुमुलीपरिष्कारयुग॥ मापिनीपमकुमु
मरिकुलवरणारिणी॥ भव॥ मक्तिरुमुमम
प्रवरवदन॥ वरयुगणणीरदीरपनमरेडु
८॥ वमणवमणरम॥ यमकभुगीमिव॥ वि
लयम॥ यतीममभुनीमहनमिनी॥ मनुवडी
वेममक्तिवरणवरणारिणी॥ मीउलमममील

क.
म.
३२

मवलगुरुविनमिनी॥ केमकीसमपालमक
भाष्टकभवक्रिडा॥ एलनुरगरनतुकमकुपरि
वमिनी॥ कभवीरवडीमहमहपदपरय॥
कुलमानमिडाभुक्रभुक्रदुकिभूवेणिनी॥ धट्टे
॥ मरिक्के॥ मरिनेइवाधठमुरा॥ वाधभिरुय
वाधकुम्भमदिधमरपातिनी॥ मभुरुदुर

मीपुमीपुपवकमविठ॥ कपलठक॥ कलीक
पलमालठगि॥ कपलकलमीडमिवड
गीपनमनिः॥ भिडिमडिमनिडमडमानपूने
पिनी॥ कभुगीववभभरीसुड्डयडुडलय॥
गडठकललिनीडगकसमयिनी॥ भूला
मडपुपकमनठिनलभा॥ लिनी॥ भुलपरा

६
३

निरकरवक्रिऊ'दडलय॥ वयऊ'भमापभी
ननिरणरनिरमय॥ व'मेकु'भगडिलीव'गू
दि'लीवक्रिमंसय॥ वल्लीउतुमभऊ'नधऊ'भ
भ'भ'मलैलठ॥ उपमिनीउपःमिद्धिमुपमःमिद्धि
रुयिनी॥ उपेनिधुउपेयऊ'पमीउपःपिय
मधुणउमयीप्रतिःमधुणदुतरमय॥ मेरुपुधि

मनःपश्चिरेवपश्चिरेलेहृत्॥ १०५॥ यिचैहृमत्तमह
हृमत्तःपुरुषती॥ वैहृवैहृमिकिहृममपहृ
गनमिनी॥ भागयभागमभागभागहृगले
मन॥ वगुगववृपमववृपवृपेहृत्॥ दहीव
क्रिभुत्करकरववृविमेमिनी॥ मल्ललापल
दविहृममववृविमेमिनी॥ मधिकभालिक

८.
३३

मधुभुक्तमपल्लवमिन्दु ॥ केलिकीजलविह्वल
मज्जलजलप्रल्लव ॥ कलमरुहमरुद्विह्वल
ह्वनमिनी ॥ वटलीमेषमलमभवधुमभु
वतिनी ॥ चक्रमण्डकमण्डकमण्डकपिण्ड ॥ क्री
करीवील्लुपमल्लिकारुधुवमिनी ॥ मचकर
मयीभुक्तिरुगवल्लमलिनी ॥ भिन्नरुगवल्ल

समिद्धुगिलकप्रिय ॥ वसुसवसुवीरसलैक
वसुविठविनी ॥ न्यपवसुन्यैः मेहुन्यपवसुक
नीप्रिय ॥ मरिधीन्यपमट्टमन्यमट्टन्यपनरि
नीपणमयीणट्टणनणट्टविवठिनी ॥ मउचल
मयीभ्रतिमउचलैसुप्रदिता ॥ मचणमयीभि
दिमउगमभवभिनी ॥ इरुलीकरियवैष्ट

८
भ
३१

सुहृन्मदगवल्लर ॥ वेरुभनरडयल्लवेरुविश्ववि
ठविनी ॥ मभूमभूमयीविष्टवमभूमभूमगिनी
मभेगः मष्टमेगमठरुक्लीपरदि ॥ गयरी
महुतिः महुमविरीरिपरमय ॥ रिमहुरिपरी
परीमपचमभगयन ॥ पाङ्गलीचलिकव
लवल्लरीरुभनडनी ॥ गठणरणरुष्टगठ

मयनिवामिनी॥ मरिष्यतिनीकृष्टप्रउरमडिले
उम॥ लहृमभवडीवकुठवनीपपनीमिनी॥ पहा
भुरपरगीडभुगीडिल्लुनलेमन॥ मपुभुरमयी
उडीपह्लमष्टमयेवड॥ अकनरुममंभुमभु
भुभुनवामिनी॥ मएहृदुमिनीप्रीडपूडमननि
वामिनी॥ गीउचउभियकष्टउभिरुपुभिरुक

य ॥ विष्णु महप्रिय पाए लेके सीम भरे उभा ॥ भवि
 ध सुलनी सुल विष्णु मेरु तिन मिनी ॥ विषा रिश
 गरु मनी जगज्जल भाउ रुद ॥ कुउ छी डि रु गीर का ऊ
 उदेम विन मिनी ॥ भे प्रीर कभीर रिदी उरि रु
 मिद गरिः ॥ मरि क मरु क विष्णु भटक डि विम
 मरी ॥ रुकिनी म किनी मिष्ट रु किनी मरु क कि

नी॥ मिडमिडभियभुङ्गमकलवनकेवडा॥ गुरुकु
पणगुचीभाइमरीविमरु॥ मरुभारीविनि
रुमउरुभाइविनमिनी॥ मरुम'लमरुम'
मरुम'लवामिनी॥ चलिम'मिगुल'पेटम
भरुकमकुपिली॥ चसुमिडिपूरुपूरुमरु
रुनवथ'डिनी॥ चरमिनिपन'पडिमुउरु'रु

८०
८१
८२

सुउदापी ॥ मउःमभरुमयनमउवनलपूरु क
मभपुपूडीकममरुभरुलेसन ॥ कउठठठवि
पुसमेलरमेलवभिनी ॥ वभमनरउवभमि
ववभरुवभिनी ॥ वभमरुपियउपुलेपभरु
पूवेपिनी ॥ कउठठपभमममउठठवविठविनी
मरुलामभमीलमपभमपूवेपिक ॥ रुवि ॥

मकि ॐ अतिः भमकि ॐ अतिभुमः ॥ येगिनीये
गयज्जमयेगज्जपुत्रमालिनी ॥ येगपहपरभ
ज्जभज्जपं परभंगतिः ॥ वीरभिंदीभुमं ममा
शिवनछलमयिनी ॥ एममपनममैककभ
मभैकमहृतिः ॥ भकिनीक ॐ ममकामक
लकेटिपिनी ॥ रुडः कटयनीभुमं भुमं

मकविप्रिय ॥ महगभवदिः भूमकवमजिः
कविहम ॥ मेरपरीमडीमड मेरकठगिनीड
दिउ ॥ मेरभिनीभरममभुण मपममलि
नी ॥ मेठगुमयिनीहृमभठग कृडिवचिनी ॥ श्री
रुडिवभनमेवकहृलीकलिनमिनी ॥ रजुवी
वणेकृपुभउतुडी ॥ मउडिः ॥ ॥ गल्लीव ॥

८
५
५

गङ्गीसङ्ग गङ्गयङ्गिउधिल्ली । सभाी करुमिसुङ्गी
भाकय धेनुमीकल ॥ यङ्गदरुवतनुमयकि ॥
पनरुमिड ॥ मिङ्गिल्लीमिङ्गभायमविमिङ्गदुवने
सुगी ॥ सभाङ्गुमभाङ्गुमुसभाङ्गुमभाङ्गुवपेङ्गु ॥
मधुमेकसमीप्रलुनवमीसमउदुमी ॥ मभाक
लमरुमुसप्रलुङ्गुपयेण ॥ मणीरुहेरुगीठी

८-
५०

रहीभारिपुत्रैस्वी॥ भद्रम॥ ५० मरेहीमभरुठै
रदप्रसिद्ध॥ निद्र॥ ५० रुभिनीम॥ ५० करलाम
मननन॥ करलविकरलामपेरपुत्रुग
हिनी॥ रकुमउेचुकेमीमवतुक्कभुम॥ ५० क
मभुगीपएभमक॥ मीगीजकुभप्रिय॥ कतिउ
रुभवलमभतिउरुभवलम॥ भउडिनीवरा

रिभउभउङ्गगभिनी रिंभउंभगतिदंभी
रुंभेऽलमिरेरुद प्रलमङ्गभापीमृङ्गभि
उष्ट्रंभङ्गल मधीमलोपनीलोष्ट्रंभ
लोपलोपकपूर्य मल्लिनीमल्लङ्गभूमल
भूमलमेवङ्ग ऊरुकेइवनिःकमीभषण
काङ्गवतिक मयेष्टङ्गकभयङ्गीङ्गी

卷之四

मभद्रवदुःखिः मभद्रिक ॥ मभद्रगुह
 मेभु विमेकमेकनमिनी ॥ मभद्रिकीमभद्रमं
 भुमभद्रभीमभद्रवदुःखिः ॥ उभभीमभद्रमेयुक्त
 गुह्यविदुविनी ॥ मभद्रगुह्यमभद्रवदुःखि
 हसमभुवी ॥ मभद्रकलुषिनीकलुभनः म
 कलुभनः ॥ मभद्रकलुभनीमभद्रः मभद्र

३

४

वल्गोसरा ॥ भवद्भनवडीवाहु भवउरुववे
पिक ॥ एगुडीमभपुसुधप्रवभुउगीयि
क ॥ इरभरुगडिदरुभरुगभेरुभेरुनी ॥
पनकुभिः पनपइ पनरुनकवेरुडा ॥ उर
प्रलरु ॥ नेइमकिमिदुमरुठधिली ॥ उ
माप्ररुमदीकामरुकमीकिउप्रलिडा ॥ न

गवल्लीनगकटुठेगिनीठेगवल्लीठ ॥ भवमभू
वडीविहृभभूडिचमवलिनी ॥ मूडिःमूडिठ
रष्टेभूमेभूपडलवभिनी ॥ भीमंभउडु
विहृमभठडिठऊवमल ॥ भनठिदउरसडि
नभीरठववलिउ ॥ नगपमपराप्रडिरगा
पनगऊल ॥ भमरूमरूमरूमरुके

६
मं
२२

निवमिनी ॥ कुमरल्लनीरुमभाप ॥
रामिनी ॥ मवमत्रमयीविष्टमवमत्रकरवा
लिः ॥ मप्रभूवभूवतीमष्टमगीष्टमरालक म
ग्रमल्लमष्टमममल्ललवमिनी मती
उविष्टमनमठविनीप्रीतिमाहारी मवमे
एवतीयुक्तिरुगपरिल्लमिनी ॥ निणनपाह

इड नं ठवभगगडगिल्ली ॥ मरुगमगुरुवडीवि
गुरुगुरुवलिडा ॥ कलङ्कगडिडनगीमडः ॥ धृ
ठिणवडी ॥ लीलमलीलवभूमउडननवव
ल्लठ ॥ मरुगनियडिः प्रीडिः गडिगगविवठिनी
पाङ्कवउगडेठिवा पाङ्कसैभमसूयापरा पाङ्क
पिडवडीपङ्किः पाङ्कभनविठविनी ॥ उडभडी

८.
भ.
२५

कभवडीवदिः प्रभुविनीहृद ॥ गलः मुद्रण
मत्रिलगयगठणगिनी ॥ शिकललुदिलिङ्गम
दिभुडिभिप्रवभिनी ॥ मगगमिवउङ्गमक
मउङ्गवगिनी ॥ भूमुवमीपूडीमीकिगुमी
मीकिगिदिगिम ॥ मरुदुडिगुङ्गगल
भायवलिधिया ॥ भूङ्गवमभिपेनीमभु

कुम्भकुम्भवत् ॥ भटभटभट्टीअभिःपिअ
भटपिअभट्टी ॥ अथमेरुमिनीपरीपेडी
नभीमिसुप्रिया ॥ भनरभनगरमविस्वये
निःभनत्रयी ॥ मिसुअङ्गणरमेलमेलाही
रुठिनमिनी ॥ उचमीकरलीकेकविमिण
मिणिनडिनी ॥ अपङ्गणरिणीपङ्गवल्गु

४.
२०

अवतिनी ॥ लक्ष्मिः करलक्ष्मि लक्ष्मि
ठलक ॥ वडनी मपषा मर परिणामाय
निचिः ॥ भूकरवलयवेल मद्रुममभदे
रुपेः ॥ येधली मेधली मक्तिही उकेमी भले
मम ॥ ललिता भं मला उत्रीवेरुवेरु म्मय रि
ली ॥ नर म्माक नमडा मर म्म ॥ मि कुध ॥

मकरीशुभमरीमरिहसुकठधिली॥मभ्र
रीगरुनीविह्वरुलीवरुलीमिडा॥वरुदी
उल्लुभुममंभुह्वउवभ्ररा॥भीनभ्रतिगर
भ्रउवरुह्वपुतिभमय॥मभ्रभ्रतिविपीम
मभालिगुममिलसुमिः॥भ्रतिःमंभ्ररा
ह्वमभ्रमंभ्रराममंभ्रतिः॥भ्रउवरुमभ्र

ॐ
२१

धमगावगीतिः पूरुलिक ॥ ७८॥ सपिङ्गलपि
ममपुत्रमुदवकिनी ॥ ममिभूवमडलमु
ककिनीमाउणीविनी ॥ ममपुत्रमुदवकिनी
ममपुत्रमुदवकिनी ॥ ममपुत्रमुदवकिनी
उकमदलपुत्र ॥ विषयमुदमेकमनिचिमेष
हिउदिया ॥ विषयमुदमेकमनिचिमेष

पिनी ॥ निचिकरमनिचैरविगतिः महवचिनी
पुरुषानुनठिवमइतिः केः वल्लुमयिनी ॥
विविक्तमेविनीपुरुषानुनयिशीवद्रुमूतिः ॥
निरीरुममममुद्रमचलेकैकमेविडा ॥ म
वमेवप्रियमेवमेवठलविवचिनी ॥ क
लेकलिप्रियकीलरुपुलेकविनामि

石

[illegible]

मचडीकमयीप्रतिःमचदेवमयीपूठ॥मा
चमिदिपूरमक्तिःमचमङ्गलमङ्गलव
विपुष्टमरुभूतमेरुमभुयारुहविड
मा॥नतःपारतरेमरेनतःपारतरुतिः॥
नतःपारतरुविहृतीकनतःपरंपरमा॥उठ
हृदउपष्टुमेरावहविप्रहिताःएक

ठवंभरुनिहंयेनयतिभरुसुगीभा केवडनेम
वडयवृक्तुहैदसप्रक्षिडा क्ययवमलेक
भाप्रनेविश्वभक्तल एडमेवभरुगृष्टविहं
रिभरुहैगीभा ऐलेकमेकनेकपभाकधीक
गवद्वरिः एडिमीरुद्वयभलेउनेनदिकेसर
मेवमेभरुपूठवेठवनीनभभरुभभुवरा

५३

पठवियोगः॥ एषुं पापकृतं वलकं मं प्रलि
उं मीकं एउं माचकं सुउं एनकं मभुपिउं मि
क्षिमा॥ गीउं मरुतिवक्षिउं पूउं उउं उपाप
रुयं ठऊं नं ठवठीठिठाऊं नकं मिहृपुमं पा
उर॥ मायऊं लिनीरिया मप्रमडीकलीक
लमालिनी माउनीविस्सायाठगवडीरु

८.
अ.
५.

वीमिवमभुवी॥ सक्तिमद्वरवच्चठरिनयनेवश
मिनीठैरवीलीकरीरिपरीपरपरमयीभाउः॥
भगीष्टु॥ सनेनमंत्रपाठेन॥ सकलकभरमि
हुं॥ ८॥ धुमेवीभउष्टुं॥ सभा॥ कभा॥ सचनी
८॥ दृष्टारिनी॥ डग॥ पाचनी॥ यकिनी॥ मीष्टुल
ठगवडी॥ श्रीडमेठवेडभा॥ ८॥ तिद्वनीनमभम

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कीविष्णुभायाँलेमगी॥ भळेमगीभुजकेसीये
रुपामदवल॥ पुनरुठरुएनतुरेगदुशीर
मिवधिया॥ मिवरुडीकरलीमपूठकपरमेश्व
री॥ उरुकीउरुपाममउरुमजिपरयल
मदिषामुरदुशीममभु० गदुमेवडा॥ वर
कीनरमिंदीमठीमठैरवनदिनी॥ मूतिःभु

२३

विचित्रिद्वेषविह्वलक्ष्मीः भगवती ॥ खनकविष्णु
यप्रलभनमुकपरस्मिन् ॥ ठवनीपचडी
मनजैभवदभिकमिव ॥ तउरुमपमैमिहैः
मुतामरुपीमता ॥ पुयगरेष्टमैष्टदंभापमं
पडिकरकभा ॥ कयपभद्रजुष्टमिडापष्टग
विनमनभा ॥ मउभावउयेष्टमुमसृउपापवत्

नमः॥ सुवर्तयेद्भद्रं संयैलठउवः किं उं छलभा॥ १
॥ वसुभवः प्रेतिभचमेवनमंसयः॥ लक्ष्ममेके
॥ पेदुमुभका रुवीमपसुति॥ रिकलेप० उं
यमुपनणः हृदिमंपरः॥ मरुतः इप० विदंभु
उपपववुनः॥ तं सुवमिमंपुं॥ पेउछल
वठनभा॥ विनमनयैग॥ मपभाद्दुरय

५२

॥ गृहीतलठउरं पनजीविपलपनभा ॥ ५३ ॥
कभंउकभजीपमजीपमभकयभा ॥ विहृजी
लठडोक्कभैकडेल्डेपल ॥ ५४ ॥ विहृक ॥ कवि
उभेइभटभेउवभंसयः ॥ यभयभप्रकेएठप
भविनीयभदिष्टेमेलिनी ॥ यप्रभैक ॥ भ
॥ ५५ ॥ मलिनीयवकुवीरमिनी ॥ मतिभ

शुनिशुभुनैरुमलनीयमिहुलकीपरम
दीनवकेलीशुतिमदितांभंपउविस्वसुमी
भयजुल्लिनीरियामसुभतीरुति ॥
चननेमहुंरुकीपठेन ॥ शुभनेचठीशुक
भनमिहुंरु श्रीरुकीठगदहः भनः
भभरिदारः ॥ सनगरः ॥ श्रीयज्ञंभीउमुः ॥ ॥

कः
१५

विभीषणः ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥
विभीषणः ॥ विप्रवक्त्रः भिरुद्धीकृतमभुतमभा ॥
इति विप्रवक्त्रः ॥ यन्ममिदं कृतं पवनसभा ॥ भु
लभतुमयं मम मम भूमिभिर्द्विभूमयकभा ॥ मचम
दभूमं लेकं मचमगमविनिमित्तभा ॥ प० न० दुर
॥ ७३ विमलपुत्रकृतमभा ॥ मदेष्टुपुत्र

भनंभल विष्टुभनेदरभा विष्टुपकःमिरेरुवि
विष्टुनगयलेचली ॥ इष्टुपिडभदेलेकलिष्टु
नीचलनयकभा ॥ भदेविष्टुमुष्टुमुदमुष्टु
कपिपडिमस्त्री ॥ इष्टुकरमुष्टुलष्टुमुष्टुपमुष्टुन
तुरंगडः ॥ श्रीगुरुकवममुष्टुमुष्टुप०नमुष्टुमुष्टु
रु ॥ रुष्टुनेनेनकिंरुविकवममुष्टुमुष्टुप०नमुष्टुमुष्टु

१.
क.
२०

महेश्वरमयं यतिरह्नीपदमवप्रयुता दधिर
भुमदमेविदकमुद्रमभीतिता गयहं
वडरह्नीमयवीरभरुता मा मिरमक्ति
कीलकंसकभरुता मरेमुरि ठेगापवनभि
कुजेविनियेगटडिभुता तिलक्ष्मीममिरपैतु
होलललंभरभुती मीवलपउमंनेरेरेमं

पउसूडीमम॥ गंरुनपउमेरमंल्लीभापिपा
उमगिक॥ मोककं वैपगीपउठंठुसेपउमेमि
र॥ गंरुमेपउमेकलीवंवकभिपूरवउ॥ परु
सूपउमेमएवउं पांवेममवउ॥ टंयपुपउ
मेदूकीरंरठिंपउवैपुवी॥ लूंगुहंपउरुह
लील्लीकटिंमेपरहिउ॥ मुंकेमगीपउरउ

२०
कः
११

कं लो वउमभिक ॥ शुक्रगुल्ले मवराजी
विपमे नरभिक ॥ विभ्रगिउं मयकुनेय
कुनेन भवलिउभा ॥ उकुचेपउमेर ली भेल
विहृ मयीपरा ॥ वभुकि प्रचउपैउ नीलरागे
नलेवडाडा ॥ उकुके मकिल पउ नै चउ पाझरा
गकः ॥ ककुएक पैसि मेव सुल्ल पले निलेव

ॐ ॥ कलिक ऋते पतु मे धरमा नमः ॥ ले ॥ वृ
की इह मद्रुते ह कि न मे वै ध्रुवे मम ॥ रुद्र
ली पतु मद्रुते मम पतु परस्मिन् ॥ निम
मे पतु के म मे नि धी धे म लि क वत ॥ निम ते प
उव ग दी म व रु न र मिं दिक ॥ म मि ड नः कि
डे पे उ रु रु मं पतु प व मः ॥ म मि मं प व न द

न.
क.
५३

उः क्लेशः पतुमा नलाडा ॥ उक्तमेवमपि उ
नीयलं भुवनेव ॥ यत्कलकललेमेव
भुवनेव ॥ भुवनेवमपि उक्तमेवमपि
लेमम ॥ पुरुषपि उक्तमेवमपि
यत्कलकललेमेव ॥ श्रीमन्पा
उनीतिहियेगिहपि उक्तमेवमपि ॥ उक्तमेवमपि

पउरुवेरभेसुगधिवः॥ मवरभवरमहं वपुः
उमरेवडाडा॥ पउरुभिसुवपदुं वकभवरभे
वउ॥ मिरभापउपदुं रल्लीपाङ्कमसकरी
उडीमंकवमंगरुभउगहं यवदभा॥ इलेह
विहयं नभमगिहूयनमनभा॥ मवरगद
रंभाकधिमिहिसं पपनमनभा॥ भदुहयदुं

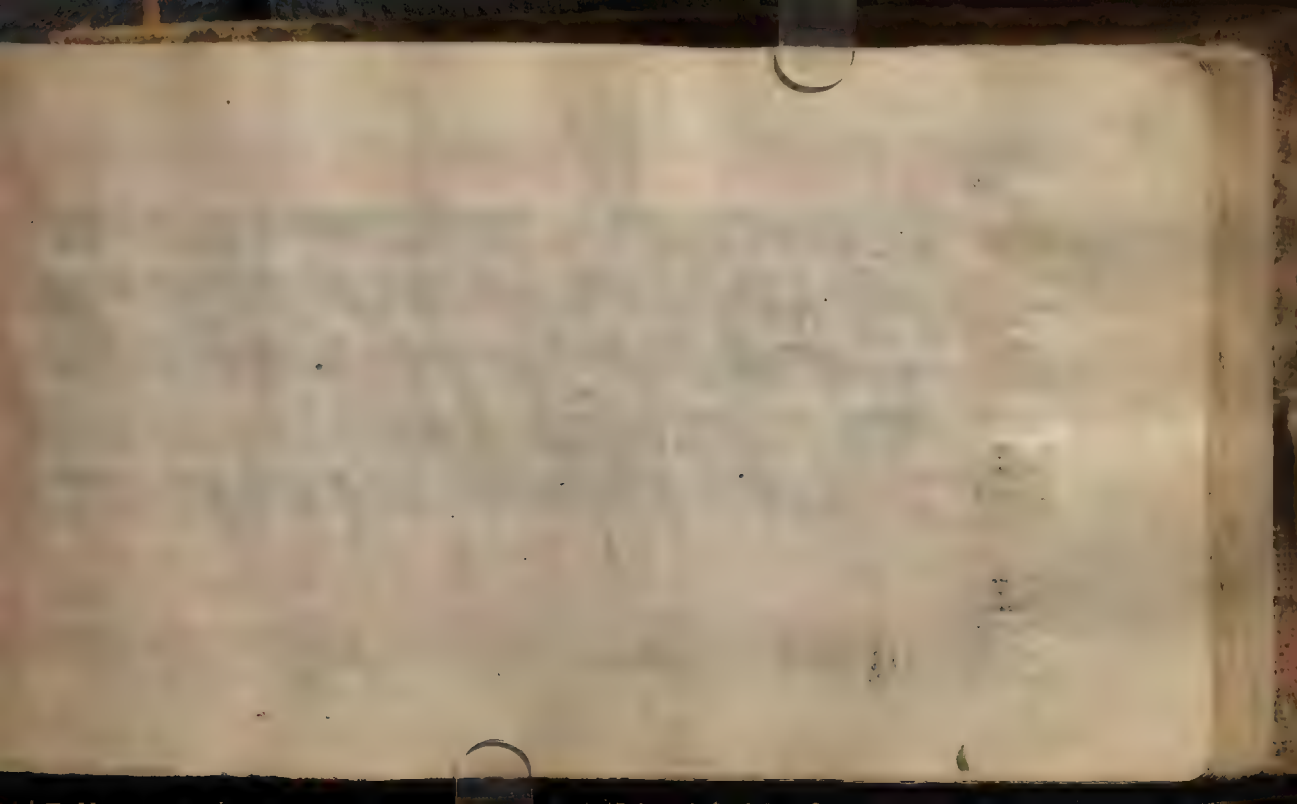
हृमप्रेठीषुःभूमठवेग । भयभूक्तभमैःसुद्धैर
उत्तुमठयद्विडैः ॥ रमैकलिलिपेकुमरवेपूउ
मरुमृगि ॥ मीरउत्तुठिरवृक्तंलकयवेध्रिउःउष
भवलुगुएकउभुप्रलयेहृत्तरलवग ॥ गुए
कैषभरुकिहृगल्लीभुडिगिवापर ॥ भुलवि
हृमयेरेविमचठीषुठलभूम ॥ मिरःभुण

२८

ममैविकरुमुपशमयिनी ॥ वकमुवकुममे
विकटिमुठैगमयिनी ॥ प्पुमुवलमनिहंज
किमुगेगनमिनी ॥ मवकुमपेलेकेयवठी
पुठलपुम ॥ गुटिकेयमुठरपुनमीर्ययमुक
मुमिडा ॥ उमंकवमभीमनिमुलविहमयंप्रवम
मरमुपुमलकीपुशपेइविवचनमा ॥ पुयकरेभ









पुकरं श्रीकरं गयमभुगभा ॥ मङ्गलपुत्रमिउरु ॥
भगभा मयवलिउभा ॥ ममनेयः पठमयेम
दमी नरुमेवगिः ॥ मभायके मरुमेविरुली पडे
ठविपुति ॥ उडी मंममभवमुं ऐलेह विरुय ठि
पभा ॥ कवमंमइगठं उगेपरीयं भुयेनिवडा ॥

मिसी मरुयभति ॥ मीरुणी कवमंमं भुलंमभा ॥

२.
३.
५०

ॐ श्री गुरु नमः ॥ विष्णु प्रकटयिषु मित्रे
रक्षं परम कर्मा ॥ अलभन्मयं मित्रं रुद्र
भवेत्तु रमा ॥ रक्ष्मि प्रियं पपदुर्लभं प्रसू
लभूतमा ॥ ॐ पलकमभं मेरेष्टु न केपि मभं
प्रिये ॥ रक्ष्मि मेरेष्टु मेवेमि वृद्धा पिरुम रुद्रः
गयंश्च कर्मा ॥ इति श्री रक्ष्मि मेरेष्टु रिता ॥ भाय वी

ॐ मरुति ह मकीलकभी सुनि ठेग पवन
मिहूके विनियोग प्रकीर्ति ॥ नमः श्री गङ्गी
वर्धन ॥ श्री वक्रवर्धनः ॥ गायत्रं ब्रह्मः श्री
गङ्गा देवी देवता ॥ स्त्री देवी ॥ ओः मक्तिः ॥ स्त्री
कीलकभा ॥ श्री ठेग पवन मिहूके ॥ श्री गङ्गी
भुवपठ विनियोगः ॥ त्रिउहृद्विवकरभद्रम्

७३
मु.
७३

कमिंदिनेइंमिंदुमनेपरिगडभरगेपवीडभा
पद्मभुएहकलमभाउपइदुमुंरंलीरु
भिविकमहुमनरविकभा॥ विडरभिकुकलि
कदउंमिउंवेरुभागरभभिमनेरुभा॥ ये
एपेरुपभिरइभलयरंष्ट्रभाअलठउंम
भाएकः॥ ०॥ इतिभिकुनवविकुभभितुंनमवि

कुललिङ्गं पञ्चयः ॥ वारमेकभुक्तवारम् भुक्ते
हृषतिभुक्तयभयानरी ३ ॥ ३ ॥ रमं पञ्च
कुवनेमिभुक्ती ३ भुक्तमष्टमनेपञ्चपुः ॥ रभुं म
भलिङ्गविभानरीलीलं कल्लवन्नवदि
कयभा ३ ॥ वक्रिबील्लमलिभक्तिमिद्धि
विद्धविद्धममिपञ्चमभुक्तमा ॥ ये पञ्च

मिपनठिलंधवचक्र॥७॥ कुवडिडिउंयेपमः ।
कभर॥ मभरठिवक्रिउंये॥ येप्रिपवनैकभ
लय॥ उभुयडिवमउंभर॥ नकिंपनलगडि
॥ १॥ मजिठडुये॥ पेसुजिप्रसक
लेकलीपमपमदिडुः॥ नजंउभुभैरवडु
॥ १॥ मीवसुवसुभनडव॥ ममीम॥ ७॥ ठगवै

२३

उषरह्ये नममभूमिभिर्भृगुः ॥ येनैविउभुवसुः
भुःहैरवभुभुमिभुयः ॥ १ ॥ भयलभनेयमिभ
मकेकेऽपेनदमनिमदुलयभुः ॥ उदेवमेर
वीपरभभुगुह्यीपसेभभुवरमिभुगुहीभा ॥
० भुयंयमिऽपेनिमकयेकीरदुक्तउदिनीउए
भुः ॥ निभुविभुकमलभनेभुगुयतिमेवि

र.
मुं.

७२

वसंतं उरु क० ७ ॥ कुने वरु त्रिश्य न ग प र
धरु रये रुम क वि रु वि मु नि धे रु धी र रु उ
ल पि मे वी र रु रु रु रु रु क ल व उं म म ॥ ०
रु वे मी रु उ रु रि पू व र रु म ये नि पु ले नि तु ल
मे म ये म उः म व रु गि रि व र उ न ये मि रु ये उ रु
रु ये ॥ कु ने म रु रु पू म उ रि पू र वि रु यि नि रु रु व

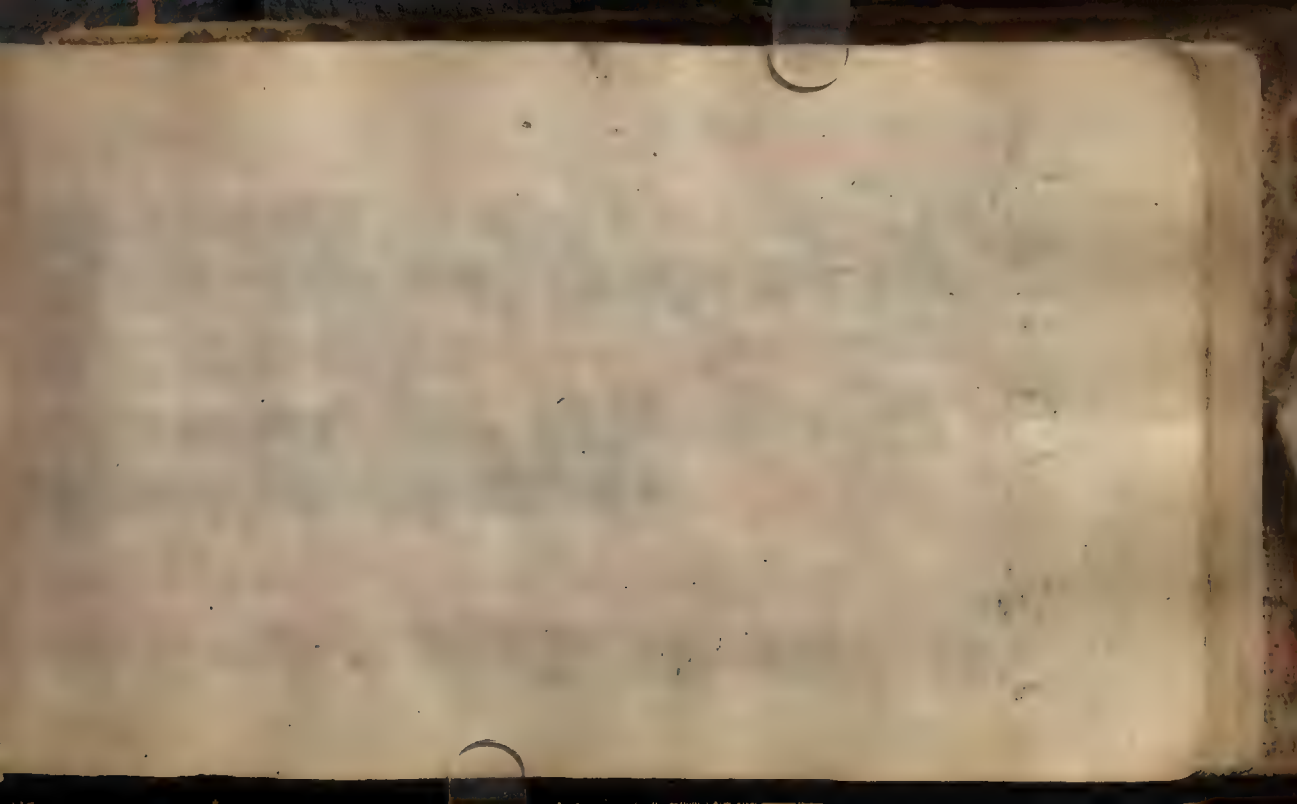
[illegible]

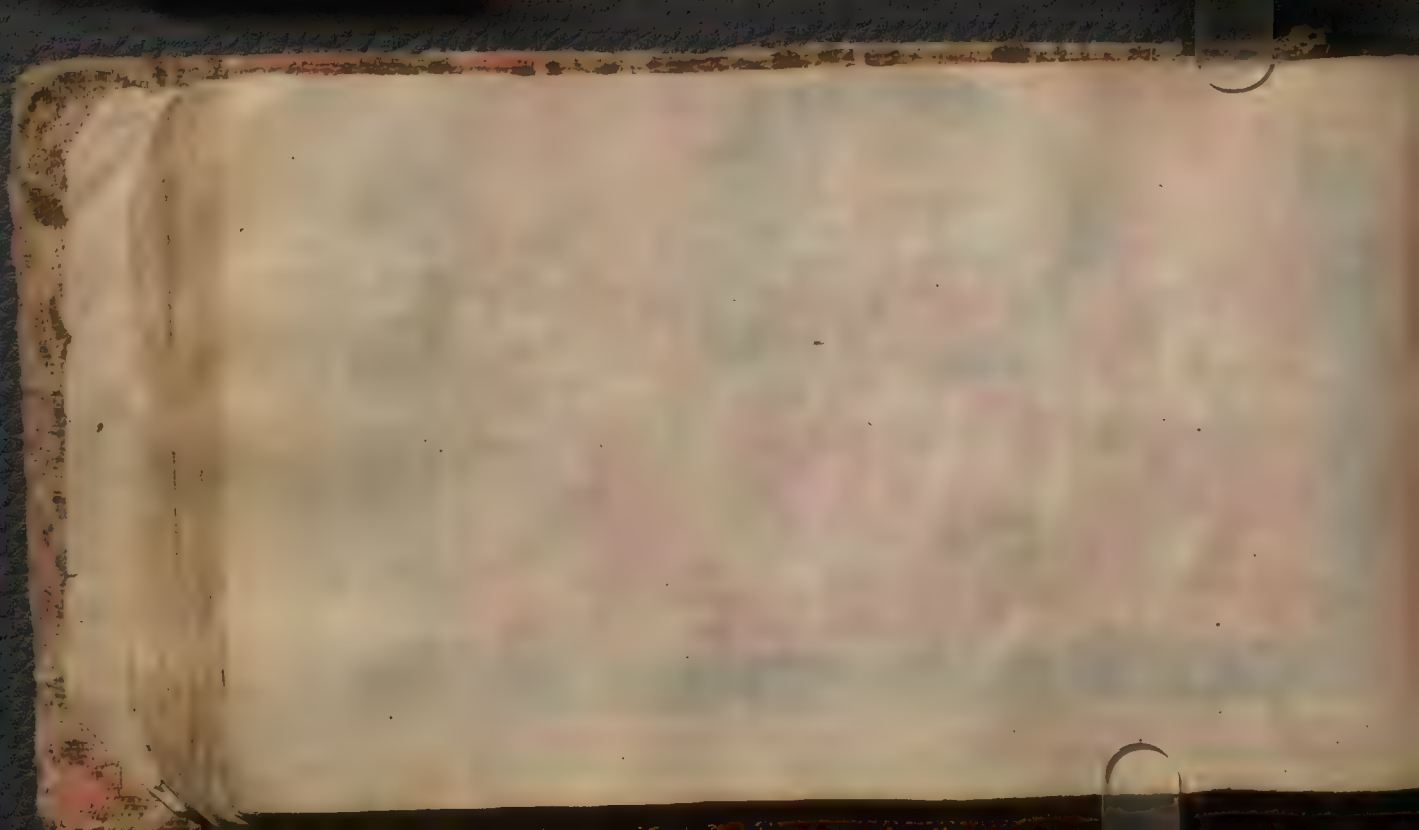
८
मु.
७५

मुउपूमा सुनकरुनेंयुहंपरमेश्वरकरुमा
मा हेगपवनमंपुष्टंरुद्रिहृठयनमनमा र
ष्टपुमंरुद्रिकरंभवमस्तिवदुमा पाह
ममपिलेमेष्टनवक्रहेरुगमने इवठहृमा
याष्टउंगेयनीयेपूयइउः॥ श्रीरुद्रवस॥
ठगवदुमंभूऐरीडमिठवडंपन पाह









नकषनेनभृगुहृमेष्टमदेसुग॥नभृमिडव
नठजिदुडुभिगदूठेठवधूमरुकेष्टभि
किमवृहृषयभिडे॥नभृकेरवउराम॥७८०॥
नभृमचभृगल्लीपाहृनभीमुरि॥केलनंभि
किमवभृगोपनीयेभयेनिवडा॥७८१॥
नभृलेउरुल्लीभृवग॥नभृप्रलेभभापुभा

ॐ
ॐ

विनमोऽस्तुते॥ विनतः सुतिपरमवेद्यभूभ
नेतिवैकमः॥ उमेरुममद्वयभूभृद्वैक्यभूभ
मिव॥ श्रीभूभृद्वैक्यभूभृद्वैक्यभूभृद्वैक्यभूभ
भूभृद्वैक्यभूभृद्वैक्यभूभृद्वैक्यभूभृद्वैक्यभूभ
मिवभूभृद्वैक्यभूभृद्वैक्यभूभृद्वैक्यभूभृद्वैक्यभूभ
नयः कचंडी विष्णुनंकटकट्टीवकटकट्टीव

एयतीभ्रुएभा॥ ठऊनमठयंवरंविमणंडीमात्र
मनंभवम॥ धदुनेल्लिडःक्रियविमडिउंए
लभापीनेभ्रुमा॥ ३॥ इऊल्लमपुकेएठेवम
परंमत्रमयतेपरं॥ ननऊपगरवडीवठय
लेभ्रुलेवडेभंयगे॥ डेरुहविनिवडिउंरुउवंगी
उमेमभमिनी॥ भवेधंठयरयिनीठगवडीए

५३

लभापीनेभूदभा ॥ ३ ॥ मेरुचंभदिषभभुभा
डिंमिंदपिडुंमं ॥ नरकरविमेधमेष्ट
ननीमेडतुरेभंभुदभा ॥ वलभष्टमथकुप
रमंलीमीभुंरीवैपुंदीभीष्टपे ॥ गतिमेरु
नकरीहुलभापीनेभूदभा ॥ ५ ॥ मेरुचंठयका
यकेभकठिनेभुंभुनिभभुभुषनरभभुपरेति

प्रकृतिकरं देवमन्त्रमन्त्रद्वये ॥ महामन्त्रपरा
 लिङ्गे विलम्बिते कौशिकीरात्रये ॥ कृष्णवैभवले
 भूमवत्तुल्यं सुलभापीने भूतभा ॥ ७ ॥ संभारं
 लवङ्गारिणीगविममिकेति पूठं सुपूठं ॥ ययं भूत
 त्रिवारिणीकुरिकुरवक्रमिठिः संभूतभा ॥ द्रविड
 भूविममिनी भूतुतिनं सतुन्दरतीक्ष्णं महानं भूम

सुमे
७३

उः कविहृत् ननी सुलभाणी नै भृदभा ॥ १ ॥ र
पाङ्ककनभ नै श्री भृदः भवेवभा ॥ २ ॥ भृद
लयः प० ३ मेठी पं भिदिभा प्रयश ॥ ३ ॥ सुल
भापिभद सुली सुल पिङ्गल लै मने ॥ सुल उ
ले भद उ ले सुल भापि न मे भृद ॥ ७ ॥ ८ डि श्री
रइ पाङ्कक ठिपं सुल भृदं मभा प्रभा ॥ १० ॥

विभीगलमयनमः॥ विभिद्वेवसरभनभु
प्रीभऐललाएपूठंमेक्कीकउभनभुगेरिवमि
रभृउवडीभवडः॥ तथभेदिपरहूमिइतिरि
वेष्टंमेभ्रमरुभिमुड्डिहुत्रभ्रमरुभापमैभि
ठिरयेहेडिमयीवझयी॥ यभइइप्रमीलड
उवलमउकुम्फिडिभ्रचिनी॥ वशीलेपूषमभि

५.
मं.
७

उउवमरुंभरुकेउवयभा॥मक्तिऊजलिनी
डिविमुनरहपयवडेहृभा॥हृडेऊनपनः
भूमतिननीगहेठकहनः॥३॥रूपूमभ
भकरिवसुभरुभापिसेडडिवहृलुडेयेनऊउव
मरुपीरुवरुविंकुंविनप्रकरभा॥उभृपि
वमेवरुविउरभासउउव'नगुरुवमःमुक्तिभा

॥ मरुवममोनिदतिवकुभुरग ॥ ३ ॥ यविहेउवक
भरुमपमंभउकगंनिधुलंउमभुउमिहेवेति
विगलः कल्लिकुयसुदुवि ॥ आएनेपुतिपचमह
उपमेयहीउयउकुलः पूरुमुपुल्लवमपुपु
यिउं नीहेसुरतिभुएमा ॥ ४ ॥ यमहेवममं पूव
डिकरल्ल मधुपुठवंवुपैमुतीयीकमठंरम

५.
५.
१.

मिमनम उद्धीः मिद्रुप्रठमा ॥ चभु वैपिमरभ
डीमनगउएहृ भुविष्टिउयेगेः मकेगिरिवउउ
मनियउंयेगंविनभिद्रुः ॥ ५ ॥ एकेकंउवके
वित्रीः मनप्येमहाकूनहृकूनकु एभुंयमि
वपुषरुभगउंयकभिउंहृकूमडा ॥ येयंक
ममपेहृयेनविपिनकेनपिवमितिउं ॥ ५ ॥ भुं

महलीकरोतिउरमाउंमममुंच॥७॥भा॥॥॥व
मेपमुकणरिल्लमठयमंमकमूलंरुकि
ठकेहेवरमनपमलकरंकदुरऊंलभा
उल्लुभुमुल्लपइकउनयनभ्रिगुपूठलैकिनी॥
येहमभुनमीलयतिभनभाउंयंकविहंऊः॥१॥
येहंपाऊरपऊगीकपएलमपुठिरमपूठ

प.
मं.
१०

भिङ्गुतीभभाउरुवेरिवमिरेष्टायतिप्रविमिङ्गु
भा॥ नम्रुतेविकएभूएकरपरुनिदतिवकभ
संडेपंठरतिठरडीभभभरिङ्गुलैललैलैमिठिः
३॥ येभिङ्गुरपरगपालपिङ्गुडंडुडेएभभृ
भिभभवीमपिविलीनयवकरभभृभृभ
ग्रभिव॥ पशुतिङ्गुभभृभृभभभृभभृभ

नमो रक्त भुभुजग्नमवकम्यमेव सुठव
विभूतभा ७॥ मातृकुल नमो लङ्गणपरम
वहुकाङ्क्षीभूयं येहं मेतमिउत्तरेक लभपिए
यतिदुह मिउतिभा ३॥ उपेवेमभविहमभदर
नः भुगीठवतिस्त्रिंभहृदुल्लरकलउलउर
लः भुदंठलुतेमियः ॥ ०॥ सुठहममिपन

पु.
मु.
१३

मभिरुत्तराद्युलं च भुक्तुं वक्तुं कृपमवा
रुत्तुं भुक्तुं पृष्ठमभिरुत्तराद्युलं च भुक्तुं
मभिरुत्तराद्युलं च भुक्तुं पृष्ठमभिरुत्तराद्युलं
लिङ्गयुक्तुं उक्तुं कृपमविद्युत्तुं ॥ १०० ॥ सत्तुं
परिष्कृतुं विद्युत्तुं कृपमविद्युत्तुं ॥ १०० ॥ सत्तुं
विमलवर्तिपरिष्कृतुं कृपमविद्युत्तुं ॥ १०० ॥ सत्तुं

वाकवद्विउपमः श्रीवद्गुरुं वद्विहस्रगुण
भुङ्क्ते भूतिः मेयं प्रभा मेमयः ॥०३॥ मन्त्रिह
स्रगुण भुङ्क्ते न विणे विन्नीमलेल्लङ्ग नरद्वङ्ग
ककेटिहः परिसयं यधं नरम्भङ्गः ॥ उमङ्ग
कुमङ्गमपकुलिम श्रीवद्गुरुं वद्विहस्रगुण
विनीहस्रः कषमिव भूतिः पालिहः ॥०३॥

पु.
मु.
१३

विभूः केलि कुले विमभुमिउरे कीर धूम प्रभवे
भुं रे विदिपुरे परा परमयी भउ दृप्रस विणे ॥ यं
यं पूरुये उभनः भिरपियुं उधं उत वप्रवे उं उं
भिक्षु भव प्रवति उभ विप्र विप्ररीरुः ॥ ७४
मरु नं न नीरु म इरु वने व प्र मि नीरु प्रमरु
उः के म व व भव प्ररु उये प्र विरु वति भू ए भा ॥ ली

यत्रोपलयश्चकल्पविरमेश्चक्रयमुपृभीमाहं
कमिकमिदृक्पमदिभामक्तिःपरगीयमे०
मेवचंद्रितयेशीकृत्तुंसांशुश्चंद्रितभूले
हंरिपमीदिपुष्पभवेदिदृक्वलभूयः॥यदि
क्षिप्तगतिदिपानियमिंतुमुश्चिन्नाहं३३३
दिपुश्चंद्रितभूगवद्वेति३३३॥००॥लक्ष्मीग

पं.
मु.
१२

ॐ जले ॐ यं ॐ इ वि क म क गी म स नि र ह म
वि प म य ठ ॐ स व री क उ र इ ने गि री ॐ उ पे
उ पि म म ॐ भु क ठ ये म ह म ह ठै र वी ह मे के
इ प रं उ र वि वि प म भु रं म उ य प्र वे ॥ ०१ ॥ भ य उ
ॐ लि नी रिय म प्र म डी क ली क ल म लि नी
म उ ह्नी वि ॐ य ॐ य ठ ग व डी रु वी मि व म भु

वीमक्तिः मङ्गरवल्लठरिनयनवसुमिनीठैर
वीह्नीकगीरिपुरापुरपरभयीभङ्गुभगी
इमि ॥ ०३ ॥ सुरेपल्लविडेः परभरयेडेकुडिरि
भङ्गुकोरेः ॥ कङ्कैः कङ्गुगडेः सुरमिठिरिषकडे
सुडेभसुरैः ॥ नभनिरिपुरेठवडिपलयट्ट
ट्टुगुल्लुनिडेडेहैठैरवपडिविमडिभङ्गुसुहः

पु.
मु.
१५

परेहृनमः॥०७॥ वैकुण्ठनिपुनं वपैः सुतिरि
यंतुमनमभुक्तं ठरुमिपुगेद्वनमनमेय
इहवाउमुएभा॥ एकद्विदिपमरुमेका
विउमुयममहुकरैमरेकुगविपिचिमेषभा
दिउः मङ्गपूरयविउः॥३॥ मधुहृनिगवहृ
ममुयमिव किंव नयमिउयउनेमुइमिं

पठिषुतिस्त्रैयश्च भिठक्तिभूयि मन्त्रि
पिलप्यहमन्त्रिस्त्रैयश्च भिठक्तिभूयि
कुभापरीदतेनरमिउंयन्त्रिस्त्रैयश्च
भुवन्त्रिस्त्रैयश्च भिठक्तिभूयि
दिउंमदिषमन्त्रिस्त्रैयश्च
ययमन्त्रिस्त्रैयश्च भिठक्तिभूयि

सुविनीयादुभयानामुभयोरप्ययमः ०

विभेकदविहमकुवेकवनपिपहमभडिक
लुडगवभिपुगेयवृ॥ ७३०॥ कविहकुमरुपु
करववे० प्रलेकवभुयिगल्लनविपु॥ ७४॥
भा॥ ०॥ कविभुडिहिकरेकुडवकुयमेवम
भडिपूकुडयेपिगलीठवति॥ ७५॥ विभन

प-
भ-
७०

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
कुरु मा ॥ ३ ॥ मा उ सुष पिठवडी ठवडी इडा पवि
सिउये सुतिमद लवकलणः ॥ २ ॥ सुडे ठव नि
मठव सुग ॥ ४ ॥ रवि कठ जि गुरुः किमपि मं भ
परी करेति ॥ ३ ॥ सुडे ॥ गति ठवडी ठवडी विठ
डिस गति उरुयद डे ठवडी ठव नि ॥ ५ ॥ मेरुं ठिनति

पु.
मु.
११

ठवरीठवरीरुल्लिखिलयिउंल्लयतिमिउंमि
रुंठवटः॥२॥यमिद्वनगपिनवभुल्लपउंगेति
नेतिभूमरुमपुगंरुमभारुणमि॥उमिद्विर
उरभनरुमरुवकीलभीमतिनीनयनभउउयः
पउति॥५॥पाष्टीकुल्लिपुमयनप्रवरभुउभुविह
परभुल्लिसमिउपमपी०ः॥यम्वरुवतिपर

वीधुल्यमापयदुदरुपकुल्लरलः कल्लः पु
भरुः ॥ ७ ॥ दुदरुपकुल्लरलः पुल्लिपउप्रुः पु
द्वैरनल्लभातिठिः रुतिठिः कवीकैः ॥ कीरकप
करुगुल्लिभवरुडकैरधुवपिद्वनरिउव
पिकीतिः ॥ १ ॥ कल्लरुमपुभवकलिउमिप्रर
भरुपिउपियउभभरुगुगीतिभा ॥ निहंठव

प.
सु.
१३

निठवडीभपवी॥ यतिविहृणः कनकमैलगु
रुगणेषु॥ ३॥ लक्ष्मीवमीकर॥ कर्म॥ कर्मि
नीरभकक्ष॥ हृदिकरेषुसमिहृमभः॥ नीरवृभे
रुतिभिरस्त्रिरुपुमीयेरुविहृमद्रि॥ निने॥
यतिपूमरः ७॥ रेविहृमद्रिनापरवृहवेभया
पः पूहृमभेजिकरुमेभरुमभुवरुति॥ मेव

वडिचडिकेभरभरुगींमीभरुभीप्रिऊभभ
भवकयिउंयेः॥०॥ भुविभूरडिउरमीठिडिक
गिरभंभष्टेलल एभभरयणरमिमिइभा॥रु
सुसुभिरुउडकुलिकवरुपंष्टेडिदरुउरि
रुभभुपंरुमीयभा॥०॥ भिदुरपंभुपल
सुगिरभिवरुंरुउरुभा॥उरभभुपिउभिवेवी

पं.
मं.
७

भा यः पञ्चदिकलमपि डिपुगे विरु यद्दीनं मारु
निभरु सभुमनलति ॥ ७३ ॥ मउमृद्रुमपिय
भरुडिभुद्रुपलकरभपुमउतुनिठठवटः ए
यतुनतुमनमभुमनरुडपुः पूरुभमीभ्रिभठ
गहृगुलं उरुटः ॥ ७४ ॥ चणरभरुडनिरोठवम
नयेधं मित्रुरगीरुडभरेरुगुलं नकरि सीधुं

हृदि भूगतिरिव पशुमृगं यत्तिष्ठति रुम
भीतिरुत्पिबुभाष्टः ॥ ०८ ॥ योऽपि त्रयं तृणं लभ
लभस्यैव त्रिपुण्ड्रं त्वं भवत्यवकपकपि न भ
उपं भवेत्तु मभयवत् ॥ त्रिपुण्ड्रं त्वं भवत्यवक
गम्यमेव स गच्छति ॥ ०९ ॥ त्रिपुण्ड्रं त्वं भवत्यवक
रीतिमुत्तमं लेकते भवति गतिरिव त्वं यः ॥ नि

भृमीमभ्रजिम्भरभाउनित्तरभृउभृपूमाग्गमा
परः पूमात्रिवराः॥०७॥ सवलिमचक्षुनव
क्रियारूपयन्त्रेयरुष्टुष्टुविविरुधितनेइल
क्रि॥ विषयप्रतिष्ठा नमानमराक्षंभिक्तो
मिहमापरमनेकविणंक्षु॥०१॥ उच्छु
नरुपमनरुपयुल्लपुकछंमंकैद्वलिहूमठि

भाटयम विठदि ॥ एयेडविमुकुवेनेकगुरुभुम
नीरेवःमिर्वेपिडुवनश्यभुशरः ॥ ०३ ॥ येयेमक
भुगगनलवरइभिकुदेयेमरमरगुरुःपुरुषः
पुगलः ॥ यकुभमठभिकुभवकभुनभुमेवि
इमेवडमिडिपूडिपारुयडि ॥ ०७ ॥ एडभिकुभ
वडियेनकिभंसुगमिभलभलइडिरकलम

धमनमेन उभ्रविलभुमनवहुमनउकलभले
 क्रिनेः ॥ ३९ ॥ मिभुक्रिवगिलभभा ॥ ४० ॥ हं
 पिनीतिभुमनउतिऊलीतिहंभालिनीति
 कभलेतिकलवडीति ॥ हं कभिनीतिललिउ
 हपरक्षिउतिरेविभुवतिविष्णयेतिष्णयेद
 मेति ॥ ४० ॥ उरुभकभपरभकुमरेष्णपञ्च

मम कृति कृति मुपमि उषदुकरभा ॥ मेरुक्षि
पेदुकरने कृते वेपमिं कलील गुणं ठगवंती
रिपरां नमामि ॥ ३३ ॥ गले सवद कसुता रतिम
रुयक मविता म्दर विवर विधुरा कुमभव
वले दता ॥ मन कृमम मिठिः परिवाता म
मि कृमिठिः करु भवन मएग डिपु रभु र्मा

पं.
मं.
३३

गीपउर॥३३॥ इमेकवीभिवकलभनठलमेम
भरुभिउभुरउलभवलेकयउः॥ महेभाभुति
भणियःकवयेठवतिहुंठवनकिउणियंऊल
कभयेनः॥३४॥ उउपुकेभरुमिरेडिपुपनी
किमेउस्त्रिउनभयेयवनेलनीकि॥ करग
केनिगरुववुनपीकिउभुइइंभुउत्तएडिमे

गङ्गा मुदु ॥ ३५ ॥ रुद्र लि विरु म मयी पुडिभा
मिव हं येमि उय वृरु क डि म न वृरु प म ॥ उ न
दप कल म मः पू म ठं ठ ५ उ क ५ व म क म रु
व रु ल उ म रु ५ ॥ ३६ ॥ रुद्र प म ल मि उ रु मि
म प ध र क म रु व ये म रु न मे व उ म रु रं यः ॥ उं रु
प रु नी न म पि म रु ष नि वि मे ष म ले क य वृ रु नि

पे.
मु.
३३

उभउएभरुधः॥३१॥ इरूपैकनिकुपल्लपुल्ल
यितवत्तुमुनेधुसुल्लगमकल्लनरगितसुव
येधुसुल्लतिस्सेउमि॥ इरुमत्तनमउगीकरयगे
इहीउनेवमिमैऊरपिइरुपामनइमनितमेरे
विमामभुउ॥३३॥ उडिनीपगुभुहंभय
भुडिनीय॥॥ विरेविहभकपडिपाचडिमति

इलेकभउःसिवे । सवलिपिपुगेभाभुनिवरमेरु
रुलि कट्टयनिदीमेठैरवेमलि सचरिकलेक
लकयेकुलिनिरुदमपुल्लउन्ननवृमनमःपटा
जलचदिनः ० ॥ मेविहंमठमेवयःपुल्लभति
केलीकुउमंनमवृष्टमभुगमदिपी० विल०कु
लीरकेदिभुष्टः ॥ यभुभवाउमेभुउभगल्लदः

पुं.
मुं.
३६

मुंतिभंभुयतेयभुंष्टयतिउंभरतिविपरष्टय।
तिमिभुनः॥३॥ उमउंवभगुंवविधवृ
भउप्रकउवपुपुपुंभमउंवतिविरुगुभु
वउंव॥ येष्टयतिदिमैलर॥ उनयं पट्टभु
तकगउभुकेपपिविद्यकुरगभनमेष्टयतिव
भरुवः॥३॥ एयतियेक॥ भपिदिपुरेरुमिहंल

वष्टयेवनपनैरपिविप्रयुक्तः ॥ उविभुगत्रिललि
यालेमननंमिडेकठिउलिपिउपुतिमःपुमंमः
५ तउकिंनममपिवष्टुविमष्टुष्टुममैरि
विमंनिगलष्टुनेनमरुवकिंवैकममये ३
ष्टुविमैविकल्पयएनकुडेनयेधिष्टुनःकिं
ष्टुकरैतिरेविहुरयेयष्टुष्टुमवउमे ५ विमृष्ट

पे.
मु.
इप

पिनेयकुमीसुवडिभु॥७॥वनवृमयः॥ सकः सति
रिडिलेक॥७॥ननिहयेवउष्टिभुडिः॥७॥कुंमहपिम
कुवडियमिमः॥कुडुमले॥वपिउं॥हकुऊ॥नपि॥नकि
॥पिमरुप॥उकेविमिं॥मरुडी॥७॥७॥कुंमहपिगडं
भागा॥मरुमरुमरुयं॥मने॥रि॥पि॥पि॥कुं॥हकुम
रेरु॥मरुगडं॥मि॥पु॥पुमी॥पि॥मि॥॥७॥वद्यडी॥मभा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यत्रिये मेदिनम्ये निम्ये उरुलेठ
वत्रिविपमः प्रेक्षितुं कुरुतः ॥ १ ॥ प्रलेखेः सक
लेरिव त्रिवलेः पीयूष प्रेरिव कीरवे लदगी
हैरिव सुपापकृष्टपिण्डैरिव ॥ प्रलेखैरिव नि
मिउं उववपुष्टयत्रिये मूक्यमिउं उविदुडति
उपविपममुभयमं विदुति ॥ ३ ॥ यमं मरतिउ

५
५
३

रलं भद्रमेतमंतीहं गतिपात्रकठिमुं उरु ॥ १ ॥
॥ ॥ भा ॥ रगलवेवकलरगि ॥ म ॥ यतीरुं
॥ गकयतिमेडमिडागः ॥ १ ॥ लकरमभ
पिडपद ॥ उरुतीमतुः ॥ मरुडमिनेठवडीठव
नि ॥ यमुं मरुपुडिमभपुडिमसुडपनेडेलेम
गरुमेडममत्रयति ॥ ॥ सुमभुं वगमवृजं दि

मऊकेऊरेमिधमा कऊधुमलंविह ॥७॥ मापा
ऊललविनीमा ॥००॥ प्रजाकेःमिडपऊरमनग
ऊधुलेयपाऊदिपंवऊऊममपडेमरेऊरुडुवेव
ऊपिरवूपिम ॥ ममिऊरममनेऊरमललिडमति
धूमवपिम ॥ हमेवमरडःमररिमयिडेवऊऊ
डेवऊति ॥७३॥ ऊऊरीधुऊगऊपयतिरिप्रहति

पं.
मु.
३१

विपमैरुहणीवृणीकुम्भयतिभाषनिपुत्रते
०८३३३ःपंरुलयतिपिनपुंभुविरुंभरुह
मेवीकिभिवनिरवहंनरुह३०३॥यभुंष्टयति
वेतिविहति॥पहलकउमिउयहवेतिभुतिपह
कलयतिभुहमयहमति॥यभुहभकवल्लुठउव
गु॥नकलयहमउभुमीरगलरुपैतिवि

॥ यमुमु गउंण वरि ०५ ॥ किंकिंरुःपेरुव
मलनिकीयउंनभुउयं ॥ ककभिदिःभरव
रउंपुपिउंनमिउयभा ॥ कककीतिःकलक
मलिनिएपुउंनसुउयं कंकं येगंडुयिनमिउं
मिउमलीभुउयभा ॥ ०५ ॥ येमेविदुत्तरकुउउ
भाणउरभुयेकलिकलयनपमनिउउवदुः

पं.
मु.
३३

येपक्षिः सः शृङ्गकल्मषमित्रमग्रमुद्यमिम
मयमिदुःखमिभ्रुदेव ०७ लक्ष्मीवमीकर
सुलभकेरालिहृद्यमपहृष्टारंभिसिरे
यति यनिपुत्रमभिलिङ्गनिचललदे
लभ्यति मैवल्लिपिङ्गनिरुकरालि ०८ रेभ
रुः किमयेवैवउपमरुः परिक्लिष्टेय

हैव वरुम किलः किमिदं रिजीरियते गुरुः
ठजिस्तेम विनामनी ठगवडी पमसुयो मेव उभ
विदुधुमरु उ पइमठगालवुकी परेण वडि ॥ ०३
यमेन कंमनन कंमनवाह्य मिमेवीन कंमननि
रमुमममुमैवः ॥ स्रक्कं वमेमपरमठिठल्लव
रंभीमेवील्लमिधुराडिमेजलकमपेनः ॥ ०७

ये.
मु.
३७

मरुतुक्रमयेभुक्तेविदिपुरभरुति ययमति
॥ ५॥ प्रसंगक ॥ परमेसुरि ॥ ३० ॥ नरुतुभग
कः भवेतिनमुतुविदुधकः ॥ पवभुमभुवीम
मुपुमरेभुगुरुः भरु ॥ ३१ ॥ रुजनदपुमभरी
॥ ५॥ पद्विनिमिनी ॥ प्रदिउरुः ॥ पकेठगुरु
रदिपुरभरुगी ॥ ३३ ॥ नभभियमिनीनयले

पलङ्कउज्जलभा ॥ ठवन्नीठवमत्रापवित्राप
मुणनमीभा ॥ ३३ ॥ भत्रकीनेरियकीनेविठिनीने
मयङ्गउभा ॥ हयउङ्गभ्रउंमेविरुपयपरमेस्वरि
३४ ॥ **दिल्लीभंसमुद्रामलमुद्रमुद्रायः ॥**
वियभामनत्रिभनयः पूरुतिं परलीविष्टुडियं
मूडिरुष्टुविमेगपलीत्रि ॥ इमवपन्नविउमद्रु

उमेभनभिठपुवडंरुनुभा॥३॥ सुविठवधुलक
भतिठिठिःसरीरैरिधुकेभनभलिलेउयनेसुति
रभा॥ वरिठसुगङ्गयुपुठिरुपभडेयेपुमे
उवभुठवनेपुउपुवपुटः॥४॥ वरुंयुठुउभठि
पुउयेठवटुमुहंनमेयपुपिमेविमरःकरेति॥
सुउसुयठुयिपुययलभभुडनिकभुपिकैरिपि

पं.
मं.
७०

ठवतिउपेविमेषैः॥५॥ प्रललवलकुररुमि
ठवनिनिठिठुधरभिरुनिठिल्लेउव॥ कुरे
पिउइविमभिपुवमल्लेकनिष्ठुमभनपरभा
भाउउयइप॥७॥ कुरंयमभनमेकभनेक
णउमगुःकएकविठिरकुरयंमकर॥८॥ उउउम
पुठुठिमेविललाएनेइमहंठिरेवमकुलीरु

ॐ भिक्कु भो लिः ॥ १ ॥ अल्लउमभुवमनकलिङ्ग
ववयेठिक्कं कपालिनमवमममसिद्धीयम
प्रवेकरगुरुममल्ललंठवट्टमभुंकरवव
इयेगिरिगङ्गकट्टे ॥ ३ ॥ मयधुरंगमवठ्ठमवि
लेपनेमठिकाएनेमनएनेमपरिउद्धुभे ॥ वेडा
लमंरुडिपरिगुरुडममभुः मेठं विठ्ठिगिरि

५०
७३

ह्यउवभरुमदग ७॥ कल्पेपभंरुलकेलि
धपलिङ्गनिमङ्गनिपङ्गपरमेरपिङ्गव
नि सुलेकनेउवकेमलिङ्गनिमउलभृद्ग
परिलभतिङ्गगकिङ्गहै॥०॥ ह्यउरपस्त्रिमउ
नेरपिकदभष्टेनिस्त्रेधपमपएलस्त्रिङ्गरनि
मेधग॥ कलृलिदेसिककएमभमृयेलक

रुडेठवमिसाभुववैरुमीक॥००॥भऊविद्रुप
वरीनवविद्रुमाठयज्ञेउमिभुरमिउरकिउवम
॥॥कःभगवद्रुवनइयभुमी॥०॥कद्रुप
॥॥उपाद्रुमरीविरुपि॥०॥येठवयेद्रुमा
उवादिठिरंमुद्रुलैरुद्रुमावद्रुवनभभाडे
वरीद्रुमा॥उलद्रुमविरुवनभउलद्रुनीयं

पं
मु
७७

कमिठिः भुरवैरपिकलकहभा ॥ ०३ ॥ यः भु
टिककगुलपभुककभिककमुवृष्टमभुह
उकरं सरमिचमुहभा ॥ यरुभरं मरुमयेठ
ठवडीभपमुमुडः भविचकविडठिकमरुव
डी ॥ ०४ ॥ वदवडं मयुडवठरकेमपमंगुल
वलीकुडप्परभुनदरमेठभा ॥ शुभंपुवल

वरुनं मकुमारं सुंदरं मेव न भि सवंगी सव
सुखं यथा ॥ ०५ ॥ मतेन किं नुवल डललिडे नभा
गुह्यं विरुः परुधमममि रं ह्येति ॥ सुली ॥ न
सुपरिदुभवसं भिमते मरु मिडे न उवरे वि
॥ मीठवति ॥ ॐ ॥ इका ॥ ४ ॥ इका ॥ कुरु भुक्तमा
कुलेयं मायेरुपि विविपरुः ॥ पडरु माला ॥ सु

पे.
मु.
७२

मृदमभुगदिडिपूलयंपूयडिहृहृनभउडिभा
रुवरुवभापये ॥०१॥ रुकायलीडिऊडिले
डिगुरुगलीडिकहृयनीडिकभलेडिकलवडी
डि ॥ एकभडीठगवडीपरभाऊडेपिमऊमृमे
वरुविणननउकीव ॥०३॥ पुनरुलकलीभन
रुउरभिरुमेनरुहृनपरिलीउउवरुपमीमे

पुष्टपि नमनमा परिणीयम नमं मत्रिनेम
लिलैः पुलकैः सुपट्टः ॥ १७ ॥ हं मद्रिक ममिनि
मरुमै रुमिं भुहं मेडनमि पुरुषे पवने वले
हमा ॥ हं मद्रिक ममिनि ममिनि हमा
निम्रमेव निपिले हमा डेयकि भुग ॥ ३ ॥ हं
डीधियमि विमरत्रियरुत्रिकं भुडपयं मि

ये
मु.
७५

यमदितरंभीमपडे॥ यक्षुतिवयुनलेयर
मन्तिरमुडमचमभुडवकेवलम॥ येव॥ ३०
महैमभिभुभियरुगिरिलेडरुनीवकुडये
भुमभिभुभिररुमभुप॥ यक्षुविकममभप
यभियरुडरुनीवमभुपग॥ वभुकरु
ठवति॥ ३३॥ ठेगायमेविठवडीरुडिनःपु॥ भु

इकिङ्करीतुडमरेण्णपदुभरुभूः॥ सिङ्कभा
णिपुमयकालिडकेलिमैलेकलपुमेपवरा
वसिरेरभते॥ ३३॥ रुतुङ्कमेवठवभिहृणीनभी
मेभंभारडपमपिलेरुययपमुनभा वैक
डनीकिरल्लभंरुडिरेमज्जप्यमनिल्लसभयिडं
निल्लयैववाधु॥ ३४॥ मज्जिमगीरमपिरेवडभतु

पं.
मुं.
७०

रद्वल्लुनरिय करल भवनमलभिद्ध तिस्र
रभायउनमचरल निमहुं किं उत्रय कृवीभिमे
विममकृभेलेः ३५ ॥ कृभे निव्यतिरुमिउपय
भिभूतिधु विहृवल्लेभरुतिम तिरडीउमतिः
हेभीडियः किलकलः कलयतिविमुंडं भं वि
कुरउरमभुपमं हमीयभा ॥ ३६ ॥ यवदुमं परुम

विष्णुयुगं हृदीये न हृदी करेति हृदये धृष्टं गच्छुः
हृद्विष्णुकल्पः हृदिलः कुटिलप्रकारमुक्त
गदः ममयिनं पुलयेन यति ॥ ३१ ॥ यत्तेवयव
पिष्टयवविद्वद्मेकीदृशमनः करणमल
लभचठे ममा ॥ यत्तेन विवृष्टवकरणपाद्म
कष्टपवलिपावति नयति निरुमनहमा ॥ ३२

पे.
मु.
७१

मूलमप्रतिपुमदीप्रभापममुः कष्टसुरपिउ
वेवेठवमभुयष्टः ॥ यष्टगिरमपिनमहडावव
कुंमभिसुडकिलमयेडिडिकिउहमा ॥ ३७ ॥ कल
गिकेएरुमिमभुधरुपुमुकुवक्षवेनेपठवडीम
भाडेपवध्विमा ॥ हृमंयनभुनडांमकलीरु
डेमष्टयत्रावक्षगडंयुवेठवति ॥ ३ ॥ विहं प

ॐ कडिमिभुमभुकेमिभुनचमेवकडिमिभु
डिमिभुमयं ॥ इति सुभाद्रपदे वद्यमाभनम
भक्तस्य पारकर्तृत्वं प्रमुक्तिमेव ३० ॥ कुवल
यरुलनीले चन्द्राभिमुखे मे पाषाण उरुगुरुगुरु
उककुवलप्रभा ॥ किमिव चक्रादिभूते भूद्वन्द्व
पंपरे नः सकल दुर्वृतमात्रः मनुजं मविष्टमा

लेदुलमसे मिवधुगृयभुनठरावरभूयम
उंनमेयम्मकम्ममनठवउभयुयमदमे ३ त
०नाकुदरभुनठरनभमएलाउक मगसुद
मभुवुगुलिउनीलेदुलममभा मिवधु
इभुवुभगयकगुलिउंमिवभवृ
नीमवरभदमवेभिमवरीभा ३ भिवःकेम

पं.
मं.
७७

कमिपूवनिपनमुदुपएनवरुमूदुठजि
पूवविषयसुपुविषयः॥पूभीरुपूदकी
ठवगिरिभुडेदेरुमरुनिगलभुंमेटःपरि
ल०तिपरिपूवभिरुभा॥॥सुनंदावकेव
पगपरिधरेवायममनंकमकेनकेडिकमि
रुपिनकसिद्धलयाडि॥मभधिविषुभंवि

फिदिममक्रयवधुधिपूयहेषःसुतःमकल
ननीमेवमरलमा ॥ ५ ॥ ननहुतुठरुपूलयर
मिकपिपूलयिनी ॥ मिवभुभीरहुंपरिलवि
ठेरेविगपदिनी ॥ मविरीक्रुतनाभापियरुक्रुः
मैलउनयाउरेउंभारपूलयलमदुनाटक
भापभा ॥ ७ ॥ इवहेकेउंठगवडिमरुहेविकुर

पं.
मु.
०...

मद्येभउः पूरुमुवमरुमरुदेभकवयः ॥ परेने
उरुवेममठिरुपडेरेविश्रुणियः भुकेउरुमय
विलभिउममेधेनरमिवे ॥ १ ॥ उकिरुएिहृडिडु
डिरुलिउधडुडिगुरुनेपूविपुंमृणंभनरपि
भणव्यधिवपुध ॥ किमपृभृडिमठिरुल्लभ
कलीडुउमनिपेठलेणभमृमंऊमठरनउंर

ठरकमभा ॥ ३ ॥ मउ यइ उः पकुलठगपुएउ।
भिवलयभुरकिइइइइभलिनियुउठइ
ठियउ ॥ धरुमंठिइइइइममरुलभयइइममरु
लंकलमंमइमंमउवउिनभमुगिरिभुउ ॥ ७ ॥
कुलंकेमिइइइइवपुगुलभइइववणः ॥ पंरेउ
इमंमंमभठिइइउकेलमपंरे ॥ मउलभ

पं.
मु.
०००

पुष्पमपरिकिमपि पूरुगपरेमदमयेउं
उवकषमभीनिष्ठिनमदे॥०॥ परमपार
नीपुलयमिपिकेदिपुडिरुमरुमठभीरु
हमपमकमलपूरुमिरमैभा॥ विउवः
मैवंकिमपिवपुगिनीवरुमिः॥ ऊमहम
नमःमिवपरुषकरेविहयउ॥००॥ पूकम

नमो ह्यभविमिउमगीमएपरुवी॥ पूविष्टु
कुङ्कुंरविममिमभाष्टंकवलयन॥ पूविष्टु
सुंनरुंलयरुदनठम्मीरुउकुलः पूभारु
उरुः मिवमकुलमभुपूविमति॥ ७३ ॥ भन
पूभिदहिमरुउलिंकश्यमिरुंठवभे
येभयुंदिगुल्ललयगीकेएलठिउभा कए

पे.
मु.
०३

कस्मैरुश्चामनवभउः कनलया मरीरीम
हेयं वृत्तिपरमावकउवउमा ॥०३॥ प्रिय
मुष्टमानीमनलउवमः किमलयं मभ
मीलमउठलवकलनेपष्टमभमा ॥ मु
नवकुमुगभुवकनभिडं कलदलडिकं मद
हयउमुगपतिमिवसितमलिपरमा ॥ अ

धरुणरवैर्यपरिभिउमडैमिपएलेसुलकु।
रुडेनैरुडविणलमकेवउरुपेः ॥ ३५ ॥ भुडेठि
भुंवदुमिपरनरुमाउरमीठवविभुदुगुमि
वमिभभाउडिधुपुयिनी ॥ ३६ ॥ भकीपयेवा
किमुभरवियरुडेकुरविठिचपठिनभुमेर
पिउवकियनभुभदिभ ॥ ३७ ॥ नभटलेवउठग

पं.
मु.
०३

वतिनऊरपुत्रउरभवभुपुपुनिहयितुपम
हेभवपधि॥००॥ कलं पूरुमाहुं मभयभउ
हुतिंमभमभं विधिंपरभदेविनयभपकेम
मिवकयभा॥ पुमलं निव लं परमभतिहु
तिंपरगुरुं॥ विधिंविहृमरुःमकलननौमे
वभनयः॥०१॥ पूलीनमहुं प्यउरुत्रविगडेवि

कविठवेउउभुहेमधुसुनिठिरनपाणिद्वपुग
उमिउमकेपवधुचकलिउमिउगगनभु
भंविठियेगीरभयउमिवाएपरउभु॥०३
परनककंनिरवणिमिवेसुदविठवेनिर
करलुनधुदुमिभपरिष्ठिउकन॥७॥मवि
शीलेकनंनिरउमयगभभद्रपमंठवेव

पं.
मु.
०.२

भैकैव ठवउठवरीमेवठ॥१७॥॥गङ्ग
येरुहउठपिपुरुषेउच्चलुमयेपुमंभंविक्कभं
उभपिवियमाएमगदने॥उमेउच्चनएउठपि
परमानरुगदनेभरुहेभाकरेहमेनठवमीले
वि॥येउ॥३॥विपेविहेवेहेविविपमभयेवेम
॥ननिविमिहेविस्वहेविनयभलठवेमगुलि

क० मिवल्लमीलमु, मिवपरुवरुहेमिवनिरेमि
वेमाउमरुहयिविउरुकिं, निरुपमाभा ॥ ३० ॥
विरेमंल्लहयमंउपांकरुलेरुकिंमु,
लेपेउंयमगमयमंभाठरुमा ॥ मलेमकेक
लंयमपिगरलेनभुगिरिमः ॥ मिवभुयःम
जेभुमिरुमपिलेउविलमिउं ॥ ३३ ॥ विगिह्वए

पं.
मुं.
०-५

भउःभुलभिरुमिंहुहुभवभिरिलेकीरु
एदरभिविरुभीसुरपरुभा॥ठवतीभरु
एमिवयभिरुपमेप्यलनीहुमेवैकनेकठ
वभिरुउठरैनिरिभुउ॥३॥भुनीनंतेउठिःपुभा
किउकधयेगीपभनगमहुभंभुपुंमकिउठ
किउरभुमउउभा॥सूरीनंभुननःपुदुतिकठि

नः केमलउरे । कषेउेविउेपमकिमलयेपच
विपमभा । ३२ उरिउेनीनिहमभाउमरिउेप
गरिउेमलेडीलेहृमुं पूरुविमगुल्लगुविग
द्वनभा । गिरंउरंविहमविनउेउं संविउे
ननीमपदउंलक्कीमरिउेपविमउेठगवडीभा
३५ मरीरंकिहृमः मृहृउिरिउेकेवलमिउेम

ॐ
ॐ
ॐ

पिङ्गः पिङ्गं यंकलयति प्रमं श्रेष्ठं नृपति ॥ भूतं एव नृप
नेपि प्रवृत्तिं नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति
यव ह्येगि विभुते ॥ ३॥ पिङ्गं भूतं नृपति नृपति नृपति नृपति
भूतं नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति
नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति
भूतं नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति
भूतं नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति नृपति

भउमकभुमै किलमकलभउभुमरुद्रः भमैपंउं
 दिहउमनगिरिगः भुउनय ॥ मनहुउमभैरप
 षगपिमज्जिहगवडिविवरुहयभीहुरुमरिउं
 वेडिउवकः ॥ ३३ ॥ क० भुमूपीनं रविममिरुम
 नभूछउयः परंरुद्रुगुरुं उवनियउमनरुकलि
 क० मिवमिदिहउं शिवलयउनेः भवभमरे उव

पं.
अ.
००१

मुठऊधुगभिरुमिगिंठगवति॥३७॥ परःपा
सुठउरुगिरपरिमयेपरिमिउं॥ परंमुलेभ्रुंम
लमऊलेगुरुमयुरुभा॥ रुवीयेनेमीयःमरुभा
मिडिविमुठगवंगी॥ मरुपसुहृष्टवुरुमिहुवन
केठरुननीभा॥३८॥ पूविमुसुंभानेमरुहृष्टयय
रुमिकरुम॥ धरुप्रप्रुतेप्यसिुरुगलनडी

उकुरु०॥ परमादुकरं मयमि मिवयतीम
पिउवेसुभा नंणट्टिग्गुभयलठउेठगवतीमा
ॐ॥ मयुगः प्रक्षीवदलनडवउकीपिक
पयेपेकलेलपुडिउमदिप्रिवपयडः॥ उरु
हिरुहसुदयिमरुनिल्लुडिउकउलेठएउउह
पःभूमममनकलंयगवमः॥ ३३॥ विप्रविप्र

पं.
मु.
०३

वृक्षपदतिरङ्गरश्मिनकरः श्रुतवैलेनेरुः म
गतमनिरकममनिलः ॥ मिवः मक्तिस्त्रेतिस्त्रि
विषयतं तमपगतं ॥ विकल्पेरेतिभुमभिरुप
तिमतेरुगवडीभा ॥ ३॥ मिवभुंमक्तिभुदमभिमम
यदंममयिनीदमदुंसीकदमयमलिममि
जुल्लगल्लः ॥ मविहृदंविहृदमभिनिलंठंकि

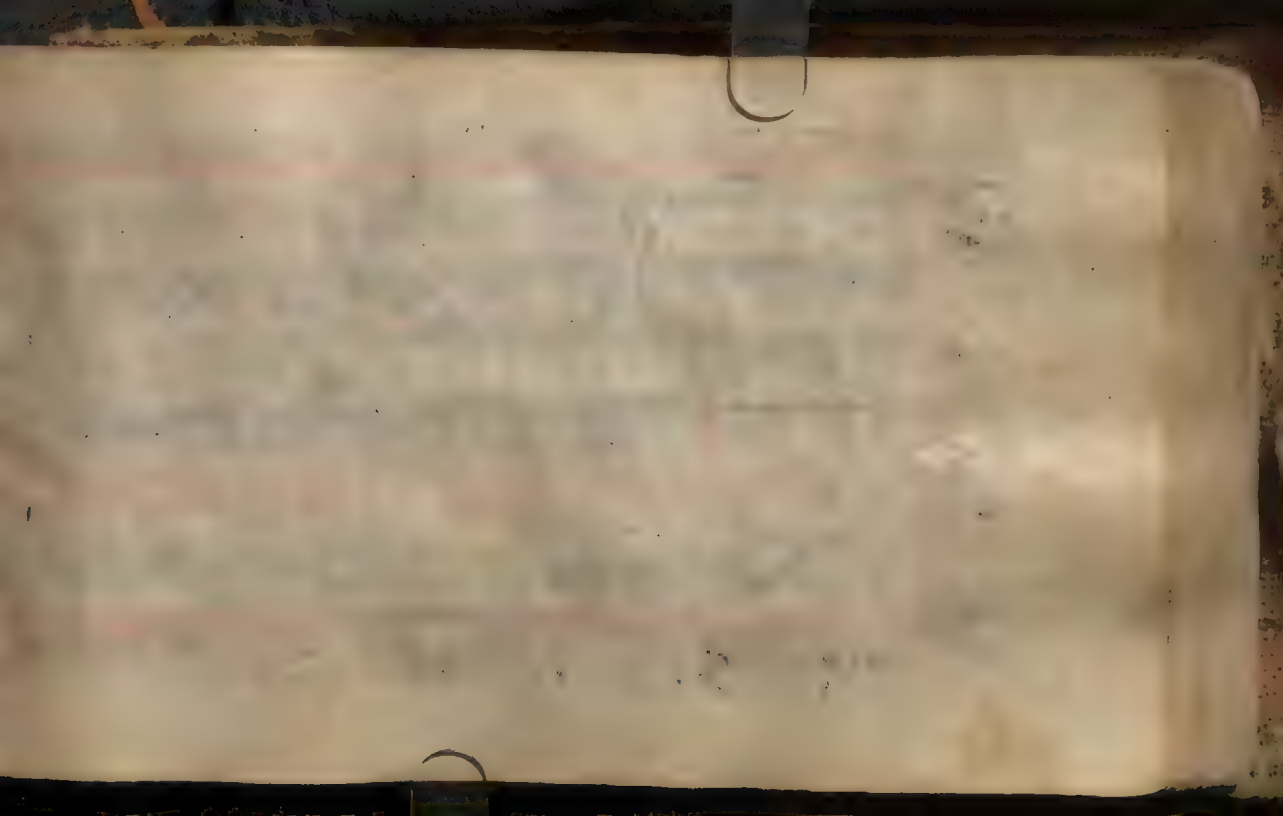
मपरं पाषाणं रुद्रं रुद्रगवति नवीक मरुत्तमं अ
हयं येन नीडं मया उरुवदेव मउतं हयेवे सुह
भुह मभिनिपिलय सुउतवः ॥ गतः माभुं म
भुवदति परमं ह्ये मरुवती ॥ उषां पुवेदि हवि
रुगतिमिव सुति किमिमा ॥ ३५ ॥ मभुः ५
मीनेल ननि ५ नैक मविलेय रुते ५ मरु

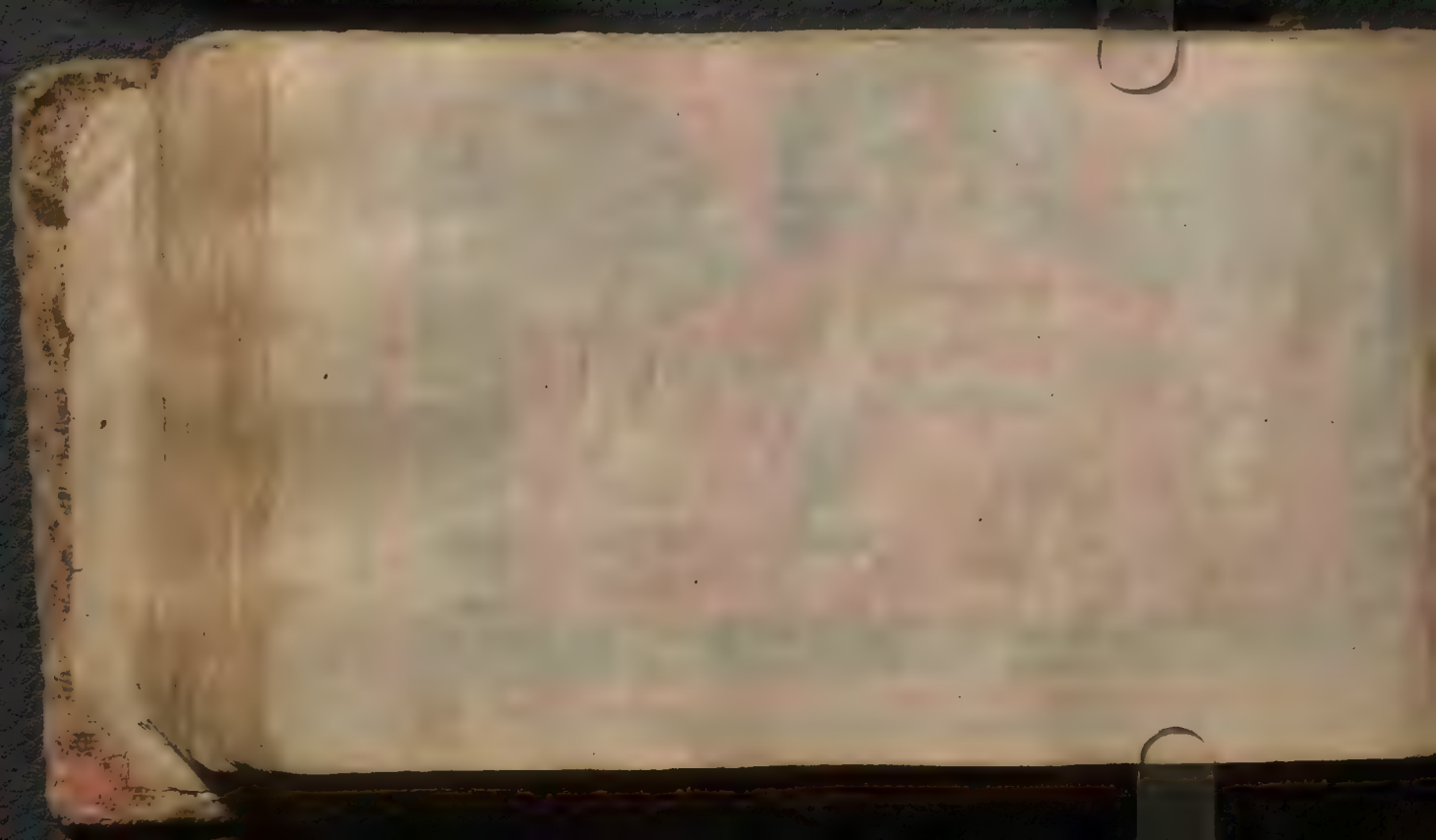
पं.
मं.
०७

उपमवप्रथममहगिरिमभा॥ नवपुलं मे
वीरभउनरपिहं विमिउवत्रयेयं हृदयमुति
विरमनेवमिवमना॥ ३॥ यद्यद्यं कभलम
मिउं उभयकलिकाष्टयेनिमुष्टः प्रविउभा
मरेयउं कूरपी०भा॥ उभिदवतः ऊमठरनउं
ऊलीउः प्रवांष्टमं करं मकलनं नीम









उठवयामि॥३१॥ इविपयमिरुमनेभामुते
पिममकेभविउरिय॥भनेपुपुणमजिरेक
वदुतिऊमठगहुंयविनभूपिविसुंभकल
॥नविमहुंयदिभमिहवसुमा॥३३॥ ॥
इतिमोपेससुवामसुसुवःममापुम॥ ॥
विमिवःमहायुजेयमिरुवडिमऊःपूठविउंन

भू.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 भाग्यं कुरु विविदिष्विच्छां विविदिष्विच्छां
 वदन्तुः प्रहृष्टः प्रहृष्टः ॥ ० ॥ इति यं मंत्रं मंत्रं
 मंत्रं पठेत्कुरु कुरु वै विविदिष्विच्छां मङ्गलं विविदिष्विच्छां
 लोकानविकलानां । वदन्तुः मंत्रं कुरु कुरु मंत्रं मंत्रं
 दम्भं मित्रं मंत्रं मंत्रं कुरु कुरु मंत्रं मंत्रं

विधिमा॥३॥ अविहृ नमस्तुतिभिर्गमिहिरुद्गीपं
नकरी॥ ए॥ सुनं सैतुमुवकमकरुभूतिभिरा
मभिरु॥ ७॥ मित्राभालिगुल्लनिकारु॥ ८॥ ल
पेनिमग्रं नं सुभगरिपवराकृष्टवडी
कृष्टः पालिहृमठयवरुं सैवउगाल्लभुम
कनैवमिभूकटिउवराठीइतिनया॥ कयइ

मे.
ले.

उंमंवरमपिगवाङ्कमभणिकंमरंलोकं
उवदिमरंवेवनिपले॥८॥रुग्निभूभारष्ट
पुल्लउल्लनमेठगृल्लननीपुगनगीङ्कडूपुगि
पमपिकेठमनयड॥९॥मदरेपिङ्कंनडूगडिनयन
लेहेनवपुधमनीनमपुतुःपूठवडिदिमेदय
मदुगभा॥१०॥यतःपेधंमेचीमपकरमदीप

कुविमिपदमनुःभमतेमलयभरुयैणर
वः इयप्रेकःभवेदिमगिरिभुतेकमपिदुपम
पज्ञतेलबुदगमिमभननेविदयते ककु
क्रीमभकरिकलठजभभनठरपरिकभम
ष्टेपरिउमरसुद्वदन ॥ एतदुच्यसंभ्या
लिमपिरुणनकरतेलेः परभुमभुनःपर

三

मघिउरयेपरुषिक॥॥ सुण भिवेदयेभुरवि
एपिदलीपरिवाडेभलि कुीयेनीयेपवनवडिमि
त्रुभलिराके॥ सवकरोभक्तेपरभसिवपट
ह्विलयं॥ ठल्लतिहुंपट्टः कडिमनमिरु नरु
लरुगीभा॥३॥ मंदीभुलापरेकभपिभलिप्र
रुवरुभिउंभुणिधूनेरुमिभरुउभकसा

मपरि॥ मनेपिहमममकलमपिठिहकुलप
पमदमरेपमेमदमभिपहविहमि॥ ७॥ सु
णणैमरेसुरलयगलचिगलिडेः॥ भूपसु
मिहकुतीपनरपिरमप्रयमदम॥ चवप्रभु
हमिहकुलयगविठमसुभुवलयेसुमदनेरुह
अपिपिहकुलकुडिहकुदरिलि॥ १०॥ मउठिःम्री

मे.
ल.

कृत्स्नः सिद्धयवतिष्ठः पाङ्गतिष्ठः ॥ पूठित्विः
सभेवतिष्ठिपिप्रलपुठित्विः ॥ इयञ्चद्विंमञ्च
भमलकलमद्विलयतिष्ठिः ॥ मञ्चउवठव
नकेलुः परिणतः ॥ इमीयंमैकद्विंमञ्च
निकट्टेउलयित्तकवीरुः कल्पतेकवमपिवि
क्षिपुठुयः ॥ यमलेष्टेष्टुष्टुमभगललनय

विभनम ॥ उपेठिरुपुपु मपिगिरिममयष्ट
परवीमा ॥ ०३ ॥ नरवदीयं मंनयनविरमंनम
॥ इंदव पाङ्गलेके पांडितभनपा दतिमउमः ॥ ग
लके ॥ वरुः कुमकलमविभुभुमिमय रुपा
इहकाक्कीविगलिउरुगुलायवउयः ॥ ०३ ॥ कि
उधपाङ्गमदिभमपिकपाङ्गमरुकेरुडा

मं.
लं.

मेरुपधिसुउरिपकपाक्कमरुनिले ॥ मिदिदिः
धदिंसरुनभिरुमउःपधिरिडिये ॥ मश्रापुमु
धमधुपरिउवपमधुयुगभा ॥ ०२ ॥ मरु
धुमुहंसमियउलएएभउएभा ॥ वरइम
इलमुटिकउटिकपुमुकणं ॥ मरुवइवइ
कषमपिमउंमविरुणउमपकीरुका मपरिम

प्रीति ललितः ०५ कवीन्द्र प्रियः कमल
 नवल उपरुमिं हृदये भवतः कतिमिदं
 मेव वरीभा विरिञ्चि प्रिय भुवनल उरम्य
 रलदरी गठीर विच विमलपति भवतः
 नभभी ०६ भविष्यति च मं समिभ लिमिल
 हृदयमि विच मिष्ट हृदि भुवनल नविभ

मे.
ल.

निष्ठुतुयुतियः ॥ भकडकवृत्तवडिभरुडंठ
किष्ठुठग ॥ वमेठिचपेवीवरुनकभलभेठभ
पुः ॥ ०१ ॥ उवसुयठिभेउरु ॥ उरुलिमीभ
लिठिठिवंभवभचीभरुलिभनिभग्रंभ
रुतियः ॥ ठववृभुइभुवदुलि ॥ मालीननय
नः ॥ भरेवसुवसुः कडिकडिनगीच ॥ रा

लिकः ॥ ०३ ॥ भापे विंशतुष्टु कृगयगभगभुभु
मोदराचंष्टयेहैदुगभदिधिडेभमृषकलभा
ममहः मङ्गेठं नयतिवनिउड इडिलपुडिले
कीमष्टु सुहभयतिरवीकृभुनयगभा ॥ ०७ ॥
किरतीमङ्गेहः किरल निरुभुभा उरभंहु
मिहृभा मडेदिभकगमिलभुतिभिवयः ॥

भे.
ले.

ममदं० रुदं० मभयति मज्जु पिपुडव० ६२
लक्ष्म० ॥ ३० ॥ मभयति मभय० मभय० ॥ ३० ॥
दि० लोप० उ० उ० प० न० म० मि० वै० सु० न० म० यी० ॥ नि० प० ॥
प० ॥ म० धृ० प० रि० क० म० ल० न० उ० व० क० ल० मा० ॥ म० रु० प०
म० रु० व० मा० रि० उ० म० ल० म० ये० न० म० न० म० म० रु० उ० ॥ ५० ॥
म० रु० व० मा० रि० उ० म० ल० म० ये० न० म० न० म० म० रु० उ० ॥ ३० ॥ रु० व० नि०

इंममभयिविउरमाधिंमकम७मिउमिउं
कुक्कषयउरुवनिहुमिउियः॥उमैवहुंउमै
किमिमिनि॥मायुष्टपमवीभा॥भउकुव
केकुमुएभउएनीर॥उपमभा॥३३॥हय
लुहवमंवपुगपरिउपुनमनम॥सगीरचंस
भेरपरमपिसकेहुउमकुउ॥उषदिहकुपं

मे.
ल.

मकलभरु ॐ हिनयने ॥ कुम हृम नमः ॥
हिलममिसुलभकुटभा ॥ ३३ ॥ गकुडेण
उरुगिरवडिरुः कपयडे ॥ डिरभुचनेडकुभा
पिवपगीमः भुगयडि ॥ मरुप्रचः मवेडरि
रुभनगपलुडिममिव ॥ सुवहृमलभुक
मलिउयेहलडिकयेः ॥ इय ॐ देव नं दिगु

निउ नं परमिवे ॥ ठवेदुए प्रएउवगरल्ले
दविगमिउ ॥ उषदिहृदं मेसु रुनमलिपी०
भुनिकए ॥ भिउ ह्रेउमसु रुजलिउक रेउंमभ
ऊएः ॥ ३५ ॥ विगिहिः पाङ्कडं उल्लिउरिगप्रे
उिविगिभा ॥ विनमंकीनमेठल्लिउरिगप्रे
उिनिणनभा ॥ विउम्भल्लेम्भोविउउिगपिंमं

मे.
ल.

भीलतिस्मभा ॥ मरुमंरुरेमिद्विलमति
मतिद्वद्वतिरमे ॥ ३० ॥ येलेल्लःमिल्लंमक
लमपिमरुद्विरमनंगतिः पूरुकिष्टम
ममरुष्टरुद्विदिः ॥ पूरुमःमंदेमःभाप
मपिलमद्वद्वल्लम ॥ मपद्वपद्वयभुव
रुवउयकेविलमिउभा ॥ ३१ ॥ मरुनेलीवेहः

सियमनिममसात्रमस्तमी ॥ ममकंभेचदं
पुकरमकरकं विकिरति ॥ उवमिदमकरमु
वकमुठगेयउमरले ॥ निमल्लमल्लीवःक
रल्लमरले पङ्कुरल्लउमा ॥ ३३ ॥ अणमपु
मुहपुडिठयएरम/इरुल्लीविपहुडेवि
सेविठिसउमापहुठिविपदः ॥ कालंय

मै.
लै.

कुरुं कवलि उवः कलकल न नमभे भुमुले
उवः न निड एडु भुदिभ ३७ किरी एं
गिहुं परिहर परकै एठठिः क० रेकेली
रेभुल भिदिः भुदिभुज एभा पूरभु
उभु पूरभु भुदि य उभु ठव नभा रुभु
हुने उव परि नै विचि यउ ३ सउः धधु

उरैः मकलमहिमवयकुवनं ॥ अउमुउमि
दिपुमवपरउरैः पमुपतिः ॥ पुनमुविउवम
पिलपुमधुऊकप्यएन मुउरैउरैकिउउ
लमवडीरगमिमा ॥ ३५ ॥ मिवमतिः कभः
किउरघरीवः सीउकिरः मरैरुंमः मरुमुम
वपमभारुयः ॥ ममीरुलोपठिमुमा

गवभनेषुप्यदिउ ठः॥ त्रुवल मुउवः॥ ननि
 भावयवडाभा ॥ ३३ ॥ म्दंयेविलकुंरीरिउयभिसम
 कुउवभनेविणयेकेविहेनिरवणिभरुठेगरमि
 कः॥ ५५ पत्रिहंमिउभाणिगुलानिवकुवला
 यः॥ मिदयेः॥ कुतुः॥ भरठिप्यउणरुडिम
 डैः॥ ३३ ॥ मरीरंहुंसभैः॥ ममिमिदिरवकेरुदय

गं उव द्ध नं म डे ठ ग व डिन व द्ध न म न प्प मा ।
न उः मे धेः मे धे द्ध य म ठ य म ण र ल ड य ॥ मि उः
म धु वै वं म म र म प र न र प र येः ॥ उ र ॥ प न भुं
वै म ठं म रु रु मि ॥ म रु द्ध र धि र मि ॥ द्ध म पं भु
मि भु यि प रि ल ड यं न रि प र मा ॥ द्ध मे व द्ध
द्ध नं प रि ल म यि डं वि स्र व प्प ध मि रु न र क रं

भे.
ल.

मिवयवतिठवेनठिरुषे॥३५॥ अरुमरुमुंउ
पनममिकेठिरुतिपंरंपंममुंवरेपरिभाल
उपंरंपरिभाल॥ यभारुठिरुठिरुविममिमु
मीनंभविषये॥ निरलेकेलेकनिवमठिरु
ठलेकठवने॥३६॥ विमुमुंउमुमुमुठिरुकीव
धरुंवेमरुनकंमिवंमेवेरेवीमपिमिवमभ

ननुभविवीमा॥ ययेःकृयायुसमिकिरलमा
रुपुभरलि॥ विप्रउवुमुउ विलभरिसकेरीव
गडी॥ ३१॥ मभदीलकुविदुभलभकरकेकरभिके
रलेदंमकुकुकिमपिभरुंभानमरमा॥ यरु
लापंरुमुमसगुलिउविदुपरिलडिदरुमुडे
देधकुलमभलमकुःपयडव॥ ३२॥ उवभुभि

मे.
न.

धुनेरुगवदुमपिधुयनिरुंडुभीरुमंडुंलनविम
रुंडींममभयभायमलेकैकककडिभरु
रूपकलिडे मयकूडेरुधुःमिमिरभुपमरंरम
यति॥७॥ इतिरुंडुंमेरुडिभिरपरिपडिभु
यभुवचनरुठरलपरिल्लेकूणवधभा उमः
मृमंमंयंलनविमलिप्रैकमरल्लनियेवेवधुं

कर्मिदिरउपुंरिद्वनं ॥ ८० ॥ उवाणरेभलेमदम
मययलभृपयनवद्वनं वरेनवममभुनं
कनएभा ॥ उठहमेडहभमयविणिभमिद्वन
यय ॥ मनपहुंल्लेनकल्लनीमल्लगमि
मभा ॥ ८० ॥ गडेमलिहृङ्गगगनमलिठिःभ
पटिउंकिरीएं देमंडेदिमगिरिभंडेकीडयडिकः

मो.
नं.

उभीदेयसुयसुरमवलंसकलं॥ पत्रमो
नभीरंकिभिरुभित्वप्रतिपिधे॥ २१॥ स
नेउप्रनेनभुलिउरुलिडेकीवरवनेंभियुं
सुंमिउरनिउरभुंउवमिरे॥ यमीयंमोरेहंभरु
भपलवुंभभनमे॥ वभट्टिभिरुदेवलभयव
लीविटपिनभा॥ २३॥ वरुतीभिरुंभुवलकव

रीठगतिभिर॥ द्विषं वृक्षैश्चकीरुडभिवनवीरक
किरलभा॥ उनेउकेभंनमुववरुनमो नुदलदरी
परीवदुभेउः मगलिविभमीभुभरलिः॥ न
रलेभुठवृमलिकुलरुमकुीकिरलकैः॥ पगी
उडेवकुं पगिरुमतिपकेरुदुरुमिभा॥ रुग्मेरे
यमिदुमनरुमिकिाल्लुदुमिरे॥ मगवेमभु

मे
ले.

त्रिभुवनमवतमकमपुलिकः॥२५॥ ललटंलव
ष्टुडिदिभलमठडिउवयःक्षुडीयेरमष्टेभज
एभमिपष्टुमकलमा॥विपटमष्टमष्ट
ठयमपिमष्टुयमभिषः॥मणलेपष्टुडिःपरि
मडिअकदिभुकरः॥२६॥ इवैष्टुयेकिक्षुडुवनठ
यठष्टुमनिनि॥इमीयेनेइष्टुमपकरमसिष्टु

पउगुल ॥ पनमहेमहेउरकरगदीउंगरिपडिःपूके
धुमधुमधुगयडिनिगु, छत्रमिरुमा ॥ २१ ॥ मरुः
भउमहेउवनयनमाककउयडियभंवभंडे
मालडिरनीनयकउय ॥ शडीयमधुमिरु
रुलिउडेमाधुमिरुमिः ॥ ममापडेमधुमिरु
मनिमयेरुगरीमा ॥ २२ ॥ विमलकलुलीमृष्ट

भे.
ले.

रुमिरयेष्टकुवलयैः॥ दृपणरणर किभीपि
भगरठेगवडिक॥ भवतेम्यक्षिभेवरुनगरवि
भगरविम्ययकुवंडउवकुवडरलयेष्टविम्यय
उ॥ २७॥ कवीनभरुठभुवकभकरकेकठरिउ
कएकहकेपहुभरकलठेकलयुगलभाभ
भाहुतेम्यधुउवनवम्भभुमउरलवभ्रयग

मं पद्मलिकनयनं किंश्चिदुक्तम् ॥ ५० ॥ मित्रेभ्यः
 पूज्यैः उक्तं भविष्यति नृपः सर्वेषां गणाय
 गिरिसगरिदेवि भद्रयवती ॥ दुरादिहृष्टीऽभर
 भिरुक्तं भोक्तृभ्यः ॥ भविष्यति भद्रयवती ॥
 न विद्याधिः भक्त ॥ ५० ॥ गते कलहं लंगरं
 उदयपद्मं लिख्यतीति पुरं ठेडुडुडुधूमभरभवि

मे.
ल.

मूव॥ कले॥ ८॥ मेनेरेगोइपरपडिऊलेउंमकलि
केउवकलकधुधरमरविलमंकलयउः॥ ५३॥
विठजैवकलकडिकरिउनीलेकलउय॥ विठडिहने
इडिउयभिरुभीमानगीयउ॥ पुनःमूधुमेवमूधु
॥ कुरिकुरुनपरडा॥ नः॥ मंडविहउमडडिगु
॥ नंइयभिव॥ ५३॥ उवपलेकले॥ पनयनपे

सुवृमकिरुनिलीयतेउयेनियउमनिमेधःमठ
निकः॥८॥यंममीउकुसुमपएकवएंकुवल्लयभा
रुडिपुडुयेनिमिमविषएयुपुविमति॥५॥
पविशीकउंनःपमुपतिपराणीनहुरुये॥रुयभि
इरेइरुलएवल्लममरुमिठिः॥नरुःमेलेग
सुउपनउनयेडिपुवभभं॥इय॥उडीऊनभपन

[illegible]

पिमिवे चनेनयं पत्रे ठवडिनमडे रु निगियड व
नेव रु देव मभक निपा डे रिम रुः ॥ ५१ ॥ चर
लं डे प ली य ग ल म प्प र ॥ ५२ ॥ उ न ये न के ध म प
उ ऊ म म र के रु ॥ ५३ ॥ उ क मा ॥ डि र स्त्री ने य इ म द
म प य म ल रु विल म त्र प रु द म रु रि म डि म र
म रु न पि य ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ रु रु ॥ ५६ ॥ ग पु डि रु

श्रीः

लिउडएकुयगलेमउज्जवंभवेउवभापभिरुंभम
परषभा॥यमरुुरुुरुहवनिषभकेरुगरु
मरुवीरभारःपूमपपउयेसुंदिउवडे॥५७॥म
रभुहःभुजीरभाउलरुगीकेमलरुगीःपिवह
मचलिमूवल्पएकहमविरउभा॥मभङ्गरा
सप्यमलिउभिरमःकुललगलेरल्पकुऐभुरै

पुडिवगवमामपुडवडे॥७॥ वमोवमवममु
दिनगिरिवममुपदिहरीयेनेमीयः७ल
उठलममकममिडमा॥ वदवउमऊःमिमि
उरनिममपदिउःममकुयमुमंवरुिर
पिममऊमलिपरः७०॥ पुदुहमऊयमुव
ममडिरउमुरुममः॥ पूवहेमामुमुंन

मे
ल

यिउछलंविहूमलउ॥ नविभुंदसिभुपुडिल
नलठरुमलिउंउलभसुरेकेकषमिववि
ललेउकलय॥ ७३॥ भिउहेहुसलंउववमन
मकुभुपिवउंमकेर॥ ७४॥ ममीरुडिरभउयम
कुल्लमिभ॥ मउभुमीउंमेरभाउलदरीभभूम
मयःपिवडिभुमुंनिमिनिमिदुसंकल्लिकपिय

सविमूत्रं पद्मं लालं कषाभूतं लालं लालं
पद्मं लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं
भीमं लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं
लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं
लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं
लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं
लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं लालं

मे.
ले.

केपेकेः॥ ममिमकलकदुगणवल विलधुतेम
उभुववमनडभुलकलिकः॥७५॥ विपाकु
गायत्रीविविधमपमनंपमुपडेभुयार
वेवकुंललिउवमभाभापुवमने॥ इमीयेम
मुदैरपलपिउउत्रीकलरवं॥ निरुंकीलंवा
लीनिसुलयडिमेलननिशुउमा॥७६॥ कर

गेल्लमधुंउदिनगिरि॥७॥वङ्गलउय गिरी
मेनेरुमुंभरुमरपात्रकुलउय॥ करण
हंसभेदुपभऊरवाउंगिरिभडेकषकुंरु
मभुवमिठकमेयभुरदिउं॥७॥इससुध
विहंपुरमभयिउःकषकवडीउवगीवणडे
मभापकमलनलमियभियभा॥ सुउःसुउ

मे
लं

कलगुमवकलभुलभलिन ॥ भा ॥ ली
लालिहवकुडियममेकरडिलक ॥ ७३ ॥ गले
नैपभुमेगाडिगभकगीडेकनिधुलविष्ट
वृनकुडिगुल्लगुल्लभल्लपूडिकुवः ॥ विग
वृननविमभपुरगवाकरकुवः ॥ इय ॥ लं ग
भा ॥ लं भुडिनियमभीमनडवडे ॥ ७७ ॥ भा

लीभास्त्रीनं उवकुलनं मउभा ॐ मउ
हिः मीकदं सरमि ॐ ठवः मु उिवरुनैः ॥ नाप
हः मउमुयुषमरुलरुवक विपे सुउलं मी
ॐ मममठय रुमुय ॐ पिया ॥ १ ॥ नाप
नमकुटे उव नलिनरगं विरुमउं कर ॐ उ
कडि कषय कषय मः कषममी ॥ कय मिड

मः
लः

मभुंठलउकलयकउकभलंयमिनीरुल्लकीम
रलउललकाकलललमा॥१॥मभंकेविभु
कसिपवरुनपीउंभुनयगंउवेरंनःपिरंरुउ
मउउंभुभुभापभा॥यरुलेकासककुलिउरु
रयेरुमलनकःभुभुकेरुभुःपरिभासति
रुभेनगएडि॥१॥मभुउवकेरुवभाउरभभ

[illegible]

मे.
ले.

पहामिसं परविहयिनः कीडिभिवडे ॥ १३ ॥ उवा
मुहंभहेपरलिपरकहेरुमयडः पयः पारव
रः परिवरुडिभरमुडव ॥ रुयवहममुंरुविरु
मिसुरमुहउवयकुवीनं पूरुनमहविक
मनीयः कवयिड ॥ १४ ॥ रुगरेणदुलबलिठि
रवलीमेनवभधगठीरेडेनठीभरभिदउरण

भेभनमिः ममउभेउभममलउनयेप्रभा
लउिका ५५ नमुं एनीडेउव ५५ ननिरेभावलिरि
ति १० यकेउकलिकीउनउरउरुदुडिमिवेरुमे
महेकिगिः ५५ ननिउवउकडिभठियभा विम
मकटेउंऊमकलमयेरउरगउभा उउकडेभ
पुविमकिवनंठीऊरुगिमीभा ११ भिरेगन

मो.
न.

वडः सुनभकुलरंभावलिलडलवलंभकुलं
कुमभमसउलेकुडकुलः ॥ रडेलीलगांकिभा
पिरवनठीगिरिभउविलकुलंभिकुलिनिरिमन
यननंवि०यडे ॥ १३ ॥ निभनकी० सुभुनउएठ
रे० लम० धेनभमुडेउठवलिसमनकेभुड
उडव ॥ मिरंडेभसुभुडिउएिनीडीरडन ॥ १४ ॥

वभ्रभ्रभ्रठवउऊमलंमैलउनये॥१७॥ ऊयेमहः
भिहुउएप्यएउऊरभठिरुकेकधतुमेमुलंकनक
कलमठेकलयग उवइउठझझठयभवलय
उनडदशिणवकुंरेविशिवलिलवलीवल्लिठिरिव
उ० गुरुहुंविभुरंकिटिपरपडिपाचडिनिएडिउ
धरुसिहुहुयिदर॥ऊये॥ निरुणे॥ मउमुवि।

मे.
ल.

भ्रील्लेगुकरयभमेपंदमभंतीविउधुधुगरः।
भुगयडिलपुहुंनयडिम॥३०॥ करीम॥ सुभु
कुकककलीक॥ पटलीमठहुभ्रुहुमठ
यमपिनिल्लिहठवडी॥ मयडहुंपदःपुल्लडिक
ठिचहुंगिरिभंडेविहि॥ गुरहुंविठुणकविउभ
सुयमपि॥३३॥ भुरल्लेडुंरुंविगुल्लमरगठे

गिरिभुजनिधनेऽङ्गेविषमविमर्षिवरु
उ यरुगैरुष्टुतुममरुलः परुयगलीन
गसुम्भनः सुभक्तसालेकनिमिडाः ॥ ३३ ॥
सूतीनं भुक्तनेरुष्टुतुवये मोपरुडय भभपु
उभतः मिगभिरुयय रुदिरुल ॥ ययेः पा
हुं पवः पसुपडिरुल ॥ ३४ ॥ ययेः क

मे
ल

लक्ष्मीरुम् ॥ रुतिगुरुमन्त्रिर्गुरुः ॥ ३२ ॥ दिभनी
रुतुहं दिभगिरिउरु ॥ रुतिगिरिरे निमयं मि
म ॥ निमिरपविठगे नविमरे ॥ परं लक्ष्मीप
इमियमहिम्न ॥ रुतुममयिनं ॥ मरे ॥ रुतु
॥ नविठमउरु ॥ रुतिगिरिरे ॥ ३५ ॥ नमेव रु
रुमेनयनरमन्त्रिर्गुरुः ॥ रुतुममयिनं ॥ रुतु

भुएरुमिरभालजकवउ॥ मभयदइंयकठिठ
नयःभुदयउपभुनंभीमानःपुभरुवरुन
ककैलिउरवे॥ उ०॥ मधरुदुगैरुलनभषवै
लकुनभिउभा॥ ललाएठउंमरुयगलेउ
दयउउ॥ मिररुदुःमलुंरुदुनरुउभकुलिउव
उ॥ डलकैएकालैःकिलिकिलिउभीमान

भे.
ले

विधु॥ ३१ ॥ परुतेकतीनं पूपरुमपकंके
विविधं कृषंती उंमहिः कठिनकमणीकदर
उलभा कषवदुमुहमपयमनकलेपरकि
रु॥ यरुययतुमुंरुधमिरुयमनेनमनम
३३ ॥ नपैरकभी॥ करकमलमहोमममि
किमुहु॥ किह नंरुमउडवडेमश्लिमार॥

ठल निभुमुहः किमलयकरगुल्लरुमुठंरु
रिमेहेठरुमियमनिमभरुयरुमुठे ॥ ३७ ॥
करु कलेमाउः कषयकुलिउलऊकरभं
पिवेयंविहृजीउवगरुल्लनिले ॥ ३८ ॥ लभा
पुरुहभुकरुमपिमकषिउकरुल्लउया
यरुमुठेवलीमापकमलउभुलरगरभा ॥

मे.
ले.

परुट्टमहीरुपरिमयभिवरुभनमसुग
मुपेलंठवनकलरुंभनरुंरुति॥भुविके
पेमिपंभुठगमलिभाह्मीररलिउ॥सुल
रुमकुलंभरलयगलेमरुमरिउ॥७०॥भ
रलकेमेभभूदुतिभरलभरुदुभिउमिरी
धठगदेसुधरिवकठेरुमउऐहमंडनी

मष्टेपापरपितरगैरुविषयेऽगदुतुमभैल
यतिकरु॥७३॥परगतेरतुः
परमभित्तमुसुर॥यैःमपदमदरुतल
करु॥७४॥मभलठ॥उषःक्रेतेनीतैःमउभाप
भापःमिदिमउलंतवक्रेपतुमिदिठिर।
मिमाहृठिरभरः॥७५॥गतमुभाकुकु

मो.
ल.

दि० रु० नि० रु० सु० रु० उ० मि० व० शु० सु० सु० य० क० प०
ए० प० ए० उ० पु० सु० रु० प० ॥ रु० मी० य० नं० ठ० मं० पू० डि०
ल० न० ल० ठ० रु० ल० उ० य० ॥ म० री० रे० म० झ० रे० म० ए० व० रु०
मं० रे० गु० उ० क० भा० ॥ ७० रु० क० ल० रु० क० मु० री० रु०
नि० क० र० वि० भुं० ल० म० यं० क० ल० ठि० क० द्रु० रे० म० क० रु० उ०
क० रु० नि० वि० मि० उ० भा० ॥ म० उ० भु० रु० गे० न० पू० डि० मि० न०

भिरुविकुजुकरं विपिद्वयेद्वयेनिविरुयतिउ
नंतवरुते ७५ मरेदेकुडठिद्वलिंरलिम
हठिरठिडेनिषेहं निदेह मरुभितिमरुठ
वयतिउयः किमसुदंतमुदिनयत्रममसिंउ
लयडे मरुमंवडुपिचिसयतिनीरएनवि
ठिमा ७६ मभकुडकुलमुनठरभरसुमरु

ठि

मे.
ल.

मिउंकएकैककदः कडिमनकरुधुहुडिवुधः
करुधुहुहुडिभनमिल्लनयभामभरुनेठ
वहंयेठकःपरिल्लडिरभीधमियभमे१
कलइवैणइंकडिकडिठल्लुनेनकवयःमि
येरुहुःकैवन्नठवडिपडिःकैरपिणनैःभ
रुहेवेकिहुडवमडिभडीभडीनैभरुभ

ऊमहममःऊवकरैरुमुलठः॥७३॥
गिरभाऊवैवीरुलिगपलिनीमगमवि
ऊवैपंडीपमंदुरमदमरीमरुडनयम
उरीयकपिठरुगिरमविःमीममदिम
मदमयेविमंडमयमिपरदुऊमदिधि७
७ मरमुहलकुविठिदरिमपंडेविदरउ

ॐ
लः

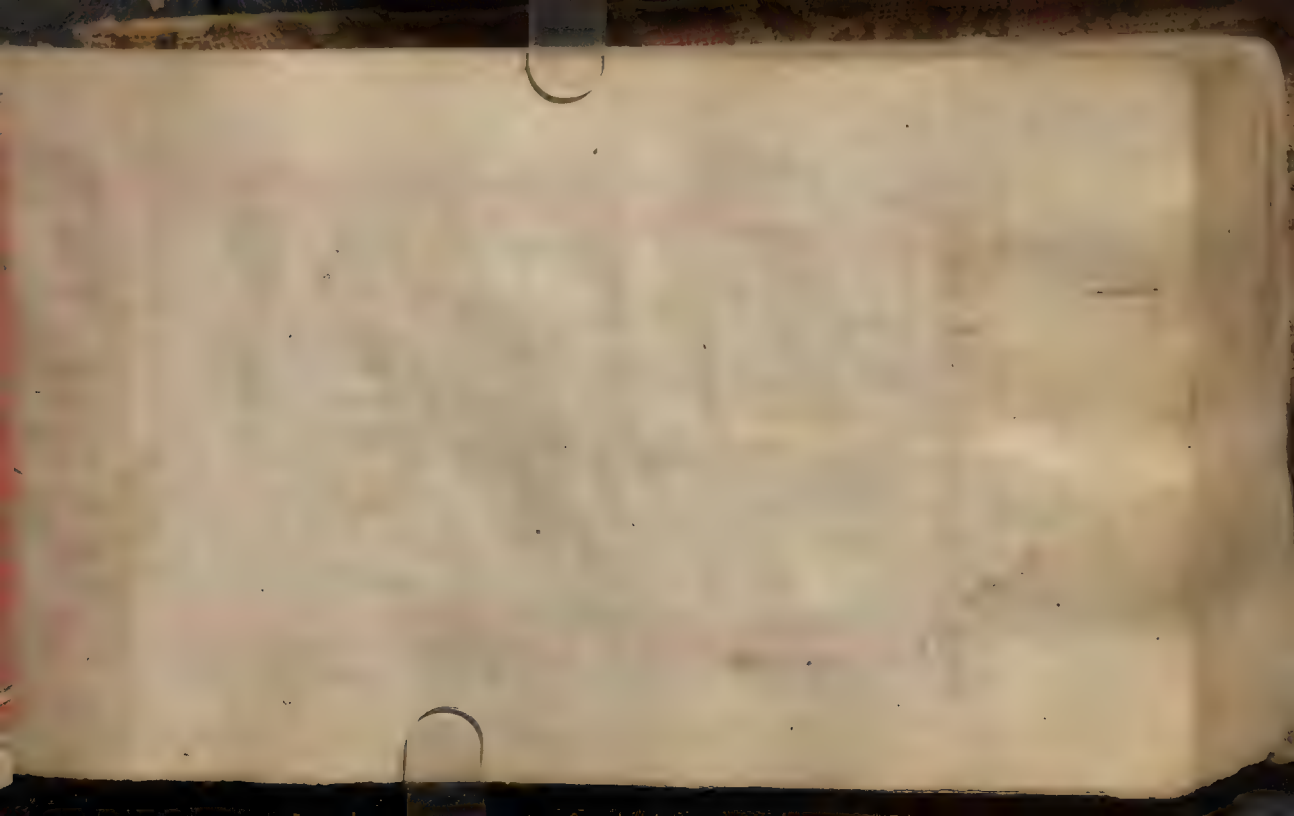
उपतिष्ठेतिषिलयतिभृलवपुषा मिरंली
ववेवकपिउपमुपमवृत्तिकरः॥ परवृद्धिणि
रभयतिरभंरुद्धुनवना॥ ००००॥ निपेतिष्ठेम्
रनिगवणिगुलनीतिविभल्लनिगकरुद्धुनेनिय
मपरमिडेकनिलयेनियटनिमृक्केनिपिलनि
गभात्रुमुतिपरुनिगउद्धेतिष्ठेनिगभयमभमि

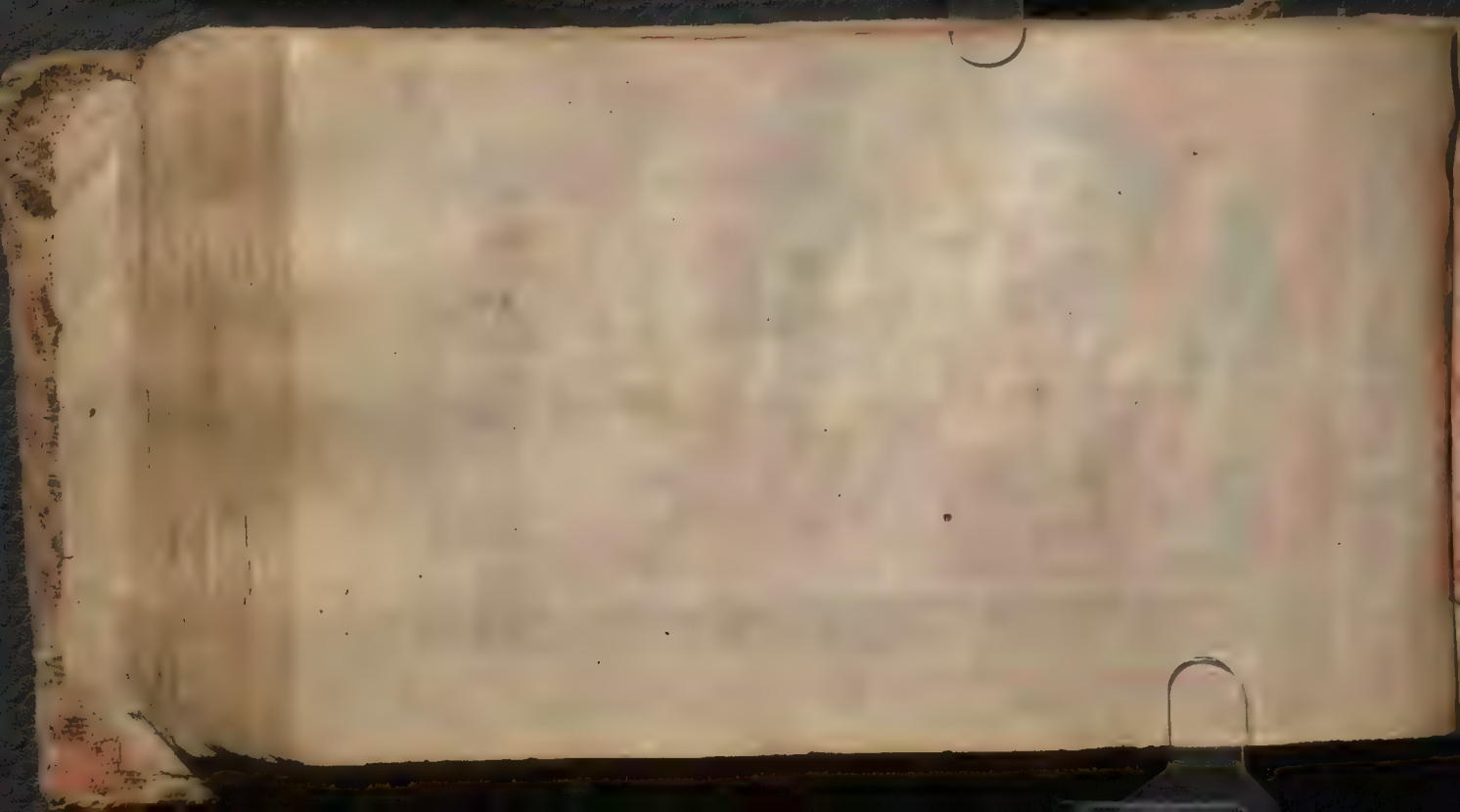
मुडिभिभभा ॥ ०३ ॥ पूमीपडुलठिडिवभक
रनीरः नविठिः ॥ सुणभुडेसुकेपलएलल
वैगडुपपन ॥ सुकीयैरभेठिभुलिलनि
पिमेदिदकरं ॥ इमीयठिचगिभुवः
ननिवसंमुडिरियभा ॥ ०३ ॥ एडिमीम
दुगददुंमेरुदलदुगीमुंमप्रलभा ॥

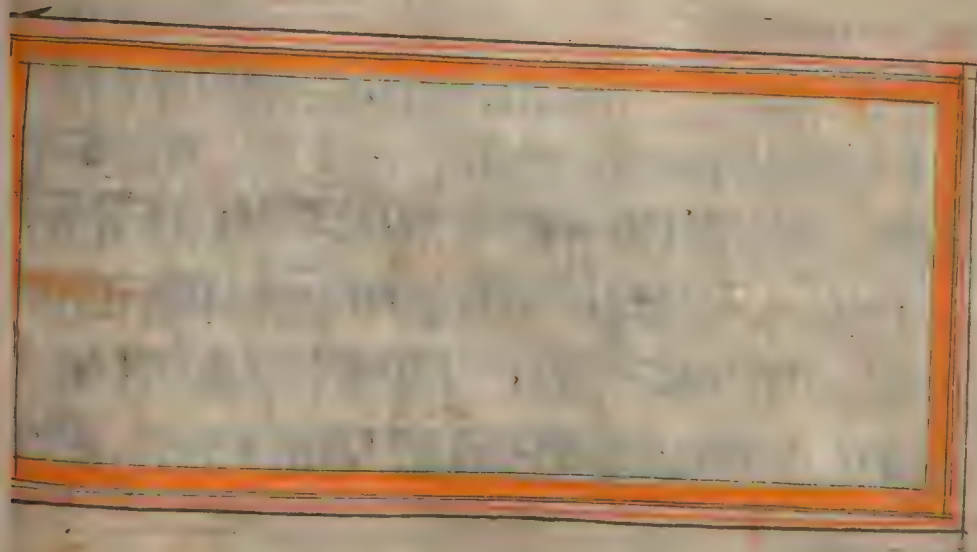
Handwritten text in a rectangular frame, likely a manuscript page. The text is written in a script that appears to be Devanagari or a related Indic script, arranged in approximately 10 horizontal lines. The text is heavily faded and illegible. The frame is bordered by a thick orange line, with a thinner blue line inside it. The page is aged and stained, particularly on the left side.











५
भ.
०

विनमः सिवाय ॥ विदेवं भूषण कलम भैभ करं रिने
इंपरु मने मवरु ठयं म सुइभा ॥ मल्लठय
ल्लवरु पिउय मरु व मेदिउं मभ नठ न्द
नभ मि सुसु मुएिक मरु मं रिने इंपरु वरु क
भा ॥ गल्लणं मरु मरु मं च ठरु पिउभा
लगीवं ममं कं न गय ल्ले पवी डि नभा ॥ वृ

ममैतरीयं सवरेष्टमठयपूमा ॥ कमललोकप्र
इहं भविं सुलपलिकमा ॥ इलतुं पिङ्गला
एमिापमं दुइकरिमा ॥ चमउतएप्रतं रु
पुमममैरुतणरिमा ॥ मिहमिंदमनमी
नमिहैरुगममविउमा ॥ मिहवडममयऊंम
रसुरनमसुउमा ॥ निहंममसुउंसुहं पूवमकर

सु.
म.
३

महयभा ॥ मवहृपित्रमीमा नंरुं वैविस्त्रुपि
लभा ॥ एवंष्टाद्विः मभुक्तुयेयल नभरु
ग ॥ माद्राह्यमरुमेवपाकिमं मरुगउभा
लमभाद्रुगरेगैः पीकिउठवचवृत्तैः ॥ ७३वि
लुपुमेवेमं पेमं गहभुक्तभा ॥ विहृभुक्तं यल
मरुभुगविंगियिपेधलभा ॥ उचरुक्तं भिवचवृत्त

महैमैकीयमभाङ्ग उरवदुतुरयःमसे
उमःसुडेरसुडेरिकेउमहिःवाङ्गवेनवलम
हिमनेङ्गवायउमीप्पुमा ॥ ममरुययद्वरे
वानंमदधीलुंगमभरलुंगमप्रचलंमरुभूकं
विदुपाकंविदुपंमरुमेवंमिवमवाकयभृ
रुमा ॥ विदुवाकयभृदंमेवंमीसुरंपाचडीप

मः
मः
३

तिमा ॥ बाधठमनमा इलं नग ठर ॥ कृषिडमा
प्रीयडं य ॥ मनमुडमुद्रय ॥ गद्यतिः ॥ सुक्त
लेमदुडेरः सुक्तभूगमभद्रपिडः ॥ वलिः पुं
मरुसैवप्रपेयंपूडिगद्रुडमा ॥ सुगठिडमनपु
मुंमिडैडैवैः मरुद्रिठिः ॥ सुवदयभिरुद्रुं
गद ॥ तं मरुसर ॥ ठवडभूगडपू ॥ मुंमुं

दंभरुउव ॥ यैरुहै नृयै भृयाउधणी भृयैव
निभृतिभृ ॥ यैरुहै विभृ भृवना विवेमउभैरुहै
यनभै भृभृवः ॥ रुमभै भृभृव विभृमभ
वन्नठ ॥ मिवमभृभृव भृलीलक भृनभैभृउ
तिउभृभृय विभृहै ॥ भृभृव यणीभृदि ॥ उवै
भृभृभृभृय ॥ ३ ॥ मउभृभृयंभृव नंभृभृम

रु.
मं.
२

मनेठवय॥ मचीयभुपङ्कडुतव केमेवमी
रुमेवटभिपुपुमः॥ ज्ञयनेविनियोगः॥ नम
मेमेवरेरुम नपुठमट्टगयरी॥ पाङ्कमप
पुपङ्गीपट्टमरुपाङ्कमठैरेकपम॥ २५ ग
ट्टपुभिपुपङ्कमरुटीयवमट्टरुमेमेवड
मवपापकायडे॥ मवमिहूडे पठेविनियोगः॥

एवमा ॥ कद्रुगैरंकलवडरंमंभारमरंकु
एगैमृद्रमा ॥ मद्रमभुंलुमयारविकेठ
वेठवनीमदिउंनमभि ॥ विनममुद्रम
वृवेवद्रुमभउंनमः ॥ उंउंउं धवेनमः ॥
यउंमृमिवउंनरप्येरापपकमिनी ॥ उय
नमुवमउंनमयगिरिमउंनिसकमीदि

५
५
५

यमिषुगिरिमउरुमेविठदुमुवे॥ मिवागिरि
इउगुरुमदिमीपुरुधंरगडा॥ मिवेनवम
माठगिरिमसुवममभि॥ यषाःमवभि
हगमयकुंमभनममडा॥ अष्टवेममगिवरु
भूषमेमेवेविधका॥ अदीममवाकुभयमव
मयउणवेणमीःपरमव॥ अमेयमुमेप

मरुत्तुवहः शुभमलः ॥ यममेमरु चरिते
मिकुमिः मरुममेवधं देरुं मरु ॥ मरु
येवमरुतिनीलगीवेविलेदिः ॥ उडेननेपा
मरुममरुडेनमरुदः ॥ उडेनविस्वकुरा नि
मरुधुमरुयतिनः ॥ नममरुनीलगीवय
मरुमकयभीरुधे ॥ मरुयमरुमरुनेदुते

रु.
म.

हेकरवमः ॥ पूभाकृणवतभूमठयेरहेहृमा ॥
यसुतेरुमुधवः पराठगवेवप ॥ विष्टु
नः कपरिनेविधलेव ॥ व ॥ न ॥ पनेमव
भवपक्रुसुनिः ॥ यतेरुतिमीकृपुमरु
मेवक्रुवेतेपनः ॥ उयभद्विसुतभूमये ॥
रिक्त ॥ परिउपवनेरुतिरभवा ॥ कुविस

३: ॥ मवेयऽपुमिभुवरेमभविणेकिउभा ॥ न
मंभ्रिउपुयणयनउउयपध्रुवे ॥ उरुहृभ
उउरभावरुहंउवणवने ॥ मवउहणउमुमदभ
कमउपुणे ॥ निमीदमलुनंभापिमिवेनः मभ
नठव ॥ यउऽपुः मिवउभमिवेचक्रुवउणनः
मिवमरहयउवउयनेभाकृणीवमे ॥ विनमे

क.
मं.
१

किरुष्टवकवेमेनवेकिमंमपउयेनमे॥नमे॥
वकेहेदुकिमेहःपुनंपउयेनमे॥नमः॥
मपिह्लायादिधीमउपवीनंपउयेनमे॥नमे॥
वहुधयवृपिनेवकंपउयेनमे॥नमेदुकिमे॥
मयेपवीडिनेपुपुनंपउयेनमे॥नमेठवभु॥
कहेहगउमपउयेनमे॥नमेरुयउडयिने॥

केशं पठये नमो ॥ नमः शङ्कराय कृष्णाय वरुणाय
पठये नमो ॥ नमो रेडिङ्गय भूपतये वाक्यं प
ठये नमो ॥ नमो भद्रिल्लवलिण्यकृष्णं पठ
ये नमो ॥ नमो कृवतुये वगिव भुङ्गये धर्मीनं पठ
ये नमो ॥ नमः भुङ्गय उद्धृष्टं धर्मभङ्गं प
ठये नमो ॥ नमः कृष्णाय वरुणाय पठये

रु.
१५
३

नमो ॥ नमः मरुमन्त्राय विष्णवे नमः ॥
नमः पश्ये नमो ॥ नमो विष्णवे ककुत्स्थाय नमः
पश्ये नमो ॥ नमो वाङ्मते परिवाङ्मते नमः ॥
नमो ॥ नमो निमग्नय परिमग्नय नमः ॥
नमो ॥ नमो विष्णवे नमः ॥
नमो ॥ नमः मरुमन्त्राय विष्णवे नमः ॥

येनमे॥ नमः भिमहैनज्जङ्गरहुः पूरुङ्गचंपड
येनमे॥ नमः उध्नीधिल्लिगिरिगयज्जलङ्गचं
पडयेनमे॥ नमः उध्नीहैनज्जङ्गरहुः पूरुङ्गचंपड
उध्नीहैनज्जङ्गरहुः पूरुङ्गचंपड
पूडिङ्गचंपड
वेनमे॥ नमो विष्णवे॥ नमः

रु.
मं.
७

पद्मे सगुरुसुवेनमे॥ नमः मठहः मठ पतिहस
वेनमे॥ नमे सहेसुपतिहसुवेनमे॥ नम सुव
नीहे विविष्टसुवेनमे॥ नम उगल्लहसुं रुग्रीह
सुवेनमे॥ नमे वृउहेवृउपतिहसुवेनमे॥ नमे ग
ल्लहसुं पतिहसुवेनमे॥ नमः रुहेहः रुसुप
तिहसुवेनमे॥ नमे विरुपेह विरुपेहसुवेनमे॥

नमः मेनहः मेन नोह सुवे नमे ॥ नमे रषि ह्वे व
षि ह्वे नमे ॥ नमे भद्र ह्वे नमे ॥ नमे
यव ह्वे नमे ॥ नमः कश्च ह्वे नमे ॥ नमः
अह्वे नमे ॥ नमः भद्र ह्वे नमे ॥ नमः
मः कुल लेहः कश्च ह्वे नमः ॥ नमः भद्र
महो निध ह्वे नमे ॥ नमः सुहः सुपति ह्वे

५-
५-
०-

विनमो॥ नमः मिनिह्येभ्य गायतृत्तवे नमो॥ विनमो
वायस रुद्राय॥ नमः सवयस पसुपतये॥ नमो
नीलगात्राय समिदिकक्षये॥ नमो वृत्रके सय
सकपटिने॥ नमः मरुभक्त्याय स मउपत्रने॥
विनमो गिरिसाय समिपिविधुय॥ नमो भीरु
धुमयसे धुमते॥ नमो रुद्राय स दामनाय॥

नमो वाकुडे सवस्त्रीयमेम ॥ नमो वाकुयममवाकु
नेम ॥ नमो गूयमपूषमयम ॥ नमः पुमवेम
श्यायम ॥ नमः मीठयममीपूयम ॥ नमः
दूयमवभृयम ॥ नमो नृयमेक्षीपूयम
नमो ह्युयमकनिपूयम ॥ नमः प्रवरयम
परयम ॥ नमो मष्टमयमपगलुयम ॥ न

ॐ
ॐ
ॐ

मेवपुत्राय नमः ॥ पशुपतये नमः ॥ भैरवाय नमः ॥ पूजित
दाय नमः ॥ नमस्तुभ्यं ॥ यमसुराय नमः ॥ नमो
लिङ्गेश्वरकवचिने ॥ नमो वन्द्यै ॥ मन्त्रकुक्षिने ॥
नमः ॥ सूर्याय नमः ॥ वन्द्यै ॥ नमः ॥ सूर्याय नमः ॥
मेवपुत्राय नमः ॥ नमो यशस्यै ॥ नमो यशस्यै ॥ नमो यशस्यै ॥
यमाय नमः ॥ नमः ॥ सूर्याय नमः ॥ वन्द्यै ॥ नमः ॥

मःसूत्रायमपूत्रिसूत्रायम॥ नमैवद्वयमकशूय
म॥ नमैककृष्टयमरुनद्वयम॥ नमैवध्रुवम
प्रभासायम॥ नमैविषद्विलसोपधिभेदेम॥
नमभीकृष्टवेसायपिनेम॥ नमःश्रुयणायम
श्रुयणवेम॥ नमःश्रुयणपष्टायम॥ नमः
कष्टयमनीष्टायम॥ नमैरुष्टयमवैमत्रायम

रु.
मं.
०३

नमः कुल्लयममरुयम ॥ नमः कुपुयमवष्ट
यम ॥ नमेवष्टयमवष्टयम ॥ नमेमष्टयम
विरुष्टयम ॥ नमेवीष्टयमउष्टयम ॥ नमेव
ष्टयमरुष्टयम ॥ नमेवभुष्टयमवभुष्टय
म ॥ नमः मेभयमरुष्टयम ॥ नमभुष्टयम
रुष्टयम ॥ नमः मल्लवमपमुपउयेम ॥ नमउ

गयमठीभयम॥ नमैरुत्रेगदनीयमेग नमैरु
वणयमकुवेवणयम॥ नमैरुकेहैरुतिकेमेहु
नमःभुगयनमःमभुवेगभयेरुवेग नमःम
इगयमभयभुगयम॥ तिनमःमिवयममिव
उगयम नमःकिंसत्रयमकयययम नम
रुगिष्टयमभुषष्टयम॥ नमःभलभुनेगकप

रु.
म.
७३

दिनेम ॥ नमो गैधु यमग ॥ रुयम ॥ नम मुन्दु यम
गेरु यम ॥ नमः पाद यम वद यम ॥ नमः पूडा
यम मेडा यम ॥ नम श्री ह यम कुल यम
नमः छेडा यम धधु यम ॥ नमः भिकडा यम भू
वडा यम ॥ नमो रुमडा यम निवेधु यम ॥ नमः
कडा यम गडु रेधु यम ॥ नमः मुधु यम दगिड

यम॥ नमो लैधु यमो लैधु यम॥ नमः पं भव
यमरं भु यम॥ नमः मेधु यमो धु यम॥ नमः प
लु यम पलु म यम॥ नमः सुपि रु डे म सुपि रु
डे म॥ नमो ठि धु डे म प गुरु म यम॥ नमः सु
पि रु यम विपि रु यम॥ नमो वः कि रिके हू रे व
नं रु म ये हू॥ नमो वि मि चू हू॥ नमो वि की चू हू॥

रु.
म.
०१

वमभुनिदुतेहः॥रूपेभुमभुतेरुमनीलले
दिः॥सुमंपूरनमधपुरुषा॥मेधपमु
मठैमरेनःकिाहममम॥७भरुयउ
वमेकपदिनेकियझीरयपुठरमठैमडीःय
षनःमममदिपमेमउधमेविमुपधुंगम
भुभिन्ननउरभा॥यतेरुमिवउतःमिवविमु

कठेषु ॥ मित्ररुतमुकठेषु ॥ उयनेमाकुली
वमे ॥ परिच्छेदरुतमुकठेषु ॥ उयनेमाकुली
रुतमुकठेषु ॥ मित्ररुतमुकठेषु ॥ उयनेमाकुली
रुतमुकठेषु ॥ मित्ररुतमुकठेषु ॥ उयनेमाकुली
रुतमुकठेषु ॥ मित्ररुतमुकठेषु ॥ उयनेमाकुली
रुतमुकठेषु ॥ मित्ररुतमुकठेषु ॥ उयनेमाकुली
रुतमुकठेषु ॥ मित्ररुतमुकठेषु ॥ उयनेमाकुली

रु-
म-
०५

विलेदिउ ॥ नममेषमुठगवः ॥ यममरुमंरुउ
येवृभिदिवपउउः ॥ मरुमृणमरुमृलिउ
उयमुववकेमुममीमनेठगवः परमीनमृ
पउरु ॥ ममरुउः मरुमृलियेरुमृमृपि
मृमृमा ॥ उधंमरुमृयेरुनेवपउउनिउमृभि
येभिदमरुहलवेउरिउठवमृपि ॥ उधं ॥ येनी

लगीवः मडिक ४० किवंरु रुउप मिडः उधं
येनीलगीवः मडिक ४० मच मणः कभ मरः
उधं येवनीध ममिदाह्म नीलगीव विलेदि
डः उधं येत्रेध विविष्टिप रेध धित उधं न
न उधं येहुड नं मठिप उये विमिप मः क
धदिनः उधं येधषीनं पधिरक येत रु म

रु.
मं.
००

रुयहृरु॥उपं॥येगीरुनिभूमरतिभाकवउेनि।
धक्षिनः॥उपं॥याउवउेवक्रयंमेवमिमेरु
रुविःध्रिरे॥उपं॥मिनमेचमुरुहृयेमिविय
यंवहृमिधवसेहृरुमपुमीरुमरुकि॥७॥रुमप
डीमीरुमेसीमीरुमेवसेहृनमेचमुउेनेभा
यउउेयद्विपेयसुनेहृध्रिउमेयं॥॥मुरुगमि

[illegible]

नृपतु उयेयि पियेयसुनेके पियुं मे पं ॥ मुमुपा मि
 निरुद्रवः भः कसु सुते पु मउ ग सुठी म मर सु
 सु वीठ म म वै म उ म म सु ल क म उ र क म म
 द म न रु डि सु नि च डि रे ड मु मु ये व उ म उ उ म
 ठि मु न सु ये म के पु यं म व यं डि ध उ म द य ॥
 ये रु के म ये ये पु य र ध पि य ये व न म डि पु ये रु

५-
५-
०१

विष्णुऋषय विवेसउमैरुयनभेचमुदेव ॥ पू०
देभिभरुदेवपूयैभिभरुसिव ॥ निवारयभरु
भाहभाहल्लयनभेमुडे ॥ भष्टपीहगुरुगंमुग
हभेयंरुहइरुहहंविणयठभमुवेठभमष्ट
मयनेरुहष्टयीभष्टडेभवपापैः ॥ निहंरुङ्गी
निहयल्लेपवीडीनिहंरुङ्गाठभनकभवडी ॥ ५

रु-
म-
०३

हं श्री गुरुदेवभीमानमंग्यतिभूतं तेन भक्तं उगीय
भा ॥ श्री गुरुदेवभीमानमंग्यतिभूतं तेन भक्तं उगीय
लिङ्गपपनिवारं ॥ श्री गुरुदेवभीमानमंग्यतिभूतं
हं ॥ श्री गुरुदेवभीमानमंग्यतिभूतं तेन भक्तं उगीय
नमस्तस्मै ॥ हृदयकः हिमालयः ॥ श्री गुरुदेवभीमानमंग्यतिभूतं
यः ॥ श्री गुरुदेवभीमानमंग्यतिभूतं तेन भक्तं उगीय

यः श्रीं मु॥ २॥ तिरुमहः मम पुः ॥ तिरुमः मि
दय ॥ तिरुयह नृम म त्रुपुडु पुगु वैठवः ॥
मम नृक र भु निच रुत कविः मिदः तिरुमः
मिदय रुत रुत विठ वठ वैते ॥ तिरुमः मिदय
मम नृम मेय कल नृ ॥ ५ ॥ तिरुमः मिदय ठी
मक नृम नृम मिम लिने ॥ तिरुमः मिदय म

मि
नि
००

सुडयमङ्कुरयमभुवे ॥ ॐ ॥ निरिक्के उ नि सुठव
भुइये ॥ ॐ निचिकल्द निधु पाङ्गु मं विरे ॥ ॐ नि
चिवरु निधु मं मिङ्गये ॥ ॐ निदल य निधु
लय वेरु मे ॥ ॐ प मि व य ग नु मं इ मं विरे ॥ ॐ
पङ्गु मं मि मं भुङ्ग पुये ॥ ॐ ॐ मं यङ्गु पङ्ग
निङ्गु पिल्ल ॥ ॐ ठ व न य म च ठ व मं भु मे ॥ ॐ ठ

मयमकुभइरविल्ल ॐ नित्तलकुलवृपायप
यवे ॐ विस्वम्भुमिभुवैकभीरुये ॐ भवउः
पुभरिपाकुमंयरे ॐ विस्वठेष्टेष्टयेष्टप
ये ॐ वसकपुपाकुवष्टवमिने ॐ वभुगकुभ
वगवववे ॐ पकुललिलैलिकगूमलिन
ॐ सकुधयविस्वकुभमकुमे ॐ उकुल्लइयवि

विनि.

३९

ठगद्धमये ॐ प्ररुपयठे कूड ठिभ निने ॐ मा
वडे नियड्डा निय भिने ॐ कलठे मकल्ल नेपा
कल्लिने ॐ किङ्किरे ककड्डा कल माले ॐ
किङ्किरे ववे ड्डे पप मिने ॐ मवडे मवठे एव
नेपा गिल्ले ॐ सुडु विड्डा ड्डा मड्डा पिल्ले ॐ
हिय विक सुग सुग ड्डे ॐ मव विड्डे मड्डा मि

वयते ॐ वसुवसकसुधकुठिउये ॐ वलभत्रुम
दुमैपपकिने ॐ पाङ्गणकलपूपाङ्गपकिने
ॐ मेरदेनवेकुसुकिठगिल्ल ॐ ठुडिभइलह
मजनयते ॐ मचडेगरीयमंगरीयमे ॐ मच
डेमदीयमंमदीयमे ॐ मचउःभुवीयमंभु
वीयमे ॐ उहममुलीयमंमलीयमे ॐ मकि

सि.
वि.
३०

रश्मिकररधिसायने॥ॐ स्रुवील्लैल्ललठ
एने॥ॐ वलममममककिरीएने॥ॐ मुदमे
भवकिपइनेइते॥ॐ कलकएकपी० भमि
ॐ मममपपमवमसयते॥ॐ ठमप्रलिमलि
इमुलिने॥ॐ भवलेकपालिनेकपालिने॥ॐ
इवनभमिनेकपमिने॥ॐ निहनभरकिनेपि

किने ॐ नगराष्टक रिल्ल विरु रिल्ल ॐ मैलस
विल मिने भाष मिने ॐ मद्य प्रभाषिने प्र
प्रुष ॐ कल मेरु रुय जि करिल्ल ॐ नगर
डिव ममे प्रुव ममे ॐ ठी पल म्द मा नद्रु मि
व मिने ॐ धी ० मद्रि धी ० कै पठे मिने ॐ मि
व मद्रु ये गिने वि ये गिने ॐ भव मि क्ल उरय ॥

मि.
वि.
३३

पिकतिल ॥ ॐ भवती कुटी कुट विण यिने ॥ ॐ भ
नवेरु इक्षिमा रमये ॥ ॐ धरु कुपेरु मकुव
मिने ॥ ॐ भल्लयेग पाङ्गर ३ पङ्क्तिने ॥ ॐ ग र विष्णु
भवत कुटपिल ॥ ॐ भव विष्णु भवत कुटपिल
ॐ हेष्टु मय हेष्टु मनि उडिल ॥ ॐ पैर पङ्क्ति व सु
पङ्क्तिपिल ॥ ॐ पैर गाय पाङ्ग य मडिल ॥ ॐ

भवभङ्गलपिपद्मालिने॥ॐ भवमङ्गि, व म न
भवभिने ॐ भवउद्भव म न भायने॥ॐ भवम
द्वेवडानियेगिने ॐ भक्तिगयमङ्गयमभुवे
ॐ कलठरु कलिने भडलिने॥ॐ ठङ्गकयमे
एरुयमभुवे॥ॐ ऋङ्गवः भगङ्गलकलकिल्ल॥ॐ
उ, उठवम उठपगिल्ल॥ॐ भवठवमुद्गि

मि.
नि.
३३

द्विऊडे ॥ ॐ मवभिद्विरुयिने ममायिने ॥ ॐ
द्विमाइठ विने नमे नमः ॥ ॐ भुते ॥ ॐ नते ॥ ॐ
मवते ॥ ॐ पवते ॥ ॐ पवते ॥ ॐ गवते ॥ ॐ रुते ॥ ॐ
भते ॥ ॐ विपुते ॥ ॐ विपुते ॥ ॐ पविने ॥ ॐ पविने ॥
ॐ मद्रिल ॥ ॐ वद्रिल ॥ ॐ कद्रिल ॥ ॐ पद्रिल ॥ ॐ
ठभिने ॥ ॐ कभिने ॥ ॐ येगिने ॥ ॐ ठेगिने ॥ ॐ डिपु

[illegible]

म.
प.
३२

इमादाहयधु ॥ कश्चिच्चिद्वृत्तिरुक्तमलं मदि
नेतिभ्रकिरिद्वेनवेधंठवउप०डभीभिउ
रुभुमिद्विः ॥ उडिमीद्वमभनिरविरमिउंमिवनि
च०मुउंमभपुभा ॥ विमदिभ्रःपंगडेपरमवि
रुधेयद्वमभमीमुडि३३मीरामपिउरुवम
वभुयिगिरः ॥ नववष्टुःमवःभुमडिपरि३

भवणिया ॥ चमपुषमैरुगिरपवमः परि
काः ० नरीतः पङ्कनेतवममदिमवङ्गनमये
उङ्गुयारयेमकिडमठिण्डेमुडिगपि मकमु
मुडवः कडिविण्ण ॥ कमुविषयः पमेइव
मीनेपडडिनमनः कमुनवमः ३ मपुपुडीडव
मः परममभाडंनिदिउवउमुवइकडिंदगापि

म.
प.
३५

भरगुरेविभयपद्मा भमहेतुं वलीगुल्लकषा
नपुष्टेनठवः ॥ भवभीष्टेभिन्दरमषनवसि
हवभिः ॥ ३ ॥ उदैश्वदेयउल्लगुरुयराकपूलय
रुइयीवमुहसुंतिभापुगुल्लिचमउतपु न
ठवभमभिन्नरमभलीयभरमलीविदुं
हरेमीविमणउल्लैकेल्लरुणियः ॥ २ ॥ किमीदुः

किंकयः भापलकिमपायमिद्रवनेकिमपाये
ण्डमाः इकिमपाकनडडिम ॥ अड्डेसुदेह
यनवमरुः मेरुडडियः ऊड्डेयेकं सिमापर
यडिमेरुयः गडमा ॥ ५ ॥ अः मेनेलेकः
किमवयववतेपिः गडमपिधुडरंकिंठा
वविपिगनः मृदुवति ॥ अनीमेव ऊदः कुवा

म.
पं.
३०

नलनेकः परिकरेयते मरु भुं पृष्ठमरुवरमं मे
रडुमे ॥ ७ ॥ इयी मरुं येगः पसुपतिमउं वैधुव
मिति ॥ भूठि वेधुं ने परमि मरुः पसुमिति
म ॥ रुमी नं वैमि हृस्व ॥ ८ ॥ कटिलन नं पषा
॥ ९ ॥ पं च ॥ १० ॥ मे के ग भुभु मभिपय म मलव
॥ ११ ॥ मरुकेकः यडु म परसुरक्षि नं ठ मरु

लिनः कपालं मीरीयडुववरुडुपकरलभा
भरमुंडभाकुंरुणतिउरुवरुपुलिदिउंन
रिभरुभंविषयभागरुपुभयतिउ
पूवंकस्त्रिभुचंमकलमपरभुपूवभिरुंपरेपू
हृपूहेलगरिगरुडिहृभुविषयेमममुपू
उभिचरभवनैविभिउउवमुवलिहृमि

हुं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ उवाच ॥ दृष्ट्वा तु
 कृष्णं विविदि क्लृप्तं विराट् ॥ परिच्छेदं यत्तु दत्तं न लभ
 न लभ्यते वपुषः ॥ उवाच ॥ तिस्रस्तु तस्य कथा
 हुं गिरिमंडलं यत्तु दत्तं हुं उवाच ॥ भगवति त्रि
 लोके ॥ ० ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ कथं परवशं न

मिरः परु सुली रगिउरग ॐ मेरु रुवलेः मिर
यभु रुते मिपरु रवि सुलिउमिरु मा ॐ
मभपु रुते व मभपिगउ मरे रु वने वल के
ल मेपि रुपिव मरे विरु मयउः ॥ चल ह
पउले पुल मगलिउ रुधु मिर मिपुउिधु रु
एभी रुवभ पमिउे मरु डिपलः ॥ ०३ यम

५.
५.
११

किंभरुमेवामपरमेस्तेरपिमडीमपस्तेरामः५
रिह्ननयेपयदिहवनः॥ नउस्मिहंरभिन्वगिवमिउ
रिह्नस्मरामयेउकष्टुहृष्टैठवाउमिम्भभूष्टवनतिः
०३॥ मक'५'उऊ'५'कयमकिउकेर'भरुप'वि
पेयष्टुभीहृभिन्वयनविधंमंरुउवउः॥ मकल्म
धःकठेउवनऊमडेनभियमकेविकरेपिस्त्रष्टे

इव नठयठङ्गवृमनिनः ॥ ०५ ॥ नमिदुङ्गववङ्ग
मिरुपिभमेव सुगनगेनिवउतेनिहं गतिहं ये
नेयसुविमिपः ॥ मयसुत्रीमहमिउरसुगम
गरं मङ्गङ्गः मउहृद नदिवमिपुपष्टः
परिठवः ॥ ०६ ॥ मङ्गीपमप्यउङ्गुहं डिमा
रुममंसयपमंपमंविष्णुहृष्टुहं परिप्य

भु.
५.
३७

रुद्रगुरुगलभा ॥ भद्रहृदिः भुंय इति रुद्र
एतद्दिउतएङ्गरुद्रयेङ्गनएमिनवमेववि
कुड ॥ ७७ ॥ विद्यहृपीङ्गरगलगुलिउतेनेम
रुमिः पूवदेवरंयः पपडलपुम्यधुःमिग
मिउ ॥ ७८ ॥ गङ्गीपकरंङ्गलपिवलयंतेनरुडमि
इवेनेवेनेयंपडमरुिमरुिहंउववपुः ॥ ७९ ॥ गयः

कैलीयकुसुमउपतिरगेक्रेणरगैरघनैमकुके
 रघमरलपलिःसमउति॥ कियकेमुकेयंरिपुग
 लभरुभुरविपिचिणैयैब्रीरुतेनापलपरउरु
 पूरुणियः॥ ०३॥ रुमिमुभरुमंकमलवलिभ
 रुयपरयेटरुकेनेउमिद्विष्मभरुगुवैरुक
 भलभा॥ गउठकुकेकःपरिलिडिभभमरुव

उ
म.
प.
उ.

पधइयल्लरकयैरिपरकुरसतिङ्गगडमा ॥७७॥
रुडेभुपुएगइममिठलयेगेरुउमडंक्रकेमध
सुसंठलतिप्ररुधरपनभाडे ॥ मउभुभेधुकर
प्रठलमनप्रतिडुवंसूडेसूडंरुडपरिकरः
कममल्लनः ॥३॥ रियमकेमकःरुउपतिगणीम
मउरुडमाधील्लमद्विष्टंमरल्लममरुष्ट

रगः॥ रुडं सभुडः रुडलविण नहमनिने
पूर्वकतः मरु विप्रमठिगार यदुभापः॥ ३०
पुलन घेन पधुमठमठिकं भुं रुदिउंगडं
दिऊडं गिरमयिधुमाधुमुवपुध॥ पनध
लदडं रुवमपिमपइरुडमभं इमडुं डुधि
इरुडिनभागहणरठमः॥ ३१॥ मधुचेलार

म.
५.
३०

ॐ विवमनउनेमुविभामडं मनीनंरु ॐ म
मन्निमकेपहृडिकरः यउठयेगुहेमदुमपि
मपटंविमण्डं ॥ पूर्वमेकेसिलकिमपिपुन
पडुपूमविडे ३३ सुलव ॐ मंभाप्यउप
धमक्रयम ॐ वदुःपुपुंरुपु परमवप
पयुपमपि ॥ यमिमु ॐ देवीयमनिरउम

कवप्यएनरुवेतिहभङ्गवउवरमभयुयवउ
यः ३२ ॥ ममनेषु श्रीरुभ्ररकरपिसासाःभ
रुमरास्त्रिउठभ्रलेपःभूगपिचकरिणीपरिक
रः ॥ चमङ्गलेमीलंउवठवउनमैवभपिलंउषा
पिभङ्गुंउवरमपरमंभङ्गलभभि ३२ मनःभू
हङ्गिउभविणभविणयउभरुउः ॥ पूरुपूरेभ

मं.
३३

॥ प्रमदमलिलेद्विउत्तमः ॥ यमलेककामं
कमलवनिमल्लभाउमयेकगटउमुहंकिमपिय
मिनमुहिलठवना ॥ ३० ॥ इमदमुंमेमभुममिप
वनमुंरुउवरुभुमपमुंहेमदमुगरलिगद्वद्व
मिउम ॥ परिङ्कुवमेवद्वयिपरिलउं विहउगि
रंनविहमुउहंवयमिहउयहंनठवमि ॥ ३१ ॥ ३०

तिमेवाङ्गीभित्तुवनमषेरीनपिभुवनकरहेव
लेभित्तिरठिरुपङ्गीलवित्तुति। उरीयंतेणमप
तिठिरवरुवनमभित्तिः॥ ममभुवनमुहंसर
रुग॥ ७८॥ भित्तिपरमा॥ ७३॥ ठवः सचेरुः प
सुपतिरवेगः मरुमरुं भुवनमीमनविडिय
रठिरनभुवनभित्तिः॥ ममभित्तिदूरेकंपुविग

म.
५.
३३

रतिरेवमृतिगिपिप्रियया मृणम्रेपुलिदिउम
भूमिठवउ॥७॥ वपपु रुठवामत्रमिउमिठं
मृनिपरापरावैवकं केमिठपिठवउपुलउव
न॥ नमरुऊः मंपुहउउरुमगेपुवतिमा मदे
मकउहंउमरुमपरापकयमपि॥३॥ नमेवैमि
पुयपिप्रियरुवरुविपुयमनमे॥ नमः केमिपु

यम्भारुगभक्तिधुयमनमः॥ नमेवधिधुयदि
नयनयाविधुयमनमे॥ नमःभवमेतेउरुभति
भवयमनमः॥ ३०॥ वरुलरुमेविसेदुतेठव
यनमेनमःपुवलउममेउरुगेरुयनमेनमः
॥ नभापदुतेमठुदिजेभादुयनमेनमःपुमरु
मिपठुनिमेगुष्टमिवयनमेनमः॥ ३१॥ रुमप

म.
३२

विष्णुमित्रः क्लेशवसुं क्लेशं क्लेशवसुं भीमेश्वर
दिनीमसुमित्रः ॥ ७३ ॥ मकिउमममीरुहमंठजि
रणकुमममरल्लेमुवत्तपुष्पपुष्पमा ॥ ७४ ॥ भु
रकुल्लगनरैरुमिउमुकुमेलैः पूषिउगुल्लमदि
मुकुल्लककुल्लप्रोः मकलगल्लवरैः पुष्पमउ
ठिणवैरुपुंमलपुष्पउमुश्मउकुलीयः ॥ ७५ ॥ ममिउ

गिरिमभंष्टुः लेभिनुपः इभरः रुवरमापलाप
नीपः भवीभा ॥ लापडियकिगः कीरु मरु मचा
कलेऽरुपिउवगु ॥ अमीमपः रंनयति ॥ ३५ ॥ ऊभु
भरुमननभः भवगः रुवरः सः मपः रवरः भेलेऽ
वरेवः सुमः ॥ भगुरुनिः भदिभेऽरुपः वः सुरे
धः रुवनभिः रुमः कः कीरुः रुमिः रुमदिभः ॥ ३६ ॥

भ.
३२

भगवन्भविप्रहृष्टंभुजमेवैककृतंउप०डियमिमनप्रः
प्राह्लितिरुमैः॥इ०डिमिवमभीपंकितरेः
भुयमानःसुवनभिरुममेयंपुष्करतुपुलीडमा
३॥स्रीपुष्करतुमापयद्गुणितेनमेडे०किलि
षदरे०दुरीपूये०॥कदम्बितेनपठितेनमम
दितेनमप्रीलि०डेकवडिइडपडिदुसः॥३३॥

मरुसुत्रापरैवेभरुभौनपरःभुवः॥प्रयोग
त्रपरैभुनभित्तुंगुरिपरभा॥३७॥सीकरु
नंभुपभीकंरुनयगीरिभद्रियः॥भरुभः
भुवप०भुकलनयद्रियेरुसीभा॥म.सुदुर
करनवकुंप्रलदेभुइभेउद०उधभुतिपरभरु
गुरीरुभुभटः॥भरुवडिमिलेकरुउनुमुप

पु.
मं.
३०

पुमः उपनहः पश्चद्गीतिमं सु ॥ पुनिहं
धमः विरामः यो मादिभुः पश्चद्गीतिमं सु ॥
पुः ॥ तिगेरी सुगयः पुवः नश्यकरः ॥ यठः जिभि
ययठवठीतिठिठेठवयः ॥ मवयः रुः ॥ पममः
नयवः पश्चद्गीतिमं सु ॥ यकलः रुः ॥ यनमः मि
वयः ॥ भवेसुः रुः ॥ मतिठः मयिनेउमः पति

हेमतिग्रेवरेडमे विडेमछेहेमतिमद्रुममेनि
आडगगयनममुपमिने ३ मेकरेलविहीनभु
निहमद्वियगेडमः उपरयप्रिउपुभुइलंऊरु
भदेसुर ३ विषयेरगरुपुभुइणपिउलिउभु
म लेठमेदुमिमऊभुइलंऊरुभदेसुर ३
ऐशनविपेऐरैदमभुलुविणयके ॥ इमिमेनी

ॐ
ॐ
ॐ
ॐ
ॐ

यमानभुइं ऊरुभदेसुर ॥ ५ ॥ कयपेधं मजुभु
रेगमेकजलभुम ॥ ठव लवनिभयभुइं ऊरुभ
देसुर ॥ ६ ॥ यधुमालयनयवभुठवपाहुरे
रुपभुमीनामभुइं ऊरुभदेसुर ॥ ७ ॥ रुधुभु
नधुमिउभुमेधुभनेलिउभुम ॥ नयभुइं गव
षइं ऊरुभदेसुर ॥ ८ ॥ मंभरपमस्यकववुन

पीडितभूमेकत्रकविषमेषुनिपडितभू कभ
डितभूठयरगाणिलीडितभूमीनभूमेकुरुयं
पालेकरय ७ ॥ मीनेभिभमकविषलेभिनि
रमयेभिभममेभिभमप्रनितपरिवलिडेभि
कीलेभिभरुगडमेभिगडउपेभिभदेभिडे
भिभिकलेभिभकलडिडेभि ० ॥ छीडेभिभर

गो.
मु.
३३

मृगउमेभिठयवकेभि मङ्गमउवृडिकरकुल
मेउवेभि रग किरेधनिकरेमपरीकुडेभि
महकिमेमनियमैपरिवलिडेभि ०० ५५ मृए
वीहमममरुउयेकिडेभि निहमयेभृमरले
भृममाल्लमेभि ॥ सुम निरङ्गमपिममिकव
किडेभि रुमेभि रुयसुपडेमर ॥ गडेभि ॥ ७३

ककुतेभिद्विनपुभिद्वरुपुभिद्वसपलेद्वियेः॥ कव
लवनिमयेभिद्वकिंइउंमभनद्वभि॥०७॥ यद्विन
भिद्वमरुपापीयद्विनभिद्वरुयउरः॥ यद्विनद्वि
यमंउपुमुकुतेः॥ सरलंमभ॥०८॥ पुतेमभरुपमै
नद्वमुतेनद्वः॥ रुपापरः॥ उल्लुगवययेदेगः॥ कषे
नवनपाकिमभा॥०९॥ सुकलयसुद्वपल्लु

३७

वसंभिभप्रप्रुभिनायवतठितरुमयवैः
हृप्रठेयामिनयं कुरुयेनमेहुंहुः परं कययेकेम
गंभुरभि॥०॥ कृष्टेकंमवः कुरुं चवुनं पारि
मेधः मरुतुनप्रमवप्रुकिमट्टुययामि
मठपिप्रविहीनप्रुः यमेककुलप्रुम पुम
पमनिचइप्रुगगकुधयउप्रुम ०३ देवदेव

मदमेवमरागउवदल नवमुडभिमैकहि
इराउपरमेसुर०७॥ ठीउमिदकलवमगेभि
निरस्येभिभयेभिदःपुलठेपाउउभि
समे॥ पुउभिमेरुपएलेनमभायउभिहंम
इसुसमरांमभापगउभि॥३॥ पुमिपउं
निमयेभिदभुरेठवकदमे॥ भूमीरुपय

२०

मभेपरुगेलेकुरुधुभाभा॥३०॥सूरमेठवठी
उधुठगवकुसु॥गिरः॥उषाकुरुयषाकुरुयेन
कठउठवपमः॥३१॥मभयमउविलपुंठजि
दीनंऊमेलंमलिवमनगाइविलुं॥पापमी
लभा॥रवि॥इऊएठीउंरोगिं॥धूपुरुः॥पे
पल॥नपरिकुउंरकमंभवमऊ॥३२॥सुपंवे

भृमरं हिममववसे हिममवम ॥ ठगवं भुं
पूपवै हिमरवमं मर ७ गउभा ॥ ३२ ॥ एउभृर
यम नभृगठभृपिरेकि नः ॥ भृउउउउ
ले ॥ मयउमभृउरेवउभा ॥ ३५ ॥ मङ्गरभृमये
ठउ मउ भृउउभा नमः ॥ उधरुमभृमं मे
रुङ्गय ॥ मनि ॥ मनि ॥

५०
१०

विगलेगलिउकलिभपुर्कएउकुठलभुले विर
एउएकुंमिराभपलिपषरुके उरुकि
उकपालकेएपनभीप्रिमरुनिउद्विपलि
भक्तकिभपिणभवरुभदे ० वायेपरि
परिभुवकुवलणभणभमियकुवेरगिरिगो
विमपुठवगचनिचभरभा ॥ कसिधुनरुभउ

मेपमिउऊऊमेरिऊङंगसिउविगसिउंयसि
नऊऊवींऊंऊं॥ उऊऊरविलेमनइयविमिऊ
रुंउिध॥ कलककलककवुडिकरेममम
विधमा॥ विकमिउंएएवीविरुंऊवपू
लमउरमरउरनिनीउरलसुमभीऊंभीऊंभी
विऊपममुरपगसुमिउरलवलवलीवल

不

नंठल ॥ ५ ॥ हमीयभरवदिनीविमलवारिण
रवलेश एगदुनगादिनीभरिरीयंभभरुम
उपेउमभरिउएविटपिडाएवीभंवभडुप
क्षिपरिषडलभभलभल्लिकठपूठे ॥ ६ ॥ विदु
यकभललयविलभिडनिविहूवलीविठभु
नथपुनिमेविदुरं विण्डुंभनः ॥ कथदिन

ऊमकुडीरभाप'क्षुसुम'म'ली कटीउएपलीठ
 वरुगएिमम'लि'सु'क'लि' ठव'रु'वन'मे'रु'ली
 लो'ए'उ'रु'क्ष'रु'क्ष'रु'उ'रु'ह'ए'सु'रु'ए'के'ए'ठि'म
 प'व'रु'रु'ठि'रु'य'उ' ठ'ए'म'ठ'व'रु'उ'के'प'रु
 ह'मे'ह'पै'प'ठि'के'की'कि'मि'ह'म'र'म'भ'रु'पु'म'ष
 न'ष'न'ष'भ'रु'॥३॥रु'रु'न'प'र'य'ल'पु'म'ष

रु.
 क.
 २३

कवुकलक्षिउपुप्रवमकलरुमंकमपिमैलम।
सामरु। चलउलविउदिकमयिउमिहूभीमवि
नीपूकीलभमनेमनेरमलमेरुलमेरुल॥७
नसउरुरयउमेविधयरुविलभंमनेमनेठव
कषभुमेनममनेरयडिष्टः॥ भुगदुरउरुकि
ल्लिउरउ,टीरकेलेवमत्रयेमिवरिवानिमंठव

मि.
क.
११

ठवनिप्रसपरः ॥ पुतिनीरुजकदरभुमिना
तिदयलुजवासा ॥ विनमभुदमरुमेवेविमृष्टापि
भीमुरभा ॥ वहे, मिवमयेवममचरकाकरेच ॥
भा ॥ सुमेरेमेमभाभीनेयषवदुलितामनः ॥
प्रिउमियेप्रिउपू ॥ सिउयेसुिवमवृयभा ॥
मुमीमिवकवरमृ ॥ दधठयेगीमरठधि ॥ ननव

उनिष्कृष्टंभिः॥ मरुमिवैरेव॥ पठ विनियोगः
विष्णुपुष्टं नमः॥ नलनीष्टं नमः॥ भः भष्टम
ष्टं नमः॥ विष्णुमिकष्टं नमः॥ वकविष्टिक
ष्टं नमः॥ यकरुलकरणीष्टं नमः॥ विष्णु
ययनमः॥ नमिरुमेष्टुक्त॥ भः मिष्टयेवधल
मिकवमयष्टुमा॥ वनेष्टं वैधल॥ यः सष्टु

मि.
क.
२५

यछल॥ एने॥ एवेविहंभकेसंरह॥ उगिरिगिठं
गरुमम्वउंभरइकलेहलदिंपरुमुभाग
वरंठीडिहंभंभमवभा॥ परुभांनेंभमउउति
मभरगलेह॥ परुदिंवभांविस्वहंविस्ववहं
विपिलठयदरेपाह्ववहंदिनेइभा॥ विह्व
भगीकउरभविविपुंमुउहंमह्वपुनठेवक

सभा॥ लि० उ० द्वि० यं भुक्ता भवतु स भुंष्टु ये दृष्टा नक्त
भयं भक्तैः सभा॥ ए० न० व० प्र० णि० ल० क० द० व० क० वि०
रं० मि० रु० न० क० नि० भ० ग्रं० से० ङः॥ ध० रु० क० र० दृ० म० भ० भ० णि०
उ० दृ० म० वे० न० क० द० क० व० मे० न० र० क० भा॥ भं० ध० उ० रु० वे० णि०
ल० मे० व० ङ० दृ० मं० भ० र० क० यं० प० णि० उ० ग० ली० रे॥ य० व० म० मि०
हं० व० र० भ० उ० भ० लं० प्र० ने० उ० मे० म० व० म० यं० रु० मि० भु० भा॥ ५

मि
क.
२१

मचरभंगकडविश्वप्रतिज्ञेतिदयनरूप्यनमि
रुद्ध॥ प्रल्लिख्ययनरुमज्जिरकःभरंश्वरःप
उठयामसेधउ॥ येरुभुद्धपेनविठुतिविश्वप
यम्रुभेगिरिसेधुप्रतिः॥ येपंभुद्धपेनच
लेकरेतिभाह्मीवनेमेवउभंलेहः॥ कल्प
वभनेकुवननिरुपुमचलियेचइतिरुगि

लीलः ॥ भक्तलरुस्तेवडभंरुवयेवट्टकिटीउर
पिलञ्जुपभा ॥ भूमीपुविहृङ्गनकवठभःभ
रुवगळीडिऊणरदभुः ॥ मउमपभुदुरुधर
भुनेइः पूष्टं मिउेरकडभभरभभा ॥ ऊण
वेरुङ्गमपमसुलळककभालयिक ॥
ऊणनः ॥ मउमपिनीलरुमिभुनेइः पयरु

मि.
क.
११

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ० ॥ कृष्णकृष्णमहामुनि
कव्यं देवकमलवलयकृतः ॥ हृदय
उच्यते उच्यते उच्यते महेष्टिपिण्डे उच्यते महेष्टिपिण्डे
वराकमलवलयकृतः महेष्टिपिण्डे कृतः महेष्टिपिण्डे
नवलः ॥ इति महेष्टिपिण्डे महेष्टिपिण्डे महेष्टिपिण्डे
महेष्टिपिण्डे महेष्टिपिण्डे महेष्टिपिण्डे ॥ ३ ॥ विष्णु उच्यते महेष्टिपिण्डे

ममज्ञकपलमृक्काकरिमुलपान्तिः॥ मिड
दृतिःपाक्वभापिवडाद्भीमानप्रचपरमभूक
मः॥ प्रचनमष्टमममृमेलिठलेमभा
हृदपिठलनेशः॥ नेशममष्टमृगनेशुगीन
मंभरुगकडुविमृगः॥ पयमृतिंमेमृउ
गीडकीतिःकपेलमष्टमृउडेकपाली॥ वरुंम

पि.
क.
२३

मरकतुपप्लवके ॥ शिखंभमरकतुवेमलि
कः ॥ कंठगिरीमेवउनीलकण्ठः पालि कृत्यं
पुपिनकपालिः ॥ मेदुलमष्टममपमनरुच
कः कुलेकभाषतुकेष्टी ॥ भमेपयंयउगि
रीकृत्यमष्टममष्टममनतुकरी कुरभु
उडेभमपउनहिंययकुहिंपुल्लिरीमुमे

कुरुकुरुयं पउऊवेरभिरेरुनकुरुयं मेरु गमी सुरे
वृश ॥ ५५ ॥ कुरुयं पउऊवेरभिरेरुनकुरुयं मेरु गमी सुरे
कुरुवकुरुपमः ॥ मदे सुगः पउऊमि नमिय मे मं
मपय मे वउव ममेवः ॥ इयभुकः पउऊ गीय
य मे वध सु ५५ः पउऊमि नमिय मे ॥ पय विम
मे ममि मे पय मे मं गङ्गा पय मे मं विमीषे मे

मि.
क.
१७

रीपतिः पउरिसावमनेभाद्वाक्येरकउमं पूठ
उ॥ गपकभिउरकउमदुरेमं भु॥ मरुपउ
नदिः भिउंभाभा॥ उरुउरेपउपतिः पमुनंभ
रुमिवेरकउमं भमनुग॥ डिधुउमवृकुवने
कनषः पायकुइंभूमषादिनषः वेणउ
वेकैवउमं निधः भंभमृयः पउमिवः मय॥

रभा । मनेषमंगकउनीलकः । मैलमिडु
नेषपरइयारि । मरुवममिमरुभूयमे
पयामगवृणउरुममिः । कल्पउकले
गुरुपुकेपभुएडुरुमेमुलउरुकेमः ।
पेरारिमेरलवसुत्रिवरेमरुठयामुकउ
वीरुः । पटसुमाउरुयएवगुपिनंमरु

मि.
क.
५

मूलकायुक्तेरिहीधलभा॥ चक्रेदिनीनंम
उभाउतायनंकिमुमुयेरकुठरणय
निदउममुदलयनलमिललरिमुलेरिप
रउकमु॥ ममुलमिंदकयकमिममुमु
मयहीमणवुपिनकः॥ सुःसुप्रसुःमऊनसु
नडिमेमनमुसुठिकसुहमनसुमुददमं

मि॥ उद्गुत्तमापविषठीतिमभक्तुकिहृणीम्
नमयउमेगडभणीमः॥ विनमेठगवेउभ
मिवय॥ भकलउहृकय॥ भकलउहृ
विद्रकय॥ भकललेकैककई॥ भकललेकै
ठई॥ भकललेकैककई॥ भकलनिगभगु
य भकललेकैकवरभूरय॥ भकलसुरि

मि-
कु-
१०

उडिठाल्लनय ॥ भकलङ्गरुठयङ्गरय म
मङ्कमेपरय ॥ मङ्कउनिरवामय ॥ निरभ
यय ॥ निरउङ्कय ॥ निधुलय ॥ निरवामय
निरङ्गरय ॥ निधुपङ्कय ॥ निङ्कङ्कय ॥ निः
ङ्कय ॥ निरुङ्कय ॥ निरुपमविठवय ॥ निरु
रय ॥ निरुङ्कय ॥ निरुपङ्कय ॥ निरुङ्कय ॥

परममात्रपूकमाय॥ उल्लेखुपाय॥ उल्लेभया
य॥ ५॥ य॥ यमकमरु॥ ठरुवडार भकठेरव
कलठेरव॥ कल्पउठेरव॥ कपालठेरव कपा
लभालापर॥ यहुङ्गापङ्गा ममपा मङ्ग मरु
भरुकमलमायव॥ ५॥ मि॥ हारु मङ्गि ठिङ्गि
पलउभरममलमङ्गरभू मपरिष्यकुमङ्गि

मि.
क.
१३

मउप्रि॥ मरुयपरीष॥ करमरुमभाप॥ मं
धुकरल॥ विकटदुल॥ म॥ विष्णुटिउदुल॥
म॥ ल॥ नगेमूज॥ ल॥ मादुल्लय॥ मउक
उक॥ शिपराउक॥ क॥ म॥ उक॥ निरुप॥ क॥ विष्णु
विष्णुमेरुन॥ विष्णुमेरु॥ य॥ य॥ ठ॥ व॥ य॥ न॥ विष्णु
ध॥ विष्णुप॥ य॥ ध॥ य॥ विष्णुडेभाप॥ म॥

चोरेकमभादललल॥ भदभादमयभाद
ठयंनमय॥ ३॥ भसुलेननिपेधय॥ ३॥ वल
नभदुभय॥ ३॥ रकंमिठीधय॥ ३॥ ऊडनिविदु
वय॥ ३॥ ऊधदवेडालभागीगलदुकाकम
गलभदुभय॥ ३॥ भभठयंऊरु॥ ३॥ विभुभ
सुभय॥ ३॥ कःपउंभभनय॥ ३॥ कडुड

三

[illegible]

की० य० पु० म० इ० च० म० र० ग० क० उ० पि० व० म० ह०
भा० प० भ० व० प्रे० डि० मी० उ० मा० य० सु० वि० रु० डि० म० च० रु० रि०
रु० म० भ० नं० म० च० म० न० लृ० व० च० न० मा० ॥ ये० ण० उ० क० व० सं० सै० वं
म० रु० वै० र्गि० प० प्र० हृ० उ० ॥ म० रु० प० उ० क० म० रु० उ० म० रु० उ० म० रु०
प० उ० कैः ॥ रु० रु० उ० म० रु० म० प्रे० डि० मि० व० व० म० न० रु० व० उ०
॥ ॥ ॥ ॥

卷一

ये भं उरुति ॥ न न रोगे रुः पुरु न पारवसा
महं न भद्राभि ॥ कउ हे मे ॥ भू मे दं ये वन भू
विषय विषयैः पाहु ठि म्म भू मे रु भू न भू वि
विवेकः भउ न यु वरि भू मे ऐ नि धः ॥
मे वी मि त्त वि दी नं म भू म्म य म्म मे भ न ग व
पि रु दं कउ हे मे ॥ व रु हे मे क्रिय ॥ वि गति

म.
म.
५५

गतिभउउ पिउभू पिउपैः पापैरैगै विरियैगै
विमममवपुधः पूरुदीनं समीनभा भिष्ट
मेरुठिलधैः रुमतिभमभने प्रलट्टनमुत्र
कउवेमे भ्रष्टपुष्टधकले भनपनलविण
नरुउंगनउयेप्रसउंवकम मिमुउवकवम
नापभुविलीरुलनि ननीउपमभलम

गमिविकमिङ्गगत्रप्रपैभूमं कउहेमे ॥ कयुम्
मष्टयुक्तेः ॥ एमउनिदिउः ॥ अ पिउं नैवल्लि
नैलिपुंमक्रनहेः कउक विरमिउः ॥ अलिउं नभू
भनैः ॥ मीपैः कदुरयुक्ते विविणरभयुउं त्रैवरुवे
पदरैः कउहेमे ॥ नैमहेभउकमपूतिपमग
दं नैपूष्टवयजलसुं मीडीवउकयं मेदि

पृ
म
५१

लज्जलगादनेद्वक्रभनेभुभारेहृउपदेविमारेः
मृवमनन्यैः केविमहमिष्टः कउहे भिष्ट
भुनभरेलेपुवमयमरुक्रुष्ठेभुक्रभने
वउमउपुलीनेपुकपिउगरुनेहृउिष्टपराए
लिङ्गलेवक्रवट्टेमकलभुनिभउंनेवच्यभुंक्रम
मिगकउहे॥ नयेनिभ्रुमुद्रुभिगुविरदिउे

समुभेदत्रुकोरमंगुहमुमपि विदिउठवगु
नैवमाधुःकरमिडा॥ उमहवभयदं विदिउठ
लिभलेमङ्गनंभद्रमि कउहे॥ एहमिडेमि
दाष्टपुमउरगनेनैवमउंविष्टुहेहउंवलक॥
महंरुउवकवरुनेनयिडेखीलमने॥ नैप
भृगाङ्गडीगीवउपरिमरल्लुहृमृसपुनमेवःकउं

प.
म.
१३

पञ्चमिउमोपरेभद्रद्वारेगङ्गापरेमङ्गरेभ
यैः कृपिउकलकङ्कङ्कद्वारेनैरेवैमुनो
रुत्रिद्वारेभुङ्गापुरपरेलङ्कभारेद्वारे
भेकङ्कङ्कमिउद्याउभपिन्मभट्टेवकिं
महि ॥ किङ्कनेनपनेनदालिङ्कगहिःभू
लुवगट्टेनदकिंदपुङ्कलभिरपमुहि

गुणेनयेनयेनदल्लुहेरुहं ॥ ठङ्गंमपमिरेह
हंभवेदगः ॥ भुङ्गंभुङ्गुदकृतेठङ्गं ॥ ठङ्गं
मीपावरीवलेठभा ॥ सुयुरसुतिपसुति
भुतिमिनयतिरुययेदं भुङ्गयतुन
भुङ्गयतिदभाकले ॥ गङ्गुकिरुल्लुङ्ग
भुङ्गयतिरुठङ्गपलविहृल्लुङ्गल्लुङ्गि

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 गणेशाय नमः ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

श्री
०

भरभसुठभङ्गलभरभश्रीभरभसुठलङ्ग
भरभभ॥ श्रीभरभसुठङ्गधरभरभ
श्रीभरभसरंठवरभरभ॥ श्रीभरभ
कभलेश्वरभरभश्रीभरभकभलपि
यरभरभ॥ श्रीभरभकभलेश्वरभरभ
श्रीभरभसरंठवरभरभ॥ श्रीभरभभक

लस्यारभरभमीरभरभल्लगलस्यारभर
भमीरभरभभगयस्यारभरभमीरभर
भसरल्लठवरभरभमीरभरभगुल्लकुषा
लभरभमीरभरभगुल्लठल्लवरभरभ
मीरभरभगुल्लभगरभरभमीरभरभस
रल्लठवरभरभमीरभरभरुगिरुकरभ

श्री
३

रभमीरभरभमरुनरुकरभरभ ॥ श्रीरभ
रभनरुकरभरभमीरभरभसरलंठवर
भरभ ॥ श्रीरभरभभुकरविधियरभरभमीर
भरभभुकरविधियरभरभ ॥ श्रीरभरभमभ
विधियरभरभमीरभरभसरलंठवरभरभ
रभरभमेडिरभेडिरभेभेभेनेरभे ॥ मरुभ

मउल्लंभनमपरयल्ल ॥ रमभूकंभिसंपुष्टं
येप०रुभउपमभा ॥ भवलेकनउरुभयतिउ
वैभूवंपरुभा ॥ एतिरभाभूकभा ॥ सैयनरा
यल्लयभूयउमयवभनकेभरे ॥ उरुग
भभभूरेसविनमद्यतिउरुंभंभरे ॥ प्येरुंभभ
नरकतिपेकेसवकल्यधरंभभनकभयमीन

三

नदिकिमपिममहुं ॥ इरुपिनभाक्कुडिमभिरुं
मसुउपुइमिइकलइममहुमा ॥ येरंरुमममा
नरकरिपेकेमवकलपठरंमभनकभयदी
नभनघंऊरुठवभगरपगमा ॥ ३ ॥ हुं ॥ नरी
॥ नकपूकुगसुउमुंभरुडाजलमिइमा ॥ हुंमर
॥ मर ॥ गउवमलहुंठव ॥ लपिवदिइमा ॥

२५

प्येरेरुमभनरकरिपेकेसवकलभठरेभभ
नकभयमीनभन'षेऊरुठवभ'गरपरभा
॥ भनरपि'ननंपुनरपिभर'पुनरपिगठ
निव'मं' मेरुभलेपुनरभि'न'पवभभ'र
नि'र'मभ'॥ प्येरेरुमभ'नरकरिपेकेसव
कलभठरेभभनकभयमीनभन'षेऊरुठ

वभगरपरभा ॥ ५ ॥ नकमुठपडिगर ॥ च
रय ॥ मङ्गरभनिवरगीडिगरयभनभित्तु
रुधेडुभवगयभंमडिठीडिभा ॥ येरंरुभम
नरकरिपेकेमवकल्लपठरंभभनकभय
लीनभनयंऊरुभगरपरभा ॥ ७ ॥ ॥ ॥
गडिगीविष्टुल्लयभंभभभ ॥ ॥ ॥

विनगेन्द्ररयदिलेगनयठभद्ररगयभद्र
रय केवमिमेवयमिगभृरयउभेनकरय
नभमिवाय भद्रमद्रभृरभृयभमभ
गीचगतिउय हैलेनययभृउ
यउभेभकरयनभमिवाय मिवभृभृ
विकभरयरुकभृयभृविभमनय

मि.
५

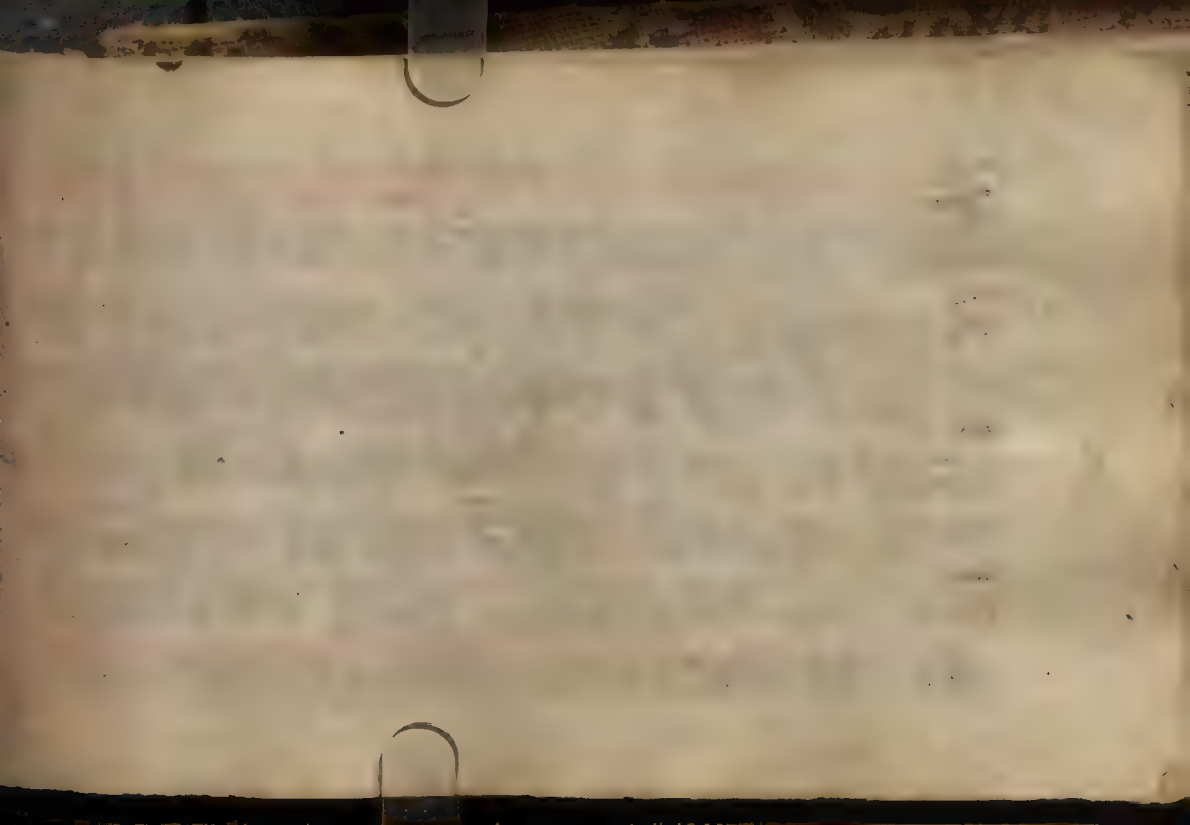
हुवैष्टनरलेमनयउम्भमिकरयनमःमिवय
वमिभुक्तभेदुवगेउभायभनीद्ववदुयुगिगी
सुगय मौनीलकयवधपणयउम्भवक
रयनमःमिवय॥ यल्लभुदुपयल्लणय
धिरकदुभुयभनउगय निहयसुदुयनि
रादुनयउम्भयकरयनमःमिवय मिवभादु

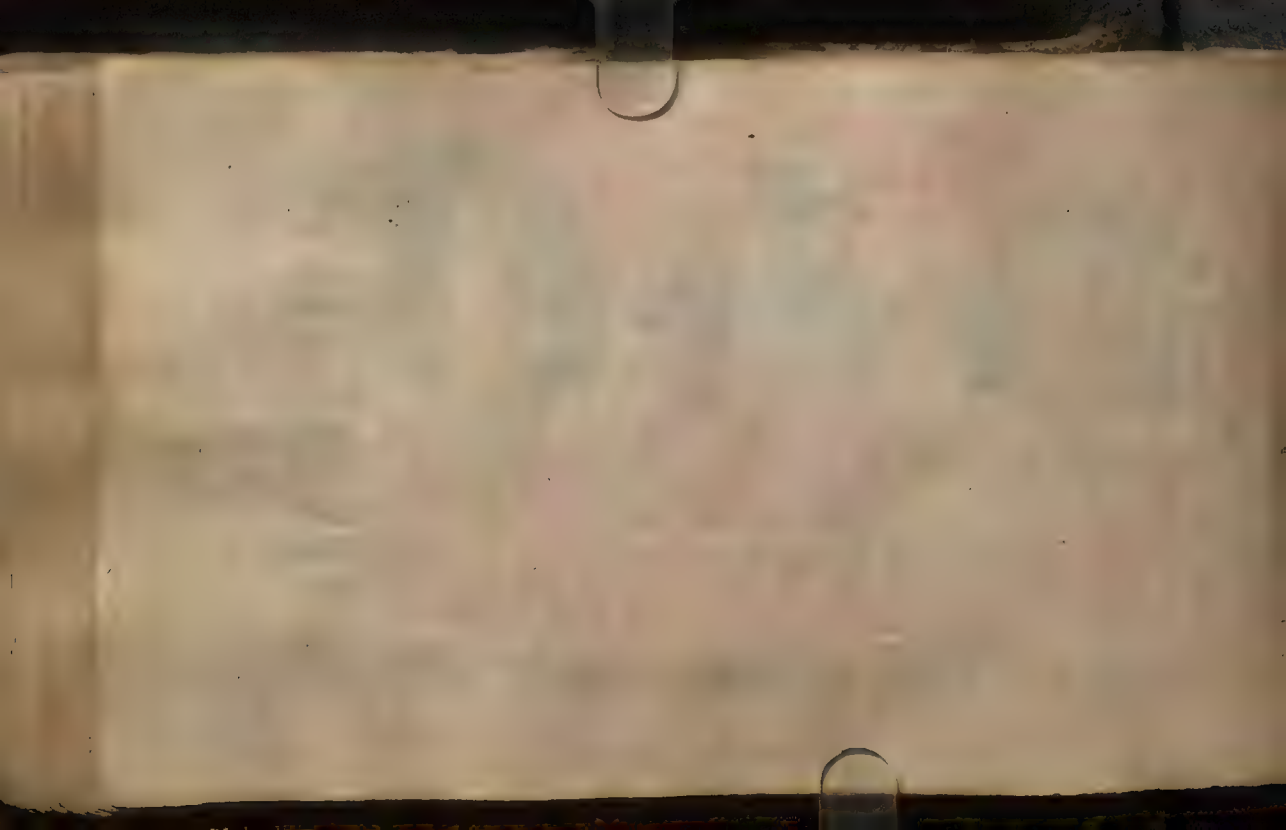
मि.

कं निहं यपैठ शिवमविष्टे ॥ मित्रलेकमवाप्रेति
मित्रेनमदमेरुते ॥ तिकं विवृमंदं निहंष्ट यति
येगिरं ॥ कभं मेकं मेव तिकं उतमाभुदमा
नरुते नमाते यभुदिये यभुदविष्टे ॥ नमविष्टे व
मचेनकं उतमाभुदमा ॥ मरुमेवं मरुवकुं मा
दष्टनपरायणं ॥ मरुपपदं निहंमकं उत









मभृदभा ॥ मिवाद्युतरेन भुमिवमभुषनिष्ठा
यः ॥ मभतिमत्रपापनिमिकरंतेनमभृदभा
वदनेवाधठेयभुवभुकि क ॥ ५ ॥ वा
भेमक्तिपरंतेवकंतेनमभृदभा ॥ यश्यश
भित्तरेवमचष्टमभृदभा ॥ येपुनमचष्ट
नयकंतेनमभृदभा ॥ तद्वपुमममठव

६.
१

विमेषं मित्रय मेक भवतु भवति भा ॥ ६ ॥ वर ष
भवतु मरुतं हृदय मित्रुतय हृदय वरु ॥ ६ ॥ मय
मेतु मेध मित्रु नीठुति मम हृदय गुरु मरु ॥
हृदय मरु मरु वरु मम हृदय मय मरु उरु मम
भुभा ॥ ६ ॥ मरु निविम्रुग उरु यि न वे उरु मरु मरु ति
ठीति कष मि ॥ ६ ॥ मरु पित्रु चरु ॥ ६ ॥ विमेषु इ म

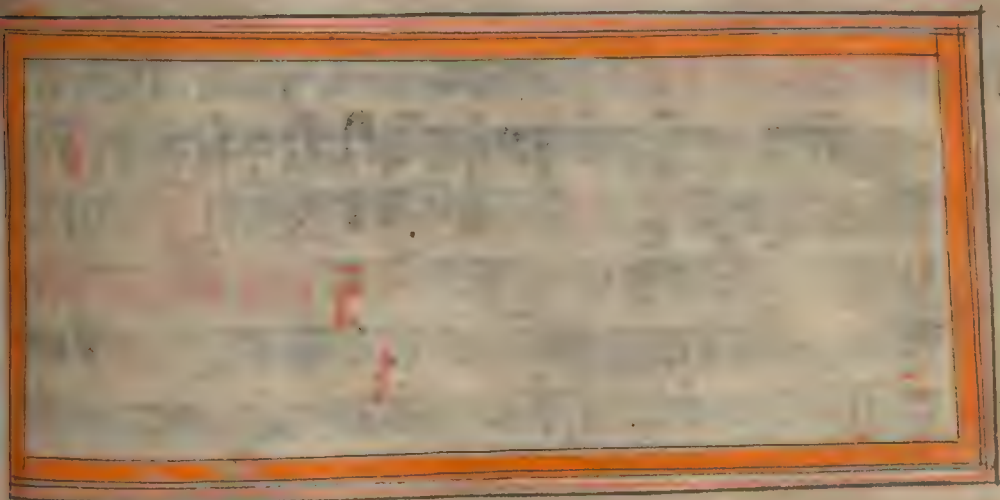
विणयिषुकदगल्लुष ॥ ननु कभं पूतिभाम्पु
भेनं रेपकरलडभं विविणेदि ॥ मङ्गरमेवमि
नुरणी रेठीषल्लु हैरवमक्तिभयेभि ॥ ७३॥ भये
कठवन्दयभं विस्तीणिडिडि विडङ्गिडिडिभिभूः ॥
भाइयभं नुककदपिमयेव नभेभुनएउ
विठेभि ॥ भूमिडभइविवेणभरीमिभूकिडवि

ॐ.
३

विष्णुपद्ममुत्तमः। नवपद्मभाउतिष्ठ। भुक्तुः
रुमन्निनिच्यतिभिभि। भवमगोमरुमेति य
मैवक्तेममसाउतपविष्णी। नवउत्तमम
हमहेमभैर्यगभाउथाष्टिरुमति। मङ्गलम
भिमन्तुत्तमनम्रनउत्तमवत्तपविष्णुम। उत्त
मभुपद्मभाउतिष्ठ। भुक्तुःमिनिच्यति

रभा ॥ चट्टिग यडिहृष्टिगळं मंविमियंभम
ठैरवययभा ॥ छंभियभाष्टमरुज्जनेकंरुलठ
मट्टैःभमयल्लभा ॥ वभरमयेषेदुष्टुम
मष्टमठिनवगुपुःशुवभिभंमकरेडा ॥ येनवि
कुठवभरुमकुपममयडिल्लिडिडिङ्गवष्टुमय
लः ॥ ० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

Handwritten text in Devanagari script, likely a manuscript page. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. The script is somewhat faded and blurry, but appears to be a continuous passage of text. There are some red ink markings or stains visible, particularly a small red dot near the top left and some faint red lines or borders at the bottom of the text area. The paper is aged and yellowed.



०.५.०

विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥
रकः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥
लीले यः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥
विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥
विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥
विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥
विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥ विष्णुः ॥

[illegible]

भु.
मु.
३

मरलभामये ३ वरयेसिअरमीसुउभंभिसभ
रुमरुः अत्रुवतुंयपुंमीयमुंवेमरलंमये ३
इभुउकदवीएनिठलनरुनउसुउ अवनठवभ
यातिउरुनःमरलंमये ४ पूकमरुपेविशुअ
रुवःपूकटिउःकिल ॥ हुंउरदिपुलेकेपुवेवंउंम
लंमये ५ एयनइवलेकेपुमिउरुमपरा

लिङ्मा ॥ वहुवममयुक्तं उक्तं मरलं मय ॥ १ ॥
पीपूरकं यडे साष्टं मवष्ट पकमवष्टयमा ॥ वहुः पार
ज्ञं यडुमुरलं मरलं मय ॥ १ ॥ यडुमि ममम भुविठ
नः मरुमरु कमा ॥ उडुठ क सपरमं मरलं उडु
एभुठमा ॥ ३ ॥ उडुठ कं मकलं निष्ठुलं मरवे रिष्टं
उमरु यमयमा ॥ वडियुक्तः मरुठुः पठुठुं गै

अ.
मे.
३

विभुर्जैयतिभयष्टमभु ॥ रज्जुमन्त्रमंभिसंनप
कुम्भमभुमभा ॥ रज्जुपद्ममभयजं गलीडेहृत्
मन्त्रयेडा ॥ पूडिल्लेकमभुपुष्पंरुद्रपुगल्लिकः
मिडः ॥ मन्त्रैराः पू ॥ सुत्रिलुडविभुएकमयः
रुगन्त्रमिरेगमदवडमरीयडः ॥ सुडजपु
हृतीभरपमज्जकिमभरुवः ॥ हरेगयेकमरी

गयेहृत्तममसुरि॥ उमवेमंपू॥ सुतिमुत्त
सुत्तकीउत्त॥ सुपत्तपुपत्तमसुत्तसुत्तवत्त
॥ सुपत्तःपुत्तमपुत्तिकट्टवित्तुत्तमत्तुत्तमा ठी
उत्तयत्तमसुत्तमेत्तपुत्तमसुत्त॥ उत्तयत्तपुत्त
मत्तपुत्तयत्तमसुत्तमत्त॥ उत्तयत्तमत्तमेत्त
उत्तममत्तुत्तमा॥ मत्तःमत्तमत्तुत्तवत्तमेत्तमत्त

子子工

ॐ नमः शिवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ
२

भीमममठभूः शिवकरनममुपूठकरनममुते ।
सुममभुउतः प्रपूतिमंसापिप्रयैत ॥ उमयंमु
मठठनमुंममठयठः ॥ मठभूरमिमिपुञ्ज
सुमिष्टः श्रीयतंमम ॥ ननेनमत्रपाठेन ॥ मपुमिष्टे
श्रीतेठवेडभा ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
यमेमयमेकेजममवववे ॥ विलेदिडयसुइय

सुक्त भूषणाय नमः ॥ इमेवमवलोकितुं प्रयत्नकरः
भक्तः ॥ कीर्तिरुवाच यस्मै नमः सद्गुरुमोक्षदाय ॥ यग
नं युगकटुं निमनं सनिमपतिः ॥ भवद्गुरुं
भक्तानं दत्तुं उतैवमः ॥ गुरुं सद्गुरुं कदि
गदि ॥ पतये नमः ॥ ॐ नमः ॥ ॐ नमः ॥
यये नमः ॥ निववाय निववा ईशः ॥ पीवमडियेन

ॐ नमो

१: नहयंविहृतेयभृकटभिक्षिहविष्टि चदे
रहृतेपपंप०नमेवनसृति॥ क्षिप्रंरहृमद
पृष्टभृगपडिविमेधतः॥ त्रधणीनंमयेरसभा
मेमः प्रीयतेमम॥ चनेनभृप०न वरुमम
भमे॥ प्रीतेहवेडभा॥ त्रिभृमम॥ त्रिभृ
लेहृमिभृसृट॥ रुडपनपूरुः॥ क्षिप्रंभनेभा

दकयः भवकमववेणकः ॥ लेदिउलेदिउमसु
 भमगनंरुपापरः ॥ एममः ॥ ऊलेलेमेमि
 लेमिभिनमनः ॥ ममरकेयममेवमवरेगपदर
 कः ॥ अधिकउपुदउममवकमलपुदः ॥ मउ
 विजलमनिनिहेयः प्रयउः पठउ ॥ दलनर
 यउउमुणं पप्रेममयः ॥ रउपप्रेमगवेमुप्रपा

ॐ
ॐ
ॐ

मीपमिहिसुषा ॥ भङ्गलंप्रययिहउभङ्गलेरुनिभ
चम ॥ ८ ॥ गोपः पूकउष्टः चङ्गकभृगगउः ॥ एक
विंसतिनभानिपठिहउउरुतिके ॥ ७ ॥ उच्चपुमाल
येद्यस्यसुभपमेनमंभममेग ॥ एवंरुतेनमंरुद
॥ रुउगनीरुवेग ॥ येनलिङ्गगङ्गीतिरुमिपु
॥ मसुग्री ॥ मइवसुगुडयेनठेभनभदिङ्गसुन

मभीयतं उठै मभूतं पुं कय कय मभ मभ नन मभ
न ॥ कभ गठै मे ॥ भूते मे कवेडभा ॥ धिहि
धरभा ॥ विभिंद मभ मे वरमः कलिक मभ मभ
दिः भिर मभै मभ कयः मभ कय ववेणकः वि
धुभिये विस्व कपे मभ कपे गपदे मभः ॥ वण य विधु
कय मभ कय पण यम मे मभ कय कय य

ॐ
ॐ
ॐ

धीउवभुप्रिययम॥ नगवेमीमीप्रममः नमः ॥
कुमसुविः॥ भवसुः भवमभवः भवप्रहृगदेसुः ।
महवमीपननमुगदपीरुनिवगकः॥ मधुिकः
मंदुगमभवकमललपुमः॥ एडनिवगनमनिभु
उरुगुययः पठग॥ नठयंविहृउउभुकदमिहृठ
विप्रति॥ ॐउप०उमुं३पुउःपुउःपठेइम नउ

भृपीरुवकुतेनिर्देधसुठवेवरः॥ भवपपविनि
मूर्जेविपुलेकंभगसुति॥ वरुंरुक्तिपूरासमेभ
परंभदुदुति॥ सुमिदुभुरवेतिधुमवणः प्रीयतं
मम॥ चनेनमत्रपठेन विपुवणे प्रीते मेठवेडभ
विपुवणे॥ विमरसगुमंने भिगुमंमवे
पकरकभा॥ यष्टमदीतिरुवक॥ ७॥ मिधुपूर

५५.
५५.
५५.

यउं अरुभुतिः भुगुदेनीति ह्री नीति कः ।
गुरुलीवेवगीमेवेरुवेड विरुं वः ॥ भै भुभु
तिः भुगुभुः पीउवभः पिउभुः ॥ भगुवेमी
मीउममूदेभुः उडुभुविः ॥ भवभुः भवभु
भवः भवभुदेगुदेवः ॥ भवभु कभलीमा
गुरुपीरुनिवः ॥ पाहुविंमतिभुनिगुं

भद्रुयः पठत ॥ सुयगरेष्टमभद्रैः नष्टमभ
 त्रितः ॥ श्रीवेङ्कटमठंभगंभवष्टाणिविवलितभा
 कदम्भमभवसायद्यपंभभपलितभा ॥ उरु
 उद्यन्तवस्तुष्टाणिविवलितभा ॥ गुरुमित्र
 यद्युत्पीडवभ्रनलेपनैः ॥ प्रपत्नीपेपदरेष्ट
 विपुष्टेष्टनष्टवकभा ॥ पीडमष्टिष्टवेष्टुष्टयभ

सु.
मे.
०.

कवाकभदतिः मेरुप्रप्रिमभाकूत्रैवेवरा॥ पूरेति
उः॥ सुदयः मचमभू॥ मगुरुप्रीयतं मभ
नेमभूपठेन ॥ कवाकभदती श्रीडेमेठवेडभा
॥ सुदयः मचमभू॥ ॥ ठिकवीमरनमभुहंठवकव
विणेविणे ॥ उपमकमभुहंभाउभास्त्रीवनपि
ये मेहप्रष्ट नमभुहंमेहैष्ट मउमभन नीति

मभृङ्ककवृक्षवलिरणीवपूठवन॥ पूलाभपर
भलाभविरोधनगुरेभिर्दं॥ उभुलिङ्गिउमिष्ट
रेनभभृङ्गुनवन॥ भगमनभगगडिमिउभंभि
डिठवन॥ उमानःभकलपूलिपू॥ मयनभे
भुते॥ नभभृङ्गुमगढेमभुङ्गुभृङ्गुयमभृङ्गुवरु
॥ वरुणीनभभृङ्गुभलिभभभृङ्गु॥ कीवमिउ

सु.
मे.
००

कर्मिभिरुत्तरेण वरिषे नमः कवयनिययतीषु सुद
म्रेण वल्लवकिर्केण पतेतु हेनमभ्यापगतयक शि
लेमनयतीयकिमंभिरुत्तरेण वरिषे नमः ॥ ॐ नमो भगवते ॥
इयः भगवते नमः भगवते ॥ नमो भगवते नमः ॥
दुरः भगवते ॥ मेभउत्तरेण वरिषे नमः ॥ ॐ नमो भगवते ॥
इत्तरेण वरिषे नमः ॥ ॐ नमो भगवते ॥

मङ्गलार्चनं भगवद्गीतासुक्तं श्रीकृष्णमेव वेदमा ॥ ८ ॥
॥ १ ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति कथं प्रथितं भक्तः
भवति कथं कथं भक्तं कथं कथं नमः ॥ भक्तं कथं
॥ २ ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
भक्तं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ ३ ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ ४ ॥ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय

म.
म.
०३

मदिमेषपपमंमेषनयमः सुनः सुनः सुनः सुनः
मदुपनमेषुते॥ नमिकेउरुउंमेशं पूरुतं पपनम
नमा॥ यउमेप०उमेषुमरः सुकीउनमा नउ
सुठवडिहृपिः करयेष्टठयपूरुः॥ यमंनपसुते
येरंनरकेमनपसुति॥ सुहः सुडिंमविपुसुपमरा
वमेषुवीडा॥ सुवलः सुमः सुसुदुपुलीप्रउम

विठः॥ सनैस्त्रुगः प्रदपडः ममोः श्रीयडं भमः॥
 विमभमुमेहृप यमेव गेधु
 भाभ्रुदभा॥ नमभुमचठहा यप्तेरुप यवैनमः
 मनापनेइय रुनं विप्यं पूतिभरपुडभा॥ पाषिष्टं
 वूफपीरुं मगेपीरुं भा नपीरुं तं॥ इमिकी एपउं
 पुसं सुं मभरा मभ॥ गेरुनं कुमिरुनं महुवं

॥१॥

भुमरुपयेडा ॥ भोवलंरैधुमनंमकट्टमनंमय्कु
 डा ॥ एडरुनंममभुलंरुमैकंममय्कुमः ॥ रकु
 कंप्रभुवलंमविशिडरिद्रुवलः ॥ चवकुम
 डुरिककुःभरुःभीयडंमम ॥ चनेनभडुपाठ
 न ॥ गल्लपडिःरुधुडभैठवेडभा ॥ ५ विरु
 भुमरा ॥ विनभभुरुकुडुपायुरुकुडुपायकेउवे न

ममुमेरुपयमरुकरयम॥ मरुउरया
रिहंपुरललविविने॥ वरुपुयउरिहृ
पिल्लिपुयकरिल्ल॥ मचठकयमचयमचर
रुउकयम॥ नमःपुमुमुपयमरुमरुकर
यम॥ नममुमचरुकेठकरिल्लेहृमरुल्ल
नममुमिहृपयमीनरुनपुययम॥ रुहृ

स्वगवचवदुयभरुतेनमः॥ ८ यमं पठेति हं पु
 उरुयभनवः॥ पीठमतिठवेउभुकीउरु
 भुकीउरु॥ मयिपरेभरुतेरुकेउःभवगुरुउ
 कः॥ केठयेवृपूरभचःभकेउप्रीयडंभभभने
 नभउपाठन॥ रुककेउप्रीयडंठवेउभा॥ ९॥
 उमेभभापुम॥ ॥ निमालीकउवाग॥ ॥ ॥

क
 ००

विष्णुमहिम्नमस्तुभयपतिपुत्रनतनमा ॥ अतः
 इतिविष्णुपुत्रपुत्रमस्तुभयपतिपुत्रनतनमा ॥
 उभयपतिपुत्रपुत्रमस्तुभयपतिपुत्रनतनमा ॥
 मित्रमस्तुभयपतिपुत्रपुत्रमस्तुभयपतिपुत्रनतनमा ॥
 विष्णुमहिम्नमस्तुभयपतिपुत्रनतनमा ॥
 विष्णुमहिम्नमस्तुभयपतिपुत्रनतनमा ॥

ॐ
ॐ
ॐ

मा॥ उरुं सं प्रवृत्ता भिरुति भवमा नतः ॥ न
नतवाम॥ हनेममचमभुं गुह्यं गुह्यं गुह्यं गुह्यं
मा॥ मयानुपुपरिहृतं वदयं ममा ममा ॥ अद
भुतिभयं वभेवजुमभुमिभापव॥ ठगुं यं सुमि
देवेमकषयभुप्रभामतः ॥ अदठकिं करिष्टुमिक
षं अदं प्रुप्रुयैत॥ उरुं मेतुमिष्टुमिष्टुमामे

नमोऽव ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ नमोऽस्मिन् वडैः
पापं न कषिंते मया ॥ वहे रुं क म विट्टा मं मा ॥ प
॥ वय इतः ॥ नमो कं य ह्य पा पु मे क मि उं ठ वा
लुन ॥ उरुं मं पू व ह्य मि लु मि म ए व म न क मा
॥ नमोऽव ॥ नमो य ल म म मे पु पा म मि हं म
य मा ॥ क व म मि ट्ट म ह उ म प ति पु म न उ न म

श्रीगणेशाय नमः ॥ आप्ययुक्तमरुतैरुच्चिभवा
 भिषा ॥ यमे पञ्चमृपभुनं उद्विं विठवमे
 मवमङ्गलमङ्गलं मवपयपु ॥ मनभा ॥ मवरे
 गपुसमनभा युवचनभउमभा ॥ वचनं नपु ॥
 मरिहलुनयं ॥ यमुदमवपयेहेमृउ
 नउमंमयः ॥ इधलेकेषविष्टं निःसूयमकरं

पु-
 ५-
 ५-

परमा ॥ देवदेवं नमस्तुते पूज्यं यमलन विष्णु
देवेककृपा ॥ नमस्तुतिभ्यः ॥ नमः ॥ उभयवध
यदेनमुदभारयेयम् ॥ सुमिहल्लयनिहंर
पुंश्च ॥ नमः ॥ नमस्तुमीसुमिहल्लयमुभ
इष्ट ॥ मीरुपुण्यः ॥ मीसुदकृपनय ॥ देव
॥ नमस्तुपुण्यः ॥ रुतिउरुयगंमिवाकरंमितिनी

पु
रु.
७१

ॐ॥ विनमोऽगवोऽस्मिन् उवैः सुवराणामुवैः सुमेऽस्मि
न्निः॥ विनमोऽगवोऽस्मिन् पुमिह्येति कीलकं मम
नीपुकमनमिह्येति यः॥ ॐ॥
विह्येति पुह्येति नमः॥ विह्येति उत्तरीह्येति नमः॥ वि
ह्येति ममह्येति नमः॥ विह्येति ममह्येति नमः॥ वि
ह्येति ममह्येति नमः॥ विह्येति ममह्येति नमः॥ वि
ह्येति ममह्येति नमः॥ विह्येति ममह्येति नमः॥ वि

पुष्टं नमः ॥ ~~सिद्धि~~ ॥ सिद्धिं ह्यय नमः
सिद्धीमि मे भुङ् ॥ सिद्धिं मि पय वे धण सिद्धः
कवमयं ॥ सिद्धयै नै रय य वे धण सिद्ध
दपभु य धण ॥ ~~यनं~~ ॥ सिद्ध भुङ्गु म्भु मे लि
भुङ्गु ररु म्भु गि ल्लि ररु म्भु ले पि ठ भुङ्गु मि वृत्त
सः क र क म ल य गैः ठ भु र ठिः पू ठ ठिः ॥ विष्णु

ॐ
ॐ
ॐ

कमवकमेगुरुपडिसिपरेठडिमैरुद्रिरेयेठडि
ठठरुउरुःमउठवउरुगद्यउमुदःपुरुः॥
ठगवानदास॥ विप्रकंउमुविविटभुललयेउ
रविटमेग॥ विटमेवेरयेःमुदंकलयेसुमिवक
रभा॥ नभिकयंउमेरुवेभपिसैवउठभुभा
पलटमेभुयेसैवडीकुंरि॥ रुउरेउमेग॥ भवल

[illegible]

वसुतंगुलुयेवेवठभुग्भा ॥ वरुउमुउमेपुंमंठ
 गमहउरेवमेडा ॥ मवन्नेपुमरुभं मुंरिगिगि
 करविउमेडा ॥ एधमरिइविउमेरेव नमपि
 कलरुः ॥ उरंठहउमेदुऊमयडिपरमंपरभा
 कभरेणरुउयपमसुउररंमयः ॥ मयरा
 पिठयेनैवमन्नेमेपपविधुपि ॥ रिपमहुएक

पु.
 रु.
 ०७

लेडउषमैरभभगमे ॥ रिमं५५पउवृमंमरु
पउकनमनभा ॥ विष्टेएकमभद्वंतीवृष्टम
भरुवभा ॥ मिरेरेगंनेइरेगंमचवृणिविनमनभा
ऊधुरेगंउषरुदूरेगञ्जविविणञ्जये ५५पउमु
धृनष्ट्रिम्प ॥ ठहुउरुलन ॥ सुमिहंमउमंया
ऊममिहंउवनेसुरभा ॥ सुमिहवपंमेवभा

ये

उ.
रु.
३.

किं परमं सुगमा ॥ सुमिदमज्ञयेत्तु कुरु मिर
मज्ञेत्तु वः ॥ यम किं दृगते देवे मम उरु सुमत्त
न ॥ सुमिदं ये पूषसृति मं पसृति नमं मयः दि
मज्ञमज्ञयेत्तु देभ्यो रुद्र उये नरः ॥ नम पसृति
मग्निं सुमं सुमं सुमिदं न ॥ तत्रैकपितृ प
कुरु मिरुद्र मयं मया ॥ मसृते मवप ये हे म

[illegible]

सु.
रु.
३०

उभिभूतठगैरंभेनभटसुउभेनरुः॥सुंविरो
मनःकेमीभरुभंसुमरुपुठः॥विवभुचुप
भाइदिदिरोरभरुगुलिग॥पमरमिपउग
सुमरलेभिइरुउपाः॥रुविह्येयगतिःसुगभे
लेरमिदरुउपाः॥सभुसिइरुदेणेभेरुहक
पुमयकः॥संभुभनउभेदेवेठगु५भाभापव

म। रुगिरुसुभुमेरुगीमपुमपिदुगीमिभाना॥
प्रयिगहोमिउःपइःसभुभिरनमनः॥प्रधवि
सुभुरेभिइःसुपलःसुपूडापवना॥सुउपीम
जलीठसंभुपनेविमडापनः॥रुउविसेमरुउ
रःभवयल्लभयेठवः॥मकरसुकरसैवपूठकर
मिवाकरे॥समसुमरुदःमेभुएरुदकटपूरा

यकः ॥ मङ्गलकैः मङ्गलैः गङ्गा मङ्गलमङ्गलवचनः ॥ चक्रे
 मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः ॥ चक्रे मङ्गलैः मङ्गलैः
 मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः ॥ सुक्रे मङ्गलैः सुक्रे मङ्गलैः
 सुक्रे मङ्गलैः सुक्रे मङ्गलैः सुक्रे मङ्गलैः ॥ मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः
 मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः ॥ मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः
 मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः ॥ मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः मङ्गलैः

दमः ॥ नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः ॥
प्रभुकेतुमरुकेतुः भवकेतुनमः ॥ नमः नमः नमः
पउयेरुणसुपउयेनमः ॥ नमः प्रवयगिरयेपञ्चि
भयनमेनमः ॥ उमीसुतुनमेनिहं रुकि ॥ नमः
नमः ॥ नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः नमः
नमः पारुभवेणयनमेभुसु रुमा रुने ॥ नमः विभु

३३

पुत्रेणयनमेहिल्लुल्लुवे॥ इति धेन नममुहं
हूनकृयनमेनमः॥ श्रीपुयपुगलुययुगात्र
यनमेनमः॥ नममुहं पउयेयधिवी पउयेनमः
नमेहुरवमहुरभवयल्लुनमेमुते॥ उगुमरिय
हवेमभमवमनमेमुते॥ नमेहुरकवल्लय
हमुरयनमेनमः॥ इययइयठमयकुरिम

स्वायतेनमः॥ मिहयमिहकृपायगुरु॥ पडयेन
मः॥ नमभुमुसमयेनिहमचंउरुऊलदने॥ नमेवै
कननमयनमभुमिहमकृपे॥ इहैतिभुंहृतिरु
रुहैविष्णुभुं पूरणपतिः॥ इमेवरुमैरुमद्वय
प्रिभुमेवदि॥ येननंमदभुमेवमतेवमये
ने॥ एकेननिमिधचैवमभम॥ नमेभुते॥ नवति

पु.
रु.
३२

देवैर्लोकैः। भद्रम्। भिन्नम्। भुविः॥ यवउप्यति
कमरेणुवस्त्रलतिष्ठम्।॥ नगउस्त्रनमसुहं
धुउस्त्रनमेवमः॥ पस्त्रउस्त्रनमसुहंनमसुमसु
भवमः॥ नमसुत्रुदुःभवःभवन्नगउवमः
नमःभगवितुष्टेनमेमस्तदयिमकुपे नमेवेन
उवेष्टयभवमत्रमयायम॥ नमः॥ भयभ

मेउमदेवैठल्लुल्लउष॥ मेरेमामउवेरुमेवैमालि
उपनःभ्रउः॥ हृषुमामउपेवेवैपुषामेउपेउर
विः॥ गठमिमवल्मामेयमेठरूपमउष॥ उ
सिनेभल्लरेउसुकडिकेगमिवकरः॥ भानमी
मेउपेमिशःपेपुविष्णुःभनउनः॥ एहेउसुमम
मिरःकसुपेयपैकीतिडः॥ उगुरुपामरुम

३५

भवन् ॥ १०८ ॥ वयगिचन एके कृतकृत्यं
 भूः ॥ १०९ ॥ कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं
 कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं
 कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं
 कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं
 कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं
 कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं भूः कृतकृत्यं

भंववयतिरभिधिः॥ अथयल्लः सुण सुठ ह्रीः श्री
 सुपुरुषेउमः॥ अथभवाम् केमेवमुक्तेवृत्रः भा
 वः॥ रेसुरः भवकुड नं परमेष्ठी पूरपतिः॥ कल
 म् भवकुड म् वेरु म् विसुडेभापः॥ १०० म् माइ
 रवृ पिभंभ गठयनं मनः॥ मरिक्कुट्टमनसंभी
 श्रीभ चडुमिवकरः॥ गठभिरुमेवृकुट्टः भव

सु.
 ह.
 ३०

देवनमस्तुतः ॥ अथ गृह्यमैश्वर्यं नरेविक्रितिवक्त्रनाम् ।
लेकभाकीरिलेकैः सः कटुदुःखं गुरुः ॥ विक्रितैर्वि
वधं सुभातुं नृकृत्तुं गविः ॥ लेकपूकमकः मरी
भं लेकमकनृकः सुगः ॥ उपनयैव नृकैव सुमिः मधु
सुवदनः ॥ यस्तु पूमरुमभुष्टु अमिहृरुमयेष्टु
म् ॥ ७६३३३ मठिपूष्टु सुमिहृष्टु अमिहृष्टु ॥ ५

३.
६.
३१

उरुयके उयउभुगठयंऊः॥ पउक मसुउपाउ
वृषिठिउनमंमयः॥ एकमहुंविमहुंव मचप
पैःपुमसुउ॥ रिमहुं पमउभुपुष्टपमंपमभा
यमहुंमउपापंउमहुंपुतिमसुउ॥ यमहुंमउ
उपापाउमहुंपुतिमसुउ॥ महुंःमुएकउभुनि
महुंलनिविमसिक॥ येमहुंमहुंगसुउ

उभयकलयः॥ एष उभयमुनसुत्रिणीवेष्टमरुः
मउभा॥ संवद्वरेल्लमरल्लयल्लउभयुवेष्टवेष्ट॥ म
मीष्टपष्टउष्टयमष्टरंष्टनल्लय॥ यष्टिष्टंष्ट
उष्टकष्टनेष्टमष्टनः॥ पष्टःष्टनेष्टपष्ट
कष्टउभयनमः॥ संवल्लमकष्टवडिनमकुमुपु
एयडे॥ पष्टवुनमंपवेष्टयडेमरुल्लमुष्ट॥ सुमि

उ.
ल.
३३

हृदयं पृथुं मुदरं मविदुषि उभा ॥ मूढ उमपिलं
पठुमच पपैः प्रमसुते ॥ नतः परेन भिभिद्विच
हिक मभुप नव ॥ ततः पठंके तेययेन मये हृद
प्रुमि ॥ उमि हृदयं पृथुं यः पठेद्भुमभदिः
वृद्धमभुते पपहुत प्रेगे प्रपवम ॥ उयमं म
नय विदुं पेषु पिमभदिः ॥ मचप पविम

कमभदलेकेमदीयते॥ चपरेलठतेपरकुलम
लमप्रयता॥ गेगदुमसुतेगेगीठकयःप२
डेमर॥ यभूमिहमिनेपाऊनठिमइल्लो
किउः॥ उरयमलमऊफंठभुगंपुल्लःभ्रि
इः॥ लपडेभनवेठकूमययसुपिठकिउः
मयातिपरमंभुनेयइमेवेमिवाकरः॥ अभिइ

ममं नीपी कं यम कतुं मम गठेडा ॥ उरु पूति रुतिं रु
 क मरे सुग ल पं सुतिः ॥ सुर सुव म प म न सुति
 ह रु म ये ल पेडा ॥ तिदि म ली सु रु ॥ तिदि म
 ली मं सु रु ॥ तिदि म निली मं सु रु ॥ तिदि म
 रे गी ठ व ति ॥ सु गी ठ व ति पा कृ तिः ॥ ल प मु म
 पु तिः प कृ र क मी उ न म वि मे डा ॥ र क मी न

सु.
 रु.
 ३७

ठिङ्गउभुविकराङ्ग ॥ ५ ॥ प ॥ ५ ॥ व ॥ ग य उ च ह उ न
प्रभुभैप्यतिगवति ॥ मि व रु उं म ऊ रु उं रु म उं रु
रु उं प नः ॥ एवं मं पी ह उं प ॥ रु य ह पि भू ॥ रु रु सु रः
किं प न म न यः क ष्मि ष्मै म म र वि व लि उः ॥ पी ह
उं न म म रु रु ॥ ५ ॥ रै ठ व ति रु रु ॥ य रु म न रु रु
॥ भू क उ भि ष्मै सु रु रु म ॥ उ रु म लि ल म म य

७.
६.
३.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विनमो नमो भगवते वासुदेवाय
नमो नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय

दृष्टं इति लिपिद्यम्भुपइभकलिकभा॥ नरधु
नंठवदेवंरुमे॥ मिहभजयेडा॥ नरः परंप्रवह
मिथुकिभभुप॥ व॥ प्रवपइरुमेद्रुदभयेयं
उगिंरुमेडा॥ वरु॥ वरु॥ विहृ॥ यष्टं मि३
मेवम॥ मुमिहभउरेपइमेम॥ विधुमेवम॥ भष्ट
उठभुगंमेवंप्रवभुमिहमे॥ उ॥ नरधु नंठवदेव

बु.
रु.
३०

इमे लवड भवयेत् ॥ मः परंप्रवक्तु मिमिद्विक
मभुप'व ॥ मयतेरः मभहते पूपहेउरुता
ल्ललिः ॥ मकेभर लिपयुलि करवीर लिम
लन ॥ डिलड'ल मंयतेः ऊमैनतेरुके लम
रऊमरुनमिमुलि रुद्वैड भूठ लने पाठ
मिरमिडय ईरनहे परलीडले ॥ मत्ररपीय

[illegible]

सु.
३३

कृष्णकृष्णवर्णमिव सवर्णमिव ॥ विभक्त्युप
यविक्रमे ॥ अद्वयनयणीभक्ति ॥ उवः अद्वयः
सैव यथा ॥ ३ ॥ विनयेन गवैः उद्वेगमिव सवर्णमिव
सुखमयं भयं नैव गच्छन् नमो भुजे ॥ अद्विष्ट
दमकमैवेति मेऽगच्छते ॥ सवर्णमिव सवर्णमिव
कृष्णकृष्णवर्णमिव कवः ॥ विनयेन गवैः उद्वेगमिव

यमकयडेलमेनभः॥ त्रिमुक्तिद्वयनभः॥ मित्र
यनभः॥ मुक्तिद्वयमिवेविहृष्टिवभक्तिद्वयेव
स॥ उठ्यैरुतंगभिमाकिट्टमुक्तिद्वयम॥ सति
स्तुष्टुकुंकरुपेवेक्तिद्वयः॥ उद्धलानच
एतेष्टादिहेनठयेंठवेडा॥ मुक्तिद्वयमितिउक्तेवे
रक्तिद्वयमंपमभा॥ मुक्तिद्वयमुत्तेष्ठकापूर्वा

३३

[illegible]

ॐ
ॐ
ॐ

मः॥ रुद्राय नमः॥ रुद्राय नमः॥ रुद्राय नमः॥
येन यज्ञविष्णवे नमः॥ येन यज्ञविष्णवे नमः॥
एतन्मन्त्रं पठेत्॥ मन्त्रं पठेत्॥ मन्त्रं पठेत्॥
रुद्राय नमः॥ रुद्राय नमः॥ रुद्राय नमः॥
गम्॥ पुत्रिन्मन्त्रं पठेत्॥ पुत्रिन्मन्त्रं पठेत्॥
दिग्गन्धर्वेभ्यो नमः॥ दिग्गन्धर्वेभ्यो नमः॥

ठयेठवेग ॥ न न गेहेठयं मेव न म ऊठयं ठवेग
मयिम ऊठयं न भिप जिवेठमुषेवमं ॥ न न डि
उउठेपेठं पूसं म लठउेपमुना ॥ भिडिक भो
लठेडिडिंकट्टक म मुकट्टक म ॥ १३५०
वैकेठेयठ जियजे न मेड म भा ॥ म मु मे प म रु
म मु व डि पेय म ड मु म ॥ कट्टकेठि म रु म

३.
६.
३५

भुम्भुलभाप्रयत्न ॥ ७८५ भूमिहृदयं
पीतेभुम्भुत्तः ॥ भवपपविभुम्भुत्तः
दीयते ॥ नभूमिहृदयं भूमिहृदयं
तिः ॥ भूमिहृदयं भूमिहृदयं
वं भूमिहृदयं भूमिहृदयं
उत्तिहृदयं भूमिहृदयं

मयं भकलं भकलं लठडा ॥ नधु नं वृक ॥ ७५
नं मलोपयिह भमययेडा ॥ वृकलेकेटपी
ॐ मलयते भानधेपिव ॥ सतिभ्ररहमपे
मिमुहुह न इभंमयः ॥ नकयलेकश्यप
वनयहुड नैगीपउयेवाधाय ॥ मुदयले
कश्यपवनयनं भेभक करुमि केडमय

३०

विवस्वते ह्यनघे उत राक्षसे गच्छामी पयसा ग
च्छित्ते धिले ॥ सुयमुवेमी पुमरु भूमरु ये भो
उमाया भित्ते ह्यमे नमः ॥ भूरे नैकैः परिभ
विता यदिराष्ट्र गच्छ यदिराष्ट्र यय ॥ भूमरु
नैमेक पयसा निहं नमे सुतेव भूमरु गच्छ य
भूमि ह्य भित्ते ह्यै रभित्ते परमं पयसा ॥ भूमि

हैभंरिकेऊरुमामिहैवस्येगडा। नमिहंप
सुतेऊरुमं पसुतिपूर्वतः॥ नमिहंपसुतेयेभे
नमपसुतिभंतः॥ इगुंमदिभंइमइयेले
कभूयेययः॥ इयं॥ देपरेहृदिभुगीयभूंन
भेभुते॥ नमःभविइलगमकमकपेलगदुभ
तिमिडिनमदेउवे॥ इयीभययदिगुंमण

३०
३१

रिल्लविरिगिन्नरायल्लमङ्गरङ्गने यश्चेमयेन
रुल्लगद्वुवएउपुवउउमपिलकमभिकुये ३
कैङ्करायल्लमङ्गरङ्गनेः मनेः मरुयङ्गुउम
मल्लरविः ॥ नमेमुअदयमरुमरुयमरुम
मापत्रिउमंठवङ्गने ॥ मरुमूयेगेठवठवठ
मिनेमरुममल्लयगणरिल्लनमः ॥ नमे

भूतयमदभूमयमदभूपरुकिमिरेरुव
रुवे॥ भदभूतभेपुरुषयमसुतेमदभकेली
यगणरिलनमः॥ यमलंमेवगलः॥ मय
लिउंविभूमुउंठवनभक्तिंकेविमभा॥ उंमेवम
वंपूलभमिमचमभनउमं॥ विउचगेष्ट
भा॥ यमलंमेपिकरेविमलंगडपूठंतीरु

पु.
६.
३५

भनकिहुपभा॥रुकिहुः।पकयकरंमपुन
उमंअविउचरेष्टभा॥यमलंलुनभयं
रष्टंइलेकप्रष्टंइगुल्लुहुपभा॥मममु
भयकिहुपुंपुनउमंउविउचरेष्टभा॥य
मलंलुविविनमकुंयमगुल्लुःममम
मंपुगीउभा॥पूकमिउंयेनमहु,हुवःसुःप

नउमंउद्विउवुरेष्टमा ॥ यमजलंमचलनेः
मप्रलिउंष्टाउद्विउमहलेके यद्व
लकलमिभनकिउपम ॥ यनउमंउद्विउव
रेष्ट ॥ यद्वजलंमचलनेः यमजलंमचलनेः
पुलयपुगसुभू ॥ यमिभनगकंउरउपिले
यनउमंउद्विउवुरेष्टमा ॥ यमजलंमचलनेः

पु.
रु.
३७

चगुल्लु मुविष्टेरु पंरंम विस्तुति उरुमा ॥ अ
कैकेदेगरुः पुमिस्तु पुनउमं उरुविउचरेष्टमा
यमलं वेरुविसेवरुति गायति यस्तुगल्लुमि
स्तुमस्तुः ॥ यमति ल्लुमस्तुविस्तुः मस्तुति पुनउमं
उरुविउचरेष्टमा ॥ यमलं वेरुविसे पगीउं
यस्तुगिस्तु येगपय वगस्तुमा ॥ उंमचरेष्टपु

मभिभुदं पुनउमं उद्भविचरेष्टमा ॥ यरु ७
लेप्ररुमतिपूवेपंरुमुद्यकिंजुरुतेरुनमु
यद्भुपपकयकरंरुपुनउमं उद्भविउच
रेष्टमा ॥ येयः मरुमविडम ७ लममुवडीर
रयलः मरमिरमममविविधुः ॥ केयुगव'क
नकजु ७ लव'किरीलीरुगीदिर' ७ यवपंचा

७.
६.
२.

मल्लमरुः॥ ममल्लमरुं विमलं लेप्ति उं उं ले मयं
कउमनउमसूउमा॥ ठरुमिबुद्ध उपनीयदुपंभ
रेउमंमिइविद्धधलेलुलमा॥ वेरुवेरुद्धमगी
रंमिहृसीपिकरं परमा॥ रकेपेरुद्धवलंमरुमं
रुगकरुतिमा॥ लेकपूठकरुवेलेकमकमद
सुरः॥ उपनःपावनसेडिसुमिमधुसुवादनः ॥

कमलं रघयश्चुकिहंकनकद्रुपिउमा ॥ ममेठवडुम
पीठः पद्मरुमेरिवकरः ॥ उमिहंप्रथमं नमस्कु
डीयंतुपूठकरमा ॥ इडीयेठभूरं प्रेजं सउजं ठ नम
वम पाकुमंतमं रुमं सुं पधुमेवहिलेसनमा म
पुमं रुगिरुसुं सहुपुमंतुविठवसुमा ॥ नवमंतुमि
वनं रघयं सभं सुं रुमं रुकमा ॥ एकं रुमं इयीथ

पु.
५.
२०

तिं कुरु संभ्रत मेवम ॥ कुरु मा मिह न भानि धू.
३ः कलेप ० वरः ॥ कुरुः सुप्रं न सुते उधु मव कुरुः ॥
विन सुति ॥ कुरुः ऊधु कुरुं मेवम विहं कुरुते सु
भवती ऊधुं मेवम वक म पूव वनमा ॥ यः प०
पु उरु कुरु यठ जियु जेन मे उमा ॥ मे एम यमु
षरे पुं लठ ते मे क मेवम ॥ मयि भी कुरु न म सुहे

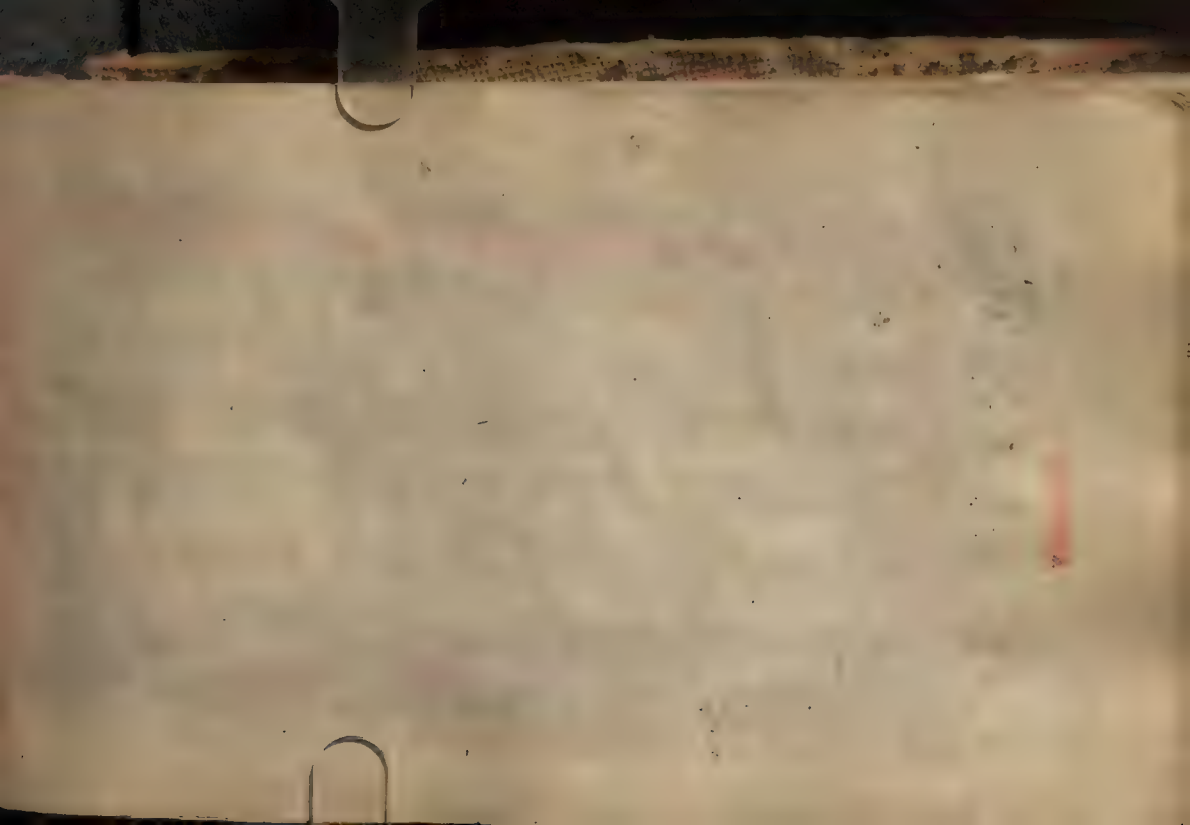
मिषहेलेडिहुपिल्ल ॥ नग्रसुयडिवीउभुंनम
मुहेडिपं पउ ॥ नवेरेवीनममुहुं ॥ गसुकुन
मेमुउ ॥ पद्मरागनममुहुं पद्मगठममहुं
मपुसुरषमंयकेसिहुं ॥ वृद्धरविः ॥ न
रुः ॥ मारषिदसुउभुमुदहुनेनमः ॥ मुदि
इभुनमहुं ॥ येकुचत्रिदिनेदिने ॥ ॥ नउ

11

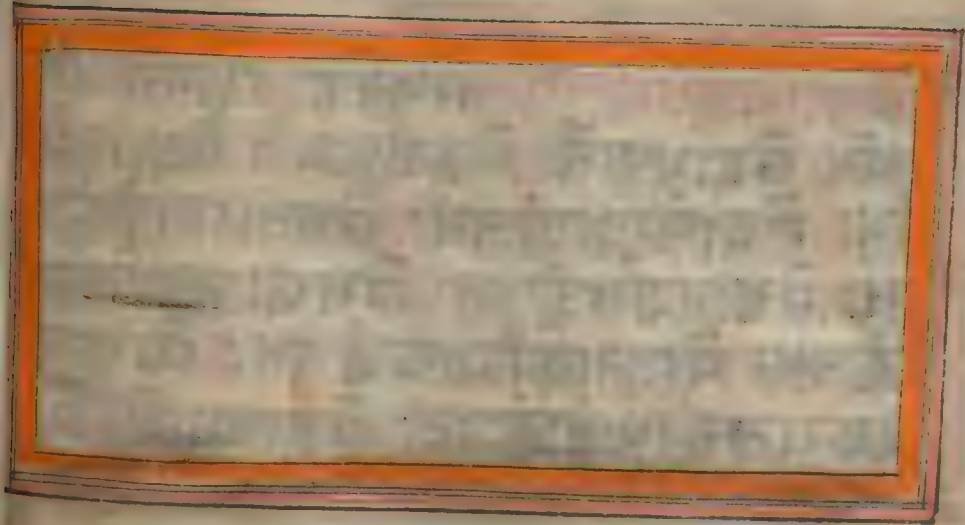
३५











वि.
प्र.
०

विष्णुविष्णु नमः॥ विष्णुः उरुमये भवि
रभिः विष्णुः पश्येः॥ विष्णुः उरुमये विष्णुः मिश्र
भिः॥ विष्णुः पश्येः नमः॥ विष्णुः उरुमये नमः
मः॥ विष्णुः पश्येः नमः॥ विष्णुः पश्येः नमः
नमः॥ विष्णुः पश्येः नमः॥ विष्णुः पश्येः नमः
नमः॥ विष्णुः पश्येः नमः॥ विष्णुः पश्येः नमः

वाएनेः॥ विभुः यद्वे॥ विभक्तवर्णे॥ विद्वानः कृदि॥
विद्वानः कर्णे॥ महंमिरभि विद्वानः कृमययनमः॥
विद्वानः मिरमेभुक्त॥ विभुः मिपयेवधए॥ भक्त
कवमयद्वे॥ विद्वानः नेद्वेवधए॥ विद्वानः महं
पभुयद्वे॥ विद्वानः विद्वानः पभुयद्वे॥ वरेद्वे
उलनीद्वे॥ उलनीद्वे॥ उलनीद्वे॥ उलनीद्वे॥ उलनीद्वे॥

वि.
प्र.
३

विष्णुभक्तं नमः ॥ विष्णुभक्तं नमः ॥
भः ॥ भूमेभ्यः शक्रलकराभ्यः नमः ॥ विष्णु
भक्तैः ॥ भविष्यः एतैः ॥ वरेण्यं कुरु ॥ कर्तव्यं कुरु ॥
भूमेभ्यः ॥ भूमेभ्यः ॥ विष्णुभक्तं नमः ॥ यज्ञ
कर्मैः ॥ नः ललाटे ॥ भूमेभ्यः शक्रलकराभ्यः ॥ विष्णु
भक्तैः ॥ भूमेभ्यः यनमः ॥ वरेण्यं मित्रमेव कुरु ॥ कर्तव्यं

三

वि.
प्र.
३

एवेमंभवंष्टुङ्गंयञ्चठवभा॥ उडभाउडमुसनेय
रुत्रेनडिरेकीड॥ वभपके एडवनमुभदिभ
डेष्टयंस्वपमयः पकेमुविस्वङ्गडनिदिपम
मुभाउडिवि॥ रुकिले॥ डिपाकुवउकेष्टुमयःपा
केमुष्टुठवद्युनः॥ उडेविस्वष्टुमभमननमनेप
ठि॥ वभएने॥ उभविगुगएयडविगुगए

पुरुषः॥ मरुते मरुति सुत पञ्च कृमि मर्षे पर॥ मरु
ले॥ यदुम पेला रुविषा मेव यल्लु भउत्त॥ वमते म
भुभीरुं गीषा उफः मरुति विः॥ कं॥ उं॥ उं॥ भ
दिधिपूक भुम धा लु उभ गतः॥ उं॥ मेव मय॥ उ
मए उधय सुये॥ युहे॥ उं॥ उं॥ उं॥ उं॥ उं॥ उं॥
उं॥ मरु॥॥ पञ्च भुं सुते व यव न र॥ उं॥ नृभु

वि.
पु.
२

ये न ह्ये उभय ह्यहमवचन उभयमभ निः शिरे ।
सुखं मिः शिरे उभय ह्यहमवचन उभयमभ निः शिरे ।
उभयमवचन उभयमवचन उभयमवचन उभयमवचन ।
शिरे उभय उभयमवचन उभयमवचन उभयमवचन ।
मयः कतिपय विकल्पयन भाषा द्विभभुकेव ।
ऊक ऊकपम उभय उभयमवचन उभयमवचन ।

पमभीष्टद्वाराः कृतः ॥ कृतं कृतं यज्ञेयं पृथक्
सुमेरुस्य उक्तं किल ॥ मन्मथमभनमेरुस्य कृतं
देवस्य उक्तं ॥ भाषा मित्रस्य गिरिपुत्रं ॥ कृतं यज्ञस्य
उक्तं ॥ भाषा मित्रस्य गिरिपुत्रं ॥ कृतं यज्ञस्य उक्तं ॥ भाषा
नष्टभीष्टद्वाराः कृतं कृतं कृतं कृतं ॥ पृथक् कृतं
मिमः मेरुस्य लेकमकृतं यज्ञं ॥ नेरुयेः मन्मथ

वि.
प्र.

मन्त्रिणयन्त्रिः मधुमन्त्रिणः कृतः केवयहृल्लुतव
नभतप्रचरुधं पमुभा मिरभि यल्लनयल्लमय
एतुमेवमुनिणम लिधुषमवृमना उरुनकं
भक्तिमनम्भसुयइप्रवेमएभक्तिमेवः वरु
लिधुभापमभीशहृमययनमः मन्त्रमभनमः
मिरमेश्वरु नष्टभीशमिपयैवधण मधुम

भगवत्कवययद्गमा ॥ यल्लयल्लभभूयदृष्ट ॥ त्रिउ
विष्टेः परमं परं हृदययनमः ॥ भद्रपष्टुविभ्रयः
मिरभेभूद ॥ मितीवमकारउं मिपयेवधए ॥
उद्विभूमेविपष्टवः कवययद्गमा ॥ सगपवेमः भ
मिउउनेइहंवेधए ॥ विष्टेदृष्टमं परं भभूयदृ
ष्ट ॥ त्रियेकैकैमये हृदययनमः ॥ येमभूयदृ

वि.
पुं.

उपधीधमिभेभुः। येवभदतिधुमिपयैवध
ए। येरुद्विस्वकुवविवेसकवरायं। उभेभुः
रुयनेइहेवोधए। नभेभुःमुनेवःमभुयठए
गल्लनकुगल्लपडिंरुवभकेरुययनभः क
विकवीनमिभेभुः। उपवसवभुभंमिपयैव
यए। हेधुःरुःधुःरुःरुःरुःरुःरुःरुःरुःरुःरुः

सुनःस्य५ननेइहंवेधल॥ कृतिहिःभीरुभाप
नभासभुयल॥ तिमिंषरुयेः केवनंइउ
येः उरुगाइएवेः मनीकंरुवेः सकःमिसे मि
इभुगुह॥ वरु॥ सुनठे सुभूह॥ पाषिवीकले
पउरिक्कंरुहैः भुदभापे सुन्नभिकयं इ
गउःनइयेः उभूधःललए ममिगभि॥ एउमि

वि.
पु.
१

पयं वेरुमेललए अनवमकलयैः मेमंन
भिकयं अगीमकषैः यडपुयेः निरुतेष
मरुडिडलनि वेरुः हि कयं भगीवयं नः व
केः पडगहमि अडिमुनयेः रुः ऊको गलि
नठे विष्णुपुत्रे नवपुत्रैः उवथाधलयैः
मिन्नेमिसे रुः कहमा उडकुचैः अडिह्ययेः

मप्रिपायैः नपमद्युतेकः ॥ पू० यमं ॥
विीऊमुयं ॥ डीऊमेवमभननं ठवडिभनः संमे
चरगैः प्रडिः पू० मडुभुरका ॥ वडु ॥ मडिः
वमेपीविइमभिमउणं वमुनं पविइमभिमडु
भूणरभा ॥ नयडुवः पू० यमं ॥ एभिरयमे
मे ॥ वडुला ठवडीः ॥ विपरभा ॥ नेपुसयेउभा

वि.
प्र.
३

यविष्णु मनेभनन वय सुमनेन गय ययुष
महेमभलठनेगनेनमः मयेनमः पुष्पनमः
मुपकमेभरुमीयः मचउमुभनमकः भूमी
मभगेविष्णुमीयेयपरिकल्पितः वनम्भित
मेकिहैगवृष्टेगवृष्टमः सुकनमचमेव
प्रयेयंप्रतिगपकृताभा नमेपमनिगनयन

[illegible]

वि.
प्र.
७

पकभुतिषोभमकायं रुगवतेऽपउये वाभुमेव
य मङ्कदय प्रकृभय मनिमङ्कय मङ्कय
पुरुषाय मङ्कय मङ्कय गेविमङ्कय मङ्कय
नभुविभुवेनय मङ्कय रुवायमेवय मङ्कयमे
वायमेवय रुवायमेवय पसुपउयेमेवय उ
गायमेवय मङ्कयमेवय ठीमायमेवय रैमन

यमेवय विनयकय एकमत्रय दक्षुपिप्तय ।
गसनय लभेदय चालमय सुप्रयय
विप्रयय ग००पिपये सिद्धंहीमःभुदय
मपुत्रय एकय मनय भूदकमेवय
रुद्धय मभये कभये मवहे एकयगिष्टे
रगये भवहे यकिष्टे मीमरिकरगवहे म

वि.
प्र.
०.

रुठगवहे मरुगल्लीरुगवहे पाङ्कयउनमेवउहः
प्रपसीपम्पुल्लः भिक्षुस्सुप्रपेनमः सीपेनमः
अपमहेन नमः पिअहः पूउहेन मेणमयविष्णवे
नमेयमयकृयकउरपउयेनमः अहउवग
पिउपिउ मरुयपुपिउ मरुयमममुपिअहः प्रपः
अणसीपः अण महेन मंरः मारमिहकयंमंम

प्रमनेममुवमंयवप्रियमुनमंप्रियरुमयविवः
उमवेममुमंप्रियमंप्रियमुनेमम॥मसिनेःपू॥
उतिस्तीवामनं॥मसिनेःपू॥मुतेपू॥ऊडुतेन
स्तीव॥मिइवम॥येःपू॥मुतेपू॥ऊडुतेनस्तीव
यामुतेपू॥मतेःपू॥ऊडुतेनस्तीव॥यषमे
ऊडुषमेवेहमकमममामरेड॥विनहामेनय

वि.
प्र.
००

कमलचंद्रगुह्यतकमभा । ननठेडहृत्तमंज
दग । पामुभारुग । विहः परुषमवाक्यमि
नमः । विहवः परुषमवाक्यमिनमः । विहः
रुषमवाक्यमिनमः । विहवः सुः परुषम
वाक्यमि ३ । विहवः सुः उहविउः ३ । वि
मेभुनतयमरुभुप्रउयेमरुभुपरुकिमिरेरु

वद्वे भद्रभूतप्रेषुधयमसुतेभद्रभूकेली
यगणिल्लनमः॥३॥ विवभूकेवयविभूके नर
य० यणीभदि॥ इवेविभूकेय० य०॥३॥ विविः
उप० यणीककनमसेविभूकेवन॥ नमसेभूके
धीकेमभद्रपुनधप्रच०॥३॥ विनमःकर० व
भनयगेवृद्ध० विडयम॥ एगद्विडयद्वृद्ध

वि.
५.
०३

यगेविष्णुयवमेवमः॥३॥ त्रिविष्णुयवविष्णुदे वि
सुहृन् यणीभक्ति॥३॥ त्रिविष्णुः पूमेरुयगः॥३॥ त्रिवि
भिन् यविष्णुदे नरकेतुः॥३॥ यणीभक्ति॥३॥ त्रिविष्णुः
पूमेरुयगः॥३॥ त्रिविष्णुयवविष्णुदे भक्तदेव
यणीभक्ति॥३॥ त्रिविष्णुः पूमेरुयगः॥३॥ त्रिविष्णुय
वविष्णुदेवः॥३॥ यणीभक्ति॥३॥ त्रिविष्णुः पूमेरुय

॥ ३ विष्णुगयविष्णुदे भद्रभूगयैपीभदि ३
वेभुदःपूमेरुयग ३ विभुगयैविष्णुदे कभभ
लिहैपीभदि ३ वेभुनःपूमेरुयग ३ चहुडवग
हगवडःउडपडेः वभमेवभु भद्रदभु भद्र
भुभु चनिरुद्रभु भद्रभु परुषभु चसूडभु भद्र
वभु भद्रभुनभुःविष्णुःनगयभु भद्रभुमेवभु

वि.
प्र-
०३

मवमुमेवमु॥ नरुमुमेवमु॥ पमुपउमेवमु॥ उगु
मुमेवमु॥ भरुमेवमु॥ हीममुमेवमु॥ रैमनमुमे
वमु॥ विनायकमु॥ एकमउमु॥ कषुपिन्नुमु॥ गर
नमु॥ लभेम्मु॥ बलरुम्मु॥ देरभुम्मु॥ विक
एनरमु॥ वरुउजुमु॥ सुपुगषुमु॥ विष्णुगुम्मु॥
गुगुपिपउ॥ विरुंकीमःमुदमु॥ मपुसुमु॥ एक

सुष्ठु मनसुष्ठु प्रहृष्टवस्तु ठङ्गुस्तु प्रभायः
कभायः सावस्तुः एकानिष्टुः उगयः पा
चष्टः यकिष्टुः श्रीमतिकठगवष्टः मगु
ठगवष्टः मगुगुलीठगवष्टः पाङ्गुयडुवेवड
नं सुगुनेवडुनेवडुनेकयेपालिः पापनिवल
डं विष्टकमनिभिडं विष्टुप्रडुनेमगुमगुकरिष्टु

वि.
प्र.
०३

विजयम् ॥ तिलमद्ययवत्रिकीट ॥ परुषाय पूर्व
विजयम् ॥ परुषाय वेरं मचं यकुं यच्चुहं उडा
माउडुमेमनेयमवेनतिरेरुति ॥ पूर्वकुं पूर्वपाविरी
पूर्वमः पचडां मे ॥ पूर्वविश्वमिरेऽगङ्गा विराणवि
मभमि ॥ ठगवडः उडुपडे ॥ वमरेवमुडु हलिपाङ्ग
यउमरेवडां नं उरुमभनेनमः ॥ ठगवडे उडुपडेयव

भवेवय पाङ्गयउमेवडहः यपुवः प्रयभि
विप्रय मरुभूसीष पुरुषः मरुभूकः मरुभू
पाङ्ग मरुभिंविमुडेवाहृहृतिधुममरुलभा य
हृडेभानउउयाहृडेपियेविप्रविप्रधुवावाहृडेवि
पसुडः विहृइरुपेवयनविणीकडमलीमेवभ
मविडः परिधुडिः मेवेसूडेमेवेधुप्येधेवभा ७

वि.
प्र.
०५

मंविष्णुविमलमैरेणनिमयेपरमा ॥ मभ्रममभ्रपं
भ्रग ॥ ८५ वडीयेत्रमडीदिद्रुंभ्रयवमिनीमत्र
यमभ्रह्रभ्रह्रमभीविष्णुवेउरुणरुपायिबीभा
ठिउमयुयैः वैष्णवमभिविष्णुमुउरुउ ॥ निवेव
विष्णुउउवपायिह्रमदेवविष्णुउरुउरिउरिका
ग ॥ रुमेपायभ्रवद्रुठिचमदेरभ्रयस्रमवि ॥

रुडभट्टा विष्णुत्रकंवीटलि पूवेसंयः पडिवा
 लिविभमेरुंमि येमभुठय रुडरंमठभुं विमर
 भाल्लिपेरुगायः विष्णुः यधुमभिविष्णुगाटभ
 भिविष्णुः सुप्रेमिविष्णुः भुगभिविष्णु पूवेमिवैष्णव
 भभिविष्णुवेरु पूडडिष्णुः भुवडवीटलि भागेन
 ठीमः रुमरेगिरिपुः यधुमभुविष्णुमल्लभ

णिकियतिष्ठवननिविष्टा ठगवतुंउउपतिं वभमे
 वं भद्रदलं भद्रभं अनिरुद्धं भद्रं पदधं नमृत्
 भागवे गेविकं भद्रभूनाभावेनारयलं ठवेमेवे
 सवेमेवे रुमेमेवे भद्रमेवे ठीभंमेवे रेमांमेवे
 विनायकं एकमुत्तं दधुपिद्धं गराननं लभेमेवे
 वालमं रुग्भं विकएननं वरुत्तं प्रापरधंवि

वि.
 २०

पुनः गच्छति पतिं हं ह्रीं मः मुदं भुवं एकं
नीलं पुष्टकमेवं ठभुं मं कं मं चङ्गीं
द्वारिणीं उरं पचंतीं यकिनीं श्रीमतिकठग
वंतीं मंगलठगवंतीं भद्रगल्लीठगवंतीं पाङ्कय
मेवः सुवलयिष्टुमि विषुवलय यवविकी
द विषुवलय भुमगवयनडि यगंलङ्गीपा

वि.
प्र.
७

डिङ्गवनकरालमपुमेयं पुहंमनउतउतं पूलवाम
नमुं प्रलेकठमुगडममरुमुहुपभा ॥ ऐयंपरं
मकलउडुविं वरेष्टं वरककपिलचकेभीम
पुमुडिं ॥ श्रीवदके मुठमरुमलिङ्गपडां कं मे
रुकीकमलकधुरषङ्गुरुमुभा ॥ हंमचगेमिठग
वकेलयहपिहमवदयमिदियषवृष्टं नैर

वयमा कृते यैव रुद्र नैव न कृपैति ह्वार
दिने मिह भपैति उषैव मज्जामा भालाण सुउ
विठे परमाद्भुते भव ह्वार वपरमे सुभचमज्ज
उगसुभेज्जमरुयं पृतिभंठरु सुप्ररागारु
भमरुगारु कभयह्वार उवदय गुरुं देवभीसुरं
ॐ ति मैले सुभुत्तय रुद्र रुद्र विष्णु नमय रुद्र

वि.
५.
७३

पुत्रकृष्णारपाम। सुतेमभवग। नयकपरु
नरुप्रसंगपु। नगवदुवमेहुउधु। वृक्षांश
रुपरिमीपकमभुभुतेलेनिप। नापमरेसुरप्रच
रेव। पक्षिपमगविदिनविदिउंभय। हुप्ररग
नगवदुवमेहुउधु। सुवाक्यभुकेरुनेमरु
पमरात्रिउभा। हिमलकभंवरु। दिनेइंमरु

नीमा । लहृकिरुनेवरमेठ५ सुपूतिभंमर । च
नकभभभंठहा रुपाकुमभेसुरि । ठगवृदा ।
अगीकाकठहुनगुरुकरक ॥ मभरुयवृगे ।
पेनभविणनेकुमपूठे ॥ यदृऊयउगायशेदिभ्र
मस्रदउठविडा ॥ मनमागिडिउरुहैरेवभाभा
निपु५येडा ॥ उरेऊपंउउःकिपू पूतिभयं पुन

वि-
पु.
१७

दल्लेग तिलमद्यपयवत्रिकीट पू०००यमं पदु
 रुभरुकं नमः ॥ मत्रेदेदी रतिप्रयचुपेठवत्रुपीउये
 मंयेरतिभूवत्रुनः ॥ लएसुऊऊमंमैवमचै धणि।
 ममत्रिउभा ॥ रुठऊरंलं॥॥ मैवपाऊऊं प०हल।
 क००भा ॥ ठगवत्रुः प०हं ॥ ३ ॥ एउव नभूदिरष्टव
 ल००डिप०हभा ॥ एउव नभूभदिभ०उ०एयं सु

पुरुषः॥ पमैष्टुविस्वक्रुडनिहिपमपुभाउत्रि
वि क्रिष्टवलः सुमयः पवकयभसतः कसृपे
यभिक्रुः॥ यमयिंल्लहंमणिरिविहपभुनसुपः
संभुनठवतुः॥ यभंमेवमिविहठ'त्रिठहंय
तुरिकैरफणठवति यमयिं॥ यभंरएवम
लेयतिभष्टमष्टचउमवपमृहूननभा य

वि.
५.

प्रसिंहं मित्रेनभामकपपसुतपःमित्रयउत्रेप
भद्रसुतंममेमसुसुतेःसुमयेयपवकाभुन
सुपःसंसृनठवतुःठगवतेठउपउये॥वभुने
वयउष्टसुपल्लयउमेवउहःपहुनभः॥पहु
मेधेनिवयेग॥भुनःसरेमेवीः॥सुपःकीरेऊ
सागलिप्यउंसमपिउकुलः॥यवभिसुऊक

सैवमजुंमस्रुंउसुत ठगवतुःपुं ३ रिपाकु
वपुपेदिपुतिमजुं रिपाकुसुतकेदुसुपःपमे
श्रुतठवदुनः उतेविमुंविदुमस्रुमनमनेपुठि
पुपेदिपुमयेठवमुनकुलेरुणउन मदेरु
यसकमेयेवामिवउमेमममुस्रुठयउदुनः उ
मरीविवमउरः उभापुगुममवेयमुकयया

निवृत्तमुपैक्ष नयषामनः ठगवना उउपउ वामुमे
 व महुहु महुभु मुनिरुहु महु पनुध मुसुउ
 भाणव गेविकु महुभुनभना विष्णुनगय महु ठव
 मेव मवमेव रुहुमेव पमुपउमेव उगुमेव ठीम
 मेव रंमनमेव विनायक एकमुउ रुहुपिङ्ग ग
 एनर लक्ष्मेरु वलमरु केरभु विकएनन व

इउ० सुपुगष विप्रग० ग००पिपउ विरु०
मःभुट भपुसु एकसु मनसु भूटकमेव ठसु
रभमे कमे मचदि एकगविलि उर० पचदि
यकिलि मरिक ठगवति मरुठगवति भठ
रुहीठगवति पाङ्ग यउमेवः उमेवः मपुनमः
उभ० विरु० मवसुप० हसमनीयं उभ० विरु०

वि-
प्र-
३३

सयउविर्लेमणिपुरुषः॥ मरुत्तिसृष्टिसृष्टपञ्च
मिमषेपुः॥ मत्रुपेणवृष्टः मत्रमत्रुत्रुष्टः मत्रमत्र
द्वियत्रुपः ममत्रः मत्रुत्रुष्टः॥ नगवतेवामुमेवय
उष्टमिपाङ्गयत्रुमेवउष्टः पुसमनीयंनमः॥ यद्य
रुषे॥ उष्टमपउतिमत्रुप्रनीयं॥ यद्यरुषे॥ रु
विषमेवयल्लमत्रुत्रुष्टः॥ वमत्रुत्रुष्टमीरुष्टंगी

भूऽमः सरस्वतिः ॥ उरुभापः पूवकउयङ्किङ्कि
 रुतिउंभयि ॥ यङ्ककभरिङ्ककयङ्कमेपउउच
 उभा ॥ ठगावउवभुमेवयङ्ककिपाङ्कयङ्कमेव
 उहः भङ्कभनीयंनभः ॥ उउः एकविंमडिभ्रननि
 पयेरुपिप्याउकेरुंलरः भिङ्कककभिलः ॥
 यववीकिङ्कमङ्कवभाङ्कभङ्कलमङ्कः ॥ पाङ्क

वि.
५.
१३

भां पाङ्कगहं कुपु रध पि कि मुष । एक विं सति भु न
निगह कि कु भु मे र पि ॥ ति उ रु उ भं व रु ॥ य म भ भ रु
व ण भं वि भ सु भं मू ष य ॥ ष ष व य भ कि ह रु उ उ व
न ग भे च रु उ ये भु म ॥ प यः प्य पि हं प य ष ध णी ष
प ये कि ह रु उ रि कं प ये रुः प य भु डीः भू मि स भ रु भ
रु म ॥ रु पि रु ह्ने च क रि ध लि ह्ने रु भु भु व रि नः

भरुतिनेभापकरदु... सुयंमिडरिषड ॥ प्याउवडी
हुवननभरिसूयेचीपाष्ठीभरुदुप्येभपेमम ॥ हु
वपापिवीवरु... सुपम ॥ विष्णुभित्तिचरु ॥ रेकु
रिरेडम ॥ भपवउरुडयउभपकरडिभिचवः ॥ भप
नभत्रेधणीभपनऊभडेधम ॥ भपभमडिचिवांगरुः
भपहरेभुनःपिडाभपमत्रेवनभडिदुपुभंमभु।

वि.
प्र.
३२

भुदः ॥ भुमीतवेठवतुनः उरुभुपमभयंभुमी
ठिभुभेठपठेवः भंग ॥ लेभनिमिधेठ
णनडेकठिभुगभुभंभमठवत्रल ॥ रकेठ
वलिभमलि ॥ यमिभंयुडिभुभयभिम
ममिमवेचयिः ॥ उठिभुभिभुः भवेठिभम
विधः पउनकभ ॥ ठिलेभिभेभवेठेगेभवेठेव

विमिः प्रप्रमदुःपिरुल्लेक दीनीयदिनमः
भुण यवेभियवयभुङ्कुषंयवयगतिपिउष
रुनवुलेकभभुमि ॥ ७ ॥ भभिमिगिरादिमेव
वित्रदियल्लवित्रदियल्लपतिवित्रदिभंयल्लभा
मेवभुङ्गभविः प्रभविमिनेरुहं प्रभुङ्गभुङ्ग
भा क'ङ्ग'ङ्ग'ङ्ग'दुरेडतिपुरुषः पुरुषभ्रदि ॥

वि.
प्र.
३१

वनेउचेपुउनेभरुमे॥मउनेम॥ सुरुमुवस्मि
पाषिवीभयिभिस्सुमम॥ कृष्टुवाउयनेक
दियउः॥पनेमउवयमा॥ भूमहठमनयेनि
मपस्सपाषिवीभयेमंम॥ मममठिभूहृति
ममनरममः॥ यःउलिनीदसुललमकेमः
केमिनीसुयः॥ वरुमदित्पुमउभनेमकुवुंका

मः सकृद्विरवकभवकहिसकृदभद्रमेना
णिद्रुभवरुद्रैवतलंभरमुडीक्षिद्रुगै ॥ ५६
द्वधीरवपाङ्गुरुगपाङ्गुनभीमाउवेनपाङ्गु
पाङ्गुमिसःपाङ्गुममेनतुपुभ्रभानभ्रत्रीरहि
लेकमेकभा ॥ गेभ्रइंगेभयंकीरंगुपिभद्रिउमे
मकभा ॥ मभद्रुद्रुद्रिभपुभ्रभद्रुद्रुपंभ्रा

वि.
५
००

नममभाउरुभाउए। प्यउभुनमगुहंयरुभिर
णिफुकेवनमभाउभुनठिभा। हृषुकंयरुभके
भगविंरयिपेधलभा। उवरुकभिवरवृनभा
हेमकीयमभाउग। य। सधपय। प्रषमएकेवे
हभियगंपुरः। भवैववहृलभकेमउवृभवि
मभुम। गवृहृरंरुगपधंविहृपुधृहृरीधिली

भा॥ रेंसुगीभवद्गुणं तं भिक्षु पश्येत्तु यथा पुष्प
वतीः पूमभगीः फलिनीरफल उत मसु उवभक्षि
हरीचीमणः पश्यिषुवः ॥ ठगवउवभुवेव यथ
क्षयइमेव उहः एकविंशतिभुननिनमः ॥ मभु
नपयभामप्रप्य उनभुपुनयवैः मकरभक्षप
डिलेभुषाभाभीकरी ॥ वै कप्ररकुभुमहं मल

वसुधा
 इति
 भद्रं
 मः
 कः
 मः
 नमः
 विभुः
 ३१

लकोऽम्पुधकेः सचेधणीमुषपञ्चसिद्धेः
 ननिमेरुमः महुः सैरुमभ्रननिधेरुमः नैवैरु
 भागः ३३ः पुरुषभुजैरुवलङ्गीभुजैरुभ्रननिमः
 हृगः यैरुकेमयेः ठवयमेवयथाङ्गमभ्रनं
 गः ३४ः विनयकयमडुमभ्रनं नमः सिद्धेव
 नः ३५ः हंहीमः भुदयनमः लडवेरुमे भुमयेभुधे

अनेनमः उडेवद्विपिशउद्यमा विवृकशयुत
मा विवृकः शयुतमा रुतः पुरुषपतिः देव सुतं
मि वेतः दधियः उपेयन पुतदः उतरादः
मेवद्वरः अवयवः देवः मधुरमः देव नरः
नगः अगः पचतः मरितः मरुतः यकः
रकंमि पिसमः सुपलः कुतनि यमवः व

वि.
प्र.
३३

नमोऽयः॥ लघयः॥ कुतः मसुडचिणः मसुरः॥
रुतः मसु॥ लघुः॥ पगः॥ विहृणः॥ लघु
रः॥ निरुणः॥ पपपमरुतः॥ मचेरुः॥ यमः॥ प
मरुतः॥ मरुतः॥ मरुतः॥ वैवसुतः॥ कलः॥ मचपु
लघुः॥ लघुः॥ नीलः॥ पगभीषुः॥ वकै
रुतः॥ लीमः॥ मिहः॥ मिहगुपुः॥ कलेपवीडी मरु

कमुपुडभा १ मरुतः मरुतः कपिलः च
भुविः वैरुः पद्ममिपः मरीमिः मरिः मरि
रः पलरुः पलभूः रुडः भूमेडः रुगुः वभि
भूः नगरुमुपुड १ चपमहेन कववरुनलः
भुणयेहभुणनममुपुडभा ३ मरिः मेमः
यमः मरुमः मरिः पुड वदिपरुः रुविभुतः

वि.
५
३७

सुकलिनः॥ उट्टपः॥ वसुवः॥ रुद्रः॥ सुमिहः॥ १
मेवउहः॥ पिअहसुभरुयेगिहपवम॥ नमः॥ सुण
सम्वरुमनिहमेवठवठिह॥ २॥ महुउवडा॥ पिउ
पिउमरु॥ पूपिउमरु॥ उट्टमि॥ मरुपहुसुयेके
मिहैमहेपिअपकरः॥ गुरुसुसुगवतुनेयेऊलेम
मभरुवः॥ येपेउठवम॥ पत्रयेमहेमहुवलिउ

लमनेनतेमचेलठुंअपुभउमभा ममभुम
पिअहेकममेवेहःपिअहःदिमपनंभुणकी
पनभुण मपुपनेभुण तिलेकंभुण उरुकउ
दंभुण दिमे ३ रलउं ३ महेन वमकुयनमः
गीधयनमः वधहे मरु देमकुय मिसिरय
धरुउहेनमः नमेदेवेहः कंठेपवीडी शुद्ध

वि.
५.
३.

विहः॥ मयमहेन॥ अणपिशहः॥ महेन॥ सुवक्रमभु
पदउं वक्रं ममरमरं गगुपुउ॥ उक्तिपुति
तिमत्रगुरुकभा॥ अरिक्॥ पुहयेरभाकरः॥
विमुउः॥ पुति॥ यउणनभुरकमेवलंविमवीदभा
नश्मन्ननभा॥ उवंवभुत्रुमभिगमपयइगवेइ
रिमपयमः॥ अइरुइरुगयभुवापुः॥ परमं

पद्मभवठडिङ्गवि उरुकेसकनंसरंससंउलभी
 मलभा ५५०मिलडभूपइंमधुसंमरलेमक
 भा डडिङ्गुगिडिमरुः मरलेपनं रघुमकेषुवाधठ
 सुवलेवउपललेवरु ५५०मुमुमे ५५०यदेवीभठ
 ग५५०एनमेयभागाहुतभमंविमन यरुमि
 निङ्गीपिनीयदिगलेगीपुसुषुपुमयेपुतः ५५०य

वि.
प्र.
३०

उमैयवति लयमानः । उन्नीरमः कवयत्रयति
भुष्टेमनमः कवयत्रः । उगवतेव भुष्टेव यः । उमि
पाङ्गपङ्गमेव उहः । वभुंनमः । यल्ले पवीतं । उमरु
ल्लवचरुतः । मंरुते पधरु हमा । पभुभुं मरुव
यह नगः । नृभुभुये । यल्ले पवीतं पभुं पविं
पूरपते यभुल्लं पभुभु । उयभुभुं पूतिमा

वि.
प्र.
३३

किसुं यल्ले पवीउं वलममुडेः॥ यल्ले पवीउं मभि
यल्लमुद उपवीउं नउप नहु मि॥ वभुमेव यपाहु
यउमेवउहुः यल्ले पवीउं वभेनम॥ गउं उभुहु
हुमवउं उमभम निः॥ लिरे कउं मिः॥ लि
रेउभुहुः उभुहु मरायउ॥ गउं उभुहु यउं नि
हपुभुहु गीधिलीम॥ रंउं गीमवउं नउं उमिरे

पद्मयेमियभा वभुमेव यपाङ्ग यद्भुमेव उहः भा
भालनंगवेनमः ॥ पधं उभुम सुभुम यत्र येके
मेठयभुतः ॥ गवेरुम लिरेउभुम उभुम सुभुम यत्र
वयः ॥ पधवडीः पूमभडीः छलिनीरुल उउ भा
सुभुमभुम सुभुमभुमः पययिभुमः ॥ वभुमेव
यपाङ्ग यद्भुमेव उहः ॥ सुभुमेनमः ॥ पधंनमः ॥ उउः पूम

वि.
३.
३३

धमकेनवलकीभकेन। विरुगवल्भकेनमी
ठनवमीगलकीप्रमैयभानधुठंवेमकदुंलि
भायीयीमउकीधुभारपिमुभिधुठेपाकुममुप
विधुधुठुडीमीभरःपरिधल॥ विरुगवल्
लंरुगिमीभवल्गउभुलभा मकुंरिग
यीलकीएउवेमेभभावरु उभसुवदएउवे

मेलक्रीभरपगभिनीभा ॥ यष्टुं किरं वि के यं
गभं पुरुषं नरुभा ॥ मसुप्रचं रघमष्टं रुभिना
मपुमेदिनीभा ॥ मियकेवीमपक येसीभा केवी।
५३ कष्टुमिदं किरं पूर्वं मष्टुं लती रुं
५४ यष्टीभा ॥ पक्षिमुं पक्षुवले उभिनेपक्षुय
मियभा ॥ मसुं पुरुषं मयममष्टुं लती ॥ मियं लेके

वि.
५.
३२

केवलं धूमरभा ॥ उं परमं नमिं सरलं धूमरभा
क्रीमे नमः उं हं वं ॥ मि ॥ सुमि इव लो उप मे पिर उं
नमः उं भुव वं के व चि नुः ॥ उं भु ल नि उ प म नम
उ म य उ र य सु व र्ण म ल क्रीः ॥ उं प उ म के व म
पः की उं सु म ल न म र ॥ धूमरभा उं मि र सु मि
की उं वं सुं र म उं मे ॥ कदि प म म ल ह धूम ल

क्रीनमयभुक्तभा मङ्गतिममभाङ्गिमचनिलम्
भोग्यदम् गङ्गद्वन्द्वरूपं निरुपपुङ्गुगीधिली
रं सुगीमचङ्गुतनतुमिदं पदयेप्सियुमा भवमः क
ममङ्गतिवगभृदममीमदि पञ्चनङ्गपमवष्टम
यिमीः मयजं यमः कङ्गमेनपूरङ्गुतमयिमभुव
कङ्गमः मियंवमः यमेङ्गलेमउं पदमलिनी

वि.
५.
३.

भा नपः भवतु श्रिगु विमिक्ती उवमभेगपदं । निमके
वीभा उरं मियेव मयमेऊले । पुमं पशुगिंली पशुं
पिङ्गलं पद्ममालिनीभा । मरुं दिग्गयीलक्कीर
उवेमैमभवदु । पुमं पशुगिंली यश्विं भवल्लं रुम
मालिनी । मरुं दिग्गयीलक्कीर उवेमैमभवदु
उमभुवदु ए उवेमैलक्की भवपगभिनी । यश्वं दि

रं पुरुषं वेदं मे विद्वेयं पुरुषं ननु मा ॥ यमुन
कं मम विमरुपाणवन्निवमभा ॥ म्रियः भवउ
पमिपुमिह्नीउवममेगपद ॥ कुरुमेनपूराम्रु
म्रुतिह्नीमयममि ॥ म्रुणरुपगहृषह्नीमा
म्रुणह्नी ॥ एउवेदपुनीदिमरायमेधाह्नी
रय म्रुणम्रुउम्रुमेनमेविम्रुम्रुह्नीह्नीमः ॥ म्रु

वि.
५.
३.

नेमिभमकेरुवेरुवनयेवेणः भमतिंगेरुमुः वीरि
भुमिंभकिडिंरिवेचुडिमेचंरुंभिरुडिउउरेभ
उरेभउववभउरेभ विप्रचेनराययनमः रुवि
लपङ्गीककय पस्त्रिमेगीविकय उउरेभपुभ
रुनय विमहंविभूवे नुयेयं नरुनय वै
चहंपरुनरुय वयहंवभनय रुवेवभुमे

वयः सुपरेलैकनषाय भएकेमवयः मल्लय
मल्लय गमयः पमयः एहै लङ्गै गमयः क
रेमल्लयः उपमल्लः मेधायः लयः मयनकुय
यः कःलैकयः कुवःलैकयः भुलैकयः मरुःलैक
यः लनःलैकयः उपःलैकयः भट्टलैकयः विरु
कुवःभुलैकयः एमुयः यल्लचैयः अभवेम

वि
५.
३१

मघचवेरुय ॥ रुडयगाय ॥ ईडयगाय ॥ कुपदगाय ॥
कलियगाय ॥ वभुमेवयनमः ॥ ठवयमेवयनमः
विनयकय ॥ रुं रुंभीमः मुदय ॥ मभयै ॥ पाङ्ग यङ्गे
वङ्गे मङ्गे नमः ॥ भुभुं नमः ॥ प्रपं ॥ यद्यु रंधं वृमपु ॥
गभिप्रच प्रचतुं येभ्र ॥ बुचति ॥ उबुचये वये प्रचमभुं
ङ्गप्रच ॥ वभुमेवय ॥ पाङ्ग यङ्गे वङ्गे ॥ प्रपे नमः ॥

गङ्गापं॥ वरुणं शुभापमभी॥ उरुमिसुखमभि॥
सुखिगमिपमभिपुयकेव न मनपुकेव यः
नरेवत हभुमेवत हेगल्लमि॥ वममेव पाङ्ग
यमेवत हः गङ्गापंगल्लनमः॥ केवमुदम
विउः भूमविस्विनेत रुहं प्रल्लुमुहं॥ वममे
वय ममरेनमः॥ क'ङ्कु'ङ्कु' कङ्कुनमः॥ उरुगमे

वि.
प्र.
३३

वकिं० वभुमेवयपाङ्गयद्रमेवडहः॥ सुमचैनमः
एडहैमेवडहः प्रपेनमः सीपेनमः॥ वभेनमः एड
मंमेवडनमभुमनहृजनविपिमचः परिप्रले।
सु॥ भपपहं॥ मद्रुभभनमेएड॥ किरगहः मभवड।
डगेहडभुएडः पडिरेकसुभीड। मद्रुगगप्यपि
वीहृभडेभकमेमेवयद्रविधविपेभ॥ वभुमेव

यथाह्वयद्रमेवराहुः भपपकंनभेनेहेहंनिवेमया
भिनमः ॥ ऊभभाह्ललिः ॥ नहु सुभीमउरिक् व
भुमेवयथाह्वयद्रमेवराहुः नमः ॥ महुरिधूमा
कल्लि भपुभुभयगिणय ॥ विनभेनरायल्लय
ठगवच्भीम नत्रेनमः ॥ ३ सुहं ३ ॥ महुरिनेचहु
यषभह्लयः भिह्विभु नत्रलीनंरियलीनंवि

वि.
प्र.
३७

शिरीनंरुहरीनंभरुहरीनं यज्ञंउद्भवमसिद्धं
 मंप्रलभमु एवममु मत्रैदेवीः वामदेवाय
 येमनंनमः सुमभनीयंनमः भुवःमत्रैदेवी व
 मदेवायमकि॥येडिलकि॥१॥१॥३॥३॥३॥३॥
 मरुनि एडदेवतः मरुकि॥३॥३॥३॥३॥३॥३॥
 उठवतुः उद्धिष्टः ॥ नमोउममु नमोउय

उ नैहेहं भविहं भविहं भविहं भविहं
भूमविभुनैहं भुहं भुहं भुहं भुहं
उये ऊधाय मिये भगभुहं विभुहं भुहं
भुहं भुहं भुहं भुहं भुहं भुहं
भुहं भुहं भुहं भुहं भुहं भुहं
भुहं भुहं भुहं भुहं भुहं भुहं
भुहं भुहं भुहं भुहं भुहं भुहं

वि.
३.
२०

भुक्तय वरुणय यल्लभक्तय अग्निप्रहरीहः
पिङ्गगलेवडाहः वभुलेवय उ हवयलेवय
उ विनायकय उ विह्नीह्नीमः भुक्तय उ अभाये
मठह्नीहवहै उ हगभुयगलेवडाहः उ ह
यवह्नुभुय अग्रयेमज्जिह्नुभुय वैचउपज्ञ
हभुय वरुणयपमहभुय ^{अभायपुहभुय} वयवसह्नुभुय

कुवेराय गरुडभुय रैमानय रिमुलकभुय वक्र
लिपकभुय विष्णवे मरुडभुय मनत्र मिहः
मध्वे कुलनागेहः ॥ मधु मिहहं वरु मरु मे
हं कुभागे मेहं विष्णु वराहं ॥ उरु बाहुभ्य
तिहं भगवति मरुहं ॥ पूरु पति मत्रैश्वराहं
गल पतिराहं ॥ मरुकेतुहं ॥ वक्र पूराहं ॥ म

वि.
प्र.
५०

ननुमगभुहं॥ वृद्धले॥ कुमय॥ पूवय॥ मनुजय
रुगये॥ कमलय॥ लङ्गे॥ सिकामेवउहः॥ पाङ्गम
दुगिमसुमेधुडिमेवउहः॥ वृद्धमिहैभाउहः॥
गेदमिहैभाउहः॥ ललिउमिहैभाउहः॥ रुत
केशगलेमरमेवउहः॥ रकमेवउहः॥ डिकमेव
उहः॥ भिनीवली॥ ऊऊमेवउहः॥ यभीमेवउ

हः ऐं ह्रीं ऐवः हः ॥ हुं ह्रीं ऐवः हः ॥ हुं वः ह्रीं ऐवः हः ॥
भुं ह्रीं ऐवः हः ॥ मापः अ वूः अ य ग ह्रीं ऐवः हः ॥ ऐं
हः उप ह्रीं ऐवः हः ॥ भः अ ग य है ॥ भः वि है ॥ भः अ भु है ॥ ऐं
रुः क रि है ॥ वः अ क रि है ॥ मः अ क रं हुं ॥ ग म य
पं प रु न रुं भुं रं मं वि सु ण रं ग ग न भ रुं मं भे थ
व लं सु रु नं ॥ लः अ ग्री क रं क भ ल न य नं ये गि ठि ॥

वि.
प्र.
२३

हृत्तगभुभा वक्रविष्णुठवरुयुरुंभवलेकैकन
षभा महुडवग मीविष्णुभीटके तिनमेवैवेहुं
निवेरुयभिनमः यकमिहेतेनीरेरुमेभुभे
रुगपर पिमरीरुमरीरभाउधुठवतुमेभम
पुकमभरुहः मभलठवेगवेवमः मयेवमः
पधेवमः वक्रलीकभलेकप्रलवरुनभके

सुखीलीलय ॥ केभरीरिप्रमदनामनकरीमरूयण
वेधुवी ॥ मभ ॥ ग ॥ येरगुत्तरभापीरिमीमवश
यण ॥ मभ ॥ ग ॥ न ॥ वभिद्धिभदिउरकतुमेभाउ
रः ॥ येविशुठविनेहुडायेमडेपुनयायन सुदरतुव
लिउधूपयसुतुसुठंभम ॥ यभिद्विवभउकइकेर
पलभकिङ्कर ॥ उम्मेनिवेमयधृष्टवलिंपनीय

वि.
५.
१३

भंयउभा॥ कंकेरुपिपउयेचत्रंनमः॥ ररधू पिपउये
चत्रंनमः॥ भवठयवरपूरुभयिपुधिं पुधिं पठि
रउः॥ विरुः पुरुधंविमलयमि॥ विरुवः पुरुधंवि
मलयमि॥ विभुः पुरुधंविमलय॥ विरुवः भुः पुरु
धंविमलयमिनमः॥ ३॥ विरुः वः भुः उरु विरुः
विनभैभुनउय॥ ३॥ वभुमेवयविमलय॥ ३॥ विरुः

पुष्पगीकक ॥ ३ ॥ विनमः करणवभनय ॥ ३ ॥ विविषु
रूपयविष्मरु ॥ ३ ॥ नरभिरुविष्मरु ॥ ३ ॥ विड्डुरुष
यविष्मरु ॥ ३ ॥ विड्डुरुषयविष्मरु ॥ ३ ॥ विठभुर
यविष्मरु ॥ ३ ॥ विष्ठरुगयविष्मरु ॥ ३ ॥ मरुडवग
वभुरेवभुड्डमिपाङ्गयड्डेवड्डनं ॥ मरुनेवभ
नः कयेपल्लितपपनिवल्लुङ्गं ॥ श्रीविष्णुप्रीड्ड

वि-
प्र-
२३

विष्णुप्रणममङ्गिर्दंभप्रलभम् ॥ एवममुप
हृदयेवदहः यवेमकंनमः उमकउदलंनमः ॥
मुल्लभेमीयतंनषवैवेमृष्टुष्टकल ॥ मरीरय
इमिहृङ्गठगवकुतुमक्षमि ॥ मुपत्रेभिर्मरुहमि
मचवर्द्धिभिर्मचरु ॥ ठगवतुंप्रपत्रेभिर्मरुकभं
मरुगडभा ॥ ऐयम्भरुमविश्रमल्लभएवती

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ केशव केशव
लवङ्गिणी लीलाङ्गी लीलाङ्गी ॥ यवपत्र उमङ्गमङ्गः ॥
यस्य लैयस्य कैभारैयस्यैवनेरुङ्गभय ॥ वयः परि
उयस्य यस्य लमङ्गुरैषुपि ॥ उत्रायनेविङ्गकभभु
गरुडस्य ॥ नीलेन्दुलमलसुभा भूङ्गलणलल
कः ॥ लमयी लगङ्गेनिभीयङ्गभभकेसवः ॥

वि.
प्र.
१५

कमलमनमवाममरुपपंमयहूतमा उवाच
लगेविहकमभुगरुसु॥ मल्लनवेनयद्विह्वल
वापलं वुंउव ठगवभूदुमकेनउमापल भिरु
भुउ मल्लनहूतवेपियउभुनयिकंमयउ मभ
भुमभकेनभुकउहंउल्लनरुन मल्लनहूतवे
नृमसकलमिविध्रवज मभंप्रलंगउंयज्ञ

यद्गुं प्रलभष्टगभा कथिकैवमिकैद्यपैमनमै
भुज्जैधलेः एतेः पापैमरुथैः कउवंपुरुषे
उमैः रुक्तिः रुष्टैभउतमेमज्जिभुगैरीतः मूते रु
यः भवेपुष्टेपुष्टैमैमनिल्लमनि भाष्टमम
गल्लैरुभभनैमैवममलभा रुक्तिमैपरम
भुनैमकयंसमनउतभा यद्गुंयद्गुरिष्टुभिउद्ग

वि.
३.
२

चेनमयदुता॥ इयदुताउलकुमेवपरमेसु॥
यमिदुचेयउमचेमचेयसुमच॥ यसुमचमये
निहंतमेमचदुनेनमः॥ मङ्गलं पेशीक ठगवावि
मङ्गलंगदुसुः॥ मङ्गलं पेशीक कंमङ्गल
यउनेरुविः॥ ममेधविम्वैमिइमनरेमयेनमः
मयगदुनपुफयननपुयविधुवे॥ वैनउयमा

भद्रतेलक्रीडमयनकनः ॥ मल्लमरुगरुपमप
मिः पापदुरेदुरिः ॥ कलपामठयंनमिउंनममि
दुरिंपरमा ॥ प्ररविणिमुयः भेज्जामं प्रल्लहृदमा
ल्लयैः ॥ कउंनमकउंमभृकैवगव्वरकमः ॥ ठजि
मइवल्लेननिरालभंमयानुउमा ॥ उइवेप्रल
मभुइप्रमरुउवकेसव ॥ येनगेवठनः मैलेगवं

वि-
प्र-
२१

इत्यलीलया ॥ एतेवमकारौ ॥ इत्युभंभभा
एवः ॥ नमि विष्णुमभैरेवेनमि विष्णुमभः ॥ प्रदुः
नमि विष्णुमभः कस्मिन्नु नरकभैरेये ॥ करारवि
नैरभरारवित्रंभापरवित्रेविनिवेमयत्रं ॥ मसुप्र
प्रदुःप्रदुःमयनेवलंभक्तमनमभ्रमि ॥ न
मभिनारय ॥ पारुपदुःकरेभिनारय ॥ पु

ॐ नमो वरुभिनगराय नमः विमलेश्वरभिन
राय उद्भवमा किमभनत्रे गरुडभनयकिं
द्रुपलं के सुठद्रुपलं य लक्ष्मीकलशयकिमि
भिरुयेवगीमकिं देवसनेनमः ॥ भामेश्वरं
ममेश्वरं भवैभामप्रवृद्धं भजुमेश्वरं ॥ भिष्ट
सुप्रिभाममेश्वरं सुठद्रुपलं सुठद्रुपलं सुठद्रुपलं

वि.
५
१३

मि॥ कयेन वसमभनमेक्रियैव वहुङ्गन वपुःरुति
सुठवः॥ कर्गेभियहृङ्गकलेपरभै नरायणये
तिमभययमि॥ नरायणभद्रनिचाउमिउवाति
नरायणभूयपुष्टभरभुडीकः॥ नरायणभू
णतिगठयुङ्गउङ्गेनरायणैकसरलभूमिरेठवे
यभा॥ नरायणधिउसुठसुठभाङ्गययनराय

ॐ दिग्भमभक्तिमोहनय ॥ नमः ॥ भूद्विद्विभि
गविष्णुययज्ञभावेमकृतिद्विविमेनभमे ठवः
लण्णिगडनं कुकुवडाकडनं सुडकुडिडकलश
ॐ ठगवडा नं ॥ विषमविषयडे येमहडा मप्रव
न ठवडिमर ॥ मेके विष्णुप्रडेनर ॥ भा ॥ रः
भिविपडिडनं मकेरलवाडा नं ॥ नमः ॥ मे

वि.
५.
१०

ल'रुत्तमंभत्तउ'नभा॥ सर'भसर'उ'नभेक'र
वउ'र'॥ कुमलपडिनियकु'मरूप'न'र'भा
करसर'रुउंवाकय'क'द'व'मूव'नयन'
व'भ'न'मंवा'भ'र'॥ विदिउ'भविदिउंवा'भचभेउ'
क'भ'भ'य'य'कर'॥ के'मी'भ'द'मेव'म'भे'भ'न'
र'भे'पु'र'उ'य'बी'कु'पे'॥ डि'पु'डि'॥ ग'इ'रु'उ'प'॥

भायगल्लिपउयेनमः ॥ इन्द्रासगल्लंनभिरुमे
वसरल्लंभम ॥ उभास्त्रिरष्टवेनरकरकमिवक
र ॥ मद्रुद्रुभयीसुमेरेविदिभुरभुद्रुगि ॥ यष
मद्रिद्रुपप्ररगल्लंनपरमेसुगि ॥ यरकरभ
रुद्रुभुभइदीनमयद्रुउं ॥ इयंरुभिरुंरेविभूमी
रुपरभीमरी ॥ सुद्रुनेनैवरनभिनैवरनभिरु

वि.
प्र.
५.

नमः॥ प्रसन्नगं नमः नमि कभुतं परमेस्वरि उठहं
सुखं पालिहं मिस्मात्तमम नमः नमः नमः नमः
नमः॥ नमो नमः नमो नमः नमः नमः नमः नमः
नमः नमो नमः नमो नमः नमो नमः नमो नमः
नमो नमः नमो नमः नमो नमः नमो नमः
नमो नमः नमो नमः नमो नमः नमो नमः
नमो नमः नमो नमः नमो नमः नमो नमः
नमो नमः नमो नमः नमो नमः नमो नमः

विनितीकप्रज्ञमैत्रयसुकः ॥ धरुवैश्रुवाः
धुःगुल्लुतुमरल्लिकभा ॥ नमैरेवेहः ॥ कहे पवी
डी धुःगुल्लुतुमरल्लिकभा ॥ नमैरेवेहः ॥ कहे पवी
उवृक्षुमुमुपदुतैरुल्ले ममरमरेल्लगदुपुडु
प्रल्लितैमिमयठुठुठगवकुमलपडु ॥ मलक्रीके
मलधुतुविसुविसुतुकेउवे ॥ विष्णुसुतुनयमपुल्ल

म-
१०

विनमनपरायणः ॥ विवरे भक्तु भगविकुल
यउकेऊकेकुसल्लुमनेममिगेपवेमं ॥ ८५॥
केवगल्लवकिउपमपी०वाकवनलयभरुव
भुकेवभनभा ० ९॥ यउ ९॥ यउकेवेकेवकीनक
नेयं ९॥ यउ ९॥ यउरुपुयाप्लिवेमपूमीपः ९॥ य
उ ९॥ यउमेपपुमलःकेमलमे ९॥ यउ ९॥ यउपा

षीरुगनामैभक्तः॥३॥ भक्तप्रज्ञापूर्णापहय
मैरुवतुमेकात्राभयतुभक्तं॥ अविभक्तिद्विष्टारं॥
रविकैरुवेरुवेमैभुवद्विष्टारं॥४॥ श्रीभक्तप्रज्ञा
मैभुवद्विष्टारं॥ यद्यपिनेनभुवद्विष्टारं॥
त्रियमपायिनः॥५॥ नरुवद्विष्टारं॥ यद्यपिनेनभुवद्विष्टारं॥
द्विष्टारं॥६॥ भुवद्विष्टारं॥ यद्यपिनेनभुवद्विष्टारं॥

४-५३

उकपूकभं॥ भवणीरिडमरुगरविकैराल्लेडेभ
राल्लपिमिडुयामि॥१॥ भरमिडुनयनेभमल्लस
केभरठिठिमविरमेडमिडुडु॥ भापडभपरे
नसडुएनेडरिसराल्लभराल्लभाडेनडुल्लभा॥ उभा
ठेमरुभनेविमिडुवडुणयभीसुिरेयडा॥ न
भीरः॥ पूठवडिपापरिपवः॥ भुभीननमीयरः॥

भ-
५३

उलसुं वृषनीयठ किमलठे एयभुनगरयं ।
लेकभृष्टभनपनेरुनकरेभभृकिंनकभः ।
ठवः लपिभगापंरुभुरंविभुरेयेकषभरुमिभि
मेडेभभृगाकउरं । भरमिः स्यासिरेवेउव
कीठकिरेक नरककिमिनिधः । उरयिपृष्टव
सुभा ० । स्यापुडेयेभरुनपवनेरुउमेरेदिभ

ले गरवउउनयभरुए गरुभइउलेम॥ मं
भारएभरुडिए लणे मइउं नभिए भदर
मभेले वरुठवउठजिनवेभूमीर॥ ७॥ पाष्टी
ने गरुः पयभिकभिकः दल्लः भूलिलथा
मेले निच्चभनं भरुउउउं रनुधुक्रुठः॥ कइ
रुधुपिउभरुभरुउयः॥ कीदभभभभभुः

५५

रभयति वक्तुं भभक्तं पिनवज्जिकस्त्रिमुक्तेः ॥ न
नेह भन वृभेक ॥ ०३ ॥ दीरभ गगउरङ्गमीकर
भगउरकिउमरुप्रउये ॥ हेगिहेगमयनेयमा ॥
यिनेभापवयभप्रविरुषेनमः ॥ ०५ ॥ वङ्गलुमठ
यधूमनभभयामुतुतिविचप ॥ ०६ ॥ हेरुदरु
पमेध ॥ ०७ ॥ गगलिउमेयः परुधूप ॥ ०८ ॥ मे

五

भा ०१ केलोकः स्यात् उपसृतिभरत्तु पेषिकि
मिभं येगलभूमरुतिभनयेयं यल्लवर
कुरयः ॥ अतुल्लेतिभयमेकभभाउं कल्लुएभा
पीयउं ॥ उद्यीउं परभे षपेविउं उं निच ॥ भाहा
त्रिकभा ॥ ०३ ॥ वक्तेनल्लेन नउं नमिरभा गइम्भ
रं मेनै ॥ कठं नसरगल्लुनयनेल्लीलेनवध

भुन निहं इह ग० ग विरुयुगल एत म्प ड सु रि
 न म म्प के म र भी रु रु क म उ उं मे प ह डे ली वि उं
 उ हं व व ० वि प रं प र म्प रु दे क र वी व सु णं पि व
 वि सु व ड य पू क लिर मि रि ह्ये न म वि न र य
 ० गे म र लि ३ उ मं म री रं प रि ० म प म लं प
 उ ह व मुं स्र व म वि र ल रं कि मे प णे लि प्र मि

म.
 ५०

५६ रुद्र उ विरभयं रुद्र भयने पिव ३० श्री भद्र
भये सुनराय ॥ ऐं के न पू पु व गि क्कुं प पि ने पि
रु न प्र वं व क्कु व ड न उ भिं मे न पू पुं ग ठ व भा
मि रुः ॥ ३३ ॥ भ रु के की ॥ पु ॥ क ॥ भ पि ठ
व डे ठ कि की न च रु ज्ञे ॥ भ मे पुं म व व रुं उ व म
डि भ प भृ व रु ग ए न ए उं ॥ भ भू के भ व व रु भ

भक्तिमये गुरुविकले उवकी मेवकी उ भउ
मिहंवलरिपुभउभुउउवुरन ॥ ३५ ॥ सिद्धकी उ
यकेमवंभुरिपुंमउठे मीपरे ॥ यलि सुकुम
भक्त्या सुकष मेरुययहं मी ॥ दधुंलेकयले
मनसुययुरगसुगिदुयुगलये ॥ सिद्धुयुयु
भक्त्या मउलमीभुवभुयेक मी ॥ ३६ ॥ यहु

म.
५७

धुपुलि पउगलिणवले उकुं मिरेः अकुठे म उनेरे
उमभे लि उभुरु मिरे य हं रु रि म सु उ म वृद्धि रि
य म य म सु विभल य म ग व ण य नी म रिण क
म उ व द्धि ली पू डि प रुं य भु डि न र य ल म ३१
रु क रुं ध रु र ण रु ग रु रु म लि भु ले कु म्का म लि
ने पी ले म न म उ क धु रु म लि भु रु द भु रु म लि

[illegible]

भ.
१७

लनेषपंभनिभनेवाडिपूवाहैषपंमैह नकुकरैषपं
रिहुवनेमाझीवनेकैषपभा॥८॥जडिपूमभैषपंठ
वठयपूसेभमिहैषपंमेयपूपिकरैषपंभिवभ
नःसीरुपूभैषपभा॥९॥ललीनेइपलीपये
गरप्पलीहीरुजलीमैभुली॥१०॥पलीरुभवलने
नकविठिमुमैदिनेनीयउ॥गेविठेडिइनइनेडि

ॐ गङ्गा न घटि न सुति ॥ वृद्ध रे भू भय भुक्क भ
न भो पंभं परिहृ भति ॥ ४ ॥ उच्च दमे उच्चि भव भु
लेके सुण परिहृ विधं पिवति ॥ न भ निर गय
ॐ गे म र ॥ ६ ॥ वृद्ध व मः ऊरु कः ५० ति ॥ ३३
म व सु भ लै म भ य उ य म भ प सु भ क य म रु रु
रे म म भु व प भे य भ ति भू य ॥ श्री द ल्ल न भा

माउठगपयं ॥ यमुभिये मूतिपरिविलेकगी
 उंमिशिद्धि ॥ मपरिवरमिववहुते ॥ उंभुएक
 मर ॥ ७ भुए ॥ पदमेन ॥ ८ कडा ॥ दडिगियंऊलमेण
 ॥ ९ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ५ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥
 विविदिगु ॥ पुरुषको ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥
 भीठिदि ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥

5

2

गण्ड... भुक्तुं भेभिर्भेभश्च न लपुत्रपरमण
भक्तुं विष्णुभक्तुं सुगुपभाषिभित्तिभेदगकारक
कुम्भनिलयउल्लेभिणभूमिभक्तुं न। विउक्तु
गण्डेभः सुमिधक्तुं सुगुपिकभक्तुं वेदिधक्तु
विषिक्तुं भक्तुं धक्तुं भक्तुं भक्तुं भक्तुं भक्तुं भक्तुं
उक्तुं सुमिधक्तुं उक्तुं। विषिक्तुं सुगुपभक्तुं भक्तुं भक्तुं भक्तुं

व.
७०

वैश्वरभचण्डिहेरुनकुनकुन ॥ परमपरमचक्र
करंभरुभनैरुदिपद्वैमिकंमरीरुदुसुदे
भिरुद्वैमिभमलेभिकमसुमैभभभयभुद
रुमेनरयः पूरुंरुभभुद्वैमिभिरुद्वैमिभ
वभुद्वैमिभभुद्वैमिभभुद्वैमिभभुद्वैमिभ
भिरुद्वैमिभभुद्वैमिभभुद्वैमिभभुद्वैमिभ

विष्णुसुम्नान्मन्त्रेण राक्षसं मारयित्वा तं विष्णुः
 उचममुम्मे विष्णुवै पुरुषसुवै नमः मम मुकुटं
 ममि कुटाय कुटाय मनेक कुप कुपाय विष्णुवै पुरु
 षविष्णुवै ॥ हिमपात नन्द ॥ मूढ पद्म ॥ मे
 पैल पावन निगम चमः ॥ युधिष्ठिरः मातृ नैवेद्य
 नगेव हि क पत ॥ युधिष्ठिरः उच ॥ ॥

भा। एयेमुवंत्रमभृंसुयः॥ भानमुभवम॥ १॥ मना
मिनिमनंविभुंभवलेकभकेसुरभा॥ लोकएकंमु
वविहंभवः॥ १॥ डिगोठवेडा॥ ३॥ वरुल्लंभवणम
ल्लंलेकनंकीडिवचनं॥ लोकनंभवकुडंभवकु
उठवेरुवं॥ ७॥ १॥ भमेभवणम॥ ७॥ पदेपिकउभेम
उः॥ यरुका॥ ५॥ गीककंभुवैरजैवरः॥ भम॥ ०॥ ५

म.
७३

मंयेभरुडैः परमंयेभरुडैः परमंयेभरुडैः
परमंयः परायमा ०० पविइं पविइंयं
मङ्गलं नममङ्गलमा कैवडैवडं नमङ्गलं
यैवयः पिड ०३ यडः मचलिङ्गड निठवटुमि
यगगमे यभिं सुप्रलयं यडिधनरेवयगक
ये ०३ इष्टलैकप्रणनष्टगवषष्टुप्रडे वि

भूतभमभमं वैम्य ॥ पपठय पठं ०२ कनि
 नभनिगे ननिविष्टा ननिभद दनः ॥ एधिठिः
 परिगीड निड निवह्य भिद्वयडे ०२ एधिडं नं
 भदभूभूवेष्टभमेभदभुनिः ॥ ककेनधुपुष
 केवेठगव केवकीभडः ०२ विभुं रिगभुं भदवि
 भुं पूठविभुं भद्वेष्टभमा ॥ चनेकठपठेष्टनं न

म.
७२

मभिपुत्रपुत्रमभा ॥ ०१ ॥ श्रीगुरुभक्तमहात्म्यम् ॥
विष्णुश्रीविष्णुः मरुभक्तमभुः मभुः श्रीगुरु
वत्तुष्टुमभुः ॥ मभुः मभुः ॥ श्रीगुरुः परा
मभुः मभुः ॥ मभुः मभुः ॥ मभुः मभुः ॥
कीनक्तनः मभुः मभुः ॥ मभुः मभुः ॥
मभुः मभुः ॥ मभुः मभुः ॥ मभुः मभुः ॥

[illegible]

म.
५५

देवकी नमः भूषेति मङ्गये नमः भवद्गेषु मङ्ग
मन्त्रकी मङ्गैतिकैलकाय नमः करभेपुटे म
मन्त्रीरुपुप्रीष्टु विष्णु मरुभूय मपाठे विनि
योगः विष्णु विष्णु बध्ना ७८ हनुपु ह नमः
मम/ इमं रुवे रुव ७८ डिउलनी ह नमः रुद्र
ह रुद्र रुद्र रुद्र इमम ह नमः सुवल विद्र

कैहः५५नभिकहंनमः॥ सुकिहैहैरिगकिहः५
डिकनिधुकहंनमः॥ माङ्गणवगणमरः५डिक
गलकरायधूहंनमः॥ विसुंविधुवधपूरः५डि
हमयायनमः॥ सभाउंसुहुवेहुनगिडिमिरमे
भुयः॥ बूङ्गहैरुङ्गरुहुङ्गेडिमिपयैवधण
भवलवित्रकैहः५डिकवमयहुं॥ सुकिहैहै

म.

तिमिहृदनेश्ययवैधल ॥ मन्त्रपञ्चगम
परहृदयहृदय ॥ विमन्त्रकं कुरु ॥ गमयनेप
मन्त्रकं मन्त्रे ॥ विमन्त्रकं गमयनेप ॥ मन्त्रे ॥
लंभुहृदने ॥ लम्बुहृदने ॥ लम्बुहृदने ॥
नगमं ॥ वक्रविभुं वक्रयदं मन्त्रे ॥ कुरु ॥
भा ॥ विविभुं विभुः वक्रयदं मन्त्रे ॥ कुरु ॥

[illegible]

म.
७१

रमिहः पधुगकेभरुअनः मनमिनिपणेणडा
विणडाणउरुडमः मप्रमेयेरुपीकेमः पधुन
केभरः पधुः विमुकमभनमुधु मुविधुः मुवि
रेधुवः मगुरुम सुडाकुलेदिडाकः पधु
नः पधुडभिकऊकु मपविडं मङ्गलेपरमा
रंमानः पधुमः पधुलेधुधु मेधुधु पधुपडिः

किरगहैगहैगहैभापवैभपुभुनः॥ रंश्चरेवि।
रुमेपन्नीमेपवीविरुभःरुभः॥ ननउमेरुपुः
दउल्लुदुडिअद्वना॥ अरेमःमरल्लममविश्वरे
उःपूरुवः॥ नरुमंवद्वरेलःपूरुयःभचा
रुमनः॥ नल्लःभवेसुरःमिद्वःमिद्विःभचकि
रमुडः॥ बाधकपिरमेयद्वमचयेगविनिम्यउः

कठउरुतिः मउरुमउउरुमुउरुभंमुउरु
इणिपुठैः नंठैः मरिपुल्लगरुमिः मु
नयैविः यैः उविमुयेनिः पुनचमुः उपैः
वमनः पूमुमेयः मुमिउलिउः मरीः
मंगुः मनेयउरुनियमेयमः वेरेवेः
मरुयेगीवीर रुभाएवेमपः मरीमिः येम

卅

20

सिद्धिः ॥ चलेरुद्धः ॥ सभु विमूढाभारिक
गुरुत्तुत्तुमेठमभट्टः मट्टपात्रमः ॥ निमिषेनि
मिषभूषीवामभट्टिरुद्धाणीः ॥ चगुलीत्तुमलीः
मीमभूषीवैनेत्तुमभीरुः ॥ मरुभूषीवैनेत्तुम
मरुभूषीवैनेत्तुमभूषीवैनेत्तुमभूषीवैनेत्तुम
उः मंभूषीवैनेत्तुमभूषीवैनेत्तुमभूषीवैनेत्तुम

म.
१०

लीपः॥ मपुमः/पुमवद्विष्वस्यसिष्वसि
ः॥ महुतमहुतिमपलङ्गायनः॥ म
ह्यैपुमीयद्विमिषुःमिषुद्विषुः॥ मिषु
मिषुमहुतःमिषुःमिषुमहुतः॥ वाध
वाधविषुवाधपचवाकेरः॥ वचनेवचन
विविक्तःमूतिमगरः॥ महुतमहुतमहुत

वभमेवभुः॥ नैककूपेवाकुरुपःमिपिविधुपूक
मनः॥ लः सुले इतिपरः पूकमभूपूरपतिः
वाकुरुःभूपूकरेभनः सुकं सुकभूरुतिः॥ मभ
उंसुकुवेकुरुःममिविदुभरिसुरः॥ लः यणेग
उःभेउःभटपमःपररुमः॥ कुरुकुरुवचवः
पवनःपवनैलः॥ कभकभकुरुक

भोक्तृभूतः पूज्यः ॥ युगमिदं दृष्ट्वा वदन्तु वै कथा
 ये भक्तमनः ॥ अस्मै नमः ॥ पञ्चभक्तभूति
 उद्दिष्टः ॥ ॐ विमिश्रः मिश्रः ॥ मिश्रः ॥ मिश्रः ॥
 अथः ॥ ईश्वर ईश्वर ईश्वर विभुवत्तममदीश्वरः
 अमृतः पूषितः पूषितः पूषितः ॥ अथः ॥
 अथः ॥ अथः ॥ अथः ॥ अथः ॥ अथः ॥

अ.
 १०

भुक्तपरेषुदेवगमेवायवदुनः॥ वशुमेवैवाकुरु
गामिमेवापराकरः॥ समेभुगलभुगःसुगमे
गलनेभुगः॥ भुनकलमडावतुःपद्मीपद्मनिठक
मः॥ पद्मनाठेरविककःपद्मगठमगीरकृग॥५
भरुद्रिपद्मेवाकुरुभरुकेगमरुपद्मः॥ भुत
लःमगठैठीभभभयल्लेःरुविद्धरिः॥ भवलव

म.

लकटं लकीवक्रमिष्टल्लयः विकरैर्गैर्य
मनेरुद्रुभेष्टः भद्रः भकीर्णभद्रुद्रुगैव
गवचमिष्टमित्रः उरुवः केठनेष्टवः श्रीगुरुप
गभीष्टः करलं करलं कुरु विकुरु गुरुनेष्टु
द्ववभयेष्टवभनेष्टुनः भुनरेष्टुः पराष्टि
परमभद्रुष्टुः उष्टुः पष्टुः सुष्टुः रभेष्टिभेष्टि

॥ भती नये नये नयः ॥ वीरः सज्जिभउं मे सुप मे
पद्म विरुउमः ॥ वैजः ॥ पुरुषः पूः ॥ पूः ॥ पूः
॥ वः ॥ पाषः ॥ दिगः ॥ गहः ॥ मः ॥ प्रेहः ॥ प्रेवः ॥ यगैक
॥ ॥ उः ॥ भुमः ॥ नः ॥ कलः ॥ परमेधुप रिगहः ॥ उ
॥ गं वः ॥ वः ॥ गैः ॥ विमः ॥ मे विमः ॥ कि ॥ ॥ विमः
॥ भुवः ॥ भुः ॥ पूमः ॥ लः ॥ चीः ॥ भवयभा ॥ भजे ॥ भजे

म.
१३

मरुकेमेमरुठेगेमरुपनः॥ ननिविष्णुःशुविष्णु
प्रपद्मयुपेमरुभापः॥ नकरनेमिउकैकमःक
मःमभीरुनः॥ यल्लुल्लेमरुष्टसुस्तःमंभ
उंगतिः॥ मचरुचीविभुजममवलेल्लनमउम
मा॥ सुस्तःशुभापःशुक्रमुपेधभापमःमरु
ज॥ मनेरुगेदिउरेपेवीरचरुविमरुः॥ मपनः

शुवमेव पीनैक नैकक मरुत ॥ वरैव लेवमी
रइगहेणने सुगः ॥ एमगुदुददुमी मरुमरुभक
रभा ॥ प्रविष्टुतः मरुमं सुचिण्डरु उलकलः
गरुभिनेमिमरुभुः भिंदेरु उमरु सुगः ॥ प्रमि
रुवेमरु रुवे रुवे मे रुवमरु रुगः ॥ उउरेने पठि ने
पुष्टनगभुः पगउत ॥ मरीर रुउ रुउ रुग मरीग

म.
१५

कपीकेरुकिरुकिः ॥ मेमपेमाउपः मेमः पुरु
दुरुपेउमः ॥ वियेयः महमवेरुचद माहु
पतिः ॥ लीवेविनियडा मकीमकुकेमिउविरुभा
ममेनिपिनतुदु मदेरुपिमयेतुकः ॥ मलेम
दः माहुवेरुपिडा मिहः पूमेरुनः ॥ पुनकेनरुनेन
रुः महपदुमिविरुमः ॥ मरुदिकपिलमादः

कउल्लेभेमिनीपतिः॥ रिपरुभिरुमएकैभरुमए
रउउरगभरुवरकेगैविकःभापी०कनकझमी
गुहैगभीरैगदनेगुपुस्ररुगरुगरः॥ वेरुःभुस्रै
रिउःकल्ले०रुःभरुदल्लेसूउः॥ वरुल्लेवरुल्लेवके
पधुरकेभरुभुनः॥ रुगवरुगदनकीवनभली
रुलयुगः भुमिहैहैडिरुमिहःभरुप्रतमिभउ

म.
१५

मः॥ सुपञ्चापः परमुक्तमल्लं रुविः पूरुः॥ रिव
भक्तचक्रं शुभेवामभ्युदितयेनिः॥ इमामाम
भगःमभविचलं ठेपलं ठिपक॥ महुमदकुमः
मतेनिधुमतिपरयः॥ सुठङ्गःमतिरुःमुधु
कुमरुःकुवलेमयः॥ गेदिउगेपडिनेपुवायठकेव
पधियः॥ अनिवडीविवाडममकेपुकेमदमिवः ।

मीवद्रवकः मीवमः मीपतिः मीभडंवरः ॥ मीरुः मी
ममीनिवमः मीनिपिः मीविठवनः ॥ मीकरः मीक
रः मीयः मीभंलेकश्यमयः ॥ भुक्ः भुङ्गमडनरे
नकिष्टेतिगाल्लसुरः ॥ विरिड्डविपेयमङ्गीति
किवभंसयः ॥ धमीलः भवउसुकरनीमः मासुडः
भिरः ॥ कृषयेकृषयेकृतिचिमेकः मेकनमनः ॥ स

म.
७८

[illegible]

77

मद्ययः॥ सुभनेयरुः मेधुः मत्रिवमः उयप
नः॥ इडवमेव सुमेवः मचासु निलयेनलः रुद्र
रुद्रमेव पुेरुचरेड परास्तिताः विस्रप्रडिमरु
प्रडिमीपुप्रडिरप्रडिभा न॥ सनेकप्रडिरवृजः मः
प्रडिभनउनः॥ एकैनेकैः भवः कः किं यउद्यमभन
उमे॥ लोकववल्लोकनाषेमाएवेठजवझलः भुवरु

वलेदेभाज्ञेवरज्ञसुक्रनंगमी। वीरयः विमभा
सुत्रेपाङ्गसुगमलसुलः॥ मभा नीभा नमेभा त्रैले
कनषभिंलेकपाका। ममेण मेपलेपट्टः मट्टमे
णपरापराः॥ उलेवाधेदुडिपराः मचमभुदुडंवरः
पूगदेनिगदेवगेनैकमज्ञेगमगुलः॥ मउदु
डिसुउव रुसुउदुलसुउनडिः॥ मउरादुमउठव

अ.

१३

सुउवेरुविरेकपाग ॥ मभावउनिवाडरुफलये
रुगडिउमः ॥ रुलठेरुनमेरुनेरुगवमेरुगरिउ
सुठमेलेकभारंगः सुउतुमुतुवचनः ॥ उरुकम
भरुकमदउकमदउगमः ॥ उरुवः सुरुगः सुकेरु
नठः सुलेमनः ॥ मकेव ॥ मनम/झी ॥ यतुः म
चवि ॥ यी ॥ भवल्लविन्नरकेहः भववगीसुगीसु

[illegible]

म
१७

मवाकृमभुलगुलहवित्तमभुन। मण्डः
मण्डभुभुः पूसेमैवमवचनः॥ ठरहृद्विडेयेगी
येगीमः मचकभरुः॥ सुमभः सुमभः कभः मभ
लवयुवकनः॥ एरुचैएरुचैरेरुलेरुमयिडरु
मः॥ मपरालिडमचमैनियतुनियमैयमः॥ म
हवमृदिकः मटः मटपदपरय०॥ मठिभू

यप्रियद्वैरुःप्रियद्वैरुःप्रियद्वैरुः विरयमङ्गति
ह्रीतिभरुमिहउडुगिहः॥ रविविरेमनःभुटःभा
विडरविलेमनः भउउरुउडुगैऊभुपमैनेकमै
गलः॥ अनिविहःभमभमीलेकमिधुनभहुतः
भनभनउनउभःकपिलःकपिरवयः॥ सुभिरुः
सुभिरुसुभिरुसुभिरुसुभिरुकिः॥ मरेरुःऊ

लीमहीविदुभुलिउममनः ॥ मक्राडिगः मक्रभ
 रुःमिमिरःमचरीकरः ॥ मक्रुरपेमलेरुकोरुकि
 कभि ॥ मक्रुरः विदुउमेवीउठयः ५४ मव
 कीउनः ॥ उउरुलेरुधुडिरु ५४ रुधुप्रनमनः
 वीरुकरु ॥ मक्रुलेलीवनः पदवभिरुः मक्रु
 रुपेनउमीलिउमवठयपदः ॥ मक्रुमीगहीर

म.
 ३.

इविमिमेवमिमिमः॥ चरमिद्रुवेलक्कीः सु
वीरेमिमिरंगरु॥ ५० नवे ५० न ५० ममिहीमेठीम
पररुमः॥ शुणरविलयेण उपपदरुमः पूर
गरः॥ कुत्तगः महवमरः पूरुः पूरुवरुः
पूरुं पूरुविलयः पूरुं द्रुं रलीवनः॥
उहंउहविमेकद्रुं मभादृलरुतिगः॥ कुद्रुवः

म.
३०

सुमुदसुरःमपिडपूपिडमरुः॥यल्लेयल्लपडिय
सुयल्लेयल्लवदनः॥यल्लहृहृल्लहृहृलीयल्ल
हृहृल्लमपनः॥यल्लहृहृल्लपुहृमवमवम
वम॥सुदयेनिभुयंरुडैवपनःमभगायनः
रुवकीनरुनःभुधुकिडीमःपापनमनः॥म
ल्लहृहृकीमरीमल्लपवगरुपरः॥रवल्लप

[illegible]

भ.
३३

मप्रयकुमभजजीमकुमप्रयग॥ कभनव
प्रयकुभीपूरजीमप्रयदूरग॥ ठजिमातुम
मेरुयसुमिसुज्जुमभनमः॥ मेरुभवसुमेवभुने
भमेरुकीउयेग॥ यमः प्रप्रेडिविपुलेलुडिभ
णवमेवम॥ चलंमियमप्रेडिमैयः प्रप्रेडिनडा
मं॥ नठयंजुमिरुप्रेडिवीदंडे॥ सुविजुडि ठवय

गौरीहृदिभं वलकपय ॥ ७ ॥ विउः ॥ गौरीभसूउरगा
कृष्टेभसूउववृनग ॥ कयंभसूउठीउमुभसूउपन
मुपमः ॥ कन ॥ डिउरवृसुपमपः ॥ पमकेउमं ॥
मुववममरुमे ॥ निहंठजिममविउः ॥ वसुमेव
मयेभहैवसुमेवपरय ॥ ॥ मचपपविमुकृम
यविवृमनउने ॥ नवसुमेवठऊनं मसुठं विहृउ

अ.
३३

कमिग ॥ लमभाइ ॥ गव पिठयं वै वै पसयते ॐ
भुवभणीय नः सुकठजिभभविः ॥ यल्लं कश्च
पंकजिमीपडिभुडिकीडिठिः ॥ नरेणे नमभाइ
दं नलेठे न सुठभतिः ॥ ठवडिठउपुष्टं नं ठजुनं
भरुषेडमे ॥ ह्येः भमकुनकशपंमिमेडुमदेम
पिः ॥ वभुमेवभुवीदे ॥ विपडानिभरुमनः ॥ भु

भरभरगत्रवभयकैरगरकमभा ॥ गङ्गमेवउते
रः दुधुधुमगरमभा ॥ उद्भियमिभनेवद्विः म
हुंतेलेवलप्यतिः वधुमेवमकट्टरः केरंकेरु
मेवम ॥ भवागभनभमगरः पूषमेपरिकल्पते ॥
पुमारपूठवेपमेपमपूठरसूतः ॥ उधियपित
रेमेवभदकुडनिणउवः ॥ ॥ नम ॥ नमंमेमे

भ.
३५

लग्नगयल्लुवे ॥ येगेहनेडवमल्लुविहम
ल्लुमिकमम वेरुःमभुल्लिविहनेमेडम
ल्लुमनभा ॥ एकैविष्णुमरुहनेप्यवकुट्ट
नेकमः ॥ शीलैकंष्टविष्णुमरुहनेविष्णुगव
यः ॥ ७मंभुवेठगवडेविष्णुमनकीडिउं प०
हृ७म्लेदुरुधःम्यःभुपुंभापनिस विसेसुर

महं देवं गतः पूजयेत् ॥ ८५ ॥ त्रिये प्रभुं कं उडे
यतिपराठवे ॥ मलु नु उव ॥ ८६ ॥ परुपश्विमल
पिपपुनठभरेडेमे ॥ ८७ ॥ नभनरुनं इडठव
नरुन ॥ श्रीठ गव नरुन ॥ येमे नभमरुमे
मुडमिसुडिप ॥ ८८ ॥ मेरुमेकेनसेकेनभुडावन
मंसयः ॥ नभेभुनरुयभरुमप्रुडेभरुभुप

किमिरेम्वरुवे॥ मरुभूतयेपरुधायमस्मृतम
रुभूकेलीयगणारिल्लनमः॥ नमःकमलनठय
नमभुः॥ लमयिने॥ नमभुकेमव ननुव भुमेव
नमेभुते॥ वभनव सुमेव सुव मिउं कुव नश्यं भ
चक्रुडनिव भीनं व सुमेव नमेभुते॥ नमेव रुः॥
वयगेव रुः॥ रिडा यम॥ ॥ गच्छिड यदुधुय

गेविहयनभेनमः ॥ चकमद्दिउंउंयंयवगम्भु
विभागरे ॥ भवमेवनभम्भुगकेमवंपूडिगम्भुडि
पधनिः कङ्केपङ्कयइमंप्रहिउरुगिः ॥ ऊप
षंउंविस्नीयज्ञेविहगदिङ्गगमं ॥ भववेरु
पुयद्दुंभवडीकुपुयहुलं ॥ इहलंमियभाप्रेडि
मूहमेवंरुनं ॥ येनरः प० उनिहंइकलंक

सव लये ॥ द्विकलमेककलंवा ॥ कुरंभवेवपेरुति
 मरुतेरिपवमुष्टमेष्टः ॥ भवेममगुरुः ॥ विली
 यतीमपापनिमुवेष्टमिदुकीतिउ ॥ येनष्टउ
 मूतेयेनयेनयेपठिउभवः ॥ मउ निमवणननि
 भगः ॥ भवेममहिउः ॥ ७ ॥ कलेकेपरीवपिनठयंवि
 दृडेकुमिउ ॥ नभंमरुमंयेणीडेकुमंष्टंममम

विष्टे ॥ भविष्येति पापानि कल्पकेति मडा लि स
पञ्चममविष्टे पापुड्डमनामिके मवे ॥ प० नम
मदमंडुगवं केति फलं लकडा ॥ मिवा लये प०
विष्टं डलभीवनमं भिः ॥ नमो भक्तिमव प्रेति स
रूपा लि वसेयष ॥ वृद्धा रुष्टा रि कं पापं मवे पा
पं विनष्टति ॥ विलयेयति पापानि स तृपापं

३३
३३

ककष ॥ ॐ त्रीभद्रुठउमउभद्रुं मंदि
चं वयमिहं सत्रपक्षमिउडुभान
नम्रनम्रैउमीविष्णुभमद्रुमुं मं प्रलंभ
मप्रभा ॥ त्रिं यनरायलं यप्रुषेउमलं
यवभनकं मग्रे ॥ उद्धरभमभुरेमविनमद्यतिउ
दं मं मग्रे ॥ ध्ये रं दुग्भभनरकरिपेकेमवकल्लभ

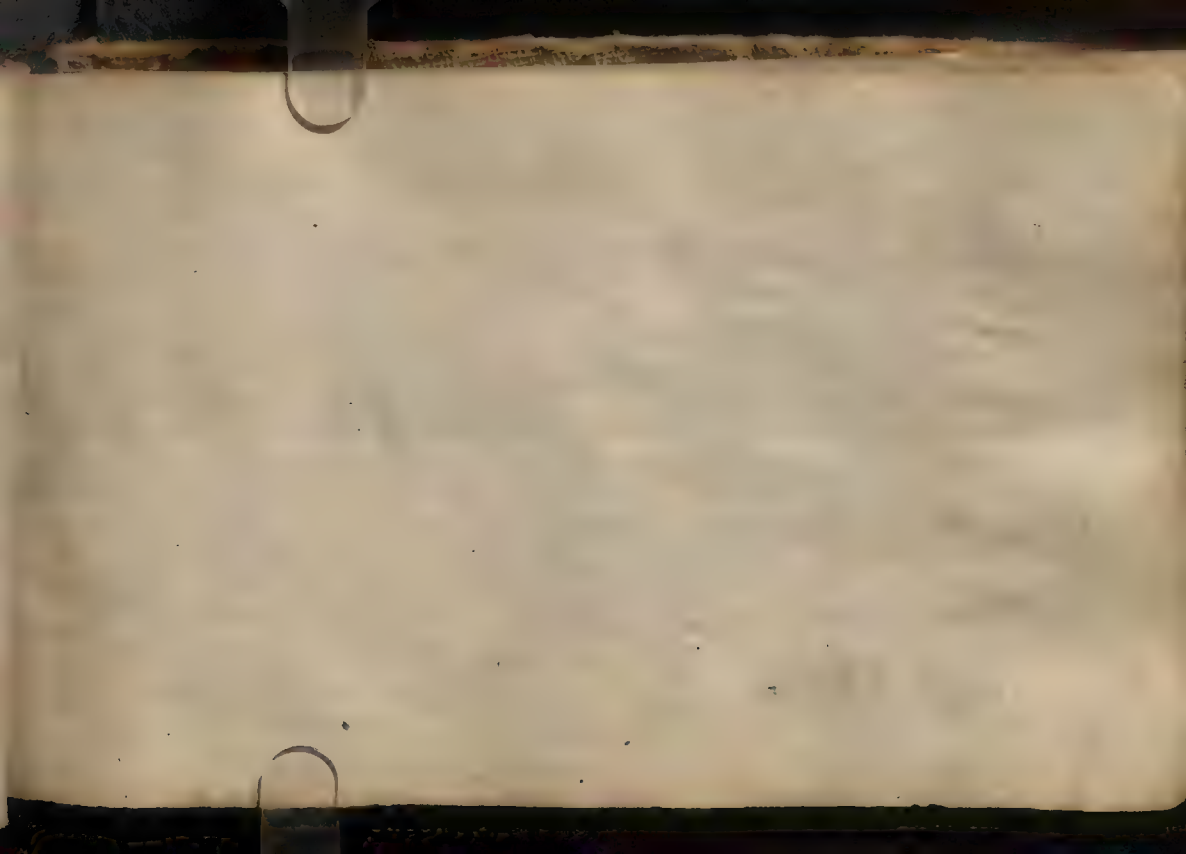
ठरंभभनकभयमीनभनपंजुरुठवभगरपा
गभा॥०॥५॥यणयमेव५॥यभरभुरुन५॥यकेस
व५॥यविष्टेलयलक्कीभापकभलभपुवुड५॥य
रुमकवुरगि५॥ष्टेः॥५॥येरंदरभम॥३॥यहृपिमक
लभदंकलयभिरुनदिकिमपिममंहुहुमा
पिनभाक्कडिभभिरुमपुडभइभिरुकलइमभइभा

५३
३७

प्ये रं द र म म ॥ ३ ॥ हुं ल व नी ल व कः पू ड र मू उ भुं भा
रु डु ल भि रं हुं म र लं म र लं ग उ व डु ल हुं ठ व लं
ल णि व डि इ भा ॥ प्ये रं द र म म ॥ ४ ॥ पु न र पि ल व नं
पु न र पि म र लं पु न र पि ग डु नि व मं मे हुं म लं पु
न र मि डु ण व म भ डु र नि लं म म भा ॥ प्ये रं द र
म म ॥ ५ ॥ ल व क भू ड प डि म र लं प र य लं म

द्वारभवनिवर्गीतिगयभवभि। दधुपुरुषेडमव
रयमंअडिठीडिभा॥ प्येरंदरमभनरकरियेकेसव
कल्दधठरेभभनकभयमीनभनपंडुरठवम
गरपरभा॥ ७॥ एतिः यमुइभा॥

Handwritten text in Devanagari script, enclosed in a red rectangular border. The text is mostly illegible due to blurring, but appears to be a list or a set of instructions. Some words are written in red ink, possibly indicating emphasis or headings. The text is arranged in several lines within the border.





Handwritten text in Devanagari script, enclosed in a red rectangular border. The text is mostly illegible due to blurring, but appears to be a list or a set of instructions.

गी.
०

विषयगवर्तव्यश्रुतयः॥ विषयश्रीगवर्तनी
भालभद्रश्रीश्रीगवर्तव्यश्रुतयः॥ विषयश्रीगवर्तनी
श्रीगवर्तव्यश्रुतयः॥ विषयश्रीगवर्तनी
श्रीगवर्तव्यश्रुतयः॥ विषयश्रीगवर्तनी
श्रीगवर्तव्यश्रुतयः॥ विषयश्रीगवर्तनी
श्रीगवर्तव्यश्रुतयः॥ विषयश्रीगवर्तनी
श्रीगवर्तव्यश्रुतयः॥ विषयश्रीगवर्तनी

भा नैनेकिचुडिसुभुलि नैनेग रुडिपवकउड
रुधुहं नमः ॥ नमैनेक्केरुयडु पेनमेधयडिभा
रुडुडिडलनीहं नमः ॥ सुंछुह्यमरुह्यम
क्केह्यमेधुपवगेडिमहमहं नमः ॥ निहः भचरा
डः भुगगमलेयं मनउडुहं नमिक हं नमः
पसुमपडुपुलि मडमेधमरुभम उडिक

गी.
३

निधुकुहं नमः ॥ न न विप निद्रिह विन न वल
रुडी निम ड डिक र डल कर थ डू हं नमः ॥ ३ ॥
॥ ॥ नै नै कि क वि म भू लि नै नै रु डि प व क
ड डि ह म य य नमः ॥ न नै नै क म य डू पे नै मे ध
य डि भ न ड ड डि मि र मे भू रु ॥ न नै नै य भ रु
है य भ क्लै हू मे ध प व मे डि मि प ये व ध ए ॥ निहः

भवगतः भुक्तमल्लेयं मनउतउडिकवमयद्रु
भा पशुमेपाऊरुपालिमउमेवमरुभूमः
तिनेरहं वेधल ननविणनिमिष्टनिनन
वल्कनडीनिमउडभुयठल मीरुपुभीरुंभ
विनियोगः विपऊयपूडिविठिउंठगवडन
रयल्लनभुयं वृभेनगुविठिं पुरल्लभनिनभ

गी.
३

सुमन्त्ररुते सङ्केतभाउवदिन्नीठगवडीमभ्ररु
साष्टायिनीमभ्ररुभनभ्ररुगभिठगवडीतेठव
इधिल्लीमा नैमभ्ररुतेवमविमालवकेकल्लरा
विमयउपरेन येनहुयठरउतेलप्रलःभ्ररु
लिउेष्टनभयःभ्ररीपः भ्रपत्रपारिणउयतेइव
इकपल्लये सुनभ्ररुयदल्लयगीउभाउरुते

नमः॥ भवेत्पनिषद्गैर्वैष्णुगोपलनञ्जनः पा
देवद्वःभृषीहृक्कुरुयुगीतभातंभरुता॥ वभुर्व
भुतंभुवकंभसात्रभरुनभा॥ देवकीपरभातं
दधुवके॥ गङ्गुरुभा॥ ठीधुदे॥ उल्लयदुष
॥ ललागात्रनीलेपलमल्लुगदुवरीदयी॥
वरुनीकलनवेलकुल॥ मसुदुभविकल्लये

गी.
५

रभकरा सुदेण न वडिनी भेडी लायल प ॥ १ ॥ वैः जा
मनमी कै वड के के मवे ॥ पर म द व मः भरे ॥ भ
लंगी ॥ ग ग वे ॥ ए न न ग ए न क के भ रं ॥ रिक
ष म भे ॥ न वे ॥ पि उ भा ॥ ले के म ॥ न भ ॥ ए मे र ॥ र
रुः पे ॥ पो य म नं ॥ भ म ॥ रु य ॥ रु र ॥ उ प ॥ रु ॥ क लि ॥ भ
ल ॥ प्र ॥ भि नः ॥ मे य मे ॥ भु कं ॥ के ॥ डि व ॥ म लं ॥ प ॥ ल

सुयतेगिरिभा ॥ यरूपउमकुंवकेपरभा नरुभा एव
भा ॥ यंचरुवमलरुमरुमरुतः सुवृत्तिमिहैः सु
वैवेरुः भा सुपमरुमेपनिषरुमे न यत्तियंभा म
गः ॥ ए न वमिउउरुते नमनभा पष्टुत्तियंयेगि
नेयभृत्तुनविरुः भृभृभृग ॥ ० रुवयउभेनमः
यमभृत्तुन ॥ एरुकेरुमरुकेरुमभवेउयय

गी.
५

इवः॥ भमकः पञ्चवस्त्रवकिभक्तचउभाक्षय ०
भाक्षयावप ॥ कृष्णउपञ्चवनीकंद्वंरुदे
एनभुम ॥ सुमदमपमङ्गभुगएवमनभववी
उ ॥ पञ्चैरं पालुपुइल्लभमदमरुंतीसभ
भा ॥ द्वंरूपसपुइल्लउवमिष्टुलीभीउ ३
पुइमृगभरुंभुमठीमल्लनमभायणि यप

एनेविगएस्वरूपमस्वभद्रगवः ॥ ५ ॥ यधुकेउस्वे
किउनःकमिरस्ववीदवना ॥ धरुस्त्रिउठे
स्वमेवस्वनरपद्मवः ॥ यणभद्रस्वविद्रुउउउभेस
स्ववीदवना ॥ भेरुकेरेपदेयस्वभचावभद्र
गवः ॥ ६ ॥ मभद्रकंडविमिधुयेउत्रिवेणकुले
उम ॥ नयकभममैवमुमंल्लुऊउस्ववीमिउ ॥ १

गी.

भित्तः ॥ लीपमेव ठिगवतु ठवतः मवतवदि ।
उभुभाह्ननयन्तुं कुरुयः पिता मरुः ॥ भिन्ना
रं विनष्टैः सन्तुष्टैः पूता पवना ॥ ०३ ॥ उतः स
हस्रठदस्य पानकगे भापः ॥ मरुमेव ह
रुतुममरुमुभलेठवत ॥ ०३ ॥ उतः सुतेह्येय
कमरुतिभुक्तने भित्ति ॥ भापवः पानवसेवदि

गी.
१

हृमं ह्येधुमपः ॥ ०१ ॥ पाद्वं हंरुधीके मेमेवम
उपनाहयः ॥ पे' हंम पे' भम मं हंठी भक म्वाके
मः ॥ ०२ ॥ ननउवि हं यं र स कृती पइयुणिधुरः
नकलः मरु मेवसुभ पेधमलिपुधके ॥ ०३ ॥ क
सुसुपरमेधुमः म्माप' हंम भम रषः ॥ ०४ ॥ यधुह
मेविर हं सुभ हकि सुपर हं ॥ ०५ ॥ ह्यमेदे

परमेश्वरसुभचमः पाषाणपत्रे ॥ मंत्रसुभचमः
मन्त्रसुभचमः पूषकृषक ॥ ०३ ॥ मन्त्रसुभचमः
रुद्रय निवृत्तयत् ॥ नरसुपाषाणपत्रे ॥ मन्त्रसुभचमः
वृत्तयत् ॥ ०४ ॥ मन्त्रसुभचमः
कृषिपुत्रः ॥ मन्त्रसुभचमः
रुद्रय निवृत्तयत् ॥ मन्त्रसुभचमः

गी.
३

रुठयेमऐरषेभुपयमेष्ट ३० यवमेरविगीक
रंयेकुकाभनवभित्तन कैमयभरुयेकुहम
भित्तनमभरुमे ३३ येकुभननवेकंयपउ
इमभगाउः ॥ पउरभुभरुदुदुकेपियसिकी
द्ववः ३३ ॥ भययउउरावभजेरुधीकेमेय
रुकेमेनठराउ भनयेरुठयेमऐभुपयिदरावे

उमभा ॥ ठीपुके ॥ प्रभापतः मचेधं ममकीकि
उभा ॥ उवमपऊपमुत ॥ ममवेतकुडनिडि ॥ १५
रपमुडिउचऊः पिछनवपिउमऊन ॥ मुम
रमउल ॥ कुडमुइये ॥ इकापीभुव ॥ सुमुग
कुडमुसैवमैनयेमरुयेरपि ॥ उऊभीहमके
उयः मचववुनवभिउन ॥ कपयपरयवि

गी.
७

श्रीविधीरुत्रिममचवीडा ॥ **पुनः प्रसादात् ॥** नृपुं
सुखं नंदपुययमं ममपमिडभा ॥ श्रीरुत्रिममगं
इलिभांपमपरिसुधुति ॥ ३३ ॥ वेपपुसुमगीरमेरेम
रुमसुसयते ॥ गङ्गीवंमंमतेरुमुदुज्ञैवपरिमरु
ते ३७ ॥ नममकेष्टुवमुतेरुमगीवममेमनः निभि
डुनिसपष्टुमिविपगीडनिकेमव ३८ ॥ नममेयैवप

सुभिरुहसुनभारवे नककेविः यंदधुन
मरुं भापनिम ॐ किंनेरुं नगेविक्किंठो
गेलीविडेनव ॥ येषभजेकाकिउंनेरुं ठेगः ॥
सुपनिम ॥ उडमेवकिउयुडेपुं ॐ मुकुपननि
म ॐ सुमदः पिउरः मुइमुषेवमपिउभदः
भाउलः सुसुरः पेइः मुलः मधुविनमुष ॐ

श्री.
००

जलकयदुंमैधंमिहैरुसपउकभा॥३७॥ कवैन
ह्येयमभ्रुतिःपापमभ्रुविवरिउभा॥ जलकयदु
उंमैधंपूपसृष्टिलनमन॥३८॥ जलकयेधूपसृष्टि
जलपमःभनउरः॥ पमैनपुजलंददुमपमैति
ठवइउ॥ नपमठिठवइधूपसृष्टिजलभियः॥भी
धूपसृष्टिभवइय सयउवलमइः॥३९॥ मइरो

गी-
००

नरकयैव कुलध्वनं कुलभूषणं ॥ पतत्रिपिउरैरुधंल
धुपिनेमकद्वियः ॥ २७ ॥ मेधैरेडैः कुलध्वनं वा
लभद्वरकरकैः ॥ उमृदुतेरुडिपमः कुलपमस
मासुडः ॥ २८ ॥ उमृवकुलपमं ॥ २९ ॥ मवधुं ॥ ३० ॥
द्वन ॥ नरकैरियडं वमेठवडीद्वनसुसुम ॥ ३१ ॥ न
रैवडमरुमपंकडुं हवभिडवयभा ॥ यदु ॥ ३२ ॥

तलेठेनरुतुं सुल्लनभुत्तुः ॥ ३० ॥ यस्मिन्मभपूती
 करमसभुं सभुपल्लयः ॥ ३१ ॥ अत्राशुगले रुद्धमुं
 केभउंरुवेत्तु ॥ ३२ ॥ अत्राशुगले रुद्धमुं
 नः मल्लुरवेपभुत्तुपविमत्तु विमल्लमसरेत्तुपं
 मेकभंविप्रभनमः ॥ ३३ ॥ अत्राशुगले रुद्धमुं
 अत्राशुगले रुद्धमुं अत्राशुगले रुद्धमुं

गी.
०३

मेव मेहनविषयमेव मयुषमेष्टया ॥ माचय
वरा ॥ विडेउषरुपयविष्णुभभूपलकलेक
भा ॥ विधीरुतभिमंवाकृभवममपुमुनः ०
मीरुगदपुवमग ॥ ऊडभूकमलभिमंविषम
ममपमिउभा ॥ मरदएधुमसुनुमकीतिकर
मेहन ३ ॥ क्लेष्टमभगमः पऊनेउहयपपह

[illegible]

गी-
०३

मपइमाङ्कुरं हं मरुमपि मपि पट्टमा ॥३॥
वयमस ॥ एवमकुरुधी के संगुरु के संः पर
उप नयेदुःखिगे विरु मकुरुधुं वरु ॥७॥
उभवा मरुधी के सं पूरु मत्रिवरु ॥३॥ मै नये म
ठये मष्टे विधी मत्रु मि सं वरुः ॥१०॥ मरु वरु न
रा म ॥ म मेष्टु न वरु मे म भुं पूरु वरुं सुठ प मे

गी.
०५

गङ्गा मुनगाङ्गं मुञ्च न न मे सति पङ्क्तिः ॥ ०१ ॥ न ह
वाङ्गं सङ्ग न मे न ह न मे न न पिय ॥ न मे व न ठ वि
धुमः म च व य मङ्गः परमा ॥ ०२ ॥ न ह न मे न ह न
मङ्गं न के मङ्गं यो व न ह न ॥ उ घ न ह न न ह न
हीर मङ्ग न मङ्गति ॥ मङ्ग मङ्ग मङ्ग न ह न मङ्ग न ह
मङ्ग मङ्ग मङ्गः मङ्ग मङ्ग मङ्ग न ह न मङ्ग मङ्ग मङ्ग

८४३॥ यंदिनवृषयत्रुतेपरुषंपरुषवृष ॥ भम
रुःपभुपपीरंमिभाउरुयकलुते ॥ नभते
विहृतेरुवेनरुवेविहृतेभतः ॥ उरुयेरपिरु
भेउभुनयेभुदुमिनिः ॥ ०१ ॥ नविनमिउउहि
हि येनभचमिउउभा ॥ विनमभवृयभृभृ
नकहिउउभदुमि ॥ ०३ ॥ नउवउउमेरुनि

गी.
०५

हृष्टेऽङ्गमरीगिरिः ॥ मन्मिनेपुमेयभुतभृष्ट
भुक्त ॥ ०७ ॥ यापनेवेतिरुतुगंयसुनंभुतेरुतु
उत्तेतेनविष्टनीतेनयंरुतिनरुते ॥ ३ ॥ नर
यतेभियतेवकरुमिचयंरुष्टुठविष्टवभृष्ट
मलेनिष्टःमभुतेयंपरलेनरुतेरुतुभनेम
रीरेवेष्टविचमनेनिष्टयानभृष्टभृष्टयभा ॥

कषमभुरुषः पऊकं प्पुउयति रुत्रिकभा ३३
वभं मिस्पील नियप विरुय नव निगलू डि
नरेपरलि उषमरीर लि विरुय स्पील वृवृ
निभंय डि नव निरेली ३३ नैनें कि रुत्रिमभु
लि नैनें रु डि पवकः नमनें क्लमयवृ पेनेम
धयति मरुतः ३४ पमुनेय मरु रुय मक्ले

बी-
०

हेमेषुपवम॥ निहःभवगातःभू॥ १॥ मलेयंभनउ
नः॥ ३५॥ महज्जेयभमिहृयभविकदेयभसृते उ
भद्रकेवंविमिहृनेन नमेमिउभद्रमि॥ ३६॥ मघमो
ननिहृएउंनिहृवभहृमेभाउभा॥ उषपिहृभरु
चकेनहृमेमिउभद्रमि॥ एउभृदिपूर्वेभाइवृ
वेष्टमभाउभृम उभद्ररुपरिकदेऊनहृमेमिउ

मदमि ३३ ॥ महकुमीनिकुडनिकुममृनिठ
१३ ॥ महकुनिपनवेवउरकपरिसेवन ३७ ॥ सु
सुदवदसृडिकसिमेनमसुदवदमडिउषेनमहः
सुसुदवसेनमहः ॥ म्पल्लिमूहुपुनवेमनमेवक
सिडा ॥ ७ ॥ केकीनिकुमवऐयंकेकेभवसुठ १३
उम्दइवलिङ्कडनिकुडमेमिउमदमि ३० ॥ सु

गी.
७१

पद्मभाषिणवेकनविकमिडुमद्गमि ॥ पद्मस्रिया
कृष्णैवेवकृष्टियमनविहउ ॥ ३१ ॥ यमस्रयमपपत्र
भुनक्तुमपायाउभा ॥ भुपिनः कष्टियः पाऊलर
त्रेयकृमीममभा ॥ ३२ ॥ मधमेहमिमं पद्ममद्गमन
कविष्टमि ॥ ३३ ॥ भुपमंकीतिंमदिहपापमवेष्टु
मि ॥ ३४ ॥ मकीतिंमपिद्वनिकषयिष्टुतिउवय

भा भंठविउभृगकीडिंमर॥७॥रुडिरिसुते ३५ ठ
यरु॥७॥रुपरउंमंभृतेहंभरुगः॥येधंमहं
वरुमंउंरुहयभृमिलपवभा॥भवसुवकं
सुवद्रुवमिपुडिउवदिः॥॥निरुउभुवभमहं
उंरुः॥पउंरुकिभा॥रुउंरुपभृमिभुनेदिह
वठेहमेमलीभा॥उभृरुडिभृकतेययद्रुय

श्री-
०३

वद्विरेकेकज्जननकन ॥ वरुमापलुनउसुवुद्वये
हवभायिनभा ॥ ५३ ॥ यमिमं पृथिउं वसंपूव
रुवविपसिउः ॥ वेरुवरुउः पऊनरुमभीहव
मिनः ॥ ५४ ॥ कभमनः सुनपरु ॥ मकमल
पूरुभा ॥ क्रियविमेधवफलं ठेगैसुटगां पृति
ठेगैसुटभूमज्जनं उयपलुउमेउभाभा ॥ हवभा

गी.
७७

यद्विकवद्विः मभापेनविणीयते ॥ ५ ॥ इगुष्टवि
षयवेरु निभेगुष्टवत्तन ॥ निभुक्ते निष्टमह
भे निदेगके मभ्रमवना ॥ ६ ॥ यवनरुउरुप
नेमवतः संभ्रुतेरुके ॥ उवचुवेपवेरुपवद्वि
भुविलनतः ॥ ७ ॥ कमष्टवपिकरमुभाठलो
पकममन भाकमठलके उरुमतेमभेभुक

ममि ॥ ३३ ॥ योगभूः कसकममि मङ्गदृष्टा
कृय मिहूमिहूः ममेद्रुमममंयेगाउमुते ॥ ३४ ॥
उरे ॥ लवरेकमवृष्टियोगपनाकृय वरे मर
॥ मविहूमरुप ॥ ३५ ॥ ललयेउवः ॥ ३६ ॥ वृष्टियुगे
ललडीकउठेभुउरुः ॥ ३७ ॥ उमृहृगायय
लुभयेगः कममकेमलभा ॥ ३८ ॥ कमरेवृष्टि

गी.
३०

यज्जदिलं हकु मनीषिः ॥ १८ ॥ चरुविनि
जः परं गमुतु न भयम् ॥ ५३ ॥ यमते मेरु कलि
लं वद्विहति उरिपुति ॥ उरु गतु भुवि चेमं मे उव
भुम उभुम ॥ मूति विपुति पत्र उयम भुम उति विम
ल ॥ १९ ॥ भम एवमल वरि
भुम योग भवा भुमि ॥ ५३ ॥ ॥ ॥ भुमि

पुल्लमुकठपमभापिभुभुकेमव भित्तीः किं
ठपेडकिमभीडवृणीडकिं ॥ ५३ ॥ श्रीगणेशाय नमः
॥ पुल्लमुकठकिमयमः कचचठमनेगडन
समदेवमनउधुः भित्तीपुल्लमुकेसूडे ॥ ५४ ॥ कृष्ण
पत्रद्विग्रमनः भविषविगडभद्रः ॥ वीडगठय
हृणभित्तीः भविरुसूडे ॥ ५५ ॥ यः भवइवठिभो

इत्येकं कामं कर्मसु षोडशयुतं +

प्रमथीनिदरतिप्रमथंभनः॥५७॥ इतिमचा
लिमंयमुयक्तुभीउमद्यः॥ वमेरियमुद्रि
यलिउमुपुल्लुपुतिधितः॥ ७॥ एयउविषयदं
मःमल्लमुप्रपलयउ॥ ७८॥ कृणुवतिमंभेदः
मंभेदमुतिविदमः॥ अतिहंसकुक्षिनामेव
क्षिनामादुल्लुमुति॥ ७९॥ रगकुषवियुक्तेमुविषा

गी-
३३

यनित्रियेस्वरना ॥ उरुवेष्टेविषेयम् पूमरुम
पिगसुति ॥ ७३ ॥ पूमरुमवरुःपनरुनिगुमे
परयते ॥ पूमवरोडमेष्टसुवदिः पदवीडिषु
ते ॥ ७४ ॥ नमिबुद्धिरयकुमुनमयकुमुठवनः
नमठवयडः सतिरमात्रमुकुडः शुपभा ॥ ७५
७६ ॥ क्रिया ॥ क्रिसरुं यम्नेत्रविणीयते ॥ उरुमु

कगतिपुल्लंवयवमिवभुमि उम्भृष्टुभृष्टुव
केनिगपदीडनिमचमः उम्भृष्टुनेम्भृष्टुनेम्भृष्टु
ष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
गतिमंयमी यष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
नेः यष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु
मत्रियष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु

गी.
३३

प्रेतिनकभकभी ६७ विरुयकभट्टःभवचुभं
सुरतिनिभदः॥ निममेनिरुद्धःममतिमष्टा
गसुति॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
रुति॥ भिदभुभउकलोपवक्रुनिव॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
ति॥ १०॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
हयंयेगमभेमीरुद्धनभंवरेभहृयेगेन

मविनीयेष्टायः ॥ अलनउतयगा ॥ विष्टयमेमेष्टमा
लमेभडावक्षितलनन ॥ उकिंकमलिप्येरभंनि
येष्टयभिकेमव ॥ हामिमेलेववहोनवक्षिमे
रुयमेवमे ॥ उमेकंवरुनिष्टिष्टयेनमेयेरुभाप्रय
ग ॥ ३ ॥ अलनउतयगा ॥ लेकेभिष्टिविणनिधु
परापेष्टमयनप्य ॥ एनयेगीनभाष्टनंकमये

गी.
३२

गीनयेगिनं ॥ नकम ॥ मनरभुनेधुमुं परुषे
मुते ॥ नमभत्रुभनरेवमिदिमभणिगमुते ॥ २ ॥
नरिककसिद्धुलमपिएउतिभुतिकमदडा ॥ क
दउरुवमः कदमचः पदतिले नलेः ॥ ५ ॥ कमे
क्रियालिभंयमुयमुमेभनमभ्ररा ॥ ६ ॥ दि
यऊविभ्ररुमभिष्टमरभउमुते ॥ ७ ॥ यभि

क्रियन्मिभनभनियभ्ररुउल्लन कमेक्रियैःक
मयेगभभक्तःभविमिष्टुते १ नियउंऊरुकमहं
कमष्टयेरुकमलः ॥ मरीरयइपिमउनपूभि
हूमकमलः ॥ यल्लुऊऊमल्लुइल्लेकैयंकमच
वृत्त ॥ उरुऊंकमकैउेयभक्तःभक्तभभमर ७
भक्तयल्लःपूरःभक्तपूरैवमपूरपतिः मने

गी.
३५

नपुमविष्टममेधवेभिषुकमसका॥०॥ मेवठ
वयठनेनडेमेवठवयउव॥ परभदंठवयउः
यापरभवपुष॥००॥ ८५ धुहेगठिरेमेवठ
मुतेयलठविठः॥ उठउनपुठयेहेयेठउमेन
पवमः॥०३॥ यलमिधुमिनःमतेममुतेमचकि
लिधैः॥ ठाल्लतेउठपं पापायेपसठुठक॥७॥

॥ ०३ ॥ मनःकृवति कृतनिपल्लवः कृतमभवः य
हृदयवति पालयेयल्लकमभवः ॥ ०४ ॥ क
वृक्षकृतं विद्विष्य कृतमभवः ॥ ०५ ॥ उभय
उत्तमनिष्टं यल्लभुतिष्ठितम् ॥ ०६ ॥ एवं पूर्ववत्
सर्वत्र वदुयते रुयः ॥ ०७ ॥ यथा यदिक्रियारमे
यं पञ्चमणीवति ॥ ०८ ॥ यथा कृतं विरेव श्रुतम्

गी-
३

ममपि सुभानवः ॥ अथैवमभुषु सुभुक्तदं न
विहृते ॥ ०१ ॥ नैव उभुक्तुते न जे न रुते नैव कसुन
नम सुभचक्रुते भुक्तुमिह उपसृयः ॥ ०२ ॥ उभ
रुमक्रुमउंक दंक मभममर ॥ अमजे रुमरु
मपरम प्रेतिप्ररुधः ॥ ३० ॥ कर्मलैवदिमं मिदि
मभुक्तु नक रुयः ॥ लेकममरु मेव पिमंभ

सुदुभममि॥३॥ यदुममगतिमेधुभुउमेवैउरे।
एनः॥ मयदुभां॥ कुमउलेकभुमनवउउ॥३०॥
नमेपऊभिकउहंरिपलेकेपुकसुन ननवा।
पुमवापुहंवउएवमकमलि॥३१॥ यदुहउंन
वउयंसउकम॥ उउमिउः॥ मभवदुनवउंउम
नपुः॥ पऊभवमः॥ उमीरेयमिमेलेकनऊदं

श्री.
५२

कमसेरुभा ॥ मङ्गरभूमकडभूपरुहमिभाः
पूरः ॥ भङ्गकमटविङ्गमेयवज्जचिठरउ जट
विङ्गभुषभउज्जिकीदलेकमङ्गुं नवविठरं
नयेरुहं कमभङ्गिभा ॥ विषयचकम
लि विङ्गदृङ्गभमगरना ॥ ७ ॥ पूरुउः विषम
निरुलिः कमलि भवमः ॥ चङ्कगरविभुं क

इहमिडिमवृते उहविडमरुवदेगुलकमविठग
येः गुलुगुलुषवतुं उडिभरुनमल्लते पुरुते
गुलुमंभुलुमल्लतेगुलुकमभ उवरुडुविमेभ
कडुडुवित्रविमलयेडा मयिभवलि कडुलि
मंहुभृष्टकमडम विरमीविममेडुडयडुडु
विगडुडुः ३० येमेभडमिंनिहेमवडिधुडिभ

गी-
३३

नवः॥ मङ्गलं नमः यत्ते मङ्गलं तेषां कर्मणिः॥ ३०॥ ये
हृदयं हृदयं यत्ते नमः तेषां कर्मणिः॥ मङ्गलं नमः
मङ्गलं नमः तेषां कर्मणिः॥ ३१॥ मङ्गलं नमः
मङ्गलं नमः तेषां कर्मणिः॥ ३२॥ मङ्गलं नमः
मङ्गलं नमः तेषां कर्मणिः॥ ३३॥ मङ्गलं नमः
मङ्गलं नमः तेषां कर्मणिः॥ ३४॥ मङ्गलं नमः
मङ्गलं नमः तेषां कर्मणिः॥ ३५॥ मङ्गलं नमः

मृय च्छुपमेविगुलः परणम कुनमिउम सुप
मेनिपनेमृयः परणमेरुयवरुः ॥ ७५ ॥
मषकेनप्रसुकेयं पांमरातिप्ररुधः
मनिमुत्रीपवमृयवलमिवनियेलिः ॥ ७६ ॥
कामाधरेणपधरेगु
ममरुवः ॥ मरुमनेमरुपाध विरुनमि

गी.
३७

रुवेरि॥भा॥ प्रमेनवियउवक्रिदषरुजेभलेन
म॥यषेलेनवाडेगहभुषडेनेरुभावाउभा॥३३
मुवाउंल्लनमेउंनल्लनिनेनिह्वैरि॥५॥ कभरुप
केतुयरुधुरे॥५॥नलेनम॥३७॥ उद्वियलिभने
रुद्विरभुपिधुनभमृउ॥५॥उविमेरुयह्वल्लन
मावृह्वरुकिनभा॥५॥उभ्रह्वभिद्विय॥५॥मे

नियमनगउघठ॥ पपनंपूलकिहूनंल्लनविहून
नमनभा॥ २०॥ उक्रियलिपरा॥ २०॥ करिद्रिय
हः परंभनः॥ मनममुपरावहः येवहियपउमुमः
मवंवहः परंवहः मंभुहः नममन॥ २१॥ किमहं
मरुवहः कभहुपंरुमरुभा॥ २२॥ ॥ २३॥ ॥ २४॥ ॥ २५॥
दगावही॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥

ती-
३

मीठगवाचवाम ॥ ५ भं विवभुते येगं भूजव नरु भव
यं विवभु ननवे पूरु म नगी क कवी ववी ज ० १
वं परं परा पू पु भि भं र ॥ ६ ये विरुः भ क ले ने रु
भ रु र ये गी न पूः परं तु प ३ भा र वा यं भ य उ ह
ये गः भू जः परा उ नः रु क्ते भि म भा ण म ति र रु भं

ह्रस्वमभा ३ ॥ पल्लवः ॥ अपरं ठवर्ते ॥
परं ॥ अविबभूवः कषमेड्डिलनीयं ह्रमा मे भूज
वनिडि ॥ ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ वक्रनिमेवुडीडि
॥ अविडवमलन नवृण्वेममचलि नवृण्वेडुप
रेडप ५ ॥ अलिपिभववृयं कृकृड नभीसुरेपिम
न पूरुडिंभमपिभूयमंठवभृमभयय ॥ ७

गी.
३०

यद्ययल्लिपमभुल्लनिठवतिठरउ ॥ महुहुनभ
पमभुउरुद्वनेभाएभुलभा ॥ परिइ० यमप्र
नंविनामयमरुभुउरभा ॥ पमभंभुपनउयमं
ठवभियगेयगे ॥ ३ ॥ मकमममिद्वमेवंयेवेति
उहुउः ॥ दहुमेकंपनलमनेतिभमेतिभेलन ॥ ७
वीउरगठयकेणभमयभभुपामिउः ॥ वरुवे।

सुनउपमप्रमरुवमगडः ०॥ यियषमंपुप
हृतेउमुषैवठएभुठभा ॥ भभवम्रउवउंउभउधुः
पउमचमः ०० ॥ ककउःकमं०मिडिं०एउ
०रुमेवडः ॥ किपुंदिमउषेलेकेमिडिठवठिक
मए ०॥ मउचलुंमयभापुंगु०कमविठग
म ॥ उभुकडरमपिमंविहुकडरमवयभा ॥ न

गी-
७३

भं क म लि लि पु त्रि न मे क म ल ले म्म ल ॥ ७३ ॥
ये ठि र र उ क म ठि उ भ व ए उ ॥ ७४ ॥ ए वं लु लु
उं क म प्र चै र पि भ भ क ठि ॥ ऊ र क मै व उ म्म रं प्र
चै ॥ प्र च उ रं र उ मा ॥ ७५ ॥ किं क म कि भ क म उ क व
ये प्र र्मै र्मि उ ॥ उ उ क म प्र व क्क भि य लु लु मे क
मे सु ठ ग ॥ ७६ ॥ क म ॥ रु पि वे र्म रं वे र्म रं वि क

कमलः ॥ एकमलसुतेसुहृंगरुनकमलंगतिः क
मलकमयः पहेरुकमलिसुकमयः ॥ मवक्षिभा
मरुषुभमयुक्तः रुद्रकमरुग ॥ १३ ॥ यष्टमवेमभ
रभुः कमभमल्लवलिङ्गः ॥ सुनगिरुगुकमल
उमरुः पलिङ्गवणः ॥ १४ ॥ दृष्टकमल्लभम
निहृष्टेनिगमयः ॥ कमलठिभुचिडिपिनेवकि

गी.
३३

निष्ठुरेतिमः ॥ ३१ ॥ निरसीरुतमिदुद्गृहकृमवपरिग
रुः ॥ मरीरंकेवलंकमकृचवप्रेतिंकलिधभा ३०
यन्धकलकमकुप्रेकुडुडीउविभङ्गरः ॥ भमःभि
कुवभिङ्केमरुहपिननिवष्टे ॥ ३२ ॥ गरुभङ्गभु
कृष्टुष्टनवभित्तुमेरुभा ॥ यष्टुयमरुतःकममभं
प्रविलीयते ॥ ३३ ॥ वक्रदं वक्रुविबुक्रयेवक्र

ॐ रुतभा ॥ वृक्षैव उत गतुं वृक्षकर्ममभयिन ॥
१२ ॥ कैवर्मेव परेयलं ये गिनः पदपामते वृक्ष
प्रवपरेयलं यल्लेनैवेयलं रुति ॥ १५ ॥ मृदुमीति
क्रिया ॥ वृक्षैव मयमभयिषुलं रुति ॥ मृदुमीति
ननु ॥ क्रियागिषुलं रुति ॥ १७ ॥ भव ॥ क्रियाक
मलिपुलकमलिमापरे ॥ वृक्षमयमयेगणे

गी.
३२

एकतिष्ठनमीपिउ॥३१॥ नृहयल्लभुपेयल्लुयेगया
ल्लभुषापरे॥ सुष्टयल्लनयल्लुसुयउयःभंसिउव
उः॥३३॥ सपनेएकतिष्ठुल्लधूलपनेउषापरे
धूलपनगउरुहुधूलयामपरायल्लः॥३७
सपरेनियउरुःधूलधूलधूलकति॥भवेष्ट
उयल्लविमैयल्लःकपिउकलिधः॥३॥यल्लमि

धुभाउकुलेयत्रिवक्रमनउने॥ नयंलेकेभृयल्लभृ
ऊउहृ॥ ऊरुभउम॥ ३०॥ एवंवरुविणयल्लविउउवा
ऊल्लभपि॥ कम्पत्रिद्विउमचनेवल्लद्विमेकमे
मेयंरुवभयल्लल्लनयल्ल॥ परउप॥ मचंकम
पिलंपऊल्लनेपरिभभापुते॥ ३१॥ उद्विद्विपूलिप
उनपरिपूत्रनमेवय॥ उपकेकृत्रिउल्लनंल्लनिनभ

गी
३५

इमञ्चिनः ॥ ३५ ॥ यल्लुङ्गनपुनमेकमेवंयश्चमिपा
व येनङ्गुडवृमेधेनरूढाश्चवृषेभयि ॥ ३६ ॥ मपि
वेरुमिपापेहः भवेहः पापतुमः ॥ भवेष्टुनपुवे
नैवव्यस्तिनमंतविष्टमि ॥ ३७ ॥ येषैर्गमिमभिक्वेगि
हममभुङ्गुडेलन ॥ एनगिः भवकमलिठम
भङ्गुडुडुषा ॥ ३८ ॥ नदिष्टुनेनमममंयविष्टमि

विहृते । उद्युयं येगमं भिक्षुः कलेन द्रवि विहृति ॥ २० ॥
मद्रुवं लठते लुनं उद्युयः मंयते द्रियः ॥ लुनं लवु प
रं मद्रि भमिरे ॥ पिगमुति ॥ २१ ॥ मद्रु सु मद्रु एन
सुभं मय द्र विनमुति ॥ नयं ले के भिन परे न भापा
मं मय द्रनः ॥ २० ॥ येगमं द्र मुक द्र ॥ लुनं मं कि
नं मं मयं ॥ मुद्रु वते न क द्र ॥ न व प्र ति य ना क्ल य ॥ २३ ॥

श्री.
३७

[illegible]

वीरुगतावतासा॥ मंत्रमः कमयेगसुनिमैयभक
रवठे॥ उयेभुकममंत्रभाकूमयेगेविमिपुते॥ १॥
ल्लयः मनिहमंत्रभीयेनकेधिरककडि॥ निमुके
दिभरुवकेभापंवत्रुधुभसुते॥ मरुयेगेपा
षण्डलः पूवमत्रिनपंठिउः॥ एकमभुमिउः
मभुगुठयेचिरुतेडलभा॥ २॥ यमहाहैः पूपुतेभ

गी.
३१

वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ ३ ॥ पुलपविम्भारम् ॥ ४ ॥
पत्रमिषत्रपि ॥ ५ ॥ विष्णुमीश्वरयुक् ॥ ६ ॥
यना ॥ ७ ॥ वृद्धाय कर्मलिभङ्गदृक् ॥ ८ ॥
यः ॥ लिपुतेनमपयेनपद्मपद्मिवाभुम् ॥ ९ ॥ क
येनमनमवृद्धकेवलेगिम्भैरपि ॥ १० ॥
कुचविभङ्गदृक् ॥ ११ ॥ यजःकर्मफलम् ॥ १२ ॥

गी-
३३

हृमतिभप्रतिनैधुकीभा । अयऊ। कमकरे ॥ ६॥
मऊनिवष्टे ०३ । भवकमलिभनभमं वृष्टुभुभु ।
पिवमी नवसुरेपुरेकेनैवऊववकरयना ०३ ।
कइइंनकमल्लेकभुभा ॥ १॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मयेगेभुठवभुपूवउउ ० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
मैवभुऊउंविहः । अल्लुनेनयउंल्लुनंउंनभहुति ॥

उवः॥०५॥ सुनेनउउरुसुनेयधंनमिउमधनः॥उध
भकिइवसुनेपूकमयतिउधरभा॥०७॥उसुसुय
भरुधनं॥मुत्रिधुभुधराय॥०८॥गसुसुधन
व्यतिंसुननिउउकल्लयः॥०९॥विहृविनयभंय
त्रेवृल्लगविहृमिनि॥मुनिमैवसुयकैमयधि
उःभभरुमिनः॥०९॥उरुवउलिउःभनेयधंभा

७३

वतः के तु य न उ पुर म उ व णः ११ म के गी के व य मे
मे भू क्क गी र वि मे क ७३ क म रू पे रु वे वे गं भ य
ऊः भ भा पी न रः १२ ये तुः भ पे तु र र म भु ष तु
हे ति रे व यः ॥ म ये गी व रु नि च ७ व रु रु उ ते णि ग रु
ति ३४ ल रु ते व रु नि च ७ म भ यः की ७ क ल रु वः
कि व रु ण य उ म नः म च रु उ रि उ र उः ३५ क म

गी.
२०

नेपवियुक्तं यदीनं यउमेइभाभा मठिउवृकनि
चालं वउउ विमिउइ नभा ३० मज्जवृकवाकडा
हं स्रकं स्रवउरेइवेः ॥ ५० ॥ पने ममे रुह नभा
हउरमारिले ३१ यउमियमनेवृदि मनिमेकपा
यलः विगउस्रुठयरेपेयः मम भऊपवमः ३२
ठेऊरंयल्लउपमं मचलिक मरु मरभा मरुं

भवद्गङ्गा नंद्गङ्गा भंमतिमपुत्रि ॥ ३७ ॥ पुत्रिनी
रुगवद्गङ्गा अपनिपद्गङ्गा विद्गङ्गा यो यो गमभु
मीरुद्गङ्गा लनभंवरु भंमतिमपुत्रि ॥ ३८ ॥
यः ॥ रुगवद्गङ्गा मः ॥ विमनमिडः कद्गङ्गा
कद्गङ्गा कद्गङ्गा गेतिमः ॥ भमभुभीमयेगीमननिर
पिडगङ्गा रियः ॥ यंमभुभंमिडिपुद्गङ्गा देगंउंविदि

गी.
५०

पञ्चव नरुमं वृममल्लयेगीठवतिकसुन ३
उरुमुकेमनेदेगंकमकरलमसुते ॥ योगकु
भुतभुवममःकरलमसुते ॥ ३ ॥ यमदिनेदि
यकेषनकमभुनधल्लो ॥ मवमंल्लमंभुमी
योगकुमभुनेसुते ॥ ४ ॥ उरुमेमभुनभुनेनम
नभवमभुयेग ॥ सुमेवल्लमनेववुरमेवगिभा

[illegible]

गी-
२३

वदुष॥ मपपुपिमपपेपमभवद्विचिमिपुडे ०
येगीयाङ्गीउमउंमद्वनंरुमिभिउः॥ एककी
यउमिउद्वनिरमीरपरिगुरुः॥ ०॥ सुमेरेमेपुति
पुपुभिउममनमाद्वनः॥ नद्विउंनतिनीमं
मेलरिनऊमेउरमा॥ ०॥ उइकगंमनःद्वय
उमिउद्वियरियः॥ उपविष्टमनेयाङ्गुहैगमम

विमुक्तये ०३ ममंकयमिरेगीवंपरयत्रमलंभिरः
मंपेकनभिकगंभंसिमसुचवलेकयना ०३ भ
मउद्वविगडठीदुक्रगरिवूडभिरः मनःमंय
भूमिउयकुभुभीडभदरः ०४ याल्लवेवंभर
मनेयेगीनियडभनमः मडिनिवापरभं
मंभंभंभणिरसुडि ०५ नद्वसुभुयेगेभिनमे

३३॥ योऽपि भवेत्सिद्धिर्निरुद्धं योगमेव य
मेव नूनं पञ्चदशनिष्ठं ३०॥ आपभाट्टि
कं यत्तु द्विगुणं मतीक्रियम् ॥ वेदियश्च मेव यं
भित्तुल्लिखितं ३०॥ यत्तुल्लिखितं पञ्चलं भवे
त्तन्निष्ठं ३३॥ यन्निष्ठं तन्निष्ठं ३३॥ यन्निष्ठं
विमलं ३३॥ तन्निष्ठं ३३॥ यन्निष्ठं ३३॥

गी.
२२

मंलिङ्गंभा॥ अनिष्ठयेनयेकवेयैगैनिचिःसोऽभ
३३॥ मङ्गल्यपूठवक्त्रंभृङ्गाभचानमेधतः॥ भ
नमैवेमियगुमंविनियभृमभतुतः॥ ३४॥ मनैःमनै
रुपरमेकृङ्गाण्डिग/कीउय॥ सुष्टमंभृमनःरु
हृनकिगिङ्गमपिमिबुयेडा॥ ३५॥ यडेयडेनिष्ठरति
भनसुङ्गलभभिरभा॥ उडभुडेनियभृउरुङ्गवे

ववमेनयेजु ३० ॥ पूमउमनमेरुनेयेगिनंभापम
उमभा ३० ॥ उयेतिमात्रि ३० ॥ मेवुऊऊउमकलधम
३१ ॥ याऊनेवंममऊनेयेगीविगतकलधः ॥ म
पिनवुऊमेममेमहनेभापममृते ॥ ३२ ॥ मचऊ
ऊमऊनेमचऊउनिमाऊनि ॥ ३३ ॥ कउयेगयऊ
ऊमचममममनः ॥ ३४ ॥ येमेमचइपमृतिमच

गी.
२५

गमयिपट्टि॥ उभृरुंनपू॥ सुभिमममेवपू॥
सुति॥ ३॥ भवदुतमिउंयेभंठ॥ देकदुभाभि॥
उः॥ भवषावदुभानेपिभयेगीभयिवउउ सुदे
पष्टेनभवभमं पट्टियेत्तन भायेवयमिव
रुः॥ येभयेगीपरमेभउः॥ ३३॥ यत्तनययय
येयंयेगभुयप्रेडाः भभुनमप्रभमन॥ सउभृ

ॐ नमः शिवाय ॥ ललितेष्ट ॥ ३३ ॥
 ललिभनः दधुधमा विवलयका मभा उभू
 देनिगदं भवे वा ये गिरभरु ध्रुमा ॥ ३४ ॥
 ललितेष्ट ॥ समं सयं मदुतौ दभने रुद्रिगुं
 मलभा ॥ चहमे गड के पुये वेरा गुत्रु गण्डे
 ३५ ॥ समं ये जग्गा यडे योगे रुद्र पति मे मतिः

वसुधैव कुटुम्बकम् ॥ मङ्गलार्चनम् ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

रूपपहुते ॥ ३७ ॥ मीठागवदम ॥ पडनेवेरुन
भइविनामभुविहुते ॥ नदिकल ॥ दकुसु
नतिउंगगमुति ॥ ४० ॥ पूपुपुदुंलेकनधिद
मासुडीःमभाः ॥ सुमीनेमीभडेगेकेयेगइधुकि
स्यये ॥ ४० ॥ मयवयेगिनमेवकुलेठवडिणीभड
भा ॥ पडदिकुलरुउंलेके ॥ मयमीममभा ॥ ४३

गी.
२१

उउउवद्विभंयेगंलठउपेचरैरिक्का॥ यउउगउउे
यःभंभिक्केऊननऊन॥ २३॥ प्रचहभेनउनेवक्रिय
उऊवमेपिमन॥ रिणुभुरपियेगभूमऊवऊउिव
उउे॥ २४॥ प्रयइऊउभनभुयेगीभंभिक्किक्किन्निधः
मनेक॥ २५॥ भंभिक्किभुउेयउिपरंगउिभा॥ २५॥ उप
भिहैपिकेयेगीलुनिहैपिभंउेपिकः॥ कभहस्रपिके

[illegible]

गी.
२३

भयषल्लभितुम् ॥०॥ सुनेउरुमवि सुनेभिसेव
कृष्टमेधतः ॥ यल्लुहनेरु कृष्टेव सुउवमवमिष्टुते
१ मवष्टु ॥ मरुमेष्टु कृष्टु उतिमिष्टुये ॥ यउउ
मपिमिष्टुने कृष्टुमेवेतिउहउः ॥३॥ कृष्टिगपेना
लेव'यः ॥ पेमनेवद्विरेवम ॥ मरुष्टु उतीयेमेति
त्रपुष्टुतिरपुष्टु ॥ ४ ॥ मपरयेमिउष्टुष्टु पुष्टुतिवि

क्षिमेपरभा ॥ लीवहुं भक्तवर्द्धययेरुण्डते
गता ॥ ५ ॥ तउहेनीनिहुं निभच ॥ ५ ॥ पणाय स
रुंरुमु ॥ गतः पूरुव ॥ पूलयमुष ॥ ७ ॥ मउः ५
गतं न वृद्धि ॥ गुरुभिपणन ॥ यः ॥ मयिभच ॥ मि
रुं ॥ ७ ॥ मउः ५ ॥ गतः ॥ १ ॥ रमेरुमभ्रके ॥ ३ ॥
यपूरुभि ॥ ममिमुदयेः ॥ पूरुवः ॥ मववेरु ॥ ५ ॥

गी.
२७

कः पिपेरुपंचपु उ पृष्टे गवः प्यसितं मउत्त
सुमि विठवमे लीवनं मचक्रुते पुउपसुमि
उपसिधु ७ वीष्टं मं मचक्रुते विद्विपु जम
नउने वसिउद्विभउमभिउत्त उत्त शिवम
रुभा ०० वलं वलवउत्त रुकभरगविवलि
उभा पद्यविरुक्ते पुकमेभिठउत्त ००

यमैवमष्टिकठवगलमभुमभसुये मडा
वेडिडविडिनरुंउपडेभयि ०३ डिठितुम
येठवेगेठिःमचभिरुंलगडा मेडिडंनठिरन
डिभमेहुःपरमहुयं ०३ मेवीरुधगुमभयीम
मभयइरइयममेवयेधुपहुतेभयामेड
डाडिडे ०३ नभेरुधुडिनेप्रठःधुपहुतेनग

गी.
५

मः॥ मययपहुतल्लनं पुसुगंठवममिः॥०५॥
मउविणठल्लुमेः॥ नः॥ मरुतिनेल्लन॥ पुउलि
ल्लुमुळुजील्लुनीमठगउछठ॥०६॥ उधेः॥ लुनीनिह
युऊः॥ एकठकुचिमिपुउ॥ प्रियेदिः॥ लुनिनेहऊ
मऊंममममप्रियः॥०७॥ उरुगः॥ मचापवैउः॥ लुनी
हृद्वैवमेमतिः॥ पुमुडः॥ मरुयऊमममेवः॥

उभोगतिभा ॥०३॥ वक्रनेः॥ मरुभउल्लवमे ५५
हुते ॥ वभुमेवःभवमितिममरुभरुल्लवः ॥०७॥
कमेभुमेहुउल्लवः ५५हुतेहुमेवः ॥ उतेनियम
भभुयभुल्लवनियः ५५ ॥ येयेयेयेउतेठकः
महुयमिहुमिहुति ३ ॥ उभुउभुमलंमहुउ
मेवविरुणभुल्लव ॥ भउयमहुययउभुभु

गी-
५०

एनमेरुते लठतेयतः कभमयैवविदिताद्वि
न प्रउवउलंतेधंउरुवहलमेणमे देवके
वयलोयतिमरुजायतिममपि प्रहजिह्वि
मपत्रंमहतेममवृक्षयः परंठवमरुतेमम
हयमरुतमम नरुपूकममवृक्षयैगमयम
मवतः मुनेयेनरिसनतिलेकेमममम

यभा ३५ वेरुं मम गीत निवडभा न निमलन
ठविष्ट निमलन निमं उवेरुन कमुन ३६ उक्क कुं
मम कुं न कुं मेरुन ठाड मचकुन निमं मेरुं मने
यति पंरुप ३७ येरुं उरुगडे पंरुं न न पं
कमल ३८ उरु कुं मेरु निमलन ठाड मेरुं रुम
वड ३९ रुम मरु मेरु यमम मिष्टयड निये

गी-
५३

उचक्रउचक्रः रुद्रमष्टमं कर्मस्य लभा ॥ ३७ ॥ भ
पिङ्गुउपिमेवंभं भपियल्लमयेविरुः ॥ पूया ॥ रु
लेपिसभं उविरुदक्रमेउभः ॥ ३८ ॥ पुत्रिनीठरु
नीउप्रपतिपङ्कजविह्वयैगमभृमीदा
धूद्वनभं वमेष्टनविष्टनयेगेनभ ॥ पुनंष्टनः
पुनउठरु ॥ किंउचक्रकिभष्टमं किंकर्म

रुधेउभ॥ अण्डिउंमकिं भूतु भण्डिमेवंकिमसृउ ।
अण्डियल्लः कंषकेइरुंरुंभिंमपुममन ॥ पय
कलेमकषेलेयेभिनियउंरुहिः ॥ ३ ॥ श्रीरु
तत्तपुत्राय ॥ अकरंवरुपरमंभुठवेण्डुभसृ
उंरुउठवेरुवकरेविमतः कसमंल्लके ॥ ३ ॥ अ
ण्डिउंकरेठवः पुरुषसुण्डिमेवउं ॥ अण्डियल्ले

गी-
५३

मेव श्रेष्ठे मेरु रुद्रं वा ॥ ८ ॥ अत्र कलेस भ मेव भ
रुद्र कलेवर भा ॥ यः पूयति भ मरुवं यतिना
भूरभे मयः ॥ ९ ॥ यं यं वापि भद्रं कुरु वं हृष्टं हृष्टे क
लेवर भा ॥ उं उं मे वै उि के उे य भ म उं रु व ठ वि उः
॥ उं भद्रं चैष कलेषु भ म भद्रं भद्रं यद्भुज म भद्रं
पि उं भवेत्तु हि म मे वै धृ मि भं मयं ॥ १ ॥ मह म ये

गयज्ञेनमेतमात्रज्ञाभिन् ॥ परमंपुरुषंमिदंय
दिपाज्ञानमिदंयत् ॥ ३ ॥ कविंपरात्मनसमिदं
रमलीरूपंयममनमरेहः ॥ मचक्षुण्डारममि
दृक्पममिद्वलंतममःपरमुत् ॥ ७ ॥ पूयात्मा
कलेमनममलेनठकयज्ञेयैगवलेनमेव ॥ इवे
मदेपूमावेष्टमष्टकंउपरंपुरुषमपैतिमिद्व

भा०॥ यमकरं वैरु विमै वरु त्रिविमत्रिय हउ ये वेउ
रगः॥ यमिक उै वरु मटं मर त्रिउउे पमै मरु रु ॥
पूवहे॥००॥ भवद्वार लिमं यमृ मने रु मि विरु
मृम॥ भवृणय मृ न पू ॥ म भिउे ये गण र ॥ म
मभिदेक करं वरु वरु रु म भन म्भर न॥ यः पूय
त्रिहृ के रु मय त्रिपर मं गति मा ॥०॥ म न वृ म उः

मउउंयेभंभ्रगतिनिहमः॥उभ्रदंभलठःपाऊनि
हयऊभ्रयेगिनः॥०८॥भभ्रपेहपनलमरुःप
लयभमसुउभा॥नभ्रवतिभरुमनंभंभिकुं
गभंगतः॥०९॥भ्ररुऊवनल्लैकापनरवतिनं
लन॥भभ्रपेहउकैउयपनलमनविहउ॥०९॥
भरुभ्रयगपदउभरुदरुऊल्लैविरुः॥रिंय

गी-
५५

गभरुभालिउतेउरेश्विमैः॥०१॥मवऊव
ऊयःभवःपूठवउरुगमे॥रहगमेपूलीयते
उरेवउऊमैः॥०३॥ऊउगमःभतवायेऊऊ
ऊऊपूलीयते॥रहगमेवमःपाऊपूठवउरुग
गमे॥०७॥परभभउठवेउरेउऊवऊःभनउनः
यभभमेषऊउधनसुऊनविनसुति॥३॥मवऊ

करुड्डुमभमपुमभंगडिमा ॥ यंपुष्टुनि
वउउउडुमपुमभम ॥ १० ॥ पुरुषः मपरः पड
ठहुलहुभुनवय ॥ यष्टुमुनिहुडनियेनम
चमिंउडमा ॥ ११ ॥ यश्कलेहुनवाडिमायाडिं
मैवयेगिनः ॥ पूयडयडिउंकलेवकाभिठर
उडठ ॥ १२ ॥ मगिहैडिरुः मुक्तपडुमउ

गी
५०

उरयलं उरययउगसुतिवक्रवक्रविमेलनः
प्रमेरिभुषनसुः धल्लभामकिलयनं उरमं
कमभंष्टिदिगीपृष्टनिवउउ ३५ सुल्लनप्रेगी
हउल्लगतः मसुगीभउ ॥ एकययहनव्यतिम
वृयवउउपन ॥ ३७ ॥ नैगीभउपकएनटैगीभ
रुतिकसुन ॥ उभम्वेषकलेषुयैगयऊठवल्

न ३१॥ वेदेषु यल्लेषु उपः भवेत्तस्मै नैष यदुष्टं
लेपुमिषु मा॥ अदेति उक्तं च भिरुं विरिक्तं येगी प
रं भुवनभेदेति माह मा॥ ३३॥ एति मीरुगवल्ली॥
मुपनिषद्गुरुं विदुषं ये गमा भूमीरुप्लु
लनभं वरुं भुवनभयै गे न मा भुमिष्टायः ॥
मिह गवानवाम॥ विदुं सं उ उ गुह्यं भेधु वक्तुं भुन

निद्रुड निपसुमेयेगमैसुरभा ॥ इउरुउमइउमे
मभाइइउरुवर ॥ ५ ॥ यषकमभिकुडेनिहंवयुः
मचइगेभरुन ॥ उषमचलिइउनिमइनीइ
पणय ॥ ७ ॥ मचइउनिकेडेयपूरुडियनिभा
भिके ॥ कलकयेपनभनिकलरुविमरुपु
रुभा ॥ १ ॥ पूरुडिभमणिपुयविमरुमिपनः

गी.
५३

कृत्यमभिभक्त्युभवसेपूतवसग ३ नमभे
इतिकमलिनितप्रतिपत्तय ३५ भीनव
भीनमभक्त्युभवसेपूतवसग ३ नमभे
अयतेभक्त्युभवसेपूतवसग ३ नमभे
विवृतते ०॥ नवसप्रतिभेभक्त्युभवसेपूतवसग ३ नमभे
मिउभा पंरुवमसप्रतिभेभक्त्युभवसेपूतवसग ३ नमभे

भैषासभैषकमले भैषासुनविशेडमः ॥ राकभी
 भाभुंगीसैवपूदतिंभैकिनीमिडः ॥ ०३ ॥ भदक
 नमुभं पाऊरुवीपूदतिममिडः ॥ कएवृनवृभन
 भैल्लहृद्वडमिमहयभा ॥ ०४ ॥ भडउंकीडयतैभंय
 उउसुमपल्लवृडः ॥ नभभृउसुभंठहृनिहृयडाउ
 पभडे ॥ ०५ ॥ हृनयल्लनमपुहृयरातेभभपभडे

गी.
५७

एकडेनपाषण्डेनवरुणविश्वडेभापभा॥०५॥मरु
रुडरुडेयल्लःसुणरुमरुमेधपभा॥मत्रेरुमरु
मेवष्टमरुमगिरुदेरुडभा॥०६॥पिडरुमभु
ष्टगडेभाडण्डापिडमरुः॥वेष्टुपविशमेष्टुग
ज्ञमयष्टवेस॥०७॥गडिठडपूडमकीनिव
मःसरल्लमरुड॥पूठवःपूलयभुनेनिणनेवी

ॐ मन्त्रयभा ॥ ०३ ॥ उपश्रुतं मन्त्रं वदन्ति गाला धृष्ट
रुमिग मभा उच्चैव भादृष्ट मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं
इति ह मन्त्रं मन्त्रं पः प्रउपपयल्लिधु मन्त्रं ति
प्रउयते उम मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं
विम्वरं गाना ३॥ उं उं उं मन्त्रं मन्त्रं विम
लं कील्ल मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं मन्त्रं

गी.
७

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३० ॥ मनसि
वसति मया ॥ यद्विदुः पदं पदं ॥ उच्यते ॥ निहृदियुक्तं
नयेगके भवत्पुरुषम् ॥ ३१ ॥ येष्टुर्वदन्तु यत्
उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥ उच्यते ॥
पिप्रवक्तव्यम् ॥ ३२ ॥ मरुतिभ्यश्च यत्नं कर्तव्यम्
इति वचः ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३३ ॥

यत्रिमेववृत्तमेवदिद्वृत्तिपिद्वृत्तः॥ कृत्तनि
यत्रिद्वृत्तेष्टयत्रिमष्टास्त्रिपिमे॥ ३५॥ पत्रंपा
थंठलंतेयेमेठकापूयळति॥ उठळंठकूपळ
उंमश्रुमिपूयडमनः॥ ३६॥ यद्वृत्तेधियमश्रुमिय
द्वृत्तेधियमश्रुमिय॥ यडपश्रुमिकेतेयडकुषम
मदल्लभा॥ ३७॥ सुठसुठळलेगेवंमेठमेकद्वृत्त

गी.
७०

बने मन्त्रमयगयऊ म् विभक्तमामुपेष्टमि ३३
ममेकेमचक्रउधनमेकेष्टेभिनप्रियः येठ ५५
त्रिउमंठकुमयिउउधम पुठमा ३७ चपि
मेकुदरागरेठ ५५ उमामनटठका मापुगेव
ममउष्टुःमष्टुगिवमिउठिमः ३० किपुंठव
वतिपमममसुष्टुतिनिगऊति ॥ केउयपुति

स्त्रीनिमेषः पूयकृतिः ३० मंदिपञ्चदश
मिहयेपुष्टः पपयेनयः ३१ मियेवैसुमुषासु
मुपियत्रिपरागतिमा ३२ किपनदुःखः
पञ्चदशरत्नस्यमुषा ३३ निहमभापेलो
कमिमां पृष्टुः सुभाभा ३४ मन्तवम
कृतेमहत्तमं नमसुः ममेवैसुमियवै

[illegible]

॥

33

मरुममिदिद्वनंमरुद्वी०ममचमः ३ येमं
मरुमनमिमवेडिलेकमरुद्वीमा ममंभ्रमः
ममहेपमचपापमममृते ३ वद्विद्वनममंभेदः
कमःमहेदमःममः मापंरुःपंठवेठवेठयेम
ठयमेवम ॥ ॥ मदिममममृउधुमुपेननंय
मेयमः ठवतिठवद्वनंमडावपावमिणः

गी.
३३

मरुदयः मपुप्रवेमहरेमनवमुष मरुवभानम
एयेपंलेकडमः पूरः ॥ ७ ॥ एडं विह्रुतिंयेगेमम
मयेवेडिउहडः ॥ मेविकभेनयेगेनयुष्टेन३मं
मयः ॥ १ ॥ नरुंमचभूपूठवेमडः मचंपूवउडे ॥ डि
महठरुतेमं वरुठवममविडः ॥ ३ ॥ मस्त्रिडः ॥
मरुडपू ॥ ७ ॥ वेणयउः परभरभा कषयउममं

निहंतुं प्रवृत्तिमगमन्ति ॥ ७ ॥ उधं भउउयऊ नं ठं
 उं प्रीतिप्रचकभा ॥ रुमभिवृद्धियेगं उं येनभाभप
 यतिउं ०० उधं मेव नकभउमकं मल्लनं उमः
 नमयष्टं रुठवमेल्लनमीपेन ठं मुउः ॥ ०० ॥ ७ ॥
 भुवउवम ॥ पां वूऊ पांण भपविंशं पां ठवना
 भरुधं मा सुउं मिहभमिरेवमं विहभा ॥ ७ ॥

नी-
७५

भुभाषयः भवेत्तव धिक्तरुभुष ॥ अभिउत्तेवलेट्ट
भः सुयंमेव वीधिमे ०३ ॥ भवमेत्तस्य उं भवेयमं
दरुभिकेसव नदिउत्तगवहृज्जि विरुत्तेव नरुन
वः ०४ ॥ सुयमेव भन भनं वेकुं पुनयेत्तम कुत्त
ठवनकुत्तेमत्तेवमेव गद्यते ०५ ॥ वक्तुं भक्तुं सुमेये
॥ मिहृत्तु विदुत्तयः ॥ यत्तिचिदुत्तिउत्तेक नि

मंभुंष्टुष्टुभि कषंविहृभदेयैगिभुंभम
परिमितुयन॥ केषकेषमठवेषुमिहृमिठगवा
मय॥०॥ विभुंष्टुष्टुभि कषंविहृभदेयैगिभुंभम
न॥ द्वयःकषयष्टुष्टुभि कषंविहृभदेयैगिभुंभम
मिठगवा॥ रुतुतेकषयष्टुष्टुभि कषंविहृभदेयैगिभुंभम
मविहृभदेयैगिभुंभम॥

ग्री-

अमे ००॥ चरुभाङ्गगुणकैमभवकुटामयभि
 डः चरुभाङ्गिभृमष्टमकुटानमभुत्तवम ३
 सुमिहृनभकेविष्णुःष्टेतिधरविरंसुभान
 भरीमिहृनभमभिन्नकइलभकेसमी ३०
 वेरुनेमभवेमैमिहृनभमभिन्नभवः
 उद्विद्यलभनस्रभिहृनभमभिन्नमभुत्तवम ३०

रुद्रं मङ्गलं भद्रं वेङ्गमेयकरकमं ॥ वभुरं प
वकं भद्रं भद्रः मिषगिभं ॥ भद्रं ॥ भद्रं भद्रं
भाष्टं भद्रं विद्धि पाञ्चरात्रं भद्रं ॥ भद्रं नीन
भद्रं भद्रः भद्रं भद्रं भद्रं ॥ ३२ ॥ भद्रं
भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं ॥ यद्भद्रं
यद्भद्रं भद्रं भद्रं भद्रं ॥ ३१ ॥ भद्रं

गी
३३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ गच्छ ॐ मि
श्रमः भिक्षु नं कपिले मुनिः ॥ ३० ॥ उच्चैः सूत्रमभस्र
नं भिक्षु नं कपिले मुनिः भिक्षु नं कपिले मुनिः ॥ ३१ ॥ सुयु
नमः वरुणं उच्यते नमः भिक्षु नं कपिले मुनिः ॥ ३२ ॥ नमः
भिक्षु नं कपिले मुनिः ॥ ३३ ॥ नमः

उच्चमिन्नगनेवमल्लियरुमभरुमा पिच्छ
लभटमसमिद्यमःमंयमडभरुमा ३७ पु
ल्लमसमिद्यैहचंकलःकलयडभरुमा भा
गल्लमसमिद्यैहचंकलःकलयडभरुमा भा
वनःपवडभमिद्यमःसमृद्धडभरुमा राधा
ल्लमकरसमिद्यैहचंकलःकलयडभरुमा ३० म

गी-
७१

ननभकिरुत्तममंमेवकभलन॥ मष्टमविह
विहृनं वमः पूवममभरुमा ७३॥ चकैकर ७४
भकरैभिस्सुक्तः भभभिकष्टम ७५॥ मरुमेवकयः
कलेणउकंविष्टुतेभापः ७६॥ भद्रमचरुगस्तुभ
सुवस्तुविष्टुमा ७७॥ कीतिः मीवस्तुनगी ७८॥ भ
तिष्टेणप्यतिः कभ ७९॥ वरुमभउषभभंग

यशकृममरुमा ॥ ममनंमनमीर्षुमा ३
नंजुममकरः ॥ ३० ॥ कुतंकलयतामभिदो ५० ॥
५० ॥ भिनमरुमा ॥ ५० ॥ येभिदुवमायेभिदुमं ५० ॥
दुवतामरुमा ॥ ३१ ॥ वल्लीनं वमरुवेभिदुपा ५० ॥
वनं गनालय ॥ मनीनमपुकेहमः कवीनम
मनः कवि ॥ ३३ ॥ रुर्षुममयतामभिनीतिरभि

गी-
२३

स्मि गी धि उ मा ॥ मे नं मे व भि गु रु नं लु नं लु न व
उ म रु मा ॥ य स्य पि भ व क्त उ नं वी लं उ रु म रु
न ॥ न उ रु भि वि न य रु म य रु उ म र म र मा न उ
भि म भ मि व नं वि रु डी नं प र उ प ॥ स ध उ रु म
उ ॥ पू जे वि रु उ पि भु र भ य ॥ य रु वि रु उ भि रु उ
मी भ रु लि उ मे व व ॥ उ उ रु व व ग रु उ म भ उ रु

समंठवभा २३ मधववदनेतेन किंल्लनेउवद
न विधुहृदमिहंददुमेकंमेनभित्तिउएगग २४
उडिनीहगवत्रीउप्रपविधुहृदमिहंददुमेकंमेनभित्तिउएगग
ममेसीनधुलनमेवरेविहृदितियेगेनभरुम
मेहय॥ मल्लनउवद॥ मरुनगरुयधरमे
गुरुमष्टदुमेहंउभा यद्वयेऊवममुनमेद

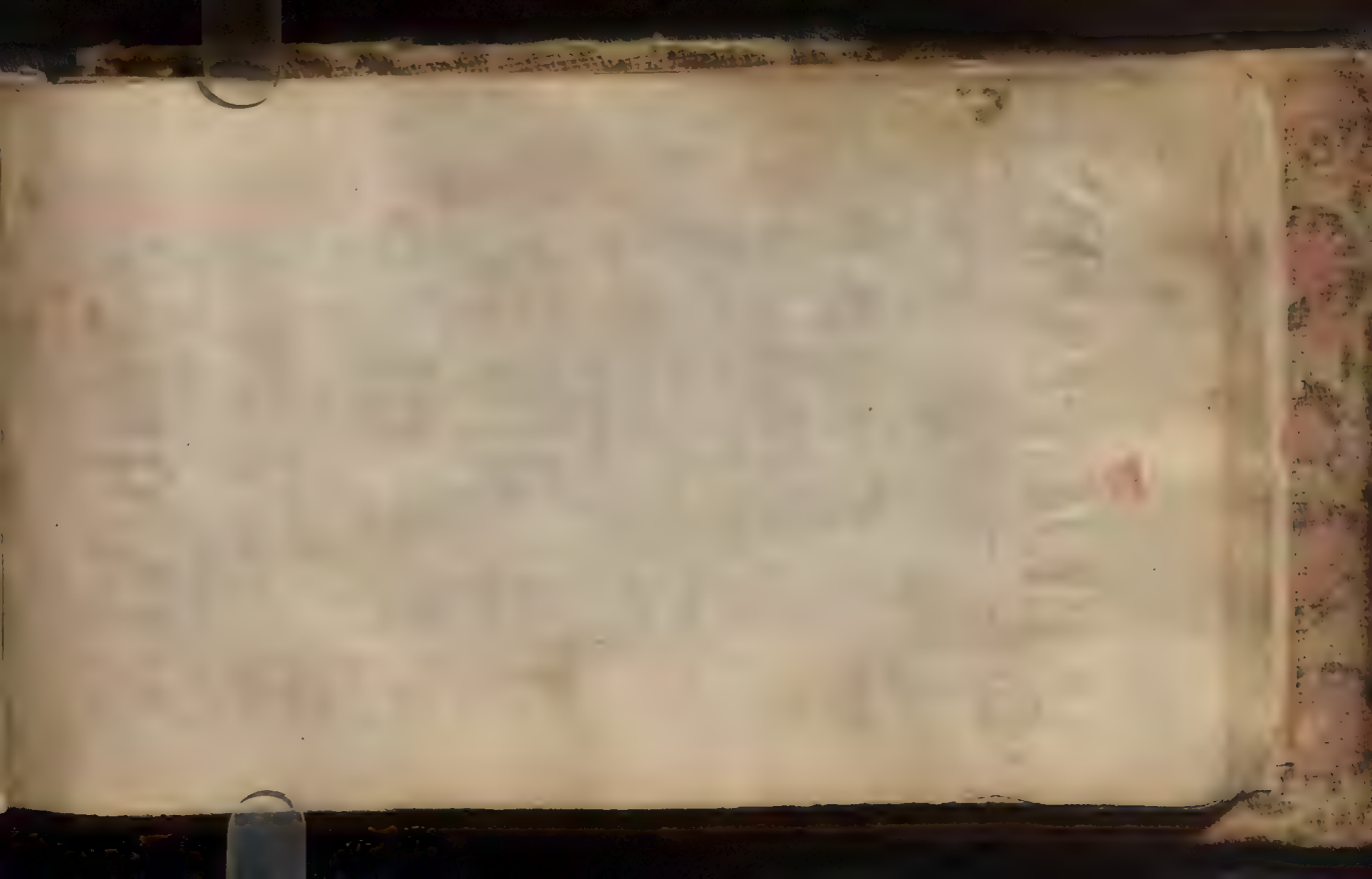
येविगाउमम ठवधुयैरिद्धनंमूडेविभुरमे
 मय ॥ इउःकमलपरकमरुद्धमपिगवृयभा
 एवमेउहृषउहृमरुद्धनंपरमेसुर ॥ रुधुमिद्धा
 मिउहुपमेसुरंपुरुषेउम ॥ मरुमेयमिउहुद्धंम
 यरुधुमिउिपूठे ॥ येगेसुरउउमेहुंरुचयम
 नमवृयभा ॥ श्री लगाव नवम ॥ पमृमेपउ

११-

७









दुपलिमउमैवमरुभूमः ननविणनिमिह
निननवलठनीनिस ५ पमुमिहवप्ररु
नविनेभरुउभुष वरुवरुपुप्रवलिपमु
सुदलिठरउ ७ ७रुकमंरुगहुहु पमुमि
भरुगभरुभा भमरुदेगुरुकेमयवृरु
मिहुमि १ नउभंमरुमरुपुभनेनेवम

गी.
१

कषा मिष्टं मरुभिः उमकः पशुमेयैगमैश्वरं ॥
मिष्टं मरुभिः ॥ एवमभूत्तु उमकः मरुयेगीश्वरे
रुतिः मञ्जयमभपञ्जयपरमं रूपमैश्वरभा
मनेकवक्त्रयनमनेककुडमञ्जयभा मनेकमि
ष्टं मरुभिः मिष्टं नैकैष्टं यथाभा मिष्टं मालम्भ
यथा मिष्टं गङ्गा नैकैष्टं मचमृष्टमयं मेवम

[illegible]

गी-
१०

॥ प्रष्टुभिर्देवं भुवनेवसेदेभवं भुष्टुष्टुवि
मेधमभ्यना ॥ वृक्षाभीमेकभलभनभुमा
धीष्टुभचनरंगसुमिष्टुना ॥ भुनेकवद्रुम
वक्रुनेइं प्रष्टुभिर्देभवं भुष्टुष्टुपमा ॥ ननुना
भष्टुप्रभुभुवमिं प्रष्टुभिविष्टुष्टुविष्टुष्टुप
मा ॥ ०० ॥ किरीटिनंगमिचंमहिंमउष्टुष्टुवि

भवते मीपुमत्रुभा ॥ पट्टमिहं रुत्रिरीकुं ममत्रु
मीपुनल कट्टिमपुमेयभा ॥ इमकरं परमं
वेमिउहं इमपुविस्सुपं निणवभा ॥ इमवयः
मसुउण्णगेपु मवउतं पुपुपे मउमे ॥ ०३ ॥
नमिमपुउमवउवीदमवउवां नममिमुदने
इभा ॥ पट्टमिहं मीपुनल मवउं सुउं मवि

८

सुमिरंउपतुभा ॥०७॥ सुवप्यविहैरिम्भतुंग
दिपुंडयेकेनीम्भमवः ॥ सुधुहुंउपम
गंडवेमंलेकरयंप्रहृषितंभरुद्गना ॥३॥ मभी
दिहभरमंयविमतिकेमिहीडः पूरुल्लये
गपति ॥ सुभीदृजभरुद्विः भिहभद्रभुवति
हंसुतिहिः पपुलकिः ॥३०॥ मरुमिहवमवो

गी.
७३

७

येमभष्टविष्टेष्टिर्भरुत्तैष्टुपाष्टु रात्रचया
कःभरभिष्टुभष्टुवीष्टुनेष्टुविष्टुष्टुष्टुवभवे॥
रुपंभरुत्तैष्टुवष्टुनेष्टुभरुवष्टुवष्टुवष्टुवष्टु
रुमा॥ वष्टुमरंष्टुमंष्टुकरलंष्टुमष्टुलेकःभु
ष्टुष्टुष्टुभुष्टुष्टुमा॥ वष्टुमष्टुमेष्टुमीष्टुभनेष्टुवले
ष्टुष्टुननेष्टुमीष्टुविमलनेष्टुमा॥ मष्टुष्टुष्टुष्टुष्टुष्टु

गी-
१३

ॐ उरुद्वयं त्रिं च विष्णुमि स भं स विष्णु ॥ ॐ ध्रुवकाल
निमते भाष निम्न ध्रुवकाल नल भविठ नि ॥ कि मे
न स ने नल ठे म म ध्रु भी रु मे वे स र ग वि व म
३५ ॥ म भी म हं य उ र ध्रु ध्रु प रः मे वे म रु व व नि
पाल म ह्यैः ॥ ठी ध्रु मे ॥ अ उ प र भु व भो म रु
म रु यै र प यै र भु यैः ॥ ३६ ॥ व रु लि उ रु म

ॐ विमतिमं धूकरल निरुय निक नि ॥ कंमिदि
लयममन नुरेधुमंरु/सुतेसुल उरुउमनैः ॥ य
षनमि वरुवेधुवेग म्भमरुमेवठिभाप रुव
ति ॥ उष उव भीनरलेक वीर विमतिवक्तु ॥ ठि
विणुलति ॥ १७ ॥ यष भूमीपुं ङलनं पउङ्ग विमति
नमयमभा सुवेगः ॥ उषेवनमय विमति लेक

गी.
१५

भुवपिवकुलिमभाकुवेगः॥३॥ लेलिरुमेगभा।
भानभमत्रलेकअमगत्रमनैलललिः॥३॥
ठिरप्रदगकुमगंठमभुवेगपुउपविविश्रेः।
आएदिमेकैठवत्रगुपेनमेमुउमेववरपूमीरु
विष्टुडमिष्टुमिठवत्रमकुंनदिपूरनमिउवपूव
तिं॥३॥ श्रीहगवभवासा॥ कलेभिर्लेककयरु

दूवाकुलेकमभरुडुभिरुप्रवाडः॥ पडेपिहंनठ
विष्टुमिचयेवमिडः॥ पूडिनीकेपयेणः॥ उभरु
भडिपुयमेलठभुलिठमरुडुडुगहंमभाकुभा
भयेवैडेनिरुडः॥ प्रचमेवनिमिडुभाइठवमवुभमि
ना॥ अ॥ म्मेमठीभंम॥ यरुषंमकलंडवट्ट
नपियेणवीरना॥ मयारुडुमुं॥ रिमवुषिपु

कभसुतेनमेरुमरुद्वजारीगीयमवृद्धं प्रमि
कते ॥ ननतुमेवेमलगात्रिवामरुमकरंमरुमउ
द्वयेयग ॥ ३१ ॥ ह्रममिमेवः पुरुषः पुरालभुमभु
विमुभुपरेनिपानं ॥ वेडमिमेवेमुपपरेमणमहु
यउउंविमुभनतुउपभा ॥ ३३ ॥ वायुदमेपिचरु
लः समरुः पुरपडिमुं पूपिडमरुसु नमेव

गी-
१०

मभेभेभुमभमभदभपुनसुद्रयेपिनभेनभमे ॥
नमःपुनभुमभपुनभुमभपुनभुमभपुनभुमभ
च ॥ ननतुवीदभितविक्रमभुंमचंमभपुंभिउउ
भिमचः ॥ १० ॥ भपेतिभदभुमभंयभुंभेदभु
कयभुवभपेति ॥ ननतुभभभभनतुवेभंभ
यभुमभुदभुंयेनवभि ॥ १३ ॥ यभुवभुमभ

ममहुँउमिविदुगमयुभनठे॥ नैष ॥ एकैषवपु
सुउदुमकंडुमयेदुमदुमपुमेयभा ॥ ३३ ॥ पिउ
भुलेकभुमगमभुदुमभुप्र॥ सुगुरुत्तरीयन
नदुममेभुदुपिकः ॥ कुँउलेकरयेपुपुतिमभुठवः
॥ ३४ ॥ उभादु॥ भुपु॥ उयकयेपुभादुयेदुम
दुभीमभीहं पिउवपरभुभापेवभादुः प्रियः प्रि

गी-
११

ययद्भिमिरेवभेद्भा ॥ २५ ॥ यस्मिन्पुत्रंलपितेभि
स्मिन्पुत्रयेनमपुत्रपितंभनेमे उमेवमेरुचयमेवकु
पंप्रमीरुमेवेमल्लगत्रिवम ॥ २६ ॥ किरीटिनेगमिने
मरुदमुभिस्तुमिहंरुपुमरुंडयेव उनेवकुपे
मउकुलेनमरुभूतलेठवविस्तुभउ ॥ २७ ॥ योहग
वावराग ॥ मयपुमत्रेनउवाल्ननेरुंकुपंपरंरुचि

उभाङ्गयोगः॥ उल्लिभयंविश्वभनतुभाङ्गंयमेकस्मिन्
ननम्/धूपचभा॥ ४३॥ नवमयल्लुष्टयनैत्रम्नैत्रम्
क्रियतिउपेकिरुगैः॥ एवंरूपःसकृत्सकृच्चले
केरुसुंरुम्नैत्रम्नपूवीर॥ ४७॥ भाउवृषभास
विभ्रमरुवेम्न/धूपपंथेरभीम्न/जमेरुभा॥ वृ
पेउहीःप्रीडमनःपुनसुंउमेवमेरुपभिरुंपूय

गी.
१३

सु ५० ॥ माङ्गल्यार्वा ॥ ७ इत्यनेन वसुदेवमुषेक
भुक्कपंमजयभमङ्गयः ॥ समभयभममणी
उभीनंङ्गपुनःमेष्टवपमङ्ग ॥ १० ॥ अङ्ग
७ ॥ सुष्टुभमपुष्टुपुष्टुमेष्टुष्टु ॥ ७
नीमभिभंवाःभमेःपुष्टुङ्गः ॥ ५३ ॥ अङ्ग
७ ॥ अङ्गमिष्टुपुष्टुपुष्टुमियम

म॥ क्वेवमपुमुठपमुनिहेमवनककि॥ ५३॥
नकेवेमैउउपमानमननमैय॥ मकपव
विपेरुपुंमपुवनमिमंयष॥ ५४॥ ठकठन
वृयमकमरुमेवंविपेलन॥ लउंरुपुंमउहेनपु
वेपुंमउहेपउप॥ ५५॥ मकमदमममैठकठः
मकवलितः॥ निचैरमचकउपुयममैठिप॥ ५६॥

गी
७

व ५५॥ ७३॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ निमग्नः कृत्वा
हृद्यं योगमभ्युपगच्छन् नमो वन्दे विष्णुपदम्
चतुर्भुजं ॥ ७४॥ ७५॥ ७६॥ ७७॥ ७८॥ ७९॥ ८०॥
मउउयऊयेठऊभुं पदयभउ ॥ येराधिकरभ
वऊउंउंउंकेयेगविउमः ॥ ८१॥ ८२॥ ८३॥ ८४॥ ८५॥ ८६॥
मृवेमृभनेयेभं निहयऊउयभउ ॥ मृदुयपरये

पेडा मुमेयुक्त मेमडाः ३॥ येदकरमनिद्वेष्टुमवृजं
पदपाभते ॥ मचरगममिद्वेष्टुमकुण्डमुममलेपूर्वभा
मत्रियमुद्रियगुंममचरममवकुयः ३५५५व
त्रिभमेवमचकुडकिउरडाः ४॥ क्लेमपिकउरमु
धमवृजमकुमेउमभा ॥ मवृजकिगडिमुपंरु
रुवकिगवधुते ५॥ येउमचलिंकदलिमयि

गी.
३१

महेश्वरः॥ नृनैवयेगेनमंष्टात्रुतपामते॥
उधमकंमभुक्तुमाहमंभारमगरा॥ ठवमि
नगिरचक्रमष्टावेमिउमेउमभा॥॥॥मष्टेवभन
अष्टमयिचक्रिनिवेसय॥ निवमिष्टमिभष्टेवच
उक्तुचंनमंसयः॥३॥ नष्टमिउंमभा॥ उंनमकेपिम
यिभिरभा॥ नष्टमयेगेनउंममिष्टपुंणगल्लय

महामेधममर्जेमिमकुमपरमेठव॥ मरुडमपिक
मलि कुचमिदिमवपुमि॥०॥ मवेउरुपुमर्जे।
मिकतुंमहेगममिउः॥ मचकमठलहगैउउः
ऊरुयउमवना॥०॥ मयेदिह्वनमहमहुन
हुनंविमेषुति॥ एनकुमठलहगभृगमति
गनउरभा॥३१॥ मवेउरुमवकुनंमैरकर॥

卅五

ऊः भमेपियः ॥ ०० ॥ येन ह पुत्रं न कुपितं मे गति
कदापि । सुठ सुठ परिहृणी कृति भावः भमेपियः
भमः स ईश भिदे गतं व भानव भानयेः ॥ श्री ३०
धुभापकः पेष भमः भग्न विवलिङ्गः ॥ ०३ ॥ उलूनि
कमुति मे नी भद्रं येन केन गिङ्ग ॥ अनिकेडः भि
गभति कृति भमेपियेनः ॥ ०७ ॥ येन पद्म भानव

गी-
३३

मिमं यषेजं पदपमते ॥ मरुण न मरुग म ठजः
मुजीव मे प्रियः ॥ ३ ॥ अति श्री क ग व ज्ञा प्रु य
पदु ज्ञा विदु यं येग म मे मीरु धु लन भं व
मे ठजि ये गे न भु म मे ए यः ॥ म लु न इ त म
वि भू न तिं प रु धं मे व के इ के इ लु मे व म ए उ के रि
उ मि सु मि लु नं लु ये म के म व ॥ श्री ठा ग व न व

ॐ मरीरं कौत्रयकेशभिरुठिणीयते ॥ तउरुवे
 तितं पूरुः केशल्लभितितुमः ॥ १ ॥ केशल्लं मपिभं
 विद्विभचकेशपठग ॥ केशकेशल्लं नयउल्लं नमउ
 मम ॥ २ ॥ उरुयस्ययम ॥ नयद्विकरियउस्ययउ
 मउयेयदुठवसुउमममेनमेम ॥ ३ ॥ दधिरि
 वरुणगीउं सुकेशिविविपैः ॥ ४ ॥ वरुअर

ये

द्वियजेध्वैरगुंभनरुद्रगावस ॥ १ ॥ नमोऽस्तुते
वृषिकःपदेधनमन्नभा ॥ २ ॥ नमोऽस्तुते
नःपुष्टारगपदमिष ॥ निदंममममिउदमिधु
निधुपपतिधु ॥ ३ ॥ मयिमनवृयेगेनठकिरवृठि
मगिल्ली ॥ विविक्तुस्ममेविदुभरडिलनमंभकि ॥ ४ ॥
मष्टमल्लननिदंउदल्लनरुद्रगावस ॥ ५ ॥ लल्लन

गी.
३२

मिति प्रेक्ष्य महान्यमते वृष ॥ ०३ ॥ ह्येयं यदुक्ता मि
यद्गुह्यमात्मवृत्ते ॥ परस्मिन्महान्वरुन्वमउवमरु
उ ॥ ०४ ॥ मचउः पालिपमं उचउकिमिरेभापं ॥ मच
उः मूतिमलेकं मचमवाहति प्रुति ॥ ०५ ॥ मचेम्रियग
॥ ०६ ॥ मंमचेम्रियविविलितमा ॥ ममउंमचरुसैव
विचुलंगुलठेकुस ॥ ०७ ॥ वकिरउसुकुउरममरंम

गमेवम॥ अक्रहउरुविल्लयंक्रमंमत्रिकेसउग॥०
मविठजंमद्रुडेधुविठजंमिवमभितुभा॥ कुरुकुरु
मउल्लयंमभिल्लपुरुविल्लम॥०३॥ ह्रिदिधभापिउह्रि
तिभुभमःपामसुडे॥ ह्रुनंल्लयंल्लनगभंल्लमिभचभ
पिधितुभा॥०७॥ उतिकेइउषल्लनंल्लयंमेजंमभम
ः॥ मरुऊगउविल्लयमरुवयेपपहडे॥३॥ ५३

गौ-
३५

तिं पुरुषं सैव विद्वन्मीडवपि ॥ विकरं स्रगुं
सैव विद्वि पुरुति मभुवना ॥ ३१ ॥ कदक रल क
दुदुदुदुः पुरुति रुमुते ॥ पुरुषः पुरुति मेदि
ऊ पुरुति सनु ॥ ३२ ॥ करं गुल मने मुरु
महे निरु मसु ॥ ३३ ॥ उपरु पुरु मसु मरुतु
ऊ मरु सुगः ॥ परम सुति मपुते रुदि मुरुषः

परः ३३ ॥ यत्नववतिपरुषं पूतुतिमगुल्लमदु
भवषवतुभा नेपिनमदुयेठिरयते ॥ ३२ ॥ ए न
नमनिपुष्टुति केमिदु नममन ॥ मतेभा
हृनयेगेनकमयेगेनमपरे ॥ ३१ ॥ मतेकुवमए
नतुः मूहटेहः उपमते ॥ उपिसातिउरतेवभाइं
मतिपरयः ॥ ३० ॥ ववमाहयते किंमिदुइं

गी.
५०

शुवरल्लमं॥ के३के३ल्लमंयोग उच्चिच्चिठरउघ
ठ॥ ममंमचेपुठुउपुतिपुतंपरमेसुरभा॥ विनसु
दुविनसुतुंयःपसुतिमपसुति॥३३॥ ममंपसुति
मचइमभवभिउमीसुरभा॥ नदिनभृद्वनद्व
नेउडेयतिपरंगतिभा॥३७॥ पुहुदेवमकमलि
क्रियमल्लुनिमचमः॥ यःपसुतिउघद्वनंमकउ

रंभपष्टुति ३॥ यमद्वयप/षष्ठवमेकमुभयपष्टु
ति ३३॥ अथमविभुगं वृद्धमंपष्टुति ३०॥ अथ
द्वित्रिचुल्लद्वयमधयमष्टयः ॥ मरीरमुपिकेते
यनकरोति नलिपुते ॥ ३३॥ यथाभवगतं मेकुलक
मंनेपलिपुते ॥ भवद्वयभित्तुमेकउयधनेपलि
पुते ॥ ३३॥ यथाभूकमयद्वेकः नृद्वैलेकंभिभंगविः

गी.
३१

केशकरल्लयेवभउरंल्लनमकध॥ कुरपुदुतिमेकं
मयेविरुदतिउपरभा॥ ३५ ॥ मुतिमीहगवनी
उभुपनिपकुनकुविहृयं येगमभेमीदधु
ल्लनमंवरुकेरुकेरुल्लनिहेमेन येगिदभयैहद
एयः॥ नीहगववम॥ विपंगुयःपूवहृभि
ल्लननंल्लनभउमभा॥ यल्लुइभनयःभवेपरंभि

द्विभिर्देवैः ० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
गङ्गाः ॥ मत्तैर्पितृपरायणैर्भक्तैर्नृपैर्भक्तैः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
येषाम्भक्तैर्भक्तैर्भक्तैर्भक्तैर्भक्तैः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
इति नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
भक्तैर्भक्तैर्भक्तैर्भक्तैर्भक्तैः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
पिता ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

गी-
३३

वः॥ निवप्रतिमरुवदेदेदेदिनमवयभा॥५॥
उमभुनिमलहं दृकमकभनमयभा॥ भापमह
नवप्रतिमरुवदेदेदेदिनमवयभा॥५॥ रलेरुगदृ
कं विविदृष्टमभमभरुवभा॥ उविवप्रतिकेते
यकमभमभनमदेदिनभा॥१॥ उमभुसुनलेविदि
मेरुनंमचमेदिनभा॥ भमरुलभुनिरुठिभा

विवर्णतिष्ठति॥३॥ महंभूपिमाह्वयति॥१५॥ कदा
मि०ठ०॥ ह्यनमवाहउमः प्रममेमाह्वयदुत
१५॥ भुमसुतिह्वयमहंठवतिठ०॥ १५॥ अहंउम
सुवउमअहं१५॥ भुष॥ ०॥ मचसुपुमेति॥
मिदुकमउपरयउ॥ ह्यनंयमउमविष्टासुव
हंमहमिदु॥ ०॥ लेठःप्रवाति॥ १५॥ कदा॥

गी.
३७

भमभभद्र॥ १५॥ श्रेष्ठनिरयतेविद्यकुठरउद्ध
०३॥ चपूकमेपूयाडिपूभमेभेरुतवम॥ उभ
श्रेष्ठनिरयतेविद्यकुठरनन॥ ०३॥ यमभद्रपू
यकुठरपूलयंयडिमेरुद्रु॥ उमेउभविमंले
कनभलद्रुडिपहृते॥ ०२॥ १५॥ मिपूलयंगद्रु
कमभद्रिपूरयते॥ उषपूलीनउभमिभ्रुठये

निषसयते ०५॥ कम्पः मरुतश्च रुम्भद्विकंति
मलंठलभा ॥ १॥ मरुतं लंठः पंभसुनं उममः ८
लं ०॥ मरुतश्च यते सुनं १॥ मेलैठारवम ५
मारुमेदो उममेठवते सुनमेवम ॥ रुचगच्छति म
रुममप्रेतिपुत्रि १॥ मः ॥ १॥ मरुतश्च यति
मरुतप्रेतिपुत्रि उममः ॥ ०३ ॥ मरुतश्च यति क ॥

गी.
७.

व॥ नमो भूमिभूतानि न निवाडयि कदापि ३३ उरु
भीनवमभीने गुलेदेन विमलुते ॥ गुल्लवउउउह
वयेवडिभुडिनेहते ३३ ॥ मभरुःपभापभुभुःमभ
लेभुमककनः ॥ उल्लुभियभियेपीरभुलुनिरुम
मंभुडिः ३२ ॥ मभपभभनयेभुल्लुभुलेभिरुगिपक
येः ॥ मभरभुपरिहगीगुल्लुडीडःमउसुते ३५ मंम

गी-

७०

येवृत्तिगरे ॥ ठक्ति येगेनमेवते ॥ भग ॥ ७ ॥ ममतीह
वृत्तकृययकल्पते ॥ ७० ॥ वृत्त ॥ ७ ॥ दिपूतिपूकभ
भाउमुवृयभूम ॥ मसुउभूमणमभूमपमैकति
कभूम ॥ ७१ ॥ ७ ॥ दिमोठगवृत्ती ॥ ७ ॥ अपनिध
वृत्तविष्टायं येगमभूमिदपू ॥ लनमंवा ॥ ७ ॥
॥ ७ ॥ यविठगये ॥ गनभमउदमष्टायः ॥ ७ ॥ श्री

रावचवम॥ विरुचमुलमणः सापमसुऊं पूरु
वृयभा॥ कुरुंभियधूपरु नियमुंवेरुमवेरु
विडा॥०॥ नणजेवंप्रभाउमुमुसाणगुलपूव
कुविषयपूवलः॥ नणजमुलवृनभउउरिक्
मनवव्वीनिभनपूलेके॥३॥ नरुपमसुऊउवेप
लहउउउरुमकिरुममंपूडिधु॥ नसुऊमेनंसु

गी.
७३

विष्णुमुलममङ्गममुलमल्लनकिङ्क ॥ ३ ॥ उतः प
मंडयिभानिउंययभिन्नत ननिवउतिङ्कयः ॥ उमे
महं पमपं पमहयतः पूवातिः पूमात पूमा ली र
निमलमैरुलिउमङ्गमे पमपमनिह विनिह
यउकभः ॥ सुकुविभक्तभापरुः अपमंल्लन
सुतुभक्तः परमवयंउत ॥ ५ ॥ नउरुमयउमुदे

नमः साकेन पावकः ॥ यज्ञह न विवउउउः सुभ पामं
भम ॥ ० ॥ भमं वं मे लीवले के लीव कु उभ न उ नः
भनः धधु नी क्रिय लि पूरुति भु निक घडि ॥ १ ॥ मरी
रं यरु वां प्रेडिय स्र धृङ्ग भडी सुगः ॥ गप की द्वे उ निर
मं यडि वा यत्त कु निव मय डी ॥ मे रं स क भ म नं
स र भ नं भू ल मे व स ॥ मणि धू य भ न स्र यं वि ध

गी.
७३

यत्रपमेवते॥७॥उरुमनुक्तिउंवपिडाहनुंवगु
विउभा॥विभुक्तुनपसुतिपसुतिपुनमकुधः
०॥यउतेयेगिनसुनंपसुहृदुवभितुं॥यउतेपि
वउहृदुनैनंपसुहृदुमः॥००॥यममिहगउते
लेल्लगहृमयउपिलभा॥यसुहृमभियसुहृ
उतेलेविहृमभकभा॥०३॥गमविहृमकुडा

निणयभृदमेरुम ॥ भृष्टमिमेधणीःभवःमे
मेरुदरमकः ॥ ०३ ॥ चरुं वैश्वरिदुदपुलि
नंरुदममिडः ॥ भृष्टपनमभयजःपमभृवं
मउचिणमा ॥ ०२ ॥ भवमरुदुमिभविविष्टुमडःभृ
डिल्लनभपेरुनंम ॥ वैरुमभैरुमेववेष्टुवेरुउरु
वेरुविमवमरुमा ॥ ०१ ॥ कविमेपुरुषेलेकेका

गी-
७२

स्वाकारावम ॥ करः भव ॥ क्रूर विद्रुष्ट भुकर उमृते ।
० ॥ उडमः पुरुषभूतः परमाद्देहमल्लः ॥ यैले के
इयम विष्ट विठट्टयं संवरः ॥ ०१ ॥ यम्भुकर मडी ।
उडमकरापि मेडम ॥ चडे भिद्वै के वेदे मभूषि
उः पुरुषेडमः ॥ ०३ ॥ येम मेवममभुद्वै एन डिपुरु
धेडमभा ॥ मभव विद्रुष्टि मं भवठ वेरठरड ॥

ॐ त्रिगुहः संसर्गमुक्तिं भवति ॥ १३ ॥ त्रिगुहः
विभक्तुः त्रिगुहः ३० ॥ १४ ॥ त्रिगुहः त्रिगुहः
अपविष्टः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः
त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः
त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः
त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः
त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः त्रिगुहः

गी.
७५

सुलवभा ॥०॥ अदिंम मटमरेण भूगः स त्रिग
पैसुनभा ॥ मय द्रुते पुलेलं मं वहीरा पले
३ उरः कभा पतिः सै मम के देन तिभ निड
ठवति मभ मं देवी भठिर उभुठ रड ॥ ३ ॥ रुभे रुदे
ठिभ न सुरेणः पन प्रमेवम ॥ अल्ल नं ग ठिर उ
सुप द्रु मभ रुम मगीभा ॥ ८ ॥ रुवी मभ सिभे

कायविचित्रयभरीभउ ॥ भासुमःभमरुंरुवीम
ठिरण्डेभिपाव ॥ ५ ॥ सेकुउमनेलेकेभिद्रुव
मुमुगावम ॥ रुवेविभुरमःपेरुमुभरंपकुमम
॥ ७ ॥ पूवाडिमनिवाडिम ॥ ननविरुगसुराः
नमेगंनपिसागरैनमहंउपुविहउ ॥ १ ॥ नमहा
मपूडिपुंडे ॥ गरुडगनीसुरं ॥ नपरभरमभुउ

गी.
७०

किमवदुमभेउकभा॥३॥पुंमिभिवप्रहृनप्रम
नेल्दवृयः॥पुठवदृगकमः॥कययः॥गडेदि
३॥७॥कमभामिहृमपुंमभुभानभमविडः
मेककुलीकमभृकद्ववउतेसुमिडः॥०॥मिड
मपरिमयंगपुलयउभपामिडः॥कमेपठेग
परभापउवमिडिनिमिडः॥००॥सुमपमम

उत्तुःकभरूपपरय ॥१॥ रंरुत्तुकभठेगकुभा
वृयेनकुभाङ्गय ॥०३॥ ॐरुमहमयलवुमि
रंभ्रभ्रभनेरषभा ॥०४॥ रुमभ्रीरुमपिमठविष्टि
पुनचनभा ॥०५॥ नभेभयदुःसङ्गनिष्टेप
रनपि ॥०६॥ रंमुनेरुमठेगीमिष्टेकंवलवकुपी ॥०७॥
सुष्टिठि ॥०८॥ नव नमि के वृष्टिभरुमेभय ॥ यष्टे

गी-
७१

रुष्टमिमेदिष्टुष्टल्लनविमेदिता ॥ ०५ ॥ चनेकमि
उविष्टुमेरुल्लममवाता ॥ प्रमज्जकमठेगे
पुपउतिनरकेमुमे ॥ ०६ ॥ सुद्धमभुविता ॥ मुद्धा ॥ प
नमानमभुविता ॥ यद्धेनमयल्लेमुद्धमेनवि
पिप्रचकभा ॥ ०७ ॥ सुद्धल्लेवल्लेमुद्धमेनवि
मिता ॥ मभाम्परमेद्धुपुद्धिधत्तेहमयक ॥ १

उत्तरं द्विषतः कुरु मं मरे पुनरपमान ॥ किपु भू
लभुम सुठन भुगी सुवये निषु ॥ ०७ ॥ सुभुगी ये नि
भापत्र भुम लभुनि लभुनि ॥ भामपुष्टेव के उ
यउयेय तृपमंगतिभा ॥ ३० ॥ दिविपंनरक सुमं सु
रं न मनभमनः ॥ कभः कुरु भुष लेठ भुमरु
उयेय लुडा ॥ ३० ॥ एउेचिभुजः के उयेय उमे सु रा

गी-
७३

श्रुतित्रयः॥ अमरद्वयः मेयः मुडैयतिपरंगतिभा
यः माभुविणिभक्तुवउतेकभकरः॥ नमभि
क्षिभवप्रेतिनभापनपरंगतिभा॥३३॥ उभक्तुभु
भुभालंतेकदकदवृवभित्ति॥ सुदमभुविण
नेतेकदकउभिरुदभि॥३४॥ उतिनीहगवनी
उभुपनिभक्तुवृद्विहयंयेगमाभुमीरुद्व

लनभंवा... यः ॥ चलनउव... ॥ त्रियेमाभुविणिभम् ॥ ५५
 ॥ त्रैमूक्याविडः ॥ उधंनिधुउकरुपुमदम
 देगल्लभुमः ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
 कूरेदिनंभभुठवर ॥ भादिकीरल्लमीसे
 वडभमीसेडिउंम ॥ १ ॥ ३ ॥ मरुवडुपमचष्ट

गी
७७

मङ्गलवतिठरत ॥ मङ्गमयेयंपरुषेयेयसूङ्गःभा
वमः ॥ ३ ॥ यस्तेमद्विकीमेववृकरकांमिरस्मः
युङ्गङ्गुगं सुतेयस्तेममस्मः ॥ ४ ॥ नमभु
विकिउंयिरेउपुतेयेउपेस्मः ॥ ५ ॥ मङ्गलद्वरमेयङ्गः
कभरागवलविडः ॥ ५ ॥ कद्ययतःमरीरभुङ्ग
उगभमसुतमः ॥ मंमेवतुःमरीरभुङ्गविष्टम

रनिष्ठयना॥०॥ सुदरभुपिमवष्टुदिविष्टवति
प्रियः॥ यल्लभुपभुषमनंतं पंठमभिभंम्य॥
सुयभुद्वलनेष्टुभापपीडिविवचनः॥१॥ सुदरः
भ्रिगुःभ्रिगुद्वलनेष्टुभापपीडिविवचनः॥३॥ क
दभ्रलव॥४॥ सुदरभुपिमवष्टुदिविष्टवति
रल्लभुपभुषमनंतं पंठमभिभंम्य॥५॥ यउय

गी
०...

भंगारमं प्रतिपदपिउं गयडा ॥ उच्छिष्टमपिगमा
एहे ॥ नउममप्रियमा ॥ मरुलककिठिद ॥
विणिमूय ॥ ५५३ ॥ यधुहमेवेडिभनः मभाय
ममादिकः ॥ ०० ॥ मरुमनूयउठलेमभुऊमपि
मेवयडा ॥ ५५३०१३मूयुंय ॥ विक्किग ॥ म
मा ॥ ०३ ॥ विणिदीनमभा ॥ पूवंमनुदीनंमरुकि ॥

भा मू विरिडिउंयल्लेउममंपरिमकउ ०३
 केवडिउंयल्लेउममंपरिमकउ ०४
 मदमडिउंयल्लेउममंपरिमकउ ०५
 वदमडिउंयल्लेउममंपरिमकउ ०६
 नममडिउंयल्लेउममंपरिमकउ ०७

गी.
००

उष्टुते ॥ ०० ॥ मङ्गुषा पश्य उष्टुपमुद्रिविपं नरेः ॥ पठ
लकक्षिदिदं ज्ञेः मङ्गिकं परिमकते ॥ ०१ ॥ मङ्गुषा
नप्रसक्तं उपैरुमै नमैव यज्ञ ॥ क्रियते उष्टुपुष्टुं ग
मं मलमपूर्वमा ॥ ०२ ॥ अष्टगुण नमै नैयद्यीरु
यक्षिये उष्टुपः ॥ यष्टुष्टु नमै नमै नमै नमै
रुष्टुमा ॥ ०३ ॥ रुष्टुष्टु मित्रियरु नमै यष्टु नमै नमै

ॐ मेकलेमपइमउरुनंमहिकंभुउमा॥३०॥ ये
उपुदुपकरंउलभमिभुवपनः मीयउमा
परिकिभुउरु॥मभमलुउमा॥३०॥ मभमक
लेयरुनंमपइहसुमीयउ॥मभमउमवहउउ
उमभममलुउमा॥३१॥ विउरुमिउिनिहमेवु
॥मिउिणःभुउः॥वु॥मेनवेमसुयह

गी-
०-३

सुविदिताः परा ३३ ॥ उभयैर्मिदुमरुदयल्लु
नउपः क्रियः ॥ भूवतुतेविण नैऊः भउतुवृकवमिं
३४ ॥ उमिदुनठिमवृ यल्लयल्ल उपः क्रियः ॥ मा
नक्रिय सुविविणः क्रियतेमैकक द्वि तिः ॥ ३५ ॥
मरुवेमपठवेमभमिदुउदुयुष्टे ॥ भूममैक
मलिउषमसुक्रः पठुयुष्टे ॥ ३६ ॥ यल्लउपमि

मनेमभिरुतिःभमिडिमोसुतेकममैवउमडीयंभमि
इवठिपीयते॥३१॥ममसुयकउंमउंउपमुपुंदउं
मयग॥ममभिरुसुतेपउनमउदुइनेउदु॥३३॥
ममैवगवतीउअभविधदुचकविदुयंमिगम
भुमीदुधुलनभंवमैदिपुलविठगयेगेनभमभ
मनेयय॥मसुनउरम॥मिभवृमभुमरुव

म॥ हगैदिपुनपट्टाप्पुडिविणः मंपूकीडिउः॥
यल्लुनउपः कडुनहं कदमेवउग॥ यल्लुन
नउपल्लेवपवननिमनीधि॥ १॥ १॥ १॥ १॥
कडुलिमडुनहं कडुलनिम॥ कडुनीडिमेपडुन
निडिउंमउंमुउमभा॥ १॥ १॥ १॥ १॥
ल्लेपपडुन॥ मीडुउमुपरिहगडुमभाः परिकीडि

गी.
०५

३: १ कृष्णमिहवयकुम्भकयक्तेमठयदृष्टेग म
कृष्णमंष्टगंनैवदृगलंलठेग ३ कृष्मिह
वयकुम्भनियउंरियउंलन ॥ मंष्टकुलंमैवम
दृगःमठिकेभउः ७ ॥ नष्टेधूकुमलंकदकुम
लेननधल्लुउ ॥ दृगीमदमभविधुमेणवीक्षित
मंसयः ०० ॥ नदिरेदृकुमलंष्टकुंकदष्टमे

धः॥ यमुकमलहगीमहगीहृषीयते ००
अनिधुभिधुंभिधुंरिविपेकमः॥ ०१ ॥ ठलभा ठव
हृगिरं प्रहृउमं हृभिधुंरुमिडा ०३ ॥ योहृउ
निमलवदेकगः॥ निनिवेणमे ॥ मःहृउउतेप्रेम
निमिहृयेमचकमः॥ ०३ ॥ अनिधुनंउषक
उकरः॥ सपाषणियमा दिविणसपाषणैधु

गी.
०५

द्वैतमेव श्याममभा ०५ ॥ मगीरवद्भवेति द्रुमध
गठतेनः दृष्टं विपरीतं पादौ उभयैवः ३
इवमतिकृतं भद्रं केवलं उयः ॥ पशुद्वयं उवा
क्षिप्रमपशुतिरुदतिः ॥ ७ ॥ यश्चरुद्वयं उवा
वक्षिद्वयं लिपुते ॥ रुद्रपिमं भं लोकत्रयं
ननिवष्टे ०१ ॥ सुनंल्लयं परिहृष्टं रिविणं कर्म

ॐ नमः ॥ करं कर्म कर्तुं विविधः कर्म मङ्गलः ॥ ७३ ॥
 नमः कर्म कर्तुं विविधः कर्म मङ्गलः ॥ ७४ ॥
 नमः कर्म कर्तुं विविधः कर्म मङ्गलः ॥ ७५ ॥
 नमः कर्म कर्तुं विविधः कर्म मङ्गलः ॥ ७६ ॥
 नमः कर्म कर्तुं विविधः कर्म मङ्गलः ॥ ७७ ॥
 नमः कर्म कर्तुं विविधः कर्म मङ्गलः ॥ ७८ ॥
 नमः कर्म कर्तुं विविधः कर्म मङ्गलः ॥ ७९ ॥
 नमः कर्म कर्तुं विविधः कर्म मङ्गलः ॥ ८० ॥

गी.
००

उरुमुवरेकभिक्कदेमजमदेउकभा॥ अउरुजवर
लंमउउममममरुउभा॥ ३३॥ नियउंममरुदिउभा
गज्जिपउःरुउभा॥ अछलपुपुनकमयउमदिकउ
हउ॥ ३४॥ यउकमेपुनकममरुहुरेवापुनः
मियउंवरुलायमंउरुमममरुहउभा॥ ३५॥ अउर
देकयंदिंममनवेहमपेरुपभा॥ मेरुमरुहउक

मयउडमममसुडे ३५ मजमजेनरुंवासीणइमरु
ममविउः मिहूमिहूविचिकरः कडमहिकउसु
उ ३० रगीकमठलपुधलवूदिंममकेसुमिः रु
दमेकविउः कडरुमः परिकीतिउः ३१ मयजः
भूरुउः भूरुः म० नैधुतिकेलमः विधमीमीममरी
मकडडममउसुडे ३३ वड्डेः रुंमणउसुवगु०३

गी-
०१

भ्रुविपंम ॥ १ ॥ भ्रुसुभानममेधे ॥ २ ॥ यषकैनपनाल्लप
भ्रुविपंमनिवाडिंमकदकदेठयठये ॥ ३ ॥ वत्रंभेकं
मयवेडिचक्रिःमापकुभाहिकी ॥ ४ ॥ ययपदं
मपदंसकदंसकदमेवम ॥ ५ ॥ ययवदुरनति
चक्रिभ्रुपकुभा ॥ ६ ॥ ३० ॥ ययपदंमभिरियभा
वृडेउमभावाः ॥ ७ ॥ भवकुविपगीडंमवक्रिःमाप

कृतममी ३३ ॥ पृथययणयतेमनःपूलादि
यदियः ॥ येगेनहृदिसारि ॥ पृथिमपकम
दिकी ३३ ॥ ययउणमकमकृदणयतेल
न ॥ पूमनेनलककीपृथिःमपकृदमी
३२ ॥ ययभुप्रेठयमेकंविषमंममेवम ॥ नवि
मादिरुद्रेणपृथिमपकृतममी ३२ ॥ मां

गी.
०३

दिमनीरिविष्टंम्य॥ मेठरडछठ॥ चहुभाहुमडे
यइरुःपुंमविगच्छति॥ ३०॥ यडुमगुविषभिवप
वि॥ मेमपडेपमभा॥ उडुपंमदिकेपेऊंमहुवदि
पुमम॥ मा॥ ३१॥ विषयेद्वियमंयेगहुडुमगुम
डेपमभा॥ परि॥ मेविषभिवडुपंमगमंमड
मा॥ ३३॥ यमगुमचवडेगमापंमेऊनमहुनः ।

निहलसुप्रभमैकुंडममभमरुतमा ॥ ३७ ॥ न
उमभिप्रापिष्टं मरुदिवेधवपनः ॥ भंडपुरुति
लेमजयमेतिः शुद्धितुले ॥ ४० ॥ वृद्धक
दियविमं मुद्रुल्लमपगुप ॥ कर्मलिपुविठज
निष्ठवपुठवैतुले ॥ ४० ॥ समैरुममुपः मो
मंकत्रिलवमेवम ॥ हनंविष्टनमभितुं वृद्ध

गी.
०७

कमभुठवल्भा ॥ ३॥ मीदंउं पतिरुह्येयकुम्भ
प्रपलायनभा ॥ नभीसुगठवसुकं कमभुठ
वल्भा ॥ ३॥ नधिगैरुह्येयकुम्भ
वल्भा ॥ परिमदं कं कमभुठप्रपिभुठवल्भा
भा ॥ ३॥ सुसुकं कं ठिगः मंभिङ्गिलठउं नः
सुकमनिगः भिङ्गियष विरुतिउं ॥ ३५ ॥

यः प्रवर्तिमानं येनमचमिमंउतभा सुकमा
७७उमहृचमिहिंविहृतिमानवः॥८०॥मयानु
पमेविगुलः॥पगपमदुनधुता॥सुठवनिय
उकमज्जचवप्रेतिकिलिषभा॥८१॥मचगभु
दिमेधे॥प्रमेनगिरिवथा॥८२॥मदुलंकमके
जुयममेधमपिनहले॥८३॥ममज्जवहिमव

गी-
०००

लिङ्गविगडभूतः॥ त्रैलोक्यमिदं परमं भव
मेव गिरिगच्छति ॥ १७ ॥ मिदं पुं प्रियं वक्रत
प्रतिनिवेद्य मे॥ भव मेव तं कुरुते यनिधुः सुप्रभु
पा ॥ ५० ॥ वक्रविमलयायुक्ते एतद्भवेनियम
म॥ सकृन्मीविषयं भुङ्क्ते रगद्वेषे हृदभुम ॥ ५१
विविक्तमेदीलपुमीयवक्त्रयमभः ॥ ए

नयेगपगेविह्वैरगुंमभपमिउः ॥२३॥ मरुह्वं
 वलेमदंकभंरुपंपरिगुरुभा ॥ विभसृनिममः
 मतिरुक्रुययकल्यडे ॥२४॥ वक्रुक्रुः प्रभन
 दनमेमतिनकक्रुति ॥ ममः मवेप्रुक्रुप्रुमक्रुति
 लछडेपरभा ॥२५॥ ठक्रुभाभठिरनडियवट्ट
 सुमिउउउः ॥ उउमः उउउउउने विमउउमउउभा

५५

गी-
०००

भवकमष्टपिभरुजवलेमहुपमयः॥ भद्रभरु
रुवाप्रेतिमासुउंपरुमवयं॥ १०॥ मंडभाभवकमलि
भयिमहुभुभदरः॥ वसुयैगभपासिहमसुउःभउ
उंठव॥ ११॥ मसुउःभवरुनलिभद्रभरुउरिप्रा
भि॥ मयमेहभदरुगत्रमैपुमिविरुभि॥ १३॥ य
रुदरुभसिहयैदुःतिभरुमे॥ मिष्टैधवभ

यमुपहृतिभुंनियेकृति ॥ ५७ ॥ अठवल्लनकेदेयनिच
कमुनकम ॥ कडुनेमुभियमेककृतिपृष्ठवमेपिड
॥ ५८ ॥ गंसुरःभवकृडनेकृमेमेकनतिपुति ॥ इभय
कवकृडनियडुडकनिभयय ॥ ५९ ॥ उमेवमरल्लग
कभचठवेनकृड ॥ उडुभकडुगंमातिंभुनंभुपृ
भिमसुडभा ॥ ६० ॥ उडिडेह्वनभाष्टडंयकृकृकृडं

गी
००३

मया विभासेउरुमेयेयपक्षमिःषऊरु॥७३॥ म
चण्डउमंरुयःम॥७४॥ मेपरमंवमः॥७५॥ मिमेमृक
मिडिउउवहामिउकिउ॥७६॥ ममनरुवमरुऊ
मएलीमंनमभुन॥७७॥ ममेवैपुमिमंउउपुडिर
नेपुयेमिम॥७८॥ मचणमृयगिहृहृममेकंसर
लंदृ॥७९॥ मरुंरुंमवपपेहेमेकयिपुमिभासु

[illegible]

सनयल्लेनतेनकुमिधुःधुमिडिमभडिः॥१॥ मरु
 वाननअयसुमययमपियेनरः मेपिमरुःसुठ
 लेकधूपयधुष्टकम॥१०॥ कस्मिमेउसुउप
 मरुयेकगुमेउम॥ कस्मिमेउसुउप
 पनकुय॥१३॥ मरुयेकगुमेउम॥ कस्मिमेउसुउप
 मरुयेकगुमेउम॥ कस्मिमेउसुउप

श्री-
 ००१

[illegible]

गी
०२

मंभरुपमरुडंरुः विभयेमेभरुगल्लुहृष्ट
भिरुपनःपनः ॥ यरुयेगेसुगःरुप्रेयरुपकेरुनरु
रः ॥ उरुम्रीविलयेरुडिचुवनीडिदुडिदुभ ॥ १३ ॥ ॥ ॥
लीरुगवलीरुअपपिभरुडिचुवनीडिदुभ ॥ १३ ॥ ॥ ॥
म्रीरुनपुल्लनमंदरुमेसुपुल्लमेष्टयः ॥ ॥ ॥ ॥
रिसुवपुल्लमेसुपुल्लमेष्टयः ॥ ॥ ॥ ॥

ति॥ नारायणं नमस्कृत्य मन्त्रः भवेत्क्रियात्मिका
पिंवा यत्नेतिरपञ्चपुत्रीविभुष्टुतिः॥ नाराय
णं नमस्कृत्य मन्त्रः भवेत्क्रियात्मिका
पिंवा यत्नेतिरपञ्चपुत्रीविभुष्टुतिः॥ नाराय
णं नमस्कृत्य मन्त्रः भवेत्क्रियात्मिका
पिंवा यत्नेतिरपञ्चपुत्रीविभुष्टुतिः॥ नाराय
णं नमस्कृत्य मन्त्रः भवेत्क्रियात्मिका
पिंवा यत्नेतिरपञ्चपुत्रीविभुष्टुतिः॥ नाराय
णं नमस्कृत्य मन्त्रः भवेत्क्रियात्मिका
पिंवा यत्नेतिरपञ्चपुत्रीविभुष्टुतिः॥ नाराय

यः भवति सुदंभिः भवति सुदंभिः नरायण
 देवमभयते नरायणं धुवते नरायणं धुल
 यते नरायणं देवमभयते नरायणं धुल
 नः नरायणं देवमभयते नरायणं धुल
 नरायणं देवमभयते नरायणं धुल
 नरायणं देवमभयते नरायणं धुल
 नरायणं देवमभयते नरायणं धुल

न.
 ३.
 ११

यल्लः॥ भुगभां नगरयल्लः॥ सत्रुदिसुनगरयल्लः॥
नगरयल्लः॥ अवेमं भवेयुक्तं यस्तु हं भा॥ नयनिहै
विष्णुलक्ष्मि॥ निरुक्ते निरुक्ते निरुक्ते॥ निविचकले
निरुक्ते॥ सुक्ते देवा के नगरयल्लः॥ नक्षित्रीयेभि
कसिपुः॥ यावदेवमभिविष्णुदेववति॥ कुरुभम
रघिंदहमनः॥ भुगदवदुभन॥ मयतिपरमं प

३ विष्णुः पद्ममहयम् ॥ तत्रैव नगरम् ॥ सुपनिषद्
 भित्ति ॥ येनैव नगरम् ॥ सुपनिषद्मणीते ॥ ममवेहः
 पपेहै विभक्तैरुवति ॥ ममवेहः ॥ येनैव विभक्तैरुवति
 ममवक्त्रमनप्रेति ॥ इन्द्रमगह्, अत्रमगह्
 विभित्ते उदगेह्, उदगेनमऽति पञ्चाङ्ग ॥ नगरम् ॥ ये
 इपरिपुङ्ग ॥ विभित्ते कव, रं नमऽति कुकरे ॥ नगरम्

न.
 ३.
 ००

ॐ येति पञ्चकारिणि । तत्तु नरायणाय नमः ।
स्वेयं नरायणाय नमः । अष्टाश्वत्थं पद्मं गीते । मे न पद्मः
भवमयुगेति विवृतिः । पूर्य पद्मं यमो धंगे पदे उते
भाउहमसुतेति । पूर्य नरायणं पूर्य पद्मं पूर्य दसुते
ये । नरायणं नरायणं नरायणं उते नरायणं नरायणं
देमिति । यमहमसुतेये गीते नरायणं नरायणं ॥

[illegible]

卷一百一十五

यन्त्रिद्विभरु
रुडं पापं नरु
यन्
की
लठं
पुल्लि

